

PUBLISHED BY AUTHORITY

ब्रं० 9] नई बिल्लो, शनिवार, मार्च 2, 1985 (फाल्गुन 11, 1906) No. 9] NEW DECHI, SATURDAY, MARCH 2, 1985 (PHALGUNA 11, 1906)

हल भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जितसे कि यह अलग संक्रलन के कप में रजा जा सके (Separate paging is given to take Part in order that it may be filed an a separate compilation)

মাণ III--- আৰু 1

[PARTO III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेबा गरीक्षण, संब लोक सेवा आयोग, रेल जिमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी 1985

सं० ए०-32014/1/85-प्रशासन III-संघ लोक सेवा
्रीग में के० स० से० संवर्ग के निम्निलिखित महायकों को
्रिपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिए
श्रयवा श्रागामी धावेशों तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा
मायोग के कार्यालय, में तदर्थ श्राधार पर श्रनुभाग श्रीधकारी
के पद पर वार्य करने के लिए महर्ष नियुक्त किया जाता
है :--

क्रम नाम सं ०	पदोप्तति की ग्रवधि
1. के०एल० सूद	25-1-1985 से
	29-3-1985
	तक
2. श्रीमती भारती नरसिम्हा	25-1-1985 से
	29-3-1985
	तभ

विनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० ए०-32013/2/84-प्रशासन-1--राष्ट्रपित के० स० से० के स्थायों ग्रेड-1 ग्रधिकारी (चयन सूची कम सं० 2) 1983, श्री एल० बी० सिनाटे को संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में 17 दिसम्बर, 1984 से श्रागामी ग्रादेशों तक उप मचित्र के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

 यह मन्त्रिमण्डल की नियुक्ति समिति के अनुमोदन से जारो किया गया है।

एम० पी० जैन, श्रवर सचिव (प्रशासन), संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्राय न्याय वेद्यक विज्ञान प्रयोगशाला केन्द्रीय भ्रन्वेषण व्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं 1-25/84-मी एक एम एन एन / 197-राष्ट्रपति, केन्द्रोय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला के श्री एस के विज्ञान प्रयोगणाला के श्री एस के विज्ञान प्रयोगणाला के श्री एस के विज्ञान प्रयोगणाला को तदर्थ श्रीधार पर केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी, नई दिल्ली में श्रगले तीन माह दिनांक

18 जनवरो, 1985 से 17 प्रप्रैल, 1985 तक पुनर्रोजगार के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारों ग्रेड-2 के पद पर पुन-नियुक्त करते हैं।

> ग्रार० एस० नागपाल प्रणापिता प्रधिकारी (स्था०) केण्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरी

गृह मंत्रालय

≎. €

कार्मिक एवं प्रणासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई बिल्ली, दिनाक 5 फरवरी 1985

मं० ए०-64/68-प्रशासन-5-निर्वतन होने पर श्री ए० बी० बेलगल, उप विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 31 जनवरो, 1985 के श्रपराह्म को श्रपने पद का कार्यभार त्याग विया।

दिनांक 8 फरवरी 1985

मं० ए०-1/70-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री एस० के० सक्सेना वरिष्ठ शोक ग्रिभियोजक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 31 जनवरी 1985 के प्रप्राह्म से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में उप विधि सलाहकार के रूप मे सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० ए०-19019/1/78-प्रशासन-5 (खण्ड-2)-श्री ६० एन० रैनीसन ने दिनांक 1 प्रगस्त 1984 से दिनांक
31 जनवरी 1985 तक पुनर्नियुक्ति की समाप्ति के बाद
दिनांक 31 जनवरी 1985 के प्रपराह्न को ग्रपर निदेशक/
केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस ग्रपर महानिरीक्षक/विशेष
पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-19021/9/80-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन होने पर श्री डी० सी० सिन्हा भा० पु० सेवा (विहार: 1971) पुलिस ग्रधीक्षक केन्त्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना पटना शाखा को सेवाएं 1 फरवरी, 1985 के भपराह्न से विहार सरकार को सौंपी जाती है।

ग्नारं एस० नागपाल प्रशासनिक मधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नर्ड दिल्लो, विनांक 28 जनवरी 1985

मं० ए०-12012/1/84-प्रमाशन-1-समृत्वय निवेशालय (पुलिस बेतार) के नकनीको अधोक्षक श्री ई० ए० मिचिगन को समत्वय निवेशालय पुलिस बेतार में 10 जनवरी 1985 से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा श्री आई० पी० के० मेनन के अतिरिक्त सहायक निवेशक (बीज०) के पद पर प्रत्यावित्तत होने तक इन दोनों में जो भी गहले हो 650-30 740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में तवर्ष आधार पर श्रतिरिक्त

सहायक निवेशक (बीज०) के पद्पर पदीस्निति किया जाता है।

वी॰ के॰ दुवे निदेशक पुलिस दुरसंचार

लाल बहातुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी मसूरी, दिनांक 5 फरवरी 1985

सं० 2/7/81—स्थापना—इस कार्यालय समसंख्यक मिन सूचना दिनांक 30 जुलाई 1984 को जारी रखते हुए श्रीमती मंजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक श्राचार्य के पद पर तदर्थ भाषार पर नियुक्ति दिनांक 4 फरवरी 1985 से भागामी छ: भाग के लिए या उनकी नियमित रूप से नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो बढाई जाती है।

> ए० के० श्रग्रवाल उप निदेशक (वरिष्ठ)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मई विल्ली-110003, दिनांक े फरवरी 1985

सं० मो० दो० 1972/84-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रिवन्द्रा नाथ कामन को 10 जनवरी 1985 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा मधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० पी० जखमोला सहायक निदेशक (स्थापना)

नई क्रिल्सी, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० धो० दो० 2003/85/स्थापना — महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर मन्जर झाफिक को 22 अनवरी 1985 पर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए धथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ध्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में सहवें नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1985

सं ग्रो० बो० 15/18/80-स्थापन -श्री टी० के० सन्याल सहायक निवेशक (त्रिधि) का देहांत दिनांक 28 जनवरी 1985 को हो गया है। उन्हें दिनांक 29 जनवरी 1985 पूर्वाह्म से पुलिश की गणना से हटा दिया गण है।

> प्रशोक राज महीपायीं सहायक निषेशक (स्थापना)

	~	~ -	
महा	713	707	תכונות
וסר	111	44	(() •

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई बिल्ली-110003, दिनांक 5 फरवरी 1985

सं० ६०-16013/1/12/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री स्वर्णजीत सेन भा० पु० से० (आंध्र प्रवेश: 68) की पदीश्रति पर 22 जनवरी 1985 के अपराह्म से केन्द्रीय भौदी- गिक सुरक्षा बल मे प्रतिनियुक्ति अवधि के आधार पर ६० 2000-2250 के वेतनमान मे उप महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

(हु०) अपठनीम महामिदेशक के० औ० सु० बल

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा श्रौर हकवारी) महाराष्ट्र-1

बम्बई-400020, दिनांक 22 जनवरी 1985

प्रशासन-1/सामान्य/31-खंड-III-सी:0-1 (1)/389-महालखाकार-1 (लेखा) महाराष्ट्र धम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों की उनके नाम के सम्मुख निदिन्द किए गए दिनाक से आगार्म, आवेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकार, नियुक्त करते हैं:--

ऋम नाम र्स०	दिनांक
 श्री जे० एन० बानावलीकर श्री एच० के० दास 	29-12-1984 (पूर्वाह्म) 21-1-1985 (पूर्वाह्म)

एस० विश्वनाथन वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० 5117/ए०-प्रशासन/130/83-84-निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं नई दिल्ला मिम्नलिखित अनुभाग अधि-कारियों (आडिट) को उनके सामने अंकित तिथि से सहायक लेखा परंक्षा अधिकारी के रूप में 650-30-740-35-880-ई० बं १०-40-1040 हपए के बेतनमान में सहर्वनियुक्त करते हैं:--

कम् नाम सं०	पदनःम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री:			
1. पंरि वर्ष्ट भास्त्रे।	अनुभाग अधिकारं। (आ[डिट)	संयुक्त निदेशक लेखा पर्र.क्षा रक्षा सेवाए दक्षिणी कमान पूर्णे।	5-1-85
2. एस० ए० नैनर	-यथोपरि-	–यथोपरि −	5-1-85
3. श्रा बंश्व आरव रवी	~यथोपरि~	सयुक्त निवेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं (वायु नेना) बेहरादून।	5-1-85
		भगवान श	रण तायल

भगवान शरण तायल . संयुक्त निदेशक रक्षा सेवाएं लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विमाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ला-110006, दिनाक 7 फरवरी 1985

सं० प्रशासन/1/1904/5/जिल्द-1-श्री एस० प्राक्षीरथन रक्षा लेखा मह यक नियत्रक (तदर्थ) को दिनांक 30 सितम्बर 1985 को (उनकी जन्म तिथि 19-9-27 होने के कारण) 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 1-10-85 (पूर्वाह्म) मे पेशन स्थापना को अन्तरितों कर दिया जाएगा और तदनुसार मूल नियम 56 (ए) की शानों के अनुसार उनका नाम दिनांक 30 सितम्बर 1985 (अपराह्म) मे रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया जाएगा।

े ए० के० घो रक्षा नेखा अपर महानियंत्रक (प्रणासन)

कार्यालय रक्षा लेखा नियतक

बंगलीर, दिनांक 31 जनवरी 1985

प्रशासन/1141/3—श्री एम. मस्लू, अस्थाई सफाई-बाला मुपुत्र श्री मधु निवास नवस्वर 261 बालाजी रोड 11 ब्लाक टि० आर० नगर, बगलौर—28, और रक्षा लेखानियंत्रक बंगलौर मे सेवारत दिलाक 23 नवस्वर 1983 मे कोई रिपोर्ट किए बिना अनुपस्थित रहने थे। इसलिए केन्द्र य सिविल मेवाएं (अस्थाई सेवा) 1965 के नियमावल का नियम 5 का उप नियम (1) के अवलोकन में इस कार्यालय को जात पते पर दिनांक 15 सितम्बर 1984 को एक माह का नोटिस जिसे पहले भी भेजा गया है उसे डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए ''जगह छोड़ दो है — मालूम नही' श्रीर ''जगह छोड़ दी है प्रेषक को वापस लौटाया जाए" ऐसी टिप्पणियों के साथ वापिस प्राप्त हुआ है। इसलिए एतद्दारा ग्रिधसूचित किया जाता है कि श्री एम० मल्लू की सेवाएं समाप्त की जाती हैं।

> राधा ए० नंजनाथ संयुक्त रक्षा लेखा निमंत्रक

रक्षा मंत्रालय

श्रायुध निर्माणी बोर्ड

डी॰ जी॰ भ्रो॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल भेवा कलकत्ता-69, दिनांक 1 फरवरी 1985

सं 1/85/ए०/६०-1(एन० जो०)---वार्द्धक्य निवृत्ति आयुप्राप्त कर श्रोसुनिती कुमारभट्टाचार्जी सहायक (मौलिक एवं स्थाई महायक) दिनांक 31 जनवरी 1985 (श्रपराह्म) से मेवा निवृत्त हुए।

श्चार० के० चेल्लम सदस्य/कामिक कृते महानिदेशक श्रायुध निर्माणि

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य निवंत्रक भ्रायात--निर्धात का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 4 फरवरा 1985 भ्रायास और नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रणासन (राज०)-888---राष्ट्रपति
श्रीमती पी० स्वामीनाथन (केन्द्रीय सचिवालय मेवा चयन)
ग्रेड की प्रवरण सूची 1983) को संयुक्त मुख्य नियंतक
ग्राधात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में 21 नवस्वर 1984 से
श्रीर ग्रामे की 3 मास की ग्रवधि के लिए तदय ग्राधार पर केन्द्रीय
सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में श्रीर संयुक्त मुख्य नियंत्रक
आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते
हैं।

प्रकाश चन्त्र जैन भ्_{रु}यु नियंद्रक आयात एवं निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1985

सं० 1/2/8-प्रशासन (राज०)/8974---राष्ट्रपति, श्री एम० पी० इस्माक (केन्द्रीय मचिवालय सेवा ग्रेड-1, एस० चयन सूची 1983-कम सं० 69) को मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, में, 25 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्व से उस सेवा के ग्रेड -1 में श्रीर उप मुख्य नियंत्रक, आयात-

निर्यात के रूप में कार्य करने के लिए अगला आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

> राजिन्द्र सिंह, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

विकास आयुक्त का कार्यालय कांडला मुक्त ज्यापार क्षेत्र

गांधीधाम-कच्छ 370230, दिनांक 7 फरवरी 1985

सं० मु० क्षे० प्रणा०/7/2/84/2449—विकास आर्युक्त, कांडला मुक्त क्यापार क्षेत्र, गांधी धाम (कच्छ)श्री थोमस कुर्यन, आर्युलिपिक प्रथम श्रेणी, जो कि विकास आयक्त के व्यक्तिगत सहायक के रूप में कार्य करेते रहे हैं, को सहायक विकास, आयुक्त के पद पर, जिसका वेतनमान ६० 650–30–740–35–810–40–1000–ई० बी०–40–1200 है, को तदर्थ रूप से 25 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्म से पदोन्नति धौर नियुक्ति करते हैं।

व० श्री० गोपालकृष्णन, विकास आयुक्त, कांडला मुक्त ज्यापार क्षेत्र

उद्योग मंत्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई विल्ली, विनांक 11 फरवरी 1985

सं० ए०-31013/3/82-प्रणासन र्रा(राज०)--राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की, उनके प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से, लघु उद्योग विकास संगठन, में सहायक निवेशक ग्रेड-1 (यांविका) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

	अधिकारी का नाम	जिस तारीख से स्थायी किया
		गया .
*	म र्वश्री	
1	्टी० के० सुद्रहमणियम	1-4-1963
2	. आर० जी० पी० अस्थाना	1-4-1963
3	. बी० रा य	1-4-1965
4	🗼 एल० एस० माथुर	29-6-1965
5	. आर० एस० गुप्ता	28-12-1967
ϵ	 के० एस० लाम्बा 	1-3-1968
7	. एम ं कें वर्मा	1-3-1968
8	s. एस० सी० गर्ग	1-5-1968
9). आर० पी० चुष	1-5-1968
10). टी० आर० सहगल	1-7-1968
		मी० सी० राग्र

मा० सा० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग प्र॰-1)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं ० ए०-1/42 (41)/5—राष्ट्रपति ने महानिदेशालय में तदयं आधार पर निदेशक, पूर्ति के पद पर स्थानापन्न रूप से कायं कर रहे श्री एन० डी॰ जोग को दिनांक 30 मार्च, 1971 में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-3) के पद परस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

> एम० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान ग्रौर कोयला मन्नालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० ए०→19011 (189)/75—स्था० ए०—-राष्ट्रपति, श्री बी० एम० प्रभुगेत्तर, स्थाई महायक खान नियंत्रक को भारतीय खान नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनाक 17 जनवरी, 1985 पूर्वाह्न से, तदर्थ आधार पर 6 माह क लिए या उस पद को विभागीय पदोन्नति ममिति/संघ लोक मेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भेरे जाने तक, जो भी पहले हो, महर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1985

स० ए०-19011 (366)/85-स्था० ए०--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री एन० आर० खान, खानिज अधिकारी (आसूचना) को दिनांक 31 जनवरी, 1985 के पूर्वीह्म में भारतीय खान ब्यूरों में सहायक खानिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान न्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1985

सं० 4/75/84-एस० आई०--महानिदेशक, आकाशवाणी एतव्दारा सयानरानू कुमार रथ को 17 जनवरी, 1985 से अंगले आदेश तक 650-30-740-35-810--द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुष्ट् के वेतन-मान में आकाशवाणी सी०बी० एस० कटक में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद परनियुक्त करते हैं।

हरीशयन्द्र जयाल, प्रशासन उप निवेशक - कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 फर्करी 1985

सं० 3/61/83-एस०-तीन/चार-परोन्नति होने पर श्री आ० म० मिश्रा, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक ने 10-7-1984 (पूर्वाह्म) को चीफ इंजिनियर (ईस्ट जोन) के दफ्तर में तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के पद का कार्य-मार संभाल लिया है।

सं० 17/7/84-एस०-चार-महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, निम्नलिखित प्रवर इंजीनियरी सहायकों को उनके सहायक अभियन्ता की पदोन्नति पर (६५ए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में) उनके नामों के सामने दी गई तिथियों के सन्दर्भ आधार पर अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं:--

कम	नाम	तैनाती के केन्द्र क	 ार्यभार संभालने
सं०		•	की तिथि
	सर्वश्री		
1. 1	एस० एस० रावत	आकाशवाणी, इन्दौर	12-12-84 (पूर्वाह्न)
2. 3	अस्माराम	सी०ई० (नार्थ जोन)	12-12-84 (पूर्वाह्न)
3, 3	जी० नटराजन	एल० पी०टी० वी० तुरा	8-12-84 (पूर्वाह्म)
4. 7	एम० एस० मिश्रा	सी०ई० • (नार्थं जोन)	30-11-84 (पूर्वाह्न)
5.	अब्दुल रहमान	रेडियो कश्मीर, श्रीनगर	28-11-8 (पूर्वाह्न)
6. 3	वी० पी० सोनी ,	टी० वी० मेन्टिनेंस सेन्टर, अकोला	31-12-84 (पूर्वाह्न)
7 . 3	मुकुल करमारकर	सी० ई० (ईस्ट्जोन)	31-12-84 (पूर्वाह्न)
8	वी०एम० कचरू	डी० डी० के० (श्रीनगरः)	31-10-84 (पूर्वाह्म)
9.	आर० के०गंजू	लेह (आर्काभ- वाणी)	1-11-84 (पूर्वाह्म)

जे० डी० भाटिया, उप निदेशक (प्रशासन) कृतं महानिदेशक

स्वारम्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं० ए०-22012/4/83-के० म० स्वा० यो०-1--डा० अमला कृष्णा डे की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना बंगलीर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में बदली हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 10 दिसम्बर, 1984 (अपराह्म) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बगलीर के अधीन होम्यो-- पैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 26 दिसम्बर, 1984 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिस्ली के अधीन होंस्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० के० घई, उप निवेशक (प्रशासन) (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनाक 7 फरवरी 1985

स० ए०-19012/1/85/मण्डार-1--स्थास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री एन० के० कोली, स्थानापश्च कार्यालय, अधीक्षक, सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, वम्बई को 14 जनवरी, 1985 (पूर्वाह्म) ने आगामो आदेशों तक तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> आर० सी० गुलाटी, उप सहायक निवेशक (भण्डार)

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय इँधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं० का० प्र० भ०/0704/201—इस कार्यालय की प्रधि-सूचना सं० का० प्र० भ०/0704/47, दिनांक 7-1-1985 के कम् में सहायक लेखा अधिकारी श्रं: जु० सूर्यनारायण राव की ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी II के रूप में नियुक्ति को दिनांक 28-2-1985 पर्यन्त या आगार्म। श्रोदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, ग्रागे बहाया जाता है।

सं० का प्र० भ०/0704/202—हस कार्यालय की आधिस्ताना सं० का प्र० भ०/0704/46, विनांक 7-1~85 के कम मे सहायक लेखाकार श्री एन० भरतन की रू० 650-30-740-35-880-द०रो०-40-960 के वेसनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा श्रीधकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 28-2-1985 पर्यन्त या धागामी आदेशों पर्यन्त, इनमें से जो भी पहले घटित हो, भागे बढ़ामा जाता है।

जी० जी० कुलकर्जी, प्रबन्धक व कार्मिक व प्रशासक

राजस्थान परमाणु बिजलीयर

् अणुशक्ति-323303, विनांक 7 फरवरी 1985

सं० रापियय/भर्ती/7(8)/85/स्था०--नरोरा परमाणु विखुत परियोजना से स्थानापन्न होने के बाद श्री एन० के॰ शर्मा की राजस्थान परमाणु बिजलीघर के मुख्य श्रधीक्षक एतद्वारा दिनांक 21-1~1985 के पूल्लि से सहायक कार्मिक ग्राधकारों (६० 650-960) के पद पर स्थानार्यन्न कप से नियुक्त करते हैं।

> भा० ना० कटटी, प्रशासन मधिकारी (स्थापना)

अन्तरिक विभाग

इनसेट_ा / प्रधान निपंत्रण सुविधा

इसन-573201, दिनांक 25 जनवरी 1984

स० जो० एन०-003--प्रियोजना निदेशक, इनसैट-I, धन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, धन्तरिक्ष विभाग, श्री एच० एन० नागराज को इनसैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में विज्ञानिक/इंजीनियर एस० बो० के पद पर दिनांक 20 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से श्रीगामो धावेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जो० एन० 004—परियोजना निवेशक, इनसैट-I सन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, मन्तरिक्ष विभाग, श्री एम० जगरामी रेड्डा को इनसैट-I प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक/इजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 23 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से ग्रागामो मादेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जी० एन० 005—परियोजना निदेशक, इनसट-I अस्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अन्तरिक्ष विभाग, श्री एस० मंजुनाथ दशा को इनसेट-I प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक/इंजोनियर एस० वो के पद पर दिनांक 23 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जो० एन०-006---परियोजना निवेशक, इनसैट-- पन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, प्रन्तरिक्ष विभाग, कुमारो एस० टी० भाग्यलक्मी को इनसैट-- प्रधान नियंद्रण सुविधा, इसन में वैश्वानिक/इंजीनियर एस० बो० के पद पर विनांक 24 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से प्रागामो प्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

वो० पी० डी० नम्बियार, प्रशासन भिधकारी— कृते परियोजना निदेशक

इसन-573201, दिनांक 27 मगस्त 1984

सं० जी० एन०-0013--परियोजना निदेशक, इनसैट-I प्रन्तिरक्ष खण्ड परियोजना धन्तिरिक्ष विभाग प्रानिल कुमार भण्डीवाद को इनसैट-I प्रधान नियंत्रण सुविधा, इसने में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 20 श्रगस्त. 1984 के प्रविद्ध से झागामी आवेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 धक्तूबर, 1984

सं जी एन 014--परियोजना निवेशक, इनसैट-1, भन्तरिक खण्ड परियोजना, अन्तरिक विभाग, था बिठ्ठल बी भणनी को इनसैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन मे सं० एम० सी० एफ० प्रकाठ राज०/वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक अक्तूबर 1, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जी० एन 015—परियोजना निवेशक, इनसैट--प्रन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, श्रन्तरिक्ष विभाग, श्री टी० एन० सुरेश कुमार को इनसैट-I प्रधान नियंत्रण सुविधा, इसने में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 01 प्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से धागामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० जी०एन० 016—गरियोजना निदेशक, इनसैट-1 पन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, प्रत्सरिक्ष विभाग, श्री धार० त्यागराजन को इनसैट-1 प्रधान निमंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक/हर् नियर एस० बी० के पद पर दिनांक 01 धन्त्वर 1984 के ्र ह्र से श्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1984

सं० जी० ए 017—परियोजना निदेशक, इनसैट-I अन्तरिक्ष खण्ड पा ोजना, अन्तरिक्ष विभाग श्री बी० सीम-गेखर की इनसैट-I बान नियंत्रण सुविधा, हसन में वैज्ञानिक/ इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 15 नवस्बर, 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> वां० पी० डी० नम्बिपार प्रशासन मिस्रकारी-II, इते परियोजना निदेशक

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट

वंगलीर-560017, दितीक वर्ष 30 1984

सं० 12/49/78-प्रशासन—सहायक नोदन प्रणाली यूनिट के कार्यक्रम निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रन्त-रिक्ष विभाग की सहायक नोदन प्रणालो यूनिट के एस० सी० एस० डी० में वैज्ञानिक इंजीनियर एस० डी० के पदों पर स्थानापन्न रूप में द० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनयान में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से श्रागामी प्रावेश तक नियुक्त करते हैं:-

(पूर्वाह्न)

	(4) (1)
1 श्री जी० सुन्दरवडीवेलु	5-7-1983
2 श्रीजे० जर्कास्यास	1-10-1982
3 श्रीएस० प्रेमकुमार	31-1-1983
4 श्रीमती उषा देवी	7-2-1983
5 श्री ए० मणिमारन	31-8-1983
6 श्री घार० सुबर्माणयम	1-2-1983

ए० उन्नोक्णन, प्रशासन मधिकारी वन भ्रमुसन्धान संस्थान एवं महाविधालय

देहरादून, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० 16/435/84-स्थापना-1---ग्रध्यक्ष, वन ग्रनु-सन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहरादुन श्रो ग्रधने प्रसाद को दिनांक 5-1-85 की प्विन्त से ग्रगले ग्रादेशों तक -वन मुद्रा एवं वनस्पति सर्वेक्षण, वन ग्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय के कोयम्बट्टर केन्द्र में ग्रनुसन्धान ग्रिधिकारी के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

> जे० एन० सक्तेना, कुल सांचय वन प्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० 11-टी० आर० (11)/84-राष्ट्रपति, श्री टी० मुखोपाध्याय को 12-12-1984 (पूर्वाह्म) से आगामी बादेगों तक तदर्थ आधार पर मरीन इंजीनिवर प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में प्राध्यापक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

अमिता**भ चन्द्र,** नौवहन उप महानिवेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं• ए॰ 19012/1033/84-स्था॰ पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री शान्त कुमार घोष, पर्यत्रेक्षक को अतिरिक्त सहायक निवेणक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेंड में 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 कपर्य के वेतनमान में 28-10-1983 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई ग्रीर तदर्थ आधार पर स्थानाइ पन्न रूप में नियक्त करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1985

सं० ए०-19012/1068/84-स्था० पांव---अंडपक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री आए० के० उपाध्याय, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेग क/पहायक र जिन्दियर (इंजीनियर) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-इ० रो०--35-880-40-1000 द० रो०--40-1200 रुपये के वेतनमान में 22-9-1984 से 30-12-1984 (अपराह्न) तक को

अविधि के लिये पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थामा-पन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> मीनाखी अरोड़ा, अवर सचिव(समम्बद्य) केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिवेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई विल्ली दिर्नाक 9 जनवरी 1985

मं० 33/7/83-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, के० ली० नि० वि० सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के एक नामित श्री एम० एम० एल० भष्टनागर की सहायक उचान निदेशक अस्थाई पव पर सामान्य सेवा (ग्रुप "ख) में घपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में उचान निदेशालय में 3-12-1984 (अपराह्म) से नयें आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री एम० एम० एल० भटनागर को सहायक -उद्यान निदेशक के नाते उसकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अवधि के निये परीवीक्षा पर रखा जाता है।
- उनका प्रारम्भिक वैतन नियमानुसार निर्धारित किया आयेगा।

पृथ्वीपालं सिंह, प्रशासनिक उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

सं० 30/29/83-ई० सी० 1--राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल) की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में तदर्थ आधार पर उनके नामों के आगे दिखाई गई तारीखों से अगले आदेशों तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के नाते नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री

न्या	
1. के ६ एल ० लंगर	26-9-84
2. ग्रो०पी० गुप्ता-3	30-8-84
3 आई०पी० मिलल	20-9-84
4. आर० एम० अग्रवाल	29-10-84
5. जे० एन० मेन	30-11-84
.	(दोपहर बाद)
6, भारत भूषण	9-10-84
	श्रीमती नोना गर्ग
	प्रशासन उप निदेजक

लई विल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं० 27/ईई डी/(8)/81-ई० सी•~2—राष्ट्रपति ने श्री एम० एस० ढीगरा, कार्यपालक इंजीनिवर (विद्युत), फरीदाबाद केन्द्रीय विद्युत मण्डल, केन्द्रीय लोक निर्माण विश्वान फरीदाबाद को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के नोटिस को

स्वीकार कर लिया है भ्रौर उन्हें दिनांक 31 अगस्त, 1984 (दोपहर बाद) से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी है।

> (श्रोमती) नीना गर्ग, प्रशासन उप निवेशक कृते विमीण महानिवेशक

उद्योग भीरकम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पतियों के रिजन्द्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर हैपी वैली हैचुरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

श्रीनगर, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं० जी०/स्टेट/560/550/205—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि हैपी वैली हैचुरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विधटित की गई है।

एस० के० सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार
जम्मू व कश्मीर
- श्रीनगर

कार्यालय मुख्य आयुक्त (प्रशासन) उ०प्र०एवं आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 4 जनवरी 1985

आयकर विभाग

सं० 128—श्री सूरत सिंह (अनु० जनजाति) आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग "ख") के पद पर आफिसियेट करने के लिए र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40 1200 के वेतनमान में पदोन्नत किथा गया है। पदोन्नति पर उन्होंने 31-12-84 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, वेतन वृत्त, लखनऊ हे रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर, मुख्य आयुक्त (प्रशासन) उ० प्र० एवं ग्रायकर ग्रीसुक्त, लखनऊ

कार्यालय आयकर आयुक्त,

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी, 1985

सं० आ० आयु०-5/ज्यूरि/84-85/29 1—आयः. अधिनियम 1961 (1961 की 43) को धारों 124 की उपधारा (1) और (2) के अधीन प्रयुक्त शिक्तयों काप्रयोग करते हुए में आयक्तर आयुक्त बिल्ली-5, नई दिल्ली यह निर्देश देता हूं कि निम्तलिखित अनुसूची के कालम 2 में उहिलखित आयक्तर अधिकारियों को इसी धनुसूची के कालम 3 में

उल्लिखित आयकर अधिकारियों द्वारा निर्धारित/निधारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के सम्बन्ध में उनके साथ समन्तीं अधिकार होगा।

यह अधिसूचना 1-1-1985 से लागू होगी।

निरीक्षीय सहायक आयुक्त रेंज-5-बी उन आयकर शिवकारियों के कार्य का विनियमन करगे जिन्हें बह समवर्ती क्षेत्राधिकार सौपा गया है।

अनुसूची

1	2	3
 श्री आर० ए० । डि० 2(3) से का 	- '	आयकर अधिकारी डि॰ 7(1)
2. श्री सी० एल० अधिकारी डि० 2	कपूर, आ०	आयकर अधिकारी डि॰ 6(7)
3. श्रोमती एस० में अधिकारी स्थाना	ह्ता, आ० *	आयकर अधिकारी डि०⊶7(5)
 श्री आर० पी० स्थानाम्तरण पर 	-	आयकर अधिकारी डि॰ 7(4)
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		वाई० पी० सू आयकर आयु

कार्यानय आयकर आयुक्त (स्वर्ण नियवण प्राधिकारी)

कानपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 आदेशं

स्थापना-केन्द्रीय भेवाएं-मूप "बी", राजपतित आयकर अधिकारी---पदोक्तति---स्थानान्तरण एवं पद-स्थापन

सं० 101—श्री ए० एन० डाली, आयकर निरीधक का स्थानापन्न आयकर अधिहारी, ग्रुप "बी" के रूप में रू० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने के लिये निथि से तथा अन्य आदेशों तक पदोन्नति किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यान रिक्तियां से अधिक की गई है तो वे पदावनत कियें जाने के योग्य होंगे।

पदोन्नति पर उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त मेरठ के अधीन सौंपी जाती है जो उनका पदस्थापन आदेश आरी करेंगे।

> ज्ञानेन्द्रुनाय गुप्ता आयकर आयुक्त स्वर्णनियंत्रण प्राधिकारी, कानपुर

बुक्य बाह². टी. एव. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पंटना पटना, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश. सं० 1गा-१६८। अर्जना ८४-८५--अतः मुझै प्रबोध

कुमार दूव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने शा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क अं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड सं० 14, सिंकल सं० 8ए, होल्डिंग, स्० प्रो० सो०,सी०ए० 57 जो सेक्टर, सी, कंकर बाग, पिपुल्स, कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, पटना है तथा जो पटना-20 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्मतित के उचित बालार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि. सभापूर्वोक्त सम्मतित का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एमे दृश्यमान प्रतिकृत से एमे दृश्यमान प्रतिकृत से एमे दृश्यमान प्रतिकृत से विश्व (अंतरिका) बीर वंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे वन्तरण के लिए तब पावा गया प्रदिक्त विस्तिविद्याँ) के बीच एसे वन्तरण के लिए तब पावा गया प्रदिक्त विस्तिविद्याँ विद्यां या उचित वंतरित कि विस्तिविद्याँ के विष्या गया है है—

- (क) अध्ययम चे हुई किसी भाग की बाबत सबस अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए . किस्ना
- (व) हुन्ती निकसी बाथ वा किसी थय या बच्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वृधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यशा वा या किया जाना जाहिए वा, जिपाने में सर्विधा वे विद्धाः

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— श्री कृष्ण प्रसाद,
 कंकरबाम, थाना कंकबाग, पटना

(अन्तरक)

 श्रीमती निर्मला दवी, आर्थीकुमार रोड, थाना कदमकुआं, पटना।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपीत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबध् में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गवा है।

धनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4925 वर्ग फीट है, मकान के जो महल्ला, कंकरबाग, पीपुल्स, को-आपरेटिव, हाउसिंग सोसायटी पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका सं० 1-6416, दिनांक 7-6-1984 में विणित है, एवं जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोधकुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 8-2-198<u>4</u> मोहर ः प्ररूप **आंद**ें. टी. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 8 फरवरी 1985

्निदेश सं० -970,अर्जन, 84-85-अतः मुझे प्रबोध, कुमार दुवे

शायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टौजी नं० 5586, खाता नं० 167, खसरा नं० 564, थाना, नं० 11 है तथा जो मोहल्ला खजपुरा, थाना, कोतवाली, पटना में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबढ अनु-सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-6-1984

को पूर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च द्या से उच्च अन्तरण सिखित को बास्तविक रूप से कृष्यित महीं किया विद्या है 4—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक की टायिटन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर जिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में सुविधा से जिए?

अतः अवः, उक्तं अधिनियमः श्री धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्तं अधिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सुप्रिया चटर्जी, जौजे, डाक्टर अजित कुमार चटर्जी, वारा पटेल नगर, धनबाद ।

(अन्तरक)

 श्रीमती गान्ति वेबी, अप्रवाल जीजे, स्व० मोहनलाल अप्रवाल वगडोरा, सिलिगुडी, दार्जिलग, ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्क सम्पन्ति के अर्थन के संबंध, में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजयत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रत सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीना से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाछ विश्विस में किए जा सकोंगे।

स्थय्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों, बार पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

वयुक्त्या

जमीन जिसका रकवा 12.5 डिसीमल है, साथ में मकान जो मौजा, खजपुरा, थाना कोतवाली जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 3693, दिनांक 9-6-84 में थिंगत है, एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोधकुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 8-2-8*5* मोहर : प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक दिनांक 1 रूफरवरी, 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5749—अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है के अनुसार है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में. ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) जन्तरण से हुन्द किसी जान की भावत उक्त विधि-नियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपन में सुविधा के लिए;

अधः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुत्रहम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त्ः— श्री सनदीप कुमार पुत्र फकीर चन्द, रेलवे रोड, कोटकपुरा, ।

(अन्तरम)

 श्री विजय कुमार , संवीप कुमार , कुलवीप कुमार, सुपुत्र श्री कस्तूरी लाल, वासी मोती बुरू बाजार, कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

बौ वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप 🐃

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच । 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों प सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भें अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यक्रिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, को उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिय पया है।

स्पर्वा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1280, दिनांक 6/84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीवकोट में लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्बर

विनांक 1-2-1985 मोहर ≝ प्रकृष बाइै.टी. एम्. एस् . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बचीन स्थना

शारत बहकात

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षका)

महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर जालन्छर, दिनांक 2 जनवरी, 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5750— अतः मु**सै जे० ए**ल० गिरधर

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतसें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० जैंसा अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1984

को वृजींकत सम्मतित को उधित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उधित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पल्लाइ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्चत छव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

- (क्यू अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उच्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौद्/या
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, च्छिपाने में सुविधा को सिए;

बतः बच, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरम के , इं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ;—— श्री संवीप कुमार पुत्र फकीर चन्द, रेलवे रोड, घोटकपुरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीलादेवी पत्नी कस्तूरी लाल वासी मोती बुरा, बाजार, कोटकपुरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारी व ते 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी बत में किए वा सकेंगे।

स्पाकारिका:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

वर्त्य

सम्पत्तितथा व्यक्ति जैसाकि विलेखनं 1281, दिनौंक जून, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> जै० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 2-1-1985 मोहर :

अक्स सार्व . हो . एन . स्था . गुग्गान्यवानामा

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के क्थीन स्थता

भारत चरुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्थन रेंज, जालन्धर

जालम्बर, दिनांक 1 फरवरी, 1985

निवेश स० ए० पी० नं० 5751—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000'- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची जो लिखा है के अनुसार है तथा मुक्तसर में स्थित है (भौर इससे उपावक अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्पसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन दिनांक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (प) एसी किसी आय या किसी भनेया अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय सायक ए अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उक्त अधिनियम, या भनक ए अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविधा के लिए;

- श्रीमत्ती रचना रामी पत्नी सोहन लाल पुत्र श्री आत्मा राम बासी मोटूराम गली, मुक्तसर ।
 (अन्तरक)
- श्रीमती गुरवर्शन कौर परनी गुरबचन सिष्ट् बासी 2327, गली जीवन दास, मुक्तसर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान वें राजपण में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय मे दिया गवा हैं।

धनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 713, दिनांक 6/84, की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर, में लिखा है।

> जै० एल० गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

कत# नम, उक्त जीधनियम की धारा 269-म के बज्स्र्ज़ मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिश्चित स्पिक्तयों, जर्थात् ⊯—

दिनामा 1-2-1985 मो**ह**र ध

प्रस्प नार्च . टी . एन , एस---------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अधीन सुवना

भारत सहकार

क्ष्रवित्य, सहायक जायकीर आवृंबल (निर्शक्ति)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 जनवरी, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्बी०/59/22/84-85—अतः मर्झे एम० सी० जोशी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं04.00 एकड खेत जमीन, है जो मौजा वामा, तह व जिला नागपुर में स्थित है (मीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-6-1984

को पूर्वों कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खुयबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिवितित उद्देश्य से उसत अंतरण जिस्तित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मंतरण से हुई किसी नाव की वावस, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक कौ दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

े अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निस्नुसिवित व्यक्तियों, नुर्मासः—

- 1. (1) श्री रामाजी बारकु शेदा में
 - (2) श्रीमती पं≀लाबाई, बारकु गेंदामें। रा० मौजा दामा, तह०व जिलानागपुर।

(अन्तरक)

 गवर्न मेन्ट इम्पलाइज को-आपरेटिव सोसायटी तर्फे: श्री शाम राय द्याजी कु कि, रिव नगर, नागपुर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में दिन-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीकारी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्छ।
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं,।
बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गड़ा।
है।

सर सची

4.00 एकड़ खेत जमीन जो मौजा दामा तह० व जिला नागपुर में स्थित है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपू

विनोस: 28-1-1984

मोहर 🖫

प्रकृष भार्दः दी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, संशायक भार्यकर मायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एमबी०/61/22/84-85—अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम्म्के परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं ज्लाह सं जं 136 है, तथा जो जिसका नं 33-बी, मकान नं 152 वार्ड नं 20, है और जो खामगाव में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खामगांव में डाकुमेंट सं 1778/30/8/84) में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का अंदह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वेष्य से उच्त बंतरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उनत बिश्तियम के अभीन कार दोने के बन्तरक की वायित्व में कमी करमें या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीड/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिजम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :— श्री चतुर्भुज नरसिवरू घीमा
रा० ई-1, जुहू अवार्टमेन्ट, जुहू रोड,
सांताक्षुज, वेस्ट बाम्बे,
 श्री अशोक कुमार, घीया,
 श०, अपर बिर्दी, मुम्बई।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री रमेश नारायण राव, गवहाडकर ।
 - (2) श्री प्रकाश नारायण राव, गहाडकर रा० खामगांव, तक्ष० खॉमगाव, जिला बुल्डाना। (अन्तरिती).

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना कि तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिध नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूजना के प्राज्याण में प्रकाशन की तारीब से 15 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ाव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के गस निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थल्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया हैं शि

वगचर्

पलैंट नं 136, न शि नं 33-बी मकाम मं 182, बाई, नं 20, जोकि जलकपुरा, मैंन रोड, खामगांव में स्थित है और जिसका बिस्ट, अप एरिया-3388 स्ववा कि है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनोक : 28-1-1985

माह्य 🖫

प्रकृष बार्ड. दी. एन. ६व. -----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 28 जनवरी, 1985

निदेश सं शाई ०ए० सी ०/एक्यू ०/58/22/84-85---श्रतः मुझे, एम० सी ० जोशी

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी संब्खेत जमीन जिसका नं 152/3 है श्रीर जी वर्षा रोड, पड मौजा, सोमलवाडा, तह व जिला नागुपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन विनांक 5-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण हैं.. कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्थ के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती रनाबाई ज॰ पदमाकर,
 भायट मीजा, सोमलवाडा, तह० व जिला नागपुर।
 (भन्तरक)

2 योगाश्रम को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी तर्फो, श्री एन० एच० देशपांडे, कैस्तेष्ट्रनगर, नागपुर । (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वंगसर्थे

खेत जमीन जिसका नं 152/3 है, श्रीर जो वर्घा रोड पर मौजा, सोमलवाडा तह व जिला नागपुर में स्थित है

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, नागपुर

दिनांफ : 28-1-1985

मोहर:

प्रकृष बार्ड टी. एन. एस -----

जायकर अभिनियज, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधान स्चनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनाक 28 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/60/22/84-85—श्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज को अभीन रक्षण प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंस्य 25.000/- का से यधिक है

ग्रीर जिसकी सं 179 है, 14.96 एकड खेत जमीन है तथा जो मौजा, कारवी तह क्क्मेण्यर जिला नागपुर में स्थित है (ग्रीर इमसे उपावद्ध ग्रनुमूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नागपुर डाकुमेंट सं 5882) मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 25-6-1984

कां पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के स्थयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विषवास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया भ्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से क्रिशन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा थीं लिए; 5

कतः भव, उकत अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण जो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-च की सुपधारा (1) को कधीन निम्मिलिस स्पितामों, अर्थात क— मेजर, जे० ग्रार० मलक, बेस्ट पार्क रोड, धनतोली,

(अन्तरक)

 मै० गोहसिन ब्रदर्म , टार्बर रोड, विशाखापसनम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कररता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अपन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सविध या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिए व्यक्तियों मुंसे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राम निस्ति में किए जा सकेंग ।

स्पष्टिकरण : --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14.96 एकड खेत जमीन जो मौजा, कारवी, तह० कुक्मेश्वर, जिला नागपुर में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 28-1-1985

मोहर 🦠

प्रस्त नाहै, टी. प्रमा, एसं.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-थ (1) के बभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज, नागपुर !

नागपुर, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी॰/्विबी॰/54/21/84-85—स्यतः भृष्को, एम० सी॰ जोशी,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष्टें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-रार्थ अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं० 11 है, तथा जो मौजा ज़ेयद, तह० व जिला अमरावती में स्थित है, (श्रीर इससे इपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमरावती में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 30-6-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार पृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण किस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरंग से हुई किसी बाब की बाबस, उक्त अधिनिक्स के अधीम कर दोने के जन्तरक के दियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिय; और/का
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खें विष्

जतः वव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण थें,, थें, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) राज राणीण द्रस्ट, द्रस्टी राजेन्द्र कुमार, रिसक लाल गोगलानी, ग्रमरावती ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रामकृष्ण इन्टरप्राइसेस तर्फे पार्टनर श्री महेन्द्रकुमार मगनलाल सेठ, ग्रमरावती ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लि**६** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (थ) इत सूचना के राज्यन में प्रकारन की तारीय वें
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुशारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंत्ति में हितबष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पाल लिखित के किए का सकरा।

स्पच्छीकरण: --- इसमो प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसुची

एक एकड़ खेत जमीन जिसका स० नं० 11 है, प्रोर जो मौजा जेबद, तह० व जिला श्रमरावती में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 1-12-1984 मो**हर** ७

प्रथम् भाषं , दौ . एन् , एक् ,------

बायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

मारत सरकाड

कार्यात्तव, सहायक जायक र मायुक्त (निराक्तिक)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

निदेण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्बी०/55/21/84-85—यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परचात् छन्त निधिनियम नहा ग्रा है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण ही कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित नानार मून्य 25.000/- का सं कथिक है

श्रौर जिसकी सं० 5/1 है, तथा जो मौजा महाजनपूर तह० व जिला अमरावती में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, अमरावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला सं कम के दृश्यमान प्रिपफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जुनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रिफल का पन्त्रह प्रिप्तात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (तर) अध्ययम से हुए भिन्नी आध की बायर, स्वक्त अधिनित्तर के अधीन कर टोन के जन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उनमें अनने में गृजिशा भी सिए। नीड/ना
- (क) एंसी किनी जान वा किसी धम वा अन्य वास्तियों को जिल्लों आरतीय काम-अर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ वाँचनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योचनार्व अन्यरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में कृष्टिया के किया,

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुतरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् थि—

- (1) श्री सदाणिव प्रप्पा रामजी प्रप्पा, मामरखाने नन्द मार्केट के सामने, राजापेठ, ग्रमरावती ।
- (2) मैं० राधाकृष्ण इन्टरप्राइसेस,

(अन्तरक)

तंर्फे पार्टनर्स सर्वश्री के० झेंड गागलानी, ए० टी० जव्हेरी स्रौर स्नार० के० ढोकलिया, भनरावती ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूना क्य संपरित के नर्जन के जिल्ला कार्यवाद्यियां करता हुं ।

अनत सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंबु:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की वविष्य सा तत्सम्बन्धी म्युनित्यों प्र सूचना की तामीस से 30 दिन की नविष्य, को सी वविष्य में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह म्युनित्यों में क्से किसी म्युनित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाम में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरा की

4 एकड़ 9 गुंठा, खेत जमीन जिसका नं० नं० 5/1 है, ग्रीर जो मौजा महाजनपुर, तह० व जिला ग्रमरावती में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, नागपुर

दिनीक 1-12-1984 मोहर ⊌ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नागपुर

नागपुर दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निवेश सं ० आई ० ए० सी ०/एक्वी ०/57/21/84-85---अतः

मुझे, एम० सी० जोशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2-ए/519ए है, तथा जो मकान जो प्रशान्त नगर, अजनी बर्धा रोड पर नागपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में (डाकुमेष्ट सं० 1696) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बंतरक के दायित

में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए;; और/या

(क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

- 1. (1) श्रीमती शिवा ७० जी० थुम्बुनकल फेफ
 - (2) श्री जी० व्ही० धुम्बुनकल केफ 2-ए प्रशान्त नगर, अजनी, नागपुर।

(अंतरक)

 सर्व श्री खुलाशाल, एम० पींचा, राकेश के० पींचा, विकास के० पींचा
 नवाब के वेआउट, तिलक नगर, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई 🖛 आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता जिमित्सम, के अध्याय 20 क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

पनुसूची

मकान जिसका म्यु० का० नं० 519-ए है, झौर जो प्लाष्ट नं० 2ए पर प्रशान्त नगर, अजनी वर्धा रोड, पर नागपुर में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 15-12-1984

मोहर 🖟

प्रक्ष आर्थ. टी. एनं. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवृता

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निवेश सं० ए० मी० 61/रेज-4/कल०/84-85---यतः मुझे, शकर के० बनर्जी

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके लक्ष्मात 'उक्त शिक्षितियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जितकी स० 14 हैं, तथा जो प्रएच० कं० चाटर्जी लेन, कलकर्ती में स्थित हैं (श्रार इसम उपाबद्ध अनुसूर्वा में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन दिनाक 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरका) और अंत-रिता (अतिरित्या) के बाच एम प्रतिफल के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सम्माध्य रूप म कथिल नहीं किया गया है

- (क) जतरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अतरक को दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को 'तए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्क्रियाने के स्वीरका के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व अधीन, निम्मिसिविक व्यक्तिक्यों, नर्मात के --

1. इंडिया लिमोलियाम,

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार नानगालिया ।

(अन्तरिती)

को ग्रष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त काब्दों और पर्धों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 3 काठा, 3 छटाक, जमीन कासाथ मकान। पता: 14, डा॰ प्रएच॰ के॰ चटर्जी लेन, हाबड़ा, दिलल सं॰ 1984 का र्-6828

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

दिनांक 2-2-1985 मोहुरु ≌ प्ररूप काई.टी.एर..एस.. ------

1. इंडिया, लिनोलियाम लि०

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार नानगलिया।

(अन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

शास्त्र बरकाङ्ग

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश मं० ए० सी० 60/रेंज-4/कल०/84-85—अतः मुझे शंकर कं० बनर्जी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उवस अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी म० 14 है, तथा जो एच०के० चटर्जी लोन, कल० में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्त सपिति के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लात भें बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा जन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थी या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह मं 45 दिन की अविधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास स्थिक में , इस् आ सर्वोग।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूपत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्स्की

जमीन 3 काठा 3 छटाक, जमीन का साथ मकान। पता: 14, डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी, लेन, हावड़ा दलिल सं० 1984 का 6828।

> एस० कैं० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरक में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के लधीन निम्लिकित व्यक्तियों, वर्षात् ॥—

दिनांक : 2-2-1985

मोहर :

प्रकृप नाइं. टी. एम्. एवं.- - - ----

नायकर किपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्भीन सुमना

मारत करकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जीन रेंज, 4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी, 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/रेंज-4/कल०/84-85---अतः मुझे, शंकर के० बनुर्जी

'बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्व 25,000/-छ. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 88 है, तथा जो कालेज, रोड, हावड़ा, में स्थित है (घीर इससे उपावड़ अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के अधित वाधाह मून्य से कम के उत्पमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वरत करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सुन्यत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरूप ने शुद्द किन्ती 'जाय कर्त वायल, उपल वीधीनयज्ञ को अधीन कर धोने के जुन्तरूक की बायित्व में कनी करने या उससे वचने में खुविधा को जिए; और/वा
- (क्रा) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

1. श्री चिन्तामनी मल्लिक एवं 16 अन्य

(अन्तरक)

2. मेघना कार्माणयल, कं० (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के हिनए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में को**ई** भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बों और प्रवों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन 9 बीघा, 10 कट्टा, घर सहित ठिकान-88 कालेज रोज, जिला हावड़ा, (दलील सं० 7201, 1984 का)। संकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, कंलकत्ता

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीत, किमिन्सिक्त व्यक्तिकों, अधीत् क्र—

विनांक: 29-1-1985

मोहर 🛚

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

नारव प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी, 1985

निदेश सं० ए०सी० 58/रेंज 4/कल०/84-85—अतः मुझे, शंकरके० बनर्जी

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रह. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो वार्जिलिंग, में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)
रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रोकरण
अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक 13-6-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रिक्तिस के लिए अन्तरित की गई हैं कि मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त संमरित को उचित बाजा
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत सेन एसे दश्यमान प्रतिकत व
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और
कन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के किए तब
वाया गया प्रतिकस, निम्निसिंबत उद्विध से उक्त अन्तर्क
निर्वित में वास्तीकक रूप से कर्षित नहीं किया गया है है—

- (क) करतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उच्छ विभिनियस के जधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा के लिए; और /या
- (क) पुरेती किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना बा, स्थिनने में सुविधा के विद्

अवश्व जर्म, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म के जन्तरण में, में उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभाग्र ∰1 के के अधीन, निम्नलिखिद व्यक्तियों, अर्थात् :—— 3 —476 GI/84 1. उंकण अग्रो इन्डस्ट्रीज, लि०

(अन्तरक)

2. आर० डी० मैन्यूफैक्किरिंग, इन्डस्ट्रीज, लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यशाहियां कदता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं कुर्य होगा थी उस कृष्याय में दिया गुवा हूँ॥

वन्स्ची

जमीन 957.88 एकड़ बिल्डिंग, एवं इमारत सहित पता: हंसकुवा चाय बागान, थाना एवं जिला दार्जिलिंग (दलील संं 1984 का 6755)।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहोयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंद रेंज-4, कलकला

दिनांक: 29-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्पाः बाहु ः हीः एमः एसः - = - = -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन क्ष्मना

1. श्री अलदुल गनी खान

(अन्तरक)

2. मणीन वर्कस (इन्टरनेणनल) लि॰

(अन्तरिती)

PICE VENE

कार्यालय, सहायक बावकर बाय्क्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी, 1985

निदेश स०] ए० सी० 57/रेंज 4/कल०/84 85—अतः मझें शंकर के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी स० अनुसूची में है तथा जो भद्रेश्वर, हुगली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-11-1984

पा पूर्वो वित सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम को प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण िलिखत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई फिली जान की बार्छ, उपक वीधिनयम की अधीन कर दोने को ख्रमहुक औ दाशित्व में कमी करने वा दस्से स्पूने के वृतिधाः सी सिए; बाहु/वा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा वौ सिष्धः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि के जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- च्या किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्यध्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 37347 वर्ग मीटर, घर बार सहित। ठिकाना: मौजा, एव थाना भद्रेश्वर, जिला हुगली। दलील सं० 37ईई न० 8/84-85

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कतः सर्व उक्त क्षिमियम की धारा 269-न चै अनुवरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

दिनांक : 29-1-85

मोहर 🛭

प्ररूप आई..टी.एन..एस.. ५------

बायक्त अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ए० सी० 98 ग्रार 2/कल०/84-85—यतः मुझे एस० के० बनार्जी

ृष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 10ए है, तथा जो मुन्सिगंज रोड, कलकता 23 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूर्वः में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीलर्ता अधिकारी के कार्याल्य सक्षम प्राधिकारी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-1984

- का पृवींक्त सम्मत्ति के उत्तित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का उदित बाजार मृल्य उसके ध्रयमान प्रतिकल से, ऐसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक ध्रम से कथित नहीं किया गया है:——
 - (कां) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अम जक्त अधिनियम की धार्य 269-ग की अनुसरण अं, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि<u>खित</u> व्यक्तियों, अर्थात् !—— (1) 1. श्रीमती निरुमनि नायक 2 प्रभात कुमार, नायक

(अन्तरक)

(2) मारुफ इन्वेस्टमेंन्ट एवं ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लि॰। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति कें अर्जन कें जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

जमीत 2 बीघा जमीत का साथ दो तल्ला गुदाम । प्या : 10ए, मृन्सिगंज रोड, कलकत्ता 23 में सक्ष्म प्राधिकारी के पास दिनांक 26-6-84 को रिजस्ट्री हुाआ, क्रिमक संख्या 9 ।

> एस० के० बनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायया आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

दिनांक : 31-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च ु टी ु एन ु एस ८ अन्यास

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक सायकाड आधुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त, 1984

निदेश सं० ए० सी० 74/रेंज 2/कल०/84-85—अतः मझे एस०के० बनार्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 10/1/ई है, तथा जो डाक्युमेट हारबार रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण ६५ से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्कट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

को पूर्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरका) और अंतरिती रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) बन्तरक से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आयं दाकिसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—-

- 1. मैंसर्स ग्रिनडइच, होल्डिन, प्राइवेट लि॰ (अन्तरक)
- 2. (1) राधा कृष्ण बागरि
 - (2) गंगादेवी बार्गार
 - (3) जगदीश कुमार जी बाररि

(4) श्री मोहन बागरि । (श्रन्तरिति) को यह सुचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस स्वर्ग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- [(च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रान्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसूची

जमीन 2600 वर्ग फुट, फ्लैट, ।
पता: 10/1/ई, डाइमन्ड हारबार रोड, फ्लैट न० 3ए,
थाना, अनिपुर, सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में 11-6-84
नारीख में रजिस्ट्री हुआ कम सख्या 1 ।

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक: 17-8-1984

मोहर :

प्रस्य बाह्र'्टी . एव . एक. -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संसीन सुचना

मारत सरकाड

कार्गालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं० ए० सी० 62/रेंज-4/कल०/84-85—अतः मुझे, शंकर के० बनार्जी,

कायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से क्षिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो बारासात में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-6-84

को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिकों (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना बाह्य था; छिपाने में मृश्रिका के छिए ;

अतः भव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत् ६—— 1. एन० के० एन्टरप्राइच,

(अन्तरक)

2. श्री विस्टुपद, प्रबोध, परिमल दास

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

वन्त सम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख़) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन करें तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस स्या है।

अनुसूची

जमीत 52 डेसिमल जमीत का साथ मकान पता: मीजा, दोहारिया, थाना बारासात, 24परगना।

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकंर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

दिनांक: 8-2-1985

मोहर :

प्रस्पात बाइंच टीत एकः एकः ---

मायक इ अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

षारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़, एरनाकुलम, कोचीन-16, दिनांक 2फरवरी, 1985

निदेश सं० एल० सी० 717/84-85--अतः मुझे वि० रविवालन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिपे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर रापीत, जिस्ना उचित कातार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ं अनूसूची के अनूसार है तथा जो कोटमंगलम में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूचो में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्याकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटमंगलम, में रिजर्ट्याकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उत्तरे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

1. श्रीमती एन० सी० मताई राई मात्यू और एल्याम्मा, कूर्याकोस ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० ऍम० चाक्क, और नो अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध, में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

दिनांचा 11-6-1984, उप रिजस्ट्री कार्यालय कोटंमंगलेंम, के दस्तावेज, सं० 3061 में संलग्न, अनूसूव। के अनूसक कोतमंगलम, विलेज, में सर्वे सं० 1023/3/1 और 1023/3/2 12.25 सेंट, भुमि, के साथ विवित्त स्टोरीड, विल्डिंग।

र्वः ० रविषालन, सक्षम प्राधिकारो सङ्भर आगण्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरनाकुलम,

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग आ अनुसर्ष में. में. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् ४...

दिनावा 2-2-1985

मोहरू 🖁

इस्य अर्ड्ड हों<u>.</u> एन्. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-च (1) के वशीन सूचना

MINE WEIGHT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरनाकुलम

कोचीन-12, दिनांक 1 फरवरी 1985

निदेश सं० एल० सी० 718/84-85—-अतः मूझे बि० रविबालन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं अन्सूची के अनूरार है तथा जो कोतमगलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कोतमंगलम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 पा 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक् के बाबित्व में कमी करने वा उसने ब्यन में बृविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या जन्म किसी वन्त (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में दिवश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती एन० सी० मताई, रोईमान्यू और एल्याम्मा, कुर्याकोम ।

(अन्तर्भ)

2 एम० एम० चाक्को और नो अन्य

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के निष् कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

छक्त सन्पत्ति के वर्षन के साम्बन्ध में कोई भी बार्बाप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन के प्रकारन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सम्म व्यक्ति द्यारा, नभोहस्ताकारी के पास निविद्य में किए या सकेंगे।

स्यव्हें कि इण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिनांक 1-6-1984, उप रिजस्ट्री कार्यालय कोतमंगलम, के दस्तावेज, सं० 3063 में संलग्न, अनूसूची के अनूसार कोतमंगलम, विलेज, में सर्वे सं० 1023/3/1, 2 में 4.25 सेन्ट, भृमि।

> बि॰ रविषालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरनाकुलम

दिनांक 1-2-1985 मोहर:

मुक्त वार्ष

नायफर निश्नियम 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के न्मीन स्मना

भारत चंड्रकाड

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरण(कुलम कोव्चित-16, दिनांक 2 फरवरी 1985

निवेश सं० एत० सी० 711/84-85:—अतः मुझे, वि० रविवालन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो टेल्लिच्येरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टेल्लिच्चेरी सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाबार बूक्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का बक्द प्रतिकृत से विभिन्न है और अन्तरक (अंतरका) और संवरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गुमा प्रति क क निम्निजित उज्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित् में बास्त्-विक कप से कृषित नहीं किया गुमा है ----

- (क) जन्मरम् चं हुप् क्रिकी बाग् जी वाग्यः, अन्य व्यक्तिनम् से वागीय कर पने से अन्यस्क सी शामित्व में क्यों क्युने वा स्वस्ते नृषणे में स्विप्श में द्विष्: क्रिंट्रिया
- [क] एसी किसी जाय था किसी थन वा जन्य बास्सिकों को, जिन्हों भाउसीन जाय-कर विधिनयन, 1922 [1922 का 11] या उनस विधिनयन, 1922 असकर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27)] के प्रयोजनार्थ जन्यरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए ना कियाने में वृत्रिमा में हिस्सा में वृत्रिमा में हिस्सा में वृत्रिमा में हिस्सा में

1. श्री उष्कान्डन, अञ्युतन

(अन्तरक)

2. श्री के० राघवन, और एम० वैलाजा, ।

(अन्तरिर्ता)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि को अर्थन के किए कार्यवाहियां सूक कुरता हुं।

उन्त बम्पृत्ति के नुर्वन के तुम्बरूप में कोई भी बाक्षेप हुन-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोत्स्ताक्षर्ी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रपृष्यी

दिनांक 23-6-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय टेल्लिच्चेरी के दस्तावज, सं० 944 में संलग्न अनूसूची के अनूसार टेल्लिच्चेरी म्यूनिसिपलिटी में, सर्वे सं० 27/2, में 32 सेंट, भूमि।

> िष० रिवबानल, ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

भतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के, अनुतरण में, में, उक्त अधिमियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को सभीन निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात् क्ष---

धिनांक 2-2-1985 मोहर: प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस.-----

कापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 2 फरवरी, 1985 निदेश सं० एल० झीं० 7128/4-85—अतः मुझे, बि० रविबालन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए को लगीन रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइज है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाउार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० अनुसूर्वी के अनुसार है तथा जो टेल्लिच्चेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय टिल्लिच्चेरी में से भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1984

को प्रवोंक्त संपत्ति को उचित बाबार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण कि बिक्त में वास्तिवक क्य से की अस महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए, और/या
- (क) एसी जिल्ली जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिल्ली भारतीय आयकार अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था जिल्ला आसा जाहिए या क्रियान में सुविधा के निष्

्रे रे 1. श्री उनकन्टन, अच्युतन
्रे विशेष (अन्तरक)
2. श्रीमती कुनियल राघव और एम ् विलजा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सकत सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (स) इस सूचना के प्राचपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्यं स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकेंगे।

स्वय्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वय ही।

अनुसूचीं

दिनांक 20-6-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय टेल्लिन्चेरी के दस्तावेज सं० 916 में संलग्न अनुसूची के अनुसार टेलिनन्वेरी, म्यूनिसिपलिटी, सर्वे सं० आर० एस० 27/2, में 32 सेंट, भूमि ।

> बि॰ रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 2-2-1985

मोहर:

प्रकृष बार्ड, टॉ. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार्य 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्नर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निदेश सं० एल० सी० 713/84-85— अतः मुझे, बि० रविवालन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीने सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

मौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो टेल्लिच्चेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से लिप्त है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टेल्लिच्चेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) इन्तरम् से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त वीधिनियम के अधीन कई देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथी जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा किया जाना पाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- 1. श्री उपकल्टन ग्रन्युतन,

(ग्रस्तरक)

3. श्री के० कुनियिल राघवन, श्रीर एम० षलजा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हाँ 1]

वपुरुष्

विनांक 27-6-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय टेल्लिक्टे के दस्तावेज, सं० 959में संलग्न श्रनुसूची के श्रनुसार टेल्लिक्चेरी म्युनिसिपैलिटी, सर्वे सं० श्रार० एस० 27/2, में 31 सेंट भूमि ।

बि० ्रविवालन सक्षर नाधिकारी सहायक श्रायेकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनोक : 2-2-1985

मोहर

प्रकप भाष्ट्री, द्वी, प्रवाह प्रवाह सम्बद्धाः

काषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्वना

ब्राइक बहुकाड

कार्यालय, तहायक वायकर नायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16, दिनांक 2फरवरी 1985

निदेश सं० एल० सी० 714/84-85—श्रतः मुझे बि० रविवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिश्वका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से वृधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो कालिकट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कालीकट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूक्त से कम के स्वयंति प्रतिकल के लिए बंतरिल की गई है जीर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि बचायुर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके स्वयंत्राम प्रतिकल से, एसे स्वयंत्रान प्रतिकल का वंद्र प्रतिकत से बिक्त है और मन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्मृतिविक उद्वर्षक से बक्त अन्तर्ण किवित में बालतीय के सालतीय कर से किया गया है :----

- (क) जनातुम के बुद्ध किसी बाय की वाबत, उनके वॉश्वीचवा के बधीन कर दोने के बनारक के वृश्यित्य क्षेत्र काम करने या सबसे वचने में बृश्यित्य के सिए, बीर/वा
- ग) ऐसी किसी साय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उन्त नीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त वीभीनयम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिस्यों, अभीत् E---

1. श्री सिद्धार्थ श्रीर शिवानन्ध

(भन्तरक)

श्री एम० धहम्मतकुट्टि धीर चार घन्य ।

(मन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के नर्वत के शिष् कार्यग्रहियां शुरू करता हूं।

बन्द बन्दरित के वृत्रीय के सुन्दरम् में कोई थीं आसीद्ध--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी() के 45 विन की व्यक्तियों लें त्रचान की तामील से 30 दिन की अविध, के के बुद्धि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्त व्यास
- (ख) इस स्वान के राजधन में प्रकांतन की तारीख }
 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्र किसी अन्य व्यक्ति बुवारा वधोहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पादिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उपका अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्पी

दिनांक 14-6-1984 उप रजिस्ट्री कार्यालय कालिकट के दस्तावेज, सं० 557 में संलग्न श्रनुसूची के श्रनुसार कालिकट विलेज में सर्वे सं० श्रार० एस० 6-10-250 में 43.08 सेंट भूमि के 2/3 भाग ।

वि० रवियालन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज एरणाकुलम कोच्चिन

दिनांक 2-2-1985 मोहर: **अक्य नाह**ै, दी. एन_ी एवं. -----

बाथक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यालयं, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 2 फरवरी 1985

निवेश सं० एल० सीं० 715/83-85—अतः मुझे, वि० रिवबालन

शानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भनुसूची के अनुसार है तथा जो कालिकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1984

कां पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) नम्तरण वे हुइ किसी नाम की नामक, उनका नियम के नभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उद्यस्त व्यक्त में समिधा के निय; बार/या
 - (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था कियान में सूर्विभा के निए;

बतः वन, उनत विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्निलिखित स्थिनियमें अभात हि— 1. श्री मिशिधर

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० म्रहम्मतकुट्टि हाजि श्रीर चार प्रन्य । (स्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हुई।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में में कियी व्यक्ति हनतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षर के एक निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त कधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किन्न गया हैं।

वपत्रची

षिनांक 4-6-1984 उप रजिस्ट्री कार्यालय कालिकट के वस्तावेज, सं० 524 में अंग्यत, ग्रनुमूची के प्रानुसार कालिकट विलेज में सर्वे सं० टि० एस० 6-10-250 में 43.08 सेन्ट भूमि में 1/8 भाग।

बि॰ रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलमे

दिनांक: 2-2-1985

मोहर:

प्रकृष बाह्र .टी.एन.एस. : ==========

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

ध्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निवेश सं० एल० सी० नं० 716/84-85—अतः मुझे थि० रविबालन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उथ्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आडण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो तृष्पूणिन्तुरा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तृष्पूणिन्तुरा, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 14-6-1984 की

को पूर्वीयत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इब्यमान प्रतिफल के नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बार/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकड अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियस, या भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा से जिए:

मतः सम उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधृत् ः—- 1. श्री के० एन० रवीन्द्रनाथन

(भन्तरक)

2. श्री पि० कृष्णन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्पृतिक के जियू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

· अन्ति सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी **आक्षेप** 💝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिरण जा सकर्ण।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

मनुसूची

दिनांक 14-6-1984, तृष्पूणिन्तुरा, उप रजिस्ट्री कार्यालय के दस्तावेज, सं० 2094 में संलग्न, धनुसूची के धनुसार तृष्पूणिन्तुरा, म्युनिसिपैलिटी, सर्वे भं० 991/5 में 9 सेंट भूमि के साथ एक मकान (सं० XII/204)।

बि॰ रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

विनांक: 2-2-1985

मोहर:

प्रकथ आई. दी. एन. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्री भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत वरकार

कार्यास्य, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्राजेन रेंज, एनीकुलम कोस्कोस, दिनांक 4 फरवरी 1985 निदेश ३० एन० सी० 719/84-85---श्रनः मुझे, बि० र्रावबालन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सुअस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उनित बाजार सूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी स० पूजिन्तुरा है तथा जो पूजिन्तुरा में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ना ग्राधकारी के कार्यालय, तप्पूजिसुरा मे राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 28 जून, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उल्लित बाबार मूल्य से कम के शहयबाब प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उल्लित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से मुभिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया हैं:——

- हुँक) संस्कृत से हुई किसी बाद की बावल, उपस् विधिन्यन के नधीन कर दोने के नंतरूक की वादित में कभी करने वा असमे नचने में सुनियर क लिए; करि/बा
- (अ) एसी किसी बाब या किसी भूभ या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या भन-वार अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरियों तथारा प्रकार नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा वे सिए;

कतः, अव, उच्त वर्षिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण वो, गी उच्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्मीकुट्टी घम्मा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मृहम्मद साफर मृहम्मद साहिर श्रीर मृहम्मद सिया के लिए सकरिया सेठ। _ (श्रन्तरिती)

का गई स्वना बारों करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन में लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भातर पूर्वे जित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्भीत में हित बहुभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधांहुस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धिकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जा उनल अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिशाधित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय धा विमा गमा है।

अनुसूची

तारीख 28 जून 1984 उपरिजस्ट्री कार्यालय, तप्पुणिन्तुरा के वस्तावेज सं० 2315 में संलग्न ग्रनुसूची के श्रनुसार पुणितुरा विलेज में सर्वे नं० 936/2 में 3.043 सेन्ट भूमि।

> बी० रविवासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, एनिकुलम

तारीख: 4--2--1985

मोहर 🛭

प्रक्ष बार्ड. दी ्एन् . एस , -----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (१) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एनिकुलम एनिकुलम, दिनांक 4 फरवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० श्रनुसूची के अनुसार है तथा जो पुणिसूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्राकर्ती श्रीधकारों के कार्यालय ऋष्प्रिणिसूरा में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28 जून, 1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान **अन्त**रित गहुँ प्रतिफल लिए की विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) कें बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देवरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖰 —

- (क) जनसरभ से हुइ किसी बाय की बाबस, उसत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की भिष्ट; शर्र/बा
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः— (1) श्रीमती मीना कुमारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद साफर, मोहम्मद साहोर श्रीर मोहम्मद सिया के लिए सकरिय सेठ ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

एकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामान से 30 दिन की व्यक्तियों पर अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितम्ब्भ किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

मन्त्री

तारीख 29 जून, 1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय ऋष्पूणित्तूरा के दस्तावेज सं० 2316 में संलग्न अनुसूची के अनुसार पृणितुरा विलेज में सर्वे सं० 936/2 में एक 'डबल स्टोरी' भकान

> बी० रविजासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एनकुलम

तारीख: 4-2-1985

मोहर 🛭

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

साहत् सरकाड

क्यपान्यं, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लुखियाना

लुधियान, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० चण्डोंगढ़/21/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० सी० श्रो० 2469-70 है तथा जो सेक्टर-22मी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिक्यों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिविक रूप से कंथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से इन्हें किसीं भाव की बाबता, खरक अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दासिल के कभी करने या जन्न के अलगे यें सुविया के निप: बीर/या
- (ख) एसी किसी आया का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के धिए;

जत: अब, उक्त लिभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती गांति देवी पत्नी श्री डी० एल० गुप्ता निवासी मकान नं० 318, सेक्टर 21—डी, चण्डीगढ़ । (2) श्री कुलदोप सिंह एण्ड सन्ज (संयुक्त परिवार) द्वारा इसके कर्ता श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री नगेन्द्र सिंह

2. श्री विक्रम सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह

3. कुमारी भ्रमृता सिंधु पुती श्रीकुलदीप सिंह, तथा

 कुमारी रूपिका सिन्धु पुत्नी श्री कुलदीप सिंह, निवासो 32, माल रोड, फिरोजपुर (पंजाब) ।

(अंतरितो)

(3) 1. मैं० गुर्डीवल द्रेडर्स,

2. श्री राजेन्द्र कुमार

मै० भोहत करयाना

4. कुमार नोर्हारया एण्ड कम्पनी

5. हिन्दुस्तान टाइम्स

6. सुभाष भार्कीटेक्ट्स

हिन्दुस्तान समाचार

8. चण्डीगढ पेपसं

9. एस० के० इन्टरनेशनल

10. भार्शत इंवैस्टमेंट्स

11. त्रिमूर्ति 12. हुसैन सरजीकल एण्ड मेडिकल कम्पनो

13. विषटर इस्टरनेशनल

14. कोमूयनी कल इंबैस्टमेंट्स, सभी कारा 246-पी, सेक्टर-सी, चण्डीगढ़।
(वह ध्यक्ति, जिसके प्रधिभीग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से की 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्या
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा एकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा

अनुसूची

एस० सी० घो० नं० 2469-70, सेक्टर-22 सी, चण्डीगढ़ (प्रथात् यह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 148 माह जून 1984 के सहस वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6-2-1985

मोहर:

(मन्तरक)

मक्य बाह^र. टी. एत्. एस_{. भ} म स नर स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत शरकार

कार्यांचय , सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 करवरी 1985 निदेम सं० चण्डी० 424/84-85--- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त क्षितियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 100,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं कान मं 429 है तथा जो सेक्टर-37 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से चणित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण भाधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया पदा प्रतिफल, निम्नीसिवत उद्देश्य से उच्त अन्तरण तिविद्य में शासायिक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) संतरण ते हुई किनी नाय की वाबता, उत्तर सीधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; बीट/वा
- (ब) ऐसी किसी बंध या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उसते अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए वा, कियाने वें स्विधा के सिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6 —476 GI/84

(1) श्रीमती मूर्गपन्द्र कौर पत्नी सरदार जसवन्त सिष्ठ, निवासी मकान नं० 2223 सेक्टर-15-सी,

(म्रन्सरक)

(2) श्री दिवन्त्र सिंह पुत्र सरदार मोहिन्द्र सिंह बाजवा, निवासी मकान नं० 442, सेक्टर-37 ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्विक्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशनं की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सक्यो।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मकान में 429 सेक्टर 37-ए, चंण्डीगढ़ (भ्रमीत् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी, चण्डीगढ़ के विसेख सं 182 माह जून, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6-2-1985

माहुर 🕄

वक्क बाड़े. सी. एवं . एस -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुप्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1985

निवेश सं० घण्डी० 26/84→85→-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथितियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रुष् से अधिक है

और जिसकी सं० मैकान नं० 2318 है तथा जो सेक्टर 35-मां चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और पूर्ण रूप दूसे बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1984

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्रवेक्त तम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकात से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पढ़ह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण दिनिखत में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तुह्म वे हुन् कियी नाथ की वावध, उनस् वीपनिवृत के वसीन कर दोने के वस्तरफ के शावित्व में क्यी क्युन का बच्चे वचने में सुविधः के हिन्द; मोट्ट/वा
- (का) एरेती किसी जाब या किसी भन या अन्त्र. बास्सियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृत्या खे सिए;

जतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिक्तमों, अर्थात् :--- (1) श्री आत्म स्वरूप वोषड़ा पुत्र श्री द्वारका दास घोषड़ा, निवासी मन्धान नं० 1076, सेक्टर 18—सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री फनेह सिंह पुत्र सरदार कृपाल सिंह द्वारा उसकी अटार्नी : सरदार लाभ सिंह सरदार मंगल सिंह पुत्र निवासी मनान नं० 2840, सेक्टर 37असी,

(अन्तर्रितः)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के निष् कार्यगिष्ठियां शुरू करता हूं।

ज़क्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मा कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की शामीस सं 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त े क्तियों में से किसी स्पृत्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिसबब्ध किसी अभ अपिक्त द्वारा अधोहरताभारी के पार स्विसित में किए वा सकींगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गुवा है।

अम्सूची

मकात नं० 23/18 सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो, चण्डीगढ़ के लिलेख सं० 223 माह जुन, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिद्ध् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना

तारीख: 7-2-1985

मोहर:

प्रकृत वार्षः डी. इव. इव. ----

नावकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-भ (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना प्राच्य विकास ६ एक्टरी 10

लुधियाना, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० खरड़ 18/84→85→ अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह प्राप्तिर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्यक पर्वात 'उक्त सिंधिनयम' कहा गया हैं), की धार 269 स के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुस्स

100,000/- रु. से अधिक हैं
और जमकी स० महान नं० 100 फेप-3, बी-2 हैं तथा जी
मीहाली तहसील खरड स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
प्रतुस्वी में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता
अवतारों के गार्यालय, खरड़ में है रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधान तारीख जून, 1984
का प्रविक्त संपत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के अववास
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभ्य से कम के अववास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य,
उसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे रैश्यमान प्रतिफल का पन्यह
प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नसिवार उद्वेषका से स्वत् अन्तरण कि बिद्य

- (७) बन्तरुन संबुध किसी यान की नान्त, क्यस समितिन्त के सभीत कर देने के बन्दरुक के दिन्ति में कती करने ना बन्दे नचने में सुनिना के जिए; और/ना
- (व) एंसी किसी शाम या किसी वन वा शन्त वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, किया में सुविधा से जिए;

लत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, स्थाद क् (1) श्री ठाचर सिंह पुत्र श्री चानन राम, निवास ग्राम और डाकघर खिजराबाद, तहसील खरड़ द्वारा : अटार्नी श्री योगेन्द्र नाथ पिलक, पुत्र श्री मिलिक साह्ब दयाल, निवासी मकान नं० 93, सेक्टर-15-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हर भजन कौर पर्ता रारवार सुरर्जात सिंह कालरा, निवासी मकान नं० 1157, मेक्टर-37 बी, चण्डीगढ़ और अब मतान नं० 1008 फेस-3बी-2, मोहाली तहसील खरड, जिला रोपड़ ।

(अन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के वर्षत् के ज़िए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

थक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध यो कीर्य भी बाक्षेप ४----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तार्रींश से 45 दिन की जनिश्व या तरसम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जन्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्वित्तयों में से किसी स्वित्त हुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवसूध किसी जन्म स्थावत सूवारा सभीहस्ताक्षरि के पास जिल्ला में किए का सकेंगे।

स्वकोकर्ण:----इसमें प्रमुक्त बच्चों नोर पृथ्वों का, को अवस विधित्तवन के अध्याव 20-क में परिजायिक ही, नहीं मूर्ण होगा को उस मुख्यान में किन्स मुंबा ही।

नग्जुची

मकान न० 1008 फेस-3 बी-2, मोहाली तहसील खरड़ (अयीत् वह जायदाय जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 1319 माह जून, 1984 के तहत पर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षम)** अर्जन रेंज, लुधियाना

सार्रःख: 6-2-1985

महेर 🖫

प्ररूप काई, टी. एन, एस.,-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मुधीन सूचना

भारत रहकत्

कार्यालय, महायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लूधियाना

लुवियाना, दिनांब 6 फरवरी 1985

निदेश .सं० नुधियाना/125/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'छक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/-फ. सं अधिक हैं

और जिसकी संव महान नंव की 19, 914/6 की व भाग है तथा जो टैगोर नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख जून, 1984

कर पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (बन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरक के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिल अस्विक क्य वे कर्विष्ठ यहाँ दिवा पना हैं मन्तर

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत उक्त वाधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अवः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अभित्भाः— (1) श्री राम रतन कपूर पुत श्री हर सहींय मल, निवासी बी 19/994, कूचा शहजाद वाला गोहर, इकबाल गंज, लूधियाना।

(अन्तरक)

(2) हैं भी अविनाश खोसला-पुत श्री बलजीत सिंह, निवासी 924/2-ए, टैगोर नगर, सुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवादियां शरू करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ले 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीच, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

अनुसूची

मकान नं वी-19/914/6-डी/1, टैगोर नगर, सुधियाना का हिस्सा (अर्थात् वह जायवाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सुध्याना के विलेख नं 2507 महि 1984 के तहत कर्जे हैं)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रैंज, नुधियना

वारी**च** : 6-2-1985

मोहर 🙄

प्रस्य बार्ड , धी_{ले} प्रय_ा प्रस्_{रमञ्ज}

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के सधीन सुचना

बारत बरकार

कार्यासय, सहायक आगकर आयुक्त (निर्दाक्षण). अर्जन रेंज, लुधियामा लुधियाना, दिनोक 6 फरवरी 198 5

निवेश सं० लुधियाना/126/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्रसिंह

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्चित नाजार मुख्य 25,000/- रु. से निभक है

और जिसकी सं० मकान मं० बी-19 | 914 | 6 डी | 2 है तया जो टैगोर नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वैव्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (वंतरकों) जीर जंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया बितफल, निम्नलिचित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण जिल्ला जिलित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया पवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, स्थिपने में तुविधा के तिए;

वतः वयः, उक्त विधिनियमः, की भाग 269-ग के वनुसरण क्रों, क्रों, उक्त विधिनियम की भाग 269-म की संपधारा (1) के वधीनः, निस्तिविधित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्रीमती पीलावन्ती पत्नी श्री राम रतन कपूर, निवासी बी-19-994, कुचा शहजाद वाला गोहर, इक्तवाल गंज, सुधियाना ।

(अन्दरक)

(2) श्री रवेन्द्र खोसला पुत्र श्री बलजीत सिंह, श्री-3/427, वकीला पत्नी, पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कार्ष भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की अयिभ या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानतः द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकोने।

श्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और क्यों का, को उपस विधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यय में विधा वसा हैं।

वनुसूची

मनान नं० बी-19-914/6-डी 2, टैगोर नगर, नूष्टियामा का हिस्सा (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता विश्वकारी मृश्चियाना के विलेख सं० 2508 माह जून, 1984 के बहुत वर्ज है)।

जोगिनद्र सिंह्
समाम प्राप्तिकारी
सहायक द्यायकर प्रापुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मुखियाना

तारीख : 6—2—1985

मोड्ड 🛭

१क्स **नार्द्र**ं.टी.एन.एस -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत संस्कार

कार्यानय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 करवरी 1985

निदेश सं ० सुधियाना/182/84~85--- मतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य, 15,000/- रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 51-ए है तथा जो कि चलू नगर, सृधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारीके कार्यालय, सृधियाना में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सिंग तारीख जुलाई 1984

मा पूर्वोगत सम्प्रीस क उचित भाषार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और गया गया है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अंतरक वेलिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उस्त अंतरण लिखित में थास्तुनिक रूप से कथित नहीं किया प्या है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी बाय की वायस, उत्तर अधिनियम के वधीन कर बोने के ब्रम्तरक के खाँदल में कनी करने ना उससे वचने वें सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) देशे किसी बाव ना किसी धन ना बन्स कारितकों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा ध्वंश कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया ना या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मुनिधा के विद्य;

ंबतः अवः, उक्त अभिनिवस की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियस की भाग 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों,, अर्थात् ⊱— (1) श्री एस० पाल बंसल पुत श्री भवन लाल, निवासी मकान नं० बी—1—149 मलेरी गली लुधियाना।

(भन्तरफ)

(2) श्री राय साहब पुत्र श्री तीरथ सिंह, भकान नं० 1013 सिकला रोड लुधियाना

(मन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के हिस् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के बुर्बन् के सम्बन्ध में कांद्रों भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की सबिध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्पवित्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, वो उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया ग्वा हैं।

मन्त्र प

फ्लाट नं० 51ए किचलू नगर, लुधियाना (प्रयात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी, लुधियाना के विलेख सं० 4262 माह जुलाई 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी साहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजंग रेंज, मुख्याना

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

्लुधियाना ,दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० के० एल० एन० /1/84-84--मतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 700 /- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि 23 कनाल, 17 मरला बिल्डिंग सहित है तथा जो खन्ना जिला, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपायत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के लायीलय, खन्ना में रिजिस्ट्रोकरण श्रीधिकारी के लायीलय, खन्ना में रिजिस्ट्रोकरण श्रीधिकारमा, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल मिन्मसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप

- (क) अन्तरण सं अर्ड किसी आयं की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195% का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा शकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, लियान जें सुविधा के सिए।

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थानः—

(1) सर्वश्रो श्रोम शरकाश हरी राम भौर राज कुमार पुत्र भी बालक राम मार्फत पंजाब श्रायस मिस्स, खन्ना।

(भन्तरक)

(2) मैं ० पंजाब- झायल मिल्स प्राइवेट लि॰ खन्ना, जिला लुचियाना द्वारा इसके डायरेक्टर श्री कस्तूरी लाल जिक्स सुपुत श्री गण्डा राम ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामील में 30 दिन की अपिन, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त अधिनतयों में से किसी व्यक्ति सुवार।
- (स) ६स मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्य किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्ध्वाकरण :—-इसमा प्रथक्त शब्दा आरे पदो का, जां उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अधि होगा, जो उस अध्याय मी दिगा गया है।

नगत्त्रची

मूर्च 23 कतान 17 घरला विस्तित सहित बोकि बन्ना में स्वित है

(जायदाद जैसा कि बिलेख सं० 449, माह जून 1984 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी धना में वर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख : 7-2-1985

मोहर:

इक्स बाई - टी. एवं. एवं. -----

वायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (च) (1) के अभीन त्यका

भारत तरकार

कार्यासन, सहायक मायकर नायुक्त (निर्दीक्षण) धर्जन रेंज, लुखियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/22/84-85---- यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी नं॰ मकान नं॰ 210 है तथा जो सैक्टर 21-ए, पण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उताबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्कारी के कार्यालय, पण्डीगढ़ में र्राजस्ट्रीकरण भिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 18) के भिष्ठीन जून 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोंक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है बीर मंतरक (बंतरकों) जौर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्विश्य से उक्त अंतरण सिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंदरण सं हुइं किसी बाय की वावस, उक्त अभिनियम के सभीन कर देने के अंदरक के सामित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा से जिए; और/यां
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने से मृतिथा के निए;

अतः अव, उसतं विभिनियमं की नारा 269-न से जनुसूर्य में, में, उसतं क्रीभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा ⁴ी के बभीन, निम्मतिथित व्यक्तियों, वर्षाद्वर— (1) डा॰ वत्ता तरयाई शर्मा पुत्र स्व॰ श्री सोमवत्त शर्मा, चीफ मेडिकल श्राफिसर जिंदल शीर जनरल हस्पताल हिसार (हरियाणा)।

(चन्तरक)

(2) श्री बृज मोहन चुन्नी पुत्र स्व० श्री राम नाथ चुन्नी, निवासी 3111-ए, सैक्टर 31--डी चण्डीगढ़ ।

(धन्तरिती)

की वह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हिनए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिक के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, तहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिका क्या है।

नग्तुनी

भकान नं 210, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ । (भ्रथीत् वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भक्षिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं 163 माह जून 1984 के तहत कर्षे है) ।

जोगिम्ब सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्तण) द्यर्जन रेंज, सुधियाना

तारीच : 8-2-1985

मोहर 🏋

प्ररूप आई.टी.एन एस . -----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सृपना

भारत सरकार

कार्थाभय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रजैन रैंज, लुद्धियाना

लुधियामा, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/23/84-85--- मतः मुझे, जोगिन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 214 है सथा जो सैक्टर 11-ए, चण्डोगढ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्थी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ मे रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जन, 1984

को पर्वोक्त सम्पन्ति के उणित बाजार मस्य से कम के रश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापर्वाक्त सम्पन्ति का उचित आजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्त्विक रूप से किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की माबत, उक्त अधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

श्रत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित स्पक्तियों अधीत :—— 7—476 GI/84 (1) श्री सुनीस भासिन पुत्र श्री राजिन्द्र कुमार, श्री जतीन्द्र कुमार पुत्र श्री जे० एस० सीगिरी निवासी मकान नं० 126, सैक्टर 16--ए, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरिका पास सिंह पुस डा० करम सिंह द्वारा उसकी जनरल घटानीं श्री सुधीर कुमार नॉयर पुत्र श्री जोगिन्द्र पाल नायर, निवासी मकान नं० 4, सेक्टर 2-ए, चण्डीगढ़।

(मन्तरांची)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

नगृष्यी

प्लाट नं ० 214, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ । जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, चण्डीगढ़ के विशेख सं० 172 माह ज्स, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राविकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुसियाना

तारीख : 8-2-1985 मोहर :

प्ररूप कार्ड्.टी एन.एस. ****

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियामा

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1985 निर्देश सं० नालागढ़/4/84-85---यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स की अधीन गक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थाबर भंगीत, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 10 बीघा 8 बिस्या जो कि ग्राम डाडी कीनियां, तहसील नालागढ में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्व ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रैधिकारी के कार्यालय, नालागढ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून, 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान गितफल को जिए अन्तरित की गर्ड है।

है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे एत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रुण लिखित में वास्त्विक रूण से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विमा विकास विव्या विव्या

अतः अव, उक्त विधिनियम क्री धारा 269-ग की अनुसरण में. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वधार :--- (1.) श्री गंगा राम पुत श्री काली राम, निवासी ग्राम डांडी कोनिया, तहसील नालागढ़, जिला सोलम।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ भ्रतुल कास्टिंग्स प्राइवेट लिमिटेड एडमन श्रौर सेल्आश्राफिस: 252, सैंक्टर 9-सी, चण्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में वियो गया है।

वन्स्ची

भूमि 10 **बीघै**, 8 बिस्ते जो कि ग्राम डाडी कोनिया. नहसील नालागढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नालागढ़ में विलेख सं० 368 माह जून, 1984 में दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंहं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-2-1985

मोहर :

प्ररूप आहर्ष . टी. एन . एस . ------ (1) सैं० संद्रपतला एण्ड संस,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के मुधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 23 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37-ईई/4844/84-85/10 67---यतः, मुझे, प्रानल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का काए हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 45,000/-रा. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 22, स० न० 88/3, चितातणः नगर बालाजी भ्रपार्टमेंट्स है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध भ्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति-फल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के भन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भन्द्रम-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से सुद्दं किसी आप की वावत, उन्हें विधिनवन के विधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के: 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में ब्रिका के निए;

अतः तथः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, भी, उक्त सिधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के सिधीन निम्नतिकित व्यक्तिया अधीत् हिल्ल (1) सै० संदुपतला एण्ड संस,431/4, गुलटेकड़ी,पुणे।

(थ्रन्तरक)

(2) श्री विजय दत्तातय शेनोलिकर, 1194/5. शिवाजीनगर, पूर्णे~5 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के जि कार्यवाहियां करता हुए

उक्त सम्पत्ति व अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकन व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र को अकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानित द्वारा अभोहस्ताझरी को पास तिस्ति में किए जा सकनी।

स्वाचीकारणः -- इसमें पय्कत शब्दों और पदों का, जो सबद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दूर, यही अर्थ होगा को एस अध्याय में विका गया दूरे।

वनस्पी

प्लाट नं ० 22, स० नं ० 88/3, पर्वती, चिंतामणी नगर, बालाजी श्रपार्टमेंट्रा, फ्लैंट नं ० 5 ।

(क्षेत्र : 1038 ची० फीट)।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम मंद 4844 को जून, 1984 की सहायक भायक आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज-पूना

तारीज 29-1-1985 मोहर प्रकप बाई.टी.एन.एस------

जायकर् मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भागुक्त (मिर्शक्षण)

मर्जन रेज, पुणे 🔭

पुणे, दिनांक 19 जनवरी 1985

निवेश सं० 37-विदे/4933/84-85/1066--- यतः मुझे, भनिल् कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 दूसरी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 1552, सदाणिव पेठ, पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिन्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं॰ डी॰ ए॰ केलकर एण्ड एसोसिएट्स, 1478, सदाशिव पेठ, पुणे-30।

(भन्तरक)

(2) श्रीविजय नारायण याटे तथा अन्य,
 446-धी-1/सी,
 शनिवार पेठ,
 पुणे-30 ।

(भ्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नमसची

पलैट नं० 1, बूसरी मंजिल, सी० टी० एस० न० 1552, सर्वाधिव पेठ, पुणे-30 ।

(क्षेद्र 690 चौ० फीट)।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कम संब 4933 जो जून, 1984 को सहाक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

वारीख: 29-1-1985

मोहर

बरूप बाह्रं.टी. एन . एस -----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दीक्षण)

भ्रजन रेंज, पुणे पूणे, दिनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० 37 ईई०/4887/84-85/1665---यतः, मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवाह 'उक्त अजिनयम' कहा गया है), की आरा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजाए मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, बिल्डिंग नं० बी, स० नं १ 18/ए/से-ए-2 एरडवण है नथा जो पुणे-4 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1984

को पृत्तिकत सम्पत्ति के जीवत वाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफार के लिए अतिरित की गई हैं और मूके यह विश्यास कारते का कारण है कि स्थाप्वांवत प्रमति का उचित बाजार मुल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिबक रूप से किष्मू नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण वं शुद्द किसी भाष की वावत, उक्त विभिन्न के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा 🕕 से अधीर, निस्नसिधित अधितयों, सम्बत्त (1) मै॰ ए॰ बी॰ आपटे एण्ड कम्पनी, 1957, सदाशिव पेठ. माडीवाले कालोनी, पुणे-30 ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० अरुण गोविन्द बेकनालकर,
 116, बींगली,
 प्रभात मार्ग,
 पुणे-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की समिश्र या तत्सम्बर्ध स्तर्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की समिश्र में भी समिश्र वाद में समाप्त हाती है सिर्म स्वित्यों में से किसी व्यक्ति
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकार की दिश्व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्या है, के पास लिकिश में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिन्यम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या प्या है।

वन्तुवर्ग

पलंट नं. 13, विल्डिंग नं. बी, स. नं. 18/ए/1-ए-2, एरडवर्ण, पूर्ण-4

[क्षेत्र 694 ची.फि.]

जिसे कि राजिस्ट्रीकृत क. 4800 जो जुन 84 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, पृणे के वफ्तर में लिखा गया है।

म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बस्बई

वारीख: 19-1-1985

मोहर

ं प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 29 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37 ईई०/5141/84-85/1064--यतः, मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि अधीन सक्षम प्राधिकारी को उचित बाजार मूल्य

25.000/ भीर जिल्हा स्वीधक है 27/5,6, स्वीधकड, पुणे में स्थित है तथा में स्थित है (श्रीर इस्ती के अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्हीके ते कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेज़, पूणे में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 के अधीन, जून, 1984

का पृत्रोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ज्यान कर दोने के अंतर्क के वायित्व जे कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के चिए; बीप/शा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या कर्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (3) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्रीविजय रघुनाथ स्वार मौर श्रीमती सुद्याबाई ग्रार् ्रेस्वार, 6 महालक्ष्मी नं 2, 174 भालचन्द्र रोड, हिन्दू कालोनी, दादर, बम्बई-14 ।

(अन्तरक)

(2) मैं पर्वावन गुप्ते एण्ड एसोसिएट्स,
 13/176, लोकमान्य नगर,
 पूर्ण-30।

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी य्यक्ति बुदारा;
- (श) इस स्वना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिका गया हैं।

वम्सूची

ण्लाट नं ॰ 93, दहाणुकर कालोनी, कोयरङ, पुणे, सर्वे नं ॰ 26/1, 2, 3, 4, 27/5, 6, 7, 8

(क्षेत्र: 7890 चौ० फीट)।

(जैसां कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/5141/84-85 जो माह जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुण के दफ्तर में लिखा है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुना

चारीख १**५-1-198**5 मोहर प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ '(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक, 29 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37-ईई/5216/84-85/1063—यतः, मुझे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भोर जिसकी सं० फ्लंट नं० सी-2, चौथा माला, बिल्डिंग 'सी', डोगरसी पार्क, पुणे-1 हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबश अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तिस्ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरेण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक की बायित्य को अभी करने या उसमें त्याने में सुविधा जो लिए;
- (का एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अर्दिसयों को, जिन्हों भारतीय आयव्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) मैं बोंगरसः मशीन भीर कन्स्ट्रदेशन कम्पनी, मानेकजी वाडिया बिल्डिंग, 127, महात्मा गांधी रोज, बम्बई-23।

(अन्तरक)

(2) 1. सजनी हीरा, ले० जनरल राम घरम दास हीरा,

प्रिमला मुलाणी,
 15, चाणक्य अपार्टमेंट्स,
 बोट क्लब रोड,
 पूर्ण-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में म्याप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (कां) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- भव्ध िकसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्याहै।

पन्सूघी

फ्लट नं॰ सी॰-2, चौथा माला, बिल्डिंग 'सी', डोगरसी पार्न, पुण-1 ।

(क्षेत्र: 2144 चौ० फीट)।

(जैमा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/5216,84-85 जो माह जुलाई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायृक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 29-1-1985 मोहर 🛭 प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक, 29 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37 **६६०/**4364/84-85/1062-अतः म्**श**, अनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलट नं० स ०, ए-2, चिन्तामणि नगर, स० न० 228/1 ग्रीव है तया जो पूर्णे-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूषी मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयती अधिकारी के वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यभान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की वाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उयत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) म० निश्चिल इन्टरप्र। इसेस ।
14, बम्बई-पुणे मार्ग,
बजाज आटो शो- रूम के नजदीक,
काकड़ेवाड़ी, शिवाजी नगर,
- पुणे।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकांत दिगम्बर दामले, 62-ए, सोमवार पेठ, पुणे-11 ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकागन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना को तामील स 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकारण की तारीय से 45 दिन के भीतर उत्तरथागर सम्पत्ति में हिनबक्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णास निक्षित में स्मिन्य कर किया।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अप्यास में दिया मया है।

ann d

फ्लंट नें ० सो, ए-2, खिल्लामणि नगर, स॰ न॰ 128,1, भींघ, पुणे-7 ।

(क्षेत्र: 960 चौ० फीट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्रम स० 4964 जो जून, '1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तरमें लिखा है)।

['] अतिल कुमार सक्षम प्रधिकारीन अहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

जत अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मनिकित व्यक्तियों, सर्थात्

तारी**ख**: 29-1-1985

मोहर :

प्रक्ष्य नार्षः, ढी., एस. एस. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जनवरी 1985

निवेश सं० 37 \$\$0/622/84-65/1061—अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव फ्लट नं 35,36, दूसरी मजिल, बिर्लिंडग नं 1, प्लाट नं 1, विंग बो, नसई है (तथा जो थाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्हरित को गई है और मृझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण कि बित मा बास्तिक क्य से कृतित महीं किया नवा है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स बीधनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बीड/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शत: अव, उसत अधिनियम, की भार 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन: जिल्ले लिखित व्यक्तियों. अवात्:—— 8--476 GI/84 (1) म० एम० एम० बिल्डर्स प्री० लिमिटेड, 45, पुरानी हनुमान गली, गांति भवन, दूसरी मजिल, बम्बई-2।

(अन्तरक)

(2) म॰ सुकेत मथुरादास मिजया, 43, जरिवाला बिल्डिंग, चौपाटी मार्ग, बम्बई-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त शिक्तियों में में किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्प्यत्ति में हितबृद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के गाव विविध में किए वा दुक्तेंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, श्री उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही वृधें होगा थे। उस अध्याय में दिश वृद्या हैं।

वन्स्यी

प्लट नं० 35/36, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, प्लाट नं० 1, विंग बी, वसई थाने ।

(क्षेत्र : 1017 चौ० फीट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कम सं० 6228 जो जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण**) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-1-1985

मोहर 🌣

प्रकृष कार्योह द्वीत एवं व एक वृत्रकारण व्यवस्था

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत दरका

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जनवरी 1985

निवेश सं० 37 ईई०/5161/84-85/1060-अत- मुझे, अनिल कुमार

बायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात (उक्त अधिनियंक) कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, 51 ए, सी० टी० एस० नं० 100 अ, एरडवाण, पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाधव अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुन्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नहीं हैं जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पदा प्रतिकत निम्नीनिधित उद्वर्ष से उच्त अंतरण कि बिह्य में बास्यविक का से किथत नहीं किया गया हैं अन्तरका से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाव की बायत, उक्त बिधिनबस के बुधीन कर दोने के बन्तारक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बर्फिया
- (ए) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध कन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बच उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत् व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० चिन्तामणि इन्टरप्राइसेस , 59-ए, डा० केनकर मार्ग, पूना-4 ।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ चन्द्रानी अलास शोभना इकबाल शेख, 117, कहिरसेन्ट हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, पाली हिल। बम्बई-52।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पृत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरं। के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण: इसमें प्रयुक्त गद्धों और पर्वों का, जो सकत विधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

and di

प्लाह नं० 9, दूसरा माला, चिन्तामणि अपार्टमेंट, एफ॰ पी॰ नं० 51-ए, सी॰ टी॰ एस॰ नं० 100 ए, डा॰ केलकर मार्ग, इरडवणा, पूना 4

(क्षेत्र : 1190 चौ० फीट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 5161/83-84 जो माह अप्रैंल, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन **रेंज,** पूना

तारीख: 29-1-1985

मोहर 🖫

त्रक्ष वार्षाः हो प्रमृत प्रमृत्यान्यक

भागकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) छी भारत 269-भ (1) के स्थीन सुखनः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना .

पूना, दिनाक 29 जनवरी 1985

निवेश सं० 37 ईई ०/9589/84-85/1059---अतः मुर्झे, अनिल कुमार

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आचार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, सी० टी० एस० नं० 2712 बी, स० न० 134 हिस्सा नं० 4 भावूडी, पुणे में स्थित इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विषय सि करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गवा प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक क्यू से कथित नहीं किया गया है ध्र--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्थ में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (क) एती किसी भाग या किसी भग वा बन्ध आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जब-कर अधिनियम, या जब-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा ने किए;

अत: शज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीमती विद्यादेवी सुरेश राव राहेतकर, और श्री प्रीतम सुरेशराव राहेतकर, 507, बुधवार पेठ, पुणे-2।

(अन्तर्क)

(2) मैं० ल**ड्डा मती,** 1482, सवाशिव पेठ, 304, बाईट हाऊ पुणें~30 ।

(अन्तरिती)

न्त्री वह ब्रुचना वाही करके पृत्रींवय सम्पृतित के बर्बन के लिए कार्यवाहियों सुरू करता हो।

व्यव बन्दरित के वर्षन के बन्दर्भ में कोई भी शाक्षेत्र 🗝

- (क) इस युक्ता के राज्यम में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनश्थिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुक्ता की तारील से 30 दिन की सन्धि, जो भी जनकि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रभोक्त काकित्यों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (व) ह्व ब्रुचन के प्राथम के शकावन की तारीब के 45 दिन के भीतर उनत स्नावर सम्मत्ति के हितनकृष् किसी नन्य व्यक्ति त्वारा नधीहस्ताक्षरी के पाव निवास के किए जा सकेंगे :

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा हैं।

मग्त्ची

फ्लैंट नं० 10 सी० टी० एस० नं० 2712 बो--2, सर्वे नं० 134,स्स्सा नं० 4, भावुडी, पुणे ।

(क्षेत्र : 1000 चौ० फीष्ट)।

(जैसे रिजिस्ट्रीकृत ने० 9589/84-85 जो माह नवस्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

अनिल कुमार सक्षम ग्रधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-1-1985

मोहर 🖫

त्रक्ष्य बाह्र .टा. एत. एस. ------

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारते सहस्रह

कार्यासय, सङ्घायक बायकर मध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जनवरी 1984

निदेश सं० 37 ईई ०/6507/84-85/1058--अतः मुझे, अनिस कुमार

नायकर गैंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के जभीन सक्षम प्रधिकारी की यह विद्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, तीसरा माला, बालकुम है तथा जो पूणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेय से उक्त अन्तरण निलिखत में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरन से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त वृषिन्त्र के वृषीन कह दोने के वृत्तुरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी निज्ञी नाय या किसी भग या नण्य शास्तियों की, जिल्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, वा भग-कर अधिनियम, वा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती ह्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया से सुनिमा के लिए:

नतः नम, सन्त निर्मितम की भारा 269-ए व जन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को नभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् म—

- (1) मै॰ आर्या बिल्डर्स कारपोरेशन, 177, मित्तल चेम्बर, नारिमान प्वांट, बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री जें० पी० आर्या, 5-ए, शहनाज विश्विग, 90, नेपन सी रोड, वस्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्मृत्ति के अर्जन के निष् कार्यशाहियां करता हो।

बन्त संपत्ति के वर्जन के तंबंध में काई भी बाहोर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्संबंधी व्यक्तियों पर धूचना की तामील से 30 दिन की जबिय, को भी संबंधि बाद में तमाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नग्राची

फ्लैटनं० 7, तीसरा माला, बालकुम, जिला थाने । (क्षेत्र : 1600 चौ० फीट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई ०/6507/84-85 को माह जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

अनिल कुमार सक्षम श्रीवकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

रारीख 29-1-1985 मोहर 🛭

प्रस्य बार्^ड. टी..पुन्.. एड_{....} न्यान्य र

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० 37 ईई०/6509/84-85/1057--अतः मुर्झे, अनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, दूसरा माला, बालकुम, जि० थाने हैं तथा जो पूने में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर अगयुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्णोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान वितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी जान की बाबत, उनक किपिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने मा उत्तसे वचने में सुविधा के हैंसए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थावा चाहिए था, स्थिपने में सृष्धि औं तिए;

कतः बक्त, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण क्रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय, निस्तिवित अधिनकों अर्थात् कर-

- (1) मैं अार्या बिरुडर्स कारपोरेशन, 117, मित्तल चेम्बर्स, नेरीमन पथाइंट, बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेन्द्रा आर्या, शाहनाज बिल्डिंग, निपन सी० रोड, बम्बई। (अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बबिध या तत्स्त्रीची व्यक्तिकों कड़ सूचना को तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बेश्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में प्ररिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्की

फ्लैट नं ० 5, दूसरा माला, बालकुम, जि॰ थाने । (क्षेत्र : 1150 चौ॰ फीट)।

(जैसे रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/6509/84-85 को जो माह जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, पृना के दफ्तर में लिखा है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पना

तारीख : 29-1-1985

माहर 🗧

प्रकथ बाह^र्टी _{स्}र्भ <u>एक</u> हुन्न-सन्तर-सन्तर

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भाइत बहुकार

कार्याक्यः, सहायकं वायकर वायकर (निङ्क्षिकः) अर्जन रैज, पूना

पूना, विनांक 29 जनवरी 1985

निवेश सं० 37 ईई० 6393/84-85/1056---अतः मूझे, अनिल कुमार,

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त; जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रा. से निभक्त है

और जिसकी सं० पलैट नं० 3 और 4 पहला माला, आर्या सेन्टर, बलकुम है तथा जो पून में स्थित है (और इससे उपाबद अनू— क्रिस्का में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख अप्रैल, 1984

को पूर्वेक्स सम्पित् के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एसे अन्तर्व में लिए तय पाम नमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) मनाइण से हुए हैं कि की बाव की बावत है। उनका नहिंदियम के अधीन कर दोने के अनाइक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के हिंदए; जोड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उमतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उकतं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपभारा (1)। वे अभीत् मानिविद्या व्यक्तियाँ अधित् मानिविद्या व्यक्तियाँ विद्यक्तियाँ विद्यक

(1) मै॰ आर्मा बिल्डर्स कारपोरेशन, 117, मिसल चेम्बर, नरीमन पाइन्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मै० अबाह्म चैरिटी ट्रस्ट, 5-ए, शाह्नाज बिस्डिंग, मार्फेल निपन सी० रोड, बस्बर्ड।

(अन्वरिती)

का वह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां कारता हो।

उन्त कुम्बरित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ-पद सूचना की ताजील से 30 दिन की जबिथ, जो और वविश्व बाद में स्वाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- [क] इत सूचना के द्रावपन में प्रकावन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थाबनीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, को उसस सिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बहुने अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया

uruil

पत्तैष्ट नं ०,3 और 4, पहला भाला, आर्थी सेग्टर, बम्बई आगरा रोड, बॉलकुम, जिला थाने ।

(क्षेत्र: 2300 स्के॰ फीट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नृं० 6393 84-85 जो माह अप्रैल, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज, पूना के वपत्तर में लिखा है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना

वारीख: 27-1-1985

मोद्ध 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना,दिनांक 29 जनवरी 1985 ग संव 37-किंटि/9042/84-85/10

ि निवेश सं० 37-ईई०/9042/84-85/1055---अतः मुझे,

अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, माही कुंज, पूना →30 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्सूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, मिम्मलिकित उद्देश्य से उचत अन्तरण जिक्ति में वास्तविक रूप से किंग्त नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण वे शुद्ध फिली नाम की बावत, उचत विधिनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्व में कनी करने वा उत्तवे वचने में सुविधा के निष्ट: वरि/वा
- (क) ऐसी किसी वा किसी भग वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधां के सिष्टु।

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीम, निम्मीनिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰ कमल बिल्डर्स (पूनः) , 569, न।रायण पेठ, .पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती पिला गणेश कुलकाणीं, श्री बाल गोविन्द को० हां।उसिंग सोसाइटी, तिलकवाडी रोड, माहिम, बम्बई-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित को अर्थन को सिए कार्यनाहियां शुरू क<u>रता हु</u>ं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र 🖫

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सक³गे।

स्थ्यतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उथ्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस्त्री

(जैसे कि रजिस्ट्री हिंत नं० 37 ईई ०/9042/84-85 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

अतिल कुमार · सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रा*ष्क*र ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ. टी., एम., एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा भारा 269-च (1) के स्पीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जनवरी 1985 निदेश सं० 37 ईई०/5060/84-85/--अतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अभिनियिम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी, 23 दूसरा माला, चन्द्र नगरी, सेलरबरी पार्क, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिश्वत उव्वयेथ्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्कविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- '(क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री देकाझा अध्विनी कुमार शाह, पारसी पोला अपार्टमेंट, कुलाबा, कफे परोडा, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री जान एम० चामस और मरिम्मा जान, 4, मुजाबर अपार्टमेंट, सेलबरी पार्क, पूना ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके प्वॉक्त सुम्परित के व्यंत के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपन भें, प्रकाशन की सारी है ते 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिश्व भाद में सम्राप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक मों प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित्वव्य किसी जन्म व्यक्ति वृद्धारा अभोहस्ताओं री के पास निविद्य में किए वा सकों ने।

स्थळ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो स्वत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिवा वृदा हैं।

अनुसूची

्लाट नं॰ बी 23, दूसरा माला, चन्त्र नगरी सेलरबरी पार्क, पूना ।

(क्षेत्र: 1200 चौ० फीट।)

(जैसे कि रजिस्ट्री इत नं० 5060/84-85 जो माह जून, 1984 को सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण (अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 29-1-1985

मोहर 🖫

प्रकास नाहै .टी.एम्.एस्.------र मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

नाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक *वायकर वाय्*क्त (**निरक्षिण)** अर्जनरेंज, पूना

पूना विनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० 37 ईई०/4825/84-85/1053---अत: मुझे. अनिल कुमार

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित वाबार मुख्य 25,000/- रा. से निधक हैं:

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 118, तीसरा माला, 1359 सदाणिय पेठ, है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपामब अगुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उव्हर्षय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिष्क रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण चं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने या उससे बचने में ब्रोडिशा के जिए; और/बा
- (क) एंती किसी नाम वा किसी वर्त वा वस्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय शाय-कर विश्वित्रमा, 1922 (1922 को 11) या उनते अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया बाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा खें सिक्ष;

ब्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधा**रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्री एस० वाई० चोचड़ा, प्रोप्राइटर: चोपड़े इंजीनियरिंग एण्ड कान्द्रैक्टर, 1622, भदाणिव पेठ, पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वा० जोगी और श्रीवी० एस० जोगी, 949, सदाशिव पेठ, पूना—30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी हाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए का सकींगे≀

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगुसूची

ष्टलाट नं _{े 1}118, तीसरा माला, 1359 सदाशिव पेठ, पूना—30।

(स्रेव : 700 चौ० फीट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4825 84-85 की माह जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, पून

तारीख : 29-1-1985

मोहर:

9-476 GI/84

प्रकृष् नार्द. टी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्चना

भारत परकार

फार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जनवरी 1984

निदेश म० 37 ईई 0/5123/84-85/1052--अतः मुझे अनिल कुमा

णायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/नरः से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 276/2/2 श्रीर सर्वे नं० 276/2/6 चिचवड है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभी यह बश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिसित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी नाय की वायत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायिक को कमी करने या उसके वचने में स्विधा के लिए; नौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना जिल्हा था लियाने में सविधा के लिए।

मतः जकः, उक्त जीभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिशिस व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती पर्याकृष्णा समदु पुतला,
 431/4, गुलटेकडी,
 पूना— 1।

(अन्तरक)

(2) मैं० समदु पुतला बोगीर एण्ड को०, 431/4, गुलटेकड़ा, पूना-1।

(अन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन् के . सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्थाकतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, भी उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाटसर्वे नं० 276/2/2 श्रीरसर्वे नं० 276/2/6 विश्ववाङ (क्षेत्र : 2152 ची० फीट श्रीर 7532 ची० फीट)। (जैसे कि क्रिंक्जिस्ट्रीकृत नं० 5123 /84-85 जो माह जून, 1984 को इंसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के क्षतर में लिखा है)।

> अनिल कुमार |सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-1-1985

मोहरः

प्ररूप नार्षं.टी.एन.एस. ------

nggamen den – de dem i mengereta di annina di dendina di della della di della della di della della della della

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37 जी, 865/84-85, 1218—अतः मुझे, अनिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० म० नं० 715। बी प्लाट नं० 25, कुलकर्णी बाग है तथा जो नासिक भे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, नासिक मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पर्तिस के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियॉ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धः—

(1) श्रीमती गोपी बाई दामोदर दास सुगंघी, 191, बालाजी मेदिर मार्ग, काप्रडं बाजार, नासिक।

(अन्तरक)

(2) श्री निरजन जयवन्त राज कटारिया,
मेनेजिंग डायरेक्टर :
सिम्नर बीड़ी उद्योग लि०,
महात्मा गांधी मार्ग,
नासिक-1 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थम के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपोद्ध में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निखित में किए ता नकों।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जबर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

जनसंची

जमीन जो स०न० 715 बी प्लाट न० 25, कुलकर्णी बाग,नासिक में स्थित है। श्रीर जिसका क्षेत्र 701.22 मीटर चौ०मो० है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋम 2253 जो जून, 1984 को दुय्यम निबन्धक, नासिक के वपतर में लिखा गया है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 23-1-1985

मोह्रर 🖫

प्रकल मार्चा, टी., एन., एक., व व व व्यक्त

बायकर बन्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सुमना

HEG THE

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० 37-जी/866/84-85/1217--अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 715-र्बा, प्लाट नं० 26, कुलकर्णी बाग, नासिक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक, नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूंख्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश से उच्य बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरम वे हुई किवी नाव की वास्ता, उक्त निवित्तम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उत्तवे वचने में सनिधा के जिए बहु/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी वन वा बन्च जात्सिवाँ करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के विष्ध

नतः नवः उत्त विधिनियम की भारा 269-व के नन्दरक्ष में, में, उत्तर विधिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें वधार है— श्री नेमीचन्द लिलत प्रसाद पोद्दार, 4612-पोद्दार भवन, आगरा मार्ग, पंचवटी, नासिक-3।

(मन्तरक)

2. श्री निरंजन जयंतराज कटारिया,
मैनेजिंग कायरेक्टर,
सिन्नट बीड़ी उद्योग,
म० गां० मार्ग,
कांग्रेस हाउस,
नासिक-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षप :- 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वार अधोइस्ताकारी के पास जिस्ति में किस् का सकोंगे।

स्थव्योकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

सं० नं० 915/बी, प्लाट न० 26, कुलकरणी बाग, नासिक।

(क्षेत्र: 510.50 ची० मी०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि० 2252/84 जो जून '84 को दुस्सम निबंधक, नासिक के क्पतर में लिखा गया है।)

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

वॉरीख: 23-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-धं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 23 जनवरी 1985

निवेश सं० 37ईई/9870/84-85/1051-यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० म० स० नं० 1170/31/1-बीं ० रेवेन्यु कालोनी, शिवाजी नगर है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

जतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् पू∸ श्री वसावय सोवाराम पाटिस स० स० नै० 1170311 च्बी०, रेवेन्यु कालोनी, शिवाजी नगर, पुणे-5।

(अन्तरक)

 श्री रिवन्द्र सन्स्ट्रक्शन्स
 42, गुरुराज को-आप० हार्जिसग सो० लि० पौंड भाग,
 कोशस्ड,
 पूर्ण-29।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

जन्सूची

जमीन जो सै० स० नं० 1170/31/1-म०, रेकेब्रु कालोनी, शिवाजी नगर, पुणे-45 में स्थित है। और जिसका क्षेत्र--7300 चौ० फि० है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रोकृत कि 1870 जो नवम्बर/84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्तम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीश्वण) धर्जन रेंज; पूका

तारी**व**: 23-1-1986

भोहर:

२६५ आहे . टर्ने . **एन** . **एस** . --------------

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जनवरी 1985 निदेश सं० 37ईई/7249/84~85/1050—यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की पाछ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 50, तक मंजला भिव सेंटर, प्लाट नं० 72 सेंटर 97 बाहरी, नई बाम्बे हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ले से बणित हैं), रजिस्ट्रीजती अधिकारी के कार्यालय सहत्यक अध्यक्षर अधुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख जून 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान गर्ह और अन्तरित' की के लिए प्रतिफल करने का है कि यथा-मभ्रे विश्वास कारण यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य., उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंग्रह्म के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उत्वेष्य में उक्त अंतरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे वचने में महिभा से हिन्द; जीद/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नेहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिथ;

श्रतः अत्र , उत्रत विधिनयम की भारा 269-प की अनुतरण कें , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त अधीन्तमों , अर्थात् :--- श्री आर० एस० भारवानी, 312 रेहेजा सेंटर, नरिमन पाइंट, बाम्बे-21।

(अन्तरिती)

मास्टर किरन कुमार
 द्वारा पिताजी और
पालक पिरुद्द् मेहतानी,
 53 ऐ० एकर अपार्टमेंट
नं० 9, कैफे परडे,
 आम्बेक

(अन्तरिती)

को यह स्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पवों का, जो उक्त वृधिनियम, के सभ्याय 20-क में प्रिभाविक इं, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माप नं० 50 तल मंजता णिव सेंटर, प्लाट नं० 72 सेक्टर 17 व(हरी, नई बम्बई।

(क्षेत्र: 250 चौ० फू०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीइन्त नं० 8254 जून 1958 को सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में निखा गया है)।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24--1-1985

मोहर :

प्रकृप बाइ .टी.एन.एन ु-----

नाथकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाकः 24 जनवरः 1985 निदेश सं० 37ईई/6037/84~85/1049~-यत मुझे अनिल कुमार,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का आरार हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक प्लाट नं० एस०-2, इसरामाला प्लाट नं० 65 तुल्सी राम बाग वाले कालोनी, पुणे हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनूसूच, में और स्प से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें को पूर्वोकत संपरित को उचित बाजार मून्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उकत अन्तरण जिलिक में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हों अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत जब, उक्त ऑधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, कक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) कें अधीन, निम्नीलियत व्यक्तियों अर्धात््र मंसमं एम० र्वा० नृष्टेकर एण्ड सन्स, 1206/वि०/15, शिवाजः नगर, डेकन जःमखाना, पुण-41

(अन्तर्रितः)

2 गोहिणः णरक्षद्र कुलकर्णी केअरआफ एस० आर० कुलकर्णी किश्लोस्कर कदर्स लिमिटेड उद्योग भवन, पुणे-2।

(अन्तर्रितः)

को यह सूचना जारा करक प्राक्त स्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

इंक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विने की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विदा गना है।

नगस्यी

एक प्लाट नं० एस० 2 दूसरा माला प्लाट नं० 65 तुलर्साराम बाग वाले कालोनी पुणे।

(क्षेत्र 650 चौ० फू०)

(जैसे कि रजिस्ट्राइत नं 6037 के माह जून 1984 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि, पूना

तार्ख: 24--1--1984

मोहर:

प्ररूप भादी.टी.एन.एस.-----

जावकर जीवनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० 37—६६/5278/84—85/1048—- यतः मुझे, धनिल कुभार,

आवकर बिधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

चौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 सिं० एस० 959 इरडा-बना है तथा जो पूने में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता चिन्न कारी के कार्यालय सहायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षणह) घर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908

का 16) के भाषीन, तारीख जुलाई 1984
को पूर्वोक्ष्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रीतफास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
श्रदने का कारण है कि यथमपूर्वोक्ष्त सम्मित्त का उचित बाजार
शृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
शृक्य, प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीभीनवम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविभा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स नावत्रो कंस्ट्रक्शन
 1373 नवाश्रुक्तवार पेठ
 पुने-2।

(म्रन्तरक)

श्री एस० एम० इनामदार
 तु लाजवन्ती अपार्टमेंट
 कर्वे रोड़
 पुने।

(मन्तरिती)

(बह. व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृषीय;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वय्वीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(क्लाट नं० 4 सी० एस० नं० 955 एरडवना, पुणे-4) (क्लेब: 643 ची० फु०)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 5297 को माह्र जुलाई 1983 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)

> र्त्रानल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीखः मो**हर**ः प्ररूप भाइ . टी, एन., एस. ------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज पूना पूना, दिनांक 24 जनवरी 1985

निवेश सं० 37-ईई/5699/84-85/104--यतः मुझे, भ्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अरुग है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट सं० नं० 125-7-ए० बी०, प्लाट नं० 7.9 कोयस्ड पुणे-29 में हो तथा जो पुणे में स्थित हैं (घौर इससे पसवाद अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता प्राधकारी के कार्यालय हैं सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजंग रेंज, पुणे में हैंरिजस्ट्रोकरण प्रधि-हैं नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मत्य में कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मृख्य उसके बश्यमान प्रतिफल से ऐसे पश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गवा प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिखित के वास्तिक अप से कथित नहीं किया गवा है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी अंदने या उससे अचने में सुविधा केंद्रिय: और/बा
- (क) एसी किसी आय सा किसी धन या कत्य जारितयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना भाहिए था. रिज्याने में स्थिया के लिए;

सत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विकास स्थितियों अर्थात '---- मेसर्स नवयुग प्रमोटर्स 292 नवीपेठ पुण-30।

(प्रन्तरक)

2. श्री सुहास मनोहर दिवेकर 1128 सद्दाशिव पेठ, पुणे-30:

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को किए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जनसूची

, स० नं० 125—1—ए० बी० प्लाट नं० 7—8 द्रोधरूड, पुणे।

(क्षेत्र: 733 चौ॰ फू॰)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 5979 को माह जुलाई 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीखः

यहिर :

10-476 GI/84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चस

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पुने, विनाक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई/5369/84-85/10457---यतः मुझे, श्रांनल क्रमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सर्वे नं० 21/5 ए० 19 संगमवाडी, पुणे-6 है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है)रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा दायित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- मेसमं एम० पी० जे० बिल्डर्स,
सुखभगिर एम० पाटेल मार्ग
चौपाटी,
बंबई नं० 7 श्रौर
नवसपूर्ति को० श्राप० मोसायटी लि०
सब प्लाट 21-5 ए०/1
शिवाजी नगर,
पुणे-5।

(ग्रन्तरक)

 मेसर्स चरणकार एण्ड ब्राहर्स 15/ए०/5, खिलारें चाक, एरडवणा पुणे-4।

(श्रन्तिश्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

 गया है।

स्पच्डीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट नं० संगमवाडी में स० नं० $21/5 \, v_0/9 \, q^0$ (क्षेत्र: $34500 \, चौ० \, पु०)$

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं. 4369 8 जुलाई 1984 को सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधकारी (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) - श्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 24 जनवरी 1985

मोहर :

प्ररूप बार्षः दी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 24 जनवरी 1985

निदेश स० 37—ईई/10971/84—85/1045—यतः मुझे, धनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,030/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको म० प्लाट नं० 3 निमरामाला श्रोविंग फायन्ल प्लाट नं० 137 हाजुरी में स्थित है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंब श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर

को पृशींक्त संपत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिस्त की गई है और म्भे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापृवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) कें के अधी , न्मिनीलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— मेसर्स प्रनुपम इन्टरप्रायसेस
24/ए खन्नू बिल्डिंग,
8 मरीन स्ट्रीट
फोर्ट
बम्बई-23।

(भ्रन्तरक)

श्री दिलीप चटर्जी,
 राधिका सिनेस्ट्रीट प्राइवेट लिमिटेड
 8 मिल्क हाउस
 सिल्क बाजार
 बम्बई-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस
 निर्मासत में किए जा सकारी:

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गका है।

वन्तुर्ची

प्लाट नं 3, तिसरा माला ए० विंग फायनल प्लाट नं 137 हाजुरी दरगाह रोड़, ठाणे वेस्ट। (क्षेत्र: 575 चौ० फु०)

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत नं 10971 प्रक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज पुणे के वफ्तर में लिखा है)।

र्भानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख . 24 जनवरी 1985 मोहर: प्रकृष बाइ ु टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

धारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई/84 9-85/6766/1044--यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 2-ए, पानिनि सहकारी गृह रचना सस्था, स० न० 50, 52, 53-ए, पार्वती गाव, है तथा जो पुणे में स्थित है थ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुणे में रजिस्ट्रीकरता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल सो, एसे ध्रयमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीतिफल, निम्मलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निचित में श्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण सं हुई किसी जाय की बाबत, उत्था अधिनियम के अधीन कर दोने के जलारक के दाजित्य में कमी कारने वा अससे वचने में सुनिधा स्वीतार, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अभिनियम, या भग-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए भा, डिप्पान में सुनिधा डी स्वरूप:

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थात् ा— श्रीमती सूरजवाई उत्तमचद रुनवाल, 2153, विजयनगर कालोनी, पुणे-30।

(अन्तरक)

 श्री जय प्रकाश चंदूलाल ललवाणी, 85, भवानी पेठ, पुण-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आरे भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ' उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसुची

प्लाट नं० 2-ए, पानिणी सहकारी गृह रचना सस्था स० न० 50, 52, 53-एं, पार्वती गांव, पुणें। (क्षेत्र: 3610 चौ० फि०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीश्वत क० 6066 को अगस्त 84 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के

दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 23-1-1985

मोहर:

प्रकल भाषी, द्वी. एन. एक. 🛪 - - ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना पुना, विनांक 23 जनवरी 1985

निवेश स ॰ 37अईई/4959/84-85/1098-यतः मुझे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 6, पहला माला, सं० नं० 40, स० प्लाट 10 एरडवरण पुणे-35, है तथा पुणे मे स्थित है ग्रौर इसमे उपाषद्ध अनुसूची — ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई लिली अध्यकी बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर की अन्तरक के दासिक्त में कमी करणे या उसमें दचने में विद्या के लिए और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास अकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में मृविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में.. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपकारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मंसस कुलकर्णी भौर कुलकर्णी,
 2153 सदाशिव,
 पुणे-30।

(अन्तरक)

 श्री भावेस चडुद्रा घोष, केअरआफ ए०,

(अप्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपिस ले अर्जन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्हीकरण ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

प्लाप्टन० 6 1 ला माला स० नं० 40 एक प्लाप्टन० 10 एराडवणा।

(क्षेत्र: 770 चौ० फु०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीइन्त नं० 4959 में जून 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम अधिकारी, {सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज,** पूना

तारीख: 23 जनवरी 1985

मोहरः

श्रकम् कार्ष्_ः टी_ः एन्. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश म ॰ 37-हैई/6909/84-85/1042--यतः मुझे, अनिल कुमार,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी स० प्लाप्ट स० न० 583/2/1, गुलटेकाडी पुणे-9 है, तथा जो पुणे हु स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृष्ट प्रसिद्धात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्रिपाने में सुविधा औं सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मालती पांडुरग काररवानिस π ौर अन्य 1194/25, घुले रोड़, π पुणे-5।

(अन्तरक)

(1) श्री यू० जी० परदेशी,
 1188, भवानी पेठ,
 पुण-2।
 (2) श्रीमती एम० यू० परदेशी,
 1188, भवानी पेठ,
 पुण-2।

का यह सूचना जारी करके पृत्रीक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस स्थाक्तयों में से किही व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट स० न० 584/2/1 गुल्टेका**डी,** पुणे-9। (क्षेत्र: 4722 चौ० कु०) -

(जैंमे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 56909 अगस्त 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पून

तारीख: 23 जनवरी 1985 मोहर ध प्ररूप आह. टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, पूना

पूना, दिनाक 24 जनवरी 1985 निदेश स० 37अईई/344/84—85/1041—-यन मुझॅं, निल कुमार.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० पलँट न० 24, 3री मजिल, श्री राम दर्शन अपार्टमेट्स, कालाशम मदिर मार्ग,प चवर्टा, नासिक है, तथा जो नासिक ह स्थित है ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पुणे मे, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 मैं० बताविया एण्ड यताविया, 'अमरस्मृतः, पुराना अम्मा माग, नामिक।

(अन्तरक)

2 श्री बाब्राम वेशव खैरनार, बुधवार पेठ, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्को

प्लंट न० 24, 3री मजिल, श्री रामदर्शन अपार्टमेटस कालाराम मदिर मार्ग, पचवटी, नासिक। (क्षेत्र. 720 चौ० फि०)

(जैंसे कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 344 जो जुलाई 84 को सहायक आयकर आयु त (निरीक्षण) अजन राज, पुणे के दक्तर ह लिखा गया है।)

अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो., मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस्त, व्यक्तियो, अर्थात् ——

तारी**ख** 24-1-1985 मोहर प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधी**न सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक भायकर भायक्त (निरीक्तन)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० 37ईई/8967/84/85/1040---अतः मुझे अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18, सि०टी एस० नं० 1533, सदाणिय पेठ, पूणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्या में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपरित का उजित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के नीच ऐसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रति-क्ष्म निम्ननिधित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निधित में वाक्त-विक क्य से सिधत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-दिवस में सपीत कर दोने के अन्तरफ के वाजिल्य में कभी श्राहम का अधिम कर्म में जुनिधा के किए. बॉर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, २० धन कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमूकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैसर्म घरकुल बिल्डर्स ,
 1535 सदाशिव पेठ, पुण-30

(ग्रन्तरक)

मिसेस तारायणीः सुरेहा अग्रवाल,
 1535, सदाणिव पेठ, पृणे 33

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति हों में किया क्यां कर स्वारा;
- (अ) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अन्य चिकित प' किए जा सकरेंगे।

क्षक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शे(र पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, सि०टी० एप०नं. 1533, सदाणिव पेठ, पुणे। (क्षेत्र: 645 चौ० फु०)

(जैसे कि राजस्ट्राञ्त विलेख नं० 8957 माह अक्तूबर, 1984 को राहायक आधकर अध्यक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूंना

दिनांक 24-1-1985 मोहर:

मक्ष वार्षः ही. पुरु, पुरु,

काधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-छ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 जनदरी 1985

film in antilogoday privaga

निदेश सं० 37ईई/6794/84-85/1039--अतः मुझै, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- राज्ये म जिल्ला है

और जिनका मं० प्लाट नं० 49,50, मार्डन कालीना, स० नं० 120, कांग्रस्ड है, तथा जो पुणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुमून, में और जो पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्री कांध्यारा के वार्यालय सहायवा आयकर आयुक्त (निर्रक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984

कां पूर्वितित सम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वित संपरित का उचित भाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में गस्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के उधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री व० क० गास्त्रगिल, लक्ष्मी मार्ग, कुरंडवांड, कोस्हापुर।

(अन्तरक)

सालूखे एण्ड कं०,
 325, (पुराना), नारायण पेठ,
 पुणे-30 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धात के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपन मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अंपरित मों दितव्द्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित मों किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

प्लाट नं० 4.9, 50, मार्डन कालीनो, स० नं० 1.20, कोशक्**र**, पूर्णे।

(क्षेंब: 25,175 चौ॰ फीट) ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीष्ट्रत कि 6797 जो अगस्त, 1984 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के इफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, पूना

दिनोंबा: 23-11-085

मोहर :

प्रकार आहर्षि से एन.एस -- -- -- १ स्राज्य और एण्ड की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के उधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी 1985

निवेश मं० 37ईई/84/85/8338/1038——अत. मुझे, अनिल कुमार

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिनका सं० पलैट मं० नं० 291, हिस्पा नं० 3, तार० बाल्याण है, तथा जा धाने में स्थित है (और इससे उपायड अनूसूच, में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजम्द्र बाती अधितार, के बार्यालय महायक आयकर आयुक्त (जिर क्षण), अर्जण रेज, पुना, में रिजम्द्र बार्रण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधान दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे एह दिश्ताण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिय में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मं सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थातः ह——

- ा व्यावन जोशं एण्ड कंट 56 पू डाविवल, का आप० ब्राडिसिंग सो**स**ायटं लि० रामनगर, डाविगल: (पश्चिम), थाने । (अन्तरक)
- श्रः आनन्द मधूसूदन यहस्रयू , ए/66, पाल्म एक्सरम को आप० हाउसिंग सोसायटी । म० प० मार्ग, मूलुंड (पूरव), बम्बई 81 । (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एम स्चता ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थातर सम्पत्ति में हितत्रद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

परीट सं० नं० 291, हिस्सा नं० 3, ठाकुली गाँव, मं० नं० 122, डोबिबला, कल्याण, थाने ।

(क्षेंत्र०: 535 चौ० फंट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि० 8338, जो जूलाई, 1984 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरंक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के इफ्तर में लिखा गया है।

> ातित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 23-11-985

मोहर:

प्ररूप. बार्षटी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1951 की 43) की भार 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर श्राप्का (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जनवर 1985

निर्देश सं० 37ईई 1097/84/85 1037--अतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 9की 2 री, मंजिल, प्लाट नं० 18, 19, स० नं० 8ए, नवघर है तथा जो थाने में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूदा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्राकर्री अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्राक्षरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-- "

- (क) अंतरण से हुद्दं िकसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धभ ग यन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर, अधिनियम, 1957 (1957 का 274 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मं सुविधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रभीत, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त मैसर्भ अस्ति विरुद्धने ।
 वत् 1/9, ग्राप्तन्ड फ्लोअर ,
 खिर नगर, स्ति वर्ष माग,
 साताकूज (पश्चिम), बम्बई ।

(अन्तरक)

 श्रा वसतराव उत्तम राव बागल, मह राष्ट्र स्टेट, को आप० बैंक,
 नगीनदास मास्टर मार्ग,
 बम्बई 23

(अन्तरक)

को यह मूचना तारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन क सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौद के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिड़ाद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाई लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छड़तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिक्षिति हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्लैंट नं० 9 बी, 2 रो मंजिल, प्लाट ण० 18, 19, ख० नं० 8ए, नवम्बर् बसई (पश्चिम) थाने ।

(क्षेत्र: 640 चौ० फु०)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीहत क० 10951, जो अक्तूबर, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रे. पुणे के दफ्तरमें लिखा है।)

> अनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ऐंज, पूना

दिनाक: 26-1-1985

मोहर ।

त्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सङ्गयक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 16 जनवरी, 1985

निदेश स॰ 37ईई/10352/1036—ग्रतः मुझे, ग्रांनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

लोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4ए, 3री मंजिल, प्लाट नं० 18-19 स० न० 8ए. नवधर, थाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, पुना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्रयमान प्रतिफल से, एसे रम्पमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही बोध अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत्व, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि वित में वास्ता-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वायत, उत्तर विश्वियम के अधीम कर दोने के मृत्यहरू के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में तुविधा के सिए; महि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोचनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया वाना वाहिए जा कियाने में स्विका के सिए;

वत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, सम्बद्धि--- मैसर्स श्रासरा बिल्डसं ,
 बी-1/3, ग्राउन्ड फ्लोर,
 खीरा नगर, स० व० मार्ग,
 शांताकुज, (पश्चिम), बम्बई-54

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती निगस फातिमा, बिल्डिंग, न० 169, फम नं० 2, बेस्टर्न रेलवे, स० व० मार्ग, बादरा (पश्चिम), बम्बई-50

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हूं!

उसत मन्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप @-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विम की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ण) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास किसी सन्म किए का सकर्या।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

फ्लट न० 4ए, 3 री मजिल, प्लाट न० 18, 19, स० न० 8ए, नवघर, बम्बई, थाने ।

(क्षेत्र० 640 चौ० फि०)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 10352, जो अक्तूबर, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूणे के दफ्तरमें लिखा गया है)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायक**र भ्रायुक्त (निरीक्षण) **भर्जन रेंज**, पूना

विमाक 16-1-1985 मोहर पाल्य बाह् .21.एव एड .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3575—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रि. से अधिक ही

स्रौर जितकी सं० जमीन गांव नरोडा, म नरोडा, जिला अहमदाबाद है, तथा जो टी० पा० एत० 12 एफ० पी० 156 में स्थित है (स्रौर हससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणा है) रिजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में 37ईई, 19-6-84 को रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-6-84 को फाईल किया गया। को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यर्थापूवंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतीरितयों) के बीच एसे अत्राण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, बार/या
- ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर कर विद्या अधिनियम अस्तियों क्लारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः सेठ, लाल भाई, दलयत भाई, (एच० यू० एफ०), लाल भाई, दलपत भाई, बडा, थानकोर नाका, अहमदाबाद,

(अन्तरक)

2. प्रपोज्ड : महा लक्ष्मी, इन्ड० एस्टेट, ग्रीर वेर हाउसिंग, सोसायटी, है अर आफ : श्री ईश्वरभाई, लाल भाई पटेल, घधन लक्ष्मी, सोसायटी, मनी नगर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य महिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स -45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्धी

जमीन गाव नरोडा, में जिला, अहमदाबाद, टी० पी० एस० 12, एफ० पी० 156, 37ईई, 29-6-84 को फाईल किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई।

दनांक : 28-1-1985

मोहर :

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुखना

बारन सरकार

कार्यां लय. सष्टायक बादकर बायक्त (निरीक्षण

भ्रजीन रैंज पूना

पूना, दिनांक 16 जनवरी, 1985

निदेश सं० 37ईई/10947/84-85/1034—यतः मुझें ग्रनिल कुमार

आयकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट नं 18, 19, स० नं 8-ए, फ्लैंट नं 9 की, 1 ली मंजिल, नवघर, वसई है, तथा जो बसई में स्थित है (श्रीर हससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्राश्चिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृस्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल को प्रमुख उसके दश्यमान प्रतिफल को पर्दे हैं और मृभे यह विश्वास करने (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण धे हुई किसी जाव की बावत उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्थित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; भीर/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भादतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में विकास अधिकार:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स श्रासरा बिल्डर्स बी-1/9, ग्राउन्ड पलोग्नर खीरा नगर, स० व० मार्ग, ग्राताक्र्ज. (पिंचम), बम्बई-56

(श्रन्तरका)

 श्रीमती कुलबन्त कीर जें-35, भाणि क मोती. यारी, मार्ग,

(ग्रन्तरक)

वसई, अन्धेंरी, (पश्चिम), वस्बई-61

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत जम्परित क वर्षन क सम्बन्ध मा काई भी बाबीप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दा ओर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० १ बी, 1 ली मंजिल, प्लाट न० 18, 19,ए, नं० 8ए, नवघर, बसई (पश्चिम), थाने ।

(क्षेंव: 640 चौ० फि०)

(जैसे कि र्जिस्ट्रीकृत कि० सं० 10947 जो अक्तूबर, 84 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणें के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्चनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

विनांक 16-1-1985 मोहर . परूप बाइ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

.भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1984

निर्देश सं० 37ईई/84-85/6343/1033——स्रतः भुन्न, ग्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गण है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार प्रच्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-7, कोर्गाक, टेंरेस, 103/126, नगर, रोड, है तथा जो पुणें में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकर स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सैपित्त का उचित बाजार मूजा, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्तलिखित उद्बंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इप से किंगत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सह इं किसी नाय की बाबत, उपख बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने था उससे बचने में स्विधा ने लिए; बार्/बा
- (ख) एर्स किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ता 11) ए उना अधिनियम, 1922 का 11) ए उना अधिनियम, या धन-कर विधित्यम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिभाने में मुनिधा के रिए।

अत: अब. अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् उक्त कारिया बिल्डर्स,
 हर्मस नेस्ट,
 844, दतस्दुर मेहेर मार्ग, पुणे-1

(ग्रन्तरक)

 डा० रोशन शौकत टायरवाला तथा म्रन्य ई-4/2, विजय नगर, म्रपार्टमेन्ट्स, मारोल मारूसी, मार्ग, म्रंधेंरी, बम्बई-59

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (खं) इस स्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस प्चन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्। किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में टिल्ल नया है।

बन्स्ची

पलैट नं बी-7, कोर्णाक, टेरेस, 103/126, नगर मार्ग, पुणे-6

(क्षेत्र 625 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के० 6343 जो जुलाई, 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षणै) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 18-1-1895

महिर :

त्ररूप बार्ड ही. एवं, एतं,------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 37ईई/6621/84-85/1032--- ग्रतः मुझे, मनिल कुमार,

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का धारण हु कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000 / - र्य. सं**अधिक हैं**

और जिसकः मं० फ्लैटनं० 106, तारा बाग, प्लाट नं० 285, (पार्ट), कोरेंगांव, मार्ग, पूणे तथा जो पूणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब अनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिव री के कार्यालय सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से वाम के पश्यकान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाग भारते का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पन्ति का उचित काजार मध्य उसके रूथ्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्दरेशों से उत्त अन्तरण जिब्दि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, अधिनियम को अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे धचन में सविधा क किया और/धा
- (क) पर्या किसी आप या किसी धन या अन्य आस्मिको कां, जिन्ह^{*} भारतीय अधकार अधिनियस, १८<u>२०</u> (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पत्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का ??। के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया **गया था या किया जाना चाहिए था**, स्त्रिपाने म मुविधाके लिए;

नतः, वदः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ए के ननुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. मेहता एण्ड कं० 22, अपोलो म्द्रीट, फोर्ट, बम्बई-1

(भन्तरक)

2. श्री म० ह० दमाडिया तथा भ्रन्य रिखाव ट्रस्ट, 4 थी मंजिल, 21/1, र० ग्रं० किदवाई मार्ग. यहाला, बम्बई-31

(मन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति मम्पत्ति के अञ्चन के लिए कार्यवादियां करता हु।

उक्त सम्प्रति के अर्जन के सम्भन्ध में कार्य भी माक्षंप ---

- (क) इस स्प्रा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि मा तत्मंबंधी व्यक्तियो स्चना की तामील स 30 दिन की अवित, जी भी अयोध तक में ममाया हार्य वर्षे के भी र वर्षे देश · ों गांसे किसी व्यक्ति इवारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पस्टोकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उत्तर अध्याय में विमा गया है।

फ्लैट नं० 106, तारा बाग, प्लाट नं० 2,85 (पार्ट), कोरें गाव मार्ग, पुणे।

(क्षेत्र: 1040 चौ० फं/ट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋं० 6631 जो ध्रगस्त, 84 को सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज, पना

दिनांक: 18-1-1985

मोहर:

प्ररूप बार्ड टी.एन.एस.

ज्ञायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सुचना

त्रारत सरकाह

कार्यासयः, सहायक जायकटु जायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 जनवरी 1985

निवेश सं० 37ईई/11021/84-85/1030—म्बतः मुर्भ, मनिल कुमार,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृह्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं गाला/यूनिट नं 11, मोडला इन्डस्ट्रियल इस्टेट पडपड नगर, है तथा जो थाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूर्ण में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक ग्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूक्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का अचित बाजार मूक्य, इसके अध्यमान प्रतिफल के, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरित के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नीसिक क्ष्में के अस्त के केंद्रण विविक्त को सामित्र के सिक्त के केंद्रण विविक्त की सामित्र के सिक्त के केंद्रण विविक्त की सामित्र के सिक्त की सिक्त कर है की सामित्र की की स्था की हैं :—

- (का) बन्तरण वे हुन्न कियों शाय की नावतः, स्वतः विधिनवय वे बचीन कुद्र वेने वे वंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वे सिए; ब्रीट/वा
- (क) एती किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियस, वा भनकर अभिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविभा के तिए;

नतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-मू के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वै अधीय - निम्मविधित व्यक्तियों, वर्षीत् ह— मैसर्स मोडला टैक्सटाइल्स इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 4-सी, वल्कन, इन्ध्यूरेन्स बिल्डिंग, वीर नरिमान मार्ग, बम्बई-20

(भ्रन्तरक)

कांतिलाल प्रभुदास राठोढ़,
 1/2, शिवलायम र० इ० व० मार्ग,
 मुलुंड, (पश्चिम), बम्बई-80

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त बंपरित की वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:---

- (क) इस ब्रुवन के राज्यन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की भवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध चिसी जन्म स्थित ह्वारा अभोहरताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः—इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जाँचित्रयम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा है।

प्रपृष्

गाला/यूनिट, नं० 11, मोडला इन्डर्स्ट्रीपल, 'इस्टट पडपड नगर, थाने ।

(क्षेत्र: 636 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कं० 11021/84-85 जो अक्तूबर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

दनांक: 19-1-1985

मोहर 🖫

12-476 GI/84

भू**रूप व्यक्ति हो . एव**ा **एव**ा स्वरूपनम्बन्तन

कायकर वॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

साहत ब्रक्त

कार्याक्ष्य, सहायक नायकर नाम्क्त (निर्देश्न)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1985

ि निदेश सं० 37ईई/84-85/1029/—मतः मुझे, भनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उप्ति वाजार मूक्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ० नं० 202-ए,/कला भवन, 305 III, शुक्रवार पेंठ, है, तथा जो पूणे में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्णेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) बन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उल्ला अधि-नियम को अधीन कर बंदे के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिष्णा के सिए:

 मैसर्स नीलम बिल्डर्स.
 1482 सदाशिव पेठ पूणे-30

(ग्रन्तरक)

 श्री ल ० ट ० पालेशा, तथा भ्रन्य 371, गुरुवार पेठ, पुणे-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिस् कायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, को भी वृत्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण र स्थाने प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उपके अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्ररिभाषित हैं, वही अर्थ हायर जो उस अध्याय में दियः गया हो।

अनुसूची

फ॰ नं॰ 202/ए, -1 कला भवन, 305(ए), **गु**क्रवार पेठ, पूणे-2 ।

(क्षेत्र: 685 ची० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत फं० 4875 जो जून, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ध्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना ।

कत., अब, अबत अभिनियम की श्राप 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

¹दनांक : 18-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें दी पुन . एस पुन-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० $37 \hat{\mathbf{z}} \hat{\mathbf{z}} / 7218 / 84 - 85 / 1028 - - श्रत. मुझे, श्रिनल कुमार,$

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, 175 ढोले पाटिल, मार्ग, पूणे है, तथा जो पूणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुत्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूणे में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितस्वर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निल्खित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अभ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्चित्त व्यक्तियों अधीन, निम्नितिश्चित्त व्यक्तियों अधीन,

मैंसर्स कारिया बिल्डर्स,
 हर्मेस नेस्ट,
 844, दस्तुर मेहर मार्ग,
 पूणे-1

(अन्तरक)

 श्री बलवन्त राय टंडन, तथा ग्रन्य, 706,ए, एवरणाईन नगर, मलाड (पण्चिम), बम्बई-64

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्धों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 19, 175 ढोले पाटिल मार्ग, पूणे-1 (क्षेत्र : 840 चौ फि०)

(जैसे कि रजिस्द्रीकृत कं 7288 जो सितम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 18-1-1985 **मोहर** ध

प्रकष बाहु . टी. एम्. एस्. -----

मायकर मिशिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

HIZO HEWS

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (शिट्रीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 18 जनवरी 1985

निवेश मं० 37ईई 191/84/85/1027---अतः मुझे अनिल कुमार;

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से विधिक है

और जिनकी संव दुकान नंव 4. ग्राउन्ह फ्लार, केणवलक्ष्मी, ए 1466, सदाणित पेट, पुणे 30 है, तथा जो पुणे-30 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनूसूची में और जो पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रें, कर्ता अधिवार, के वार्यात्य सहारवं आयकर अध्यक्ष (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रें करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्षूबर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गढ़ें हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्योग से उन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्योग से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुद्द किसी शाय क्यी बावत सक्त विध-नियम के वधीन कर दोने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूदिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय वा हैकसी धन या बन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या धनकार अधिनिव्म, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., कियाने में वृद्धिया के निष्;

नतः सन्, उनत् मीभृतियम् कौ भारा 269-म् सै नन्सर्ज मै, मैं, इनत् नीभीनयम् कौ भारा 269-म् कौ उपभारा (1) से अभीग्र, निम्नानिकिक व्यक्तिको ल जुनाँस् ह— साने सरदेंशमुख, असो०. गंगाधर वेम्बर्स,
 314 नारायण पेंट,
 पुणे 30

(अन्तरक)

 श्री अनिल भास्कर जोशी तथा अन्य 1465, सद्याशिव पेठ, पुणे-30

(अन्तरितं।)

को यह स्वना आकी कड़के पृश्वित सम्पृत्ति के भूजन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की ताजीब से 30 दिन की अवधि, का भी अवधि नाइ में समान्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस मुक्ता के राजवन में प्रकाशन की ताथीस ने 45 दिन के भीतर उसत स्थान्य सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सके में।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयूक्त सब्बों और प्यों का, को खक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्दी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नवृत्त्वी

दुकान तं० 4, ग्राउन्ड फ्लोर, केशव लक्ष्मी ए, 1466, सदाधिव पेठ, पुणे 30,

(क्षेत्र 241 ची० फि०)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कि 8918 जो अक्तूबर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के क्फ्तर में लिखा गया है।))

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष**ण) अर्जन रेंज, *पूना*

दिनांक 18-1-1985 **मोहर** ध प्ररूप बार्ड ही त्र प्रन_ एस हाराज्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 37ईई/8951/84/85 1026—अतः मुझे, अनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- राप्य से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट नंव 6, 1 ली मंजिल, प्लाट नंव 61 ली मंजिल, प्लाट नंव 63, तुलसीबाग बाले कालोनी, हैमन्ती अपार्टमेन्ट, पुण-9 में हैं तथा जो पूण-9 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनूसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयूक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तुबर, 1984

- ओ पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्व से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है ह——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; आर्/या
 - (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा औं सिए;

जतः सव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की कपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— टी० एस० कुलकर्णी एण्ड कं० रिव बिल्डिंग, ब्लाक नं० 12, अलका टाकीज, के नजदीक, 8/1, संवाशिय पेठ, पुणे-30

(अन्तरक)

प्रभा मधूकर, गोगटे,
 28/395, लोकमान्य, नगर,
 पुणे 30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के कायेवाहियां शुरू करता हु।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रे---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितअद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकर्गी।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिग्ण गया हैं।

प्रवसर्वी

पलैट नं० 6, 1 ली मंजिल, घुलसीबाग वाले कालोनी, हेमन्त्री अपार्टमेन्ट्स, पर्वती, पुणे-9

(क्षेत्र 600 चौ० फि०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋं० सं० 8951 जो अक्तूबर, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे दफ्तर में लिख्का गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी ,(सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रैंज, पूना

तारीख: 18-1-1985

मोहर 🛭

। स्था कार्य हो हो हुन् हुन् हुन् स्थान स्था

नायकुड न्रिप्रियम, 1961 (1961 का 43) काँ पारा 269-न (1) नो नुनीन स्पना

भारतं स्टब्स्स

कार्याक्य, सहायक कार्यकर कार्यक्य (किड्रीक्य)

अर्जन रेज, पूना

पूना, विनाक 18 जनवरी 1985

निवेश स० 37ईई/84/85/10275--अत मुझे, अनिल कुमार,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाहार मृत्य 25,000/- रु. स आधक है

और जिसकी स० सी० टी० एस० न० 896, 97, 98, 99, सं० न० 57, घर न० 1, प्लाट न० 272 है, तथा जी थाने में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूस्चा में और जो पूर्ण क्य में विणित हैं) राजस्ट्रीक्त अधिकार्र के वायिलय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अक्तूबर, 84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रसिष्क के दि.ए अन्ति विच वाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रसिष्क के दि.ए अन्ति विच वाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रसिष्क के दि.ए अन्ति विच वाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रसिष्क के विच अधीन दिना का उनित बाजार मृल्य, जग्ग्ते क्यानान प्रिष्मिल के एने क्यानान पित्रिक का पंचह प्रसिद्ध के स्थान के ध्रयमान प्रसिष्क के बाव एस अन्तरका अन्तरका शाम स्थानित के बाव एस अन्तरक अन्तरका से साम प्रसा प्रसा अन्तरक (अन्तरका) के बाव एस अन्तरक अन्तरका स्थापा प्रवा विद्या प्रसा विद्या से दक्त क्यारण जिल्ला के बाव एस अन्तरक अन्तरण के लिए स्थ पाया प्रवा विद्याल कि स्थापा प्रवा विद्याल के स्थापा प्रवा विद्या से दक्त क्यारण जिल्ला के बाव एस अन्तरक अन्तरण जिल्ला का प्रवा विद्या से दक्त क्यारण जिल्ला के बाव एस अन्तरक अन्तरण का विद्या प्रसा विद्या के स्थापा प्रवा विद्या से दक्त क्यारण जिल्ला के विद्या प्रवास का विद्या से दक्त क्यारण जिल्ला के बाव एस अन्तरक का प्रवास का विद्या से दक्त का प्रवास का विद्या में बाव का स्था का विद्या से दक्त का प्रवास का विद्या का विद्या का स्था क

- (क) क्यारण से शुर्द किसी बाव, की बाबस अवस् कृषिणियम में बभीन कर दोने के बन्दाह्य में खक्ति मों कमी करने या उससे वचने में बृद्धिश में सिए; मार्ट्स
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या रक्त निधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सूबिधा ने हिंगए;

भत नव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण भी, भी उक्त निभिनियम की भारा 269-व की खपभारा (1) के नभीन, निम्निसित क्याँक्तयों, अभीत् ध— मैसर्स आर० के० बिल्डर्स "कुलश्री" सम्भाजी मार्ग, नौपाडा, थाने ।

(अन्तरक)

श्री अरूण गणेश पॉकरो,
 16, 'पल्लवी' सो,
 आगरा मार्ग, कस्याण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां गृष्ट करता हुई।

उन्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस नृष्यना के राजभन्न मा प्रकाशन की दारीय वे 45 विन की अवधि या सल्सम्बन्धी व्यक्तिया पर तृष्यन की तामील से 30 विन की अवधि , तो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से कियी व्यक्तित दुवारा;
- (व) इस सृष्यना के राषपत्र मं प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदथ किसी अन्य व्यक्तियं वृक्षायं अश्रहस्ताक्षरी के वास र्ग स्थापत्र गाउँचा।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 896, 97, 98, 99 सं॰ नं॰ 57, घर नं॰ 1, प्लाट नं॰ 272, म॰ ग॰ मार्ग, नौपाडा, याने।

(क्षेत्र: 50 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि सं 10841, जो अक्तूबर, 84, को सहायक अध्यक्तर आक्युत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्थन रॅंज, पूना

दिनांक 18-1-1985 मोहर . प्ररूप आहूर.टी.एन.एस -----

भागकर व्यितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 37**६६**/7952/84/85/1024-- अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० गाला नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर. इन्डो इन्डस्ट्रीज इम्टेट, 3 बिल्डिंग, प्लाट नं० 154, नवघर में है तथा जो थाने में स्थित है (और इसमे उपावड अनूसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांव जून, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास मुफे यह विश्वास करने का कारण यथा पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नह किया गया है:---

- (क) अन्तरमं से हुई किसी भाष की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के सिए; और/मा
- (थ) एसी किसी आय वा किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती कृतारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया जाना वाहिए था जिनाने वें मृतिथा के लिए;

्वतः वव, उक्त अधिनियम की बारा 26: र वे अनुत्रक वो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) इंटिंग, निम्िरिखित व्यक्तियों, अधित :--- मैंगर्स इन्डिमा इन्डस्ड्रियल, कारपोरेशन, 82/86, अब्बुल रहमान स्ट्रीट, बम्बई-3

(अन्तरक)

2 मैं-पर्ग ध्योलिन, अस्ट्रासोनिक्स, 210, कर बर्र लाल इन्डिस्ट्रियल इस्टेष्ट, लिकिंग रोड, गास्त्री नगर, गोताक्रुज (पश्चिम), बस्बई 54

(अन्तरिती)

न्द्री सह क्ष्मा आरी करकी प्रतिकत नन्द्रित को नर्जन के जिए कार्यनाहिमां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ६--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की साद्रीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

सम्मद्भीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंख्यी

गाना, त० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, इन्डो-इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, तं० 5, बिल्डिंग, ध्लाट तं० 154, स० तं० 31, 34, 35, 36, 37, 55 तबघर, तह्० बेसिन थाते ।

(क्षेत्र: 755 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 7952 जो जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के क्ष्मरमें लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 10-1-1085 मोहर : प्ररूप बाह् ु दी. एवं. एस. - - -

भायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन समना

शारत सरकार

कार्याजन, सहायक भागकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी, 1985

निर्देश सं० 37ईई/6638/84-85/1023—अत: मुझें भनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बी-7, झेल्म को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी एरंडवणें, है तथा जो पुणें में स्थित है (भीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज पुणे में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियारें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निसिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में मिन्सित बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है हि—

- र्फि) अलाहण सं हुइं हिंगकी बाव की बावत स्थल अधितियम औं अधीन कह दोने के अलाहक के श्रायित्व में कभी ऋहने वा स्थले वसूने में सुविधा के निए; और्ट्र/या
- (च) एसी किसी नाव वा किसी धन् वा नन्य जात्तिवाँ की, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त बाँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त बाँधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

- श्रोमती प्रमिला शरदवन्द्र शिरोलकर, द्वारा डा० र० ब० शिरिलकर, 'ग्रिरीश्री, 481/1/सी, श्रीप्रसाद, को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोडायटी, शाहु, कालेंज, मार्ग, पुणे-9. (ग्रन्तरक)
- श्री कृष्णराव देवराव देशमुख,
 प्लाट नं० बी-7, झेल्म को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी शिलविहार कालोनी, पुणे-4

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राथपण के प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कम्य क्यंक्ति इवारा स्थोहस्ताक्ष्टी के पास निवित्त में किस का सकेंगे।

स्थलकिर्म्: इसमें प्रयुक्त बुट्यों जीर प्यों का, वो उन्त् विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया म्या ही।

मन्स्ची

पलाट नं० बी-7, झेल्म को-प्रापरेटिव हार्जीसंग सोजायटी बैंक भ्राफ महाराष्ट्र कालोनी, ए रडवणे, पुणे-4 ।

(क्षेत्र: 625 **ची**० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि सं० 6638 जो धगस्त, 84 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, पुणे, के दफ्तर में लिखा गया है।

भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, पूना

दिनांक 18-1-1985 मोहरह प्रक्रम आहाँ.टी. एन. एस. ------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37ईई/798/84-85/1022—अतः मुझे भनिल कुमार

भायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उजित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० गाला नं० 2, 3, धनलक्ष्मी, बिल्डिंग्स, धनलक्ष्मी इन्डिस्ट्रियल, नवघर, थाने में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाधन्न अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनोक जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृष्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरक के जिए तय पाया गया प्रतिफस, निश्निविद्या उच्चेष्य से उन्त बन्दरण दिश्विद्य में वास्त्रीक्क स्थ से अधिक मृत्तु विश्वा नवा है के

- (क)- बन्तरक से हुइ किसी नाव की बाबत, उसस अधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के वामित्य में कभी करने वा उससे बुदने में मृतिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय ना किसी पन ना नन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-नार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा. छिपाने में न्विया के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखिल स्यक्तियों स्थित् :—
13—476 GI/84

 धनलक्ष्मी, बिल्डसं नवघट तह० बसई, याने ।

(ग्रन्तरक)

मैंससं सिटन फर्मा ,
 ए/2, खाजुरिया, बिल्डिंग.
 ब्लाक, नं० 405, खाजुरिया, वाडी,
 4 थी, मंजिल, कादिवली (पश्चिम),
 बम्बई-69

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के ट्राव्यान में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जन्धि नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना भै राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितनवृष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधांहस्ताकारी के पावः सिर्वित में किए वा सकतें।

स्यस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त पब्दों और पर्यों का, जो उच्छा अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया

वपृष्ट्

गाला नं० 2, 3, ग्राउन्ड फ्लोघर, घनलक्ष्मी, इन्डस्ट्रियल इस्टेंट, बसई, थाने ।

(क्षेत्र : 196.92 चौ० फि०)

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कै० 7989 जो जून, '84 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण'), श्रर्जन रेंज, पुणे, के दफ्तर में लिखा गया है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुष्ट्र (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनकः 18-1-1985 मोहरु ध बरूप बार्च .टी.एन.एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

हार्त सरकार

कार्यासय, सञ्चयक जायकर नायुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1985

निवेश सं० $37\frac{$}{5}/7077/84-85/1021$ —मतः मुझे, भ्रनिल कुमार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं. दुकान नं० 5, परशुराम ग्रपार्टमेन्ट, 1616 सदाशिय पेठ, है, तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक ग्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रवमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए त्य पाया गवा प्रतिक क्ष विश्वलिखित उद्वेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बाल्सिवक क्ष के किसा महीं किया गवा है है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अभिनियंत्र के बधीन कार दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कार्य आपने वा उत्तरी वसने में वृत्रिका के सिन्द; श्रीह/या
- (व) एंसी किसी नाय वा किसी भन या अभ्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, वा वन-कर अभिनियम, वा वन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीयनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

क्त: अब, जन्त विभिनियम की भारा 269-व की व्यक्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की डापधारा (1) के क्षधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :--- मैसर्स प्रवीन गुप्ता एण्ड एसोसियेटस, 13/176, लोकमान्य, नगर, पूणे-30।

(श्रन्तरक)

 श्री विश्वास खंडेराव मुलाणी, रामवाग कालोनी, पुणे-30।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सक्यित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ह--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हितयद्वे किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधीहस्ताक्षरी के पास किमल में किए जा सकतें।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त बन्धों और पद्यों का, को उनक अभितियम, के नध्याव 20-क में दुरिशाजिक है, नहीं नुर्भ होगा को उत्त सध्यान में द्विया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 5, ग्राउन्ड, फ्लोर, परशुराम ग्रपार्टमेन्ट्, 1616, सवाशिव पेठ, पुणे-30 । (क्षेत्र 230 चौ० फि०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत क ० 7077 जो ग्रगस्त, 1984 को संहायक ग्रायकर शायकर शायकर शायकर (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के कार्यालय में लिखा गया है।

द्यनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

विलांक 18-1-1985 मोहर ा

प्रकृत वार्ड्, टी. हुन <u>. युत्त . ----</u>----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च '(1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार बायुक्त (निर्देशिकण) धर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 37ईई/7994/84-85/1031—-धत मुझे, मनिल कुमार,

गायकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे टमम इसके पश्चात् 'उक्त अधिकियम' केहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,060/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट न० फ०-25, 1ली मजिल, बम्बई, फ्लाट, नं० 27, वार्थी, में है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, पुना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिद्विद्य में नास्तिक रूप से किथात महीं किया गया है क्ष-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना, चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए:

जतः अव. उक्त जिल्लाम की धारा 269-ग के जनुतरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वी वधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, जबति ह—

- मैससं बी० एस० बिल्डर्स,
 दुकान न० 15, बम्बई, प्लाट न० 27,
 सेक्टर-17, वाशी, नई बम्बई ।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विनोदकुमार, सरीन तथा श्रन्य, टी-1/9 प्रिमियर, कालोनी, कुर्ला, सम्बई-70।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जाती करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवर्गहर्या करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अजन के सम्बन्ध मा कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन / की तारीब सं
 45 दिन के शीवर उसा स्थापर सम्बन्धि में । हतकदूध
 क्यी कथ व्यक्ति द्वारा जवाद-साक्षर) के पास
 लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, भो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट न० फ-25, 1 ली मजिल, प्लाट नं० 27, हिस्सा-17, बाबी, नई बम्बई ।

(क्षेत्र: 548 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत रू० 7994/84-85 जो जून, 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

दिनांक 19-1-1985 **नोहर** ॥

अस्त नार्ड हों पुन_् पुस

नायकार अभिनिय्म, 1961 (1961 सम 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

नारत सर्कार

कार्यालय, सहायक वायकर काबुक्त '(निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूमा

पूना, विनांक 21 फरवरी, 1985

निदेश सं० 37/ईई/3252/84/85/1068——अतः मुझै, अनिल कुमार,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्व 25,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी सैं० जे० प० स० नं० पुणे, सब-प्लाट नं० 1, शिवाजी नगर, है तथा जो पुणे में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अन्त्यर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वर्ष से उच्च अंतरण सिखित में वास्तिक क्य से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त निधिनियम की नशीन कर दोने के अन्तरक की दासित्य में कमी करने ना स्वसं व्यन में सुविधा के निष्ट; नरि/ना
- (क) एसी किसी जाय या किसी थम या जन्य जाहितयों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः असं, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 शिला बीनानाथ, खन्ना, तथा अन्य फ० प० व० 47/1 वाकडेवाडी शिवाजी नगर पुणे-5।

(अन्तरक)

 कारिया बिल्डर्स पूर्व 1 हमर्स पार्क, 30 बंड, गार्डर्न मार्ग, पुणे-3।

(अन्तरिती)

स्त्री यह सूचना बारी करके पृशासित सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव भी वर्गीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्में प्र स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (क) इस सुधना के राजपण में श्रकाशन को तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताकरी के पाउ सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो खबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका विकाह ।

नन्त्र

र्बगला सं० ट० स० नं० 1869, फ० प० नं० 47/1, (पुराना), 23, (नया), ट० प०स० पुणे, सब-प्लांट, नं० 1, शिवाजी नगर, पुणे-5।

(क्षेत्र 5525 चौ फि॰)।

ं जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कर्ं सं० 9251 जो अक्तूबर, 1984 को सहायक आयकर ,आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 2-2-1985 मोहर 🛭

स्वम् बार्च दी प्र. १व .

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 6 फरवरी 1985

निवेश तं 37 ईई/6301/84-85/1076—अतः मुझे, ,निल कुमार,

तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें तके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 5,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं अफिस नं 11, 6 मंजिला, विध्या कर्माणयल प्लांट नं 1, हिस्सा 11, बलापुर है, तथा जो पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्स, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितिया) के बीज एसे अन्तरण के लिए तम पाम ग्या प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देशों से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में अभी करने या उससे वंचने में सुविश की लिए; अदि/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मा में सुविधा के सिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निस्मलिकित व्यक्तियों, अधीत् हु---

 मैसर्स कैलाशन एण्ड असो० 62, मिसल, कोर्ट, ए विंग, निरमान पाइन्ट, बम्बई-21

(अन्तरक)

 रिलायंस जनरल कारपोरेशन, सी,72, मित्तल कोर्ट, नरिमान पाइन्ट, अम्बई-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी कारके पूर्वीबद संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क्रें अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि मा तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट स्थितियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य त्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अनुसूची

आफिस नं 11, 6 मंजिल, विध्या, कमिशयल प्लाट नं 1, हिस्सा नं 11, सी बी बी बीलापुर, नई बम्बई। (क्षेत्र 586 चौ फि ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कै० 6301 जो जून, 84, को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

(अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 6-2-1985 मोहर ३ प्ररूप बार्ड . दी . पुन ., पुस ⊴ = = - ---=

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्चेना .

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्र ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० 37-ईई/6299/84-85/1077—यतः मुझे, भ्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यितारी को, यह राज्यास धान का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी नं श्राफिस सं 13, 6 मंजिल, विध्या काम-णियल, प्लाट नं 1 है, तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, पुणे मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है '---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उन्ते अधिनियम के अधीन दार को के धानारक है दायि द में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्; ब्लीस हा
- (क) ज्या जर्न आयण किस्सी वन या अस्य आस्तियों / को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2%) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने दें सुविधा को लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखत व्यक्तियों, क्ष्मिंत के मै० कैलाशनाथ एण्ड एसोसीयेंटिड, 62, मित्तल कोर्ट, 'ए०' विंग, निरमान पाइंट, बम्बई-21

(अन्तरक)

 मै० एस० डी० एस० कार्पोरेशन, सी०/72, मित्तल कार्पोरेशन,
 नरिमान पाइंट, बम्बई-21

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त यूम्पीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी हैं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ' बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के (पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में (परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन संची

श्राफिस नं० 13, 3 मंखिल, विध्या कार्माशयल ,प्लाट नं० 1, हिस्सा नं० 11, सीं० वीं० डीं० बेलापुर, नई बम्बई। (क्षेत्र: 586 चीं % फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 6299 को जून 84 को सङ्खायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

. तगरी**ख**ः 6-2-1985

मोहर 🖇

प्रस्य **नाइ**, टी. एन्. एस्_{.९} ----

भायकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

शारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर वायुक्त (र्म्नरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई/6300/84-85/1078---यतः मुझे, धनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है), बती धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उभावर सम्पत्ति, जिसका उभावत साजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 12, 6 मंजिल, विध्या कामणियल प्लाट नं० 1, हिस्सा नं० 11, सी० बी० डी०,
बेलापुर है, तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्री॰ इससे
उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता
श्रिषकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रुजंन रेंज, पूणे में स्थित, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम,
1908 (1908 का 16) के श्रुष्ठीन, तारीख जून 1984
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के श्रूष्यमाम
प्रतिकत के लिए बंतरित की गई है और मृझ यह बिश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे श्रूषमान प्रतिकल का पत्तुह
श्रीतशत से विभक्त है और अन्तरक (जन्तरकार) और अन्तरिती
(अन्तरितवार) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
श्रीतकत, दिस्सीवित उद्देशों से उचत जनसरण विवित्त
वे वास्तविक रूप से कीन्द्र नृहीं किया नवा है :---

- (क) नन्तरम् से ड्रूइं किसी भाव की नाग्त, उपक क्रांधिनिशृत के नधीन कर दोने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, शा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, स्थिपने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को बनुसरण वं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीज, किस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- श्री कॅलाशनाथ एण्ड एमोसियेटिड 62, मित्तल कोर्ट, 'ए०', विग, नारिमन पाइट, अम्बई-21।

(भ्रन्तरक)

2 मैं जनरल एक्सपोर्ट एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग 85, पेडर मार्ग, बम्बई-26।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किमी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजणक में प्रकाणन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षतीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उज्जत अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उसे अध्याय में दिया गया हैं बो

STEEL!

भ्राफिस नं० 12, 6 मंजिल, विध्या कामिशियल, प्लाट नं० 1, हिस्सा नं० 11, सी० बी० डी० बेलापुर, नई बम्बई।

(क्षेत्र · 585 चौ० फु०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 6300 जो जून 84 को सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा गया हैं)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राथिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

तारीख . 6-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाह्र टी., एव. एस.,----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अधीन क्वन

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० 37-६६/6297/84-85/1079--यतः मुझे, धनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 14, 6 मंजिल, विष्या कार्माणयल, प्लाट नं 1, हिस्सा नं 11, सी वी डिंग डी बेलापुर, है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सहार्यक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूने में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

न्ते प्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्यास क को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित के बास्तिक रूप से कियत नहीं किया पया है:---

- (क) बन्तरण से हुई सिक्षी बाब भी बावत उस्त सीच-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बादित्य में कभी भारते या उसने बचने में बृदिशा के लिए; ग्रीट/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन वा जन्य जास्तियों को, विन्हीं भारतीय नायकर अभिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उन्ते निर्मित्रया, या धन-अर अभिनियम: 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती ब्यारा प्रस्ट नहीं किया नया ना वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सित्रभा भी विन्ही।

जतः। जब, उक्तः विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण तें, भै-, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बधीम, शैमम्मसिसिंत व्यक्तियों, अर्थात स्मर् मै० कैलाशनाथ एण्ड असो०, 62, मित्तल कोर्ट, 'ए०' विग, निरमान पाइंट, बम्बई-21

(भ्रन्तरक)

 मै० एस० डी० एस० कार्पोरेशन, सी०/72, मित्तल कोर्ट, निरमान पाइंट, बम्बई-21

(भन्तरिती)

को यह धूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुए।

उनत सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका वें 45 दिन की नविध का तत्सक्ष्य की कांक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, वो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पक्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गवा है।

THE STATE OF THE S

माफिस नं० 14, 5वीं मंजिल, विष्या कामुशियल, प्लाट नं० 1, हिस्सा नं० 11, सी० वी० की० बेलापुर, नर्ड बम्बर्ड।

(क्षेत्र: 592 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 6297 जो जून 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> ध्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 6-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्डः, टी. एत. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 6 फरवरी 1985

निर्देश मं० 87-ईई/6305/84-85/1080---यतः मुझे, भ्रतिल कुमार,

आयकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 3, 5वी मंजिल, विध्या कार्माणयल, प्लाट न० 1, हिस्सा न० 11, सी० बी० डी०, बेलापुर है, तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूने में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, नारीख, जून 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्तक दृश्यमान प्रतिफल ५, एसे क्ष्यण्य प्रिकट का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिकक्ष क्ष से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से इ.च. किसी जाए की बायत ज कर आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृत्रिण के नियं, क्षेट वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.72 का 11 या उक्त अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना खाहिए था. छिपाने में स्तिशा के सिष्टः

अतः अथ, उनत अधिनयम, की धारा 269-व के बन्तरक मा, मी, उन्न अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को जधीन निस्तिलिखित व्यक्तियों, अथित् :----14—476 GI/84 मै० कैलाशनाथ एण्ड भ्रसो०, 62, मित्तल कोर्ट, 'ए०' विग, नरिमान पाइट, ब्रस्बई-21

(भ्रन्तरक)

2 श्री स० प० स६ हीर, 4, सत्यम, मलबार हिल मार्ग, मुलुङ, बम्बई-82

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उत्ता मंपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अपिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति खनरा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों. और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

श्राफिस न० 3, 6 मजिल विध्या कामिशियल ,प्लाट नं० 1, हिस्सा 11, सी॰ बी॰ डी॰, बेलापुर, नई बम्बई। (क्षेत्र: 505 चौ॰ फि॰)

जिमे कि रजिस्ट्रीकृत 6306 जो जून 84 को महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पृणे के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, पूना

सा**रीख** 6−2−1985 मोह्र ध

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरी, 1985

ं निदेश सं० 37ईई/5847/84-85/1081--- श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रह. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं दूकान मं 10-विंग, ग्रांचड पंलीर भरोबा नाला. फार्सिमा नगर में स्थित हैं और इससे उपाबंद अनूसूनी में और पूर्ण रूप से विंगत हैं), रिजस्ट्रीकार्स अधिकार के कार्यालय, सहायक आयक आयक (निरोक्षण), अर्जन रेंज पूर्ण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे गह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का अचित बाजार मृत्य उसके एस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पत्ति हैं और बंतरित का अचित बाजार मृत्य उसके एस्यमान प्रतिफल के और अंतरित की गई है और मूझे गह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का अचित बाजार मृत्य उसके एस्यमान प्रतिफल के और अंतरित की गई है ति स्थाप्य गिर्म अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क्यों) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या जससे अचने में मित्रशा के लिए; और/या
- (क) एसी क्रिक्सी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैं निष मुकापरिशन,
 24, विर नारिमान मार्ग,
 फोर्ट,
 बम्बई-23।
 (2) विश मंजिल,
 धनण्याम अपार्टमेंट्म,
 1 टोले पाटिल मार्ग,
 पुणे।

1(अन्तरक) बोस,बोरा

श्री राजकुमार रसनचन्द
 558, सेन्टर स्ट्रीट,
 पूणे-1।

ं (अन्दर्शि**)**

को यह मुचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा मकारी।

स्पष्टिकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

युक्तान नं०' 10, विंग-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, स० नं० 17-11/1, मेरीबा नाला, फतिमा नगर, पुणे-13। (क्षेत्र 415 ची० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 5931 जो जुन 84 को महायक आयश्रद आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्तर आयूक्त (ि.रीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तःरोख 5--2--1985 मॉहर: प्रकप आर्द .टी .एन .एस - -----

नायकर व्यापनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेण सं० 37-ईई/5832/84-85/1082-अतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र - रु. से अधिक हैं

और जिमकी सं० ष्लाट-205, विग-मी, 2री मंजिल, प्लाट न० 9, मेरीबा नाला, फातिमा नगर, पुणे---सोतापुर मार्ग, है, तथा जी पुणी में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूच, में और पूर्ण इप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिन् रा के कार्यालय, महायक आयशर जायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज में, रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख जून 1984

का पूर्वीकत सम्पत्ति के उण्वित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की भई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल सं, एमे इश्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए सय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखत उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीर्धानयम के बधीन कर को के बसारक के बादिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियां की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मिस, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० मिनष नापीरेशन,
24, पीट नारिमन मार्ग,
फार्ट,
बम्बई-23।
(2) 1ली मंजिल,
घनण्याम अपार्टमेंट्स,
टाङ्क पाटिल मार्ग,
पुणे।

(अन्तरक)

 श्रीमर्ता फुलबाई अर्देशिर पटेल, तथा अन्य, भिवडा वाला टैरेस, 'एस०' ब्ल्यूच, मकान नं० 101, 1 ला मंजिल, धोवा तालाब, बम्बई-2।

(अन्तरिती)

को यह स्वनः आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए अवर्वाहम क कि हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वार्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्राष्ट्र

- (क) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत जीविनयों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा "जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नन्स्ची

प्लाह न० 205, त्रिंग-पी, 2री मंजिल, प्लाह न० 9, स० नं० 17-ए 1, फालिमा नगर, पुणी सीलापुर मार्ग, पुणी-13।

(क्षेत्र 44 चौ० फि०)

(जैसे कि राजिस्ट्राइत कि 5932 जो जुन'84 को सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज, पुणी के इफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाह्ं, टी. एन. एड.,-----

नायक दुनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश स० 37-ईई/6320/834--85/1083--अतः मुझे; अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका त्रिवत बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है अौर जिसका स० पलैट न० 19, 3र्रा मांजल, निर्मला 'अपार्ट-मेंट, उल्हाम नगर-2 है, तथा जो थाने में स्थित है (और इससे पाउवद अनुसूच। में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण), अर्थन रेच में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के अर्थन, ताराख जून 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं हैं और मुर्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में मिबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पृतिधा को लिए।

बत्ध बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण, मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् !--- ू1. श्रीमती इंद्रा प्रेमचंद वाच्छानी अतुर पार्क, ब्लाक 2/2/1, सायन, ट्राम्ब मार्ग, चेम्बुर-71।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मुशीला नदलाल आहुजा, नं० 246, मकान नं० 7, उल्हास नगर-1, थाने।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के , पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त लन्दों कौर पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

प्लैट नं० 9, 3री मंजिल, निर्मेला अपार्टमेंट, खेमार्णी वस स्टाप् के नजदीक, उल्हासनगर-2. थाने।

(क्षेत्र: 800 चौ० फि०) 🕫 🍃

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 6320 जो जून '84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणी के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुभार स**क्षम प्राधिकारी** सहाय्**क आयकर अ**व्युक्त (नि**रीक्ष**णे) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 6-2-1985

मोहर:

प्रकृष् अंदुर्ि टी., हुन . एस ्-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई/7349/84-85/1084-अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं धनलक्ष्मा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, यानट न 10, ग्राउण्ड फ्लोर, बेसिन है, तथा जो थाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्या में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता आध्यारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त. (निर्धाक्षण), अर्जन रेज, में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

- . (का) जनसरण ने हुन् किसी आधार्णी जावत समल स्वीय-भिन्न को स्वीय कर वेभे के सन्तर्क से सामिरक में कनी करने वा सस्ते स्थने में सुमिया के सिथो; सार या/
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, की, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था वा किया आना आहिए था, क्याने में कृतिभा ने लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन ह दिस्कालिका व्यक्तियाँ ह अर्थात् ध⊸< मै० धनलक्ष्मी बिल्डर्स, नवघर, ता० बेसिन, थाने

(अन्तरक)

मै० एलोग इण्टरप्राईजेस,
श्री हुण्ण पंत निवास,
13--ए,
बनहम हाल गर्ना,
बम्बई-4।

(अन्तरिती)

को वह सूचमा जाड़ी कह क पूर्वावक संपरित क अर्चन में तिहा जायवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन की सर्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्थानतार्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्यों हैं।

बन्स्ची

धनलक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, युनिट-10, ग्राउण्ड फ्लोरं, बेसिन, थानं।

(क्षेत्र 1080 चौ० फि०)

(तैसे कि रिजस्ट्री इत फ्र॰ 7349 जो जुलाई '84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अतिल कुमार स**क्षम प्राधि**कारो सहायक आयकर आयूक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

वारीख ° 6-2-1985 मोहुरु छ

प्रकृप जार्द हरी पुन पुन -----

माथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

शांद्रत चंद्रकाड

कार्याक्षय, महायक जायकार आयुक्त (निर्धेक्षण)

अर्जन रेंज, पूनि

पूना, दिनाक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 37/ईई/7569/84-85/1085--श्रतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 न्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी ग० धनलक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 105, 106, 107 स० नं० 30, 31 नवघर, असई है, तथा जा थाने में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्द्र क्र्सा अधिकोरी के कार्यालय, सहायस अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, में, रजिस्द्रीक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निष् इ.स.चि.च को गर्व हैं जोर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से क्षिथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उपत अर्थिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बार/का
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों का, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाई। चाहिए था किया में स्तिश के सिए।

अतः लव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ु—— मै॰ धनलक्ष्मी बिल्डर्स
 82, रमा मंदिर मार्गे,
 विले पार्ले, (पिष्चम),
 बम्बई-57।

(अन्तरक)

मेचबेल इण्डस्ट्रीज,
 4 आशिष,
 उत्तर दक्षिण यागं,
 नं० 5, सुवर्णा नगर सो०,
 विले पार्ले (पश्चिम),
 बम्बई-56।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना आपी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उसत सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मां तत्संबधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितकब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटांकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अध होगांजा उस अध्याय में विद्या गया हैं।

नन्सूजी

इण्डस्ट्रियल युनिट नं० 11, ग्राउण्ड फ्लोर, घनलक्ष्मी, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 105, 106, 107, स० नं० 30, 31, नवपर (बसर्ष)। थाने।

(क्षेत्र: 1005 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 7569 जो जुलाई '84 को महायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंत्र; पूना

तारीख: 6-2-1985

प्ररूप बाहैं े टी े एन े एस . ======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

आरत सरकार

कार्यान्य, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 37-ईई 6292 84-85 1086-अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका लिन्द बोजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 11, 2री पंजिल, प्लाट नं० 9, हिस्सा—17, डी० बी० सी०, वाशी है, तथा जो नई विम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंबरण से हुइ किसी आय की बागत, उक्त अधिनियत के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- /ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिका को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, वर्धात :--

मैं० माना बिल्डर्स
 त्र विकास,
 मंजिल,
 चेम्बुर नाका,
 बम्बई-71 ।

(अन्तरक)

श्री प०व० अन्नाहम,
 पी० ओ० बाक्स 1871
 एल एन, आबुधाबी,
 यु० ए० ई०।

(अन्तरितीः)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 .सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस क्षाचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे के

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिश्वितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिप नं० 11, धरी मंजिल, प्लाट नं० 9, हिस्सा 17, डी० बी० सी०, वाशी, नई बम्बई।

(क्षेत्र-542 चौ० फि०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कि 6292 जो जुन '84 को पहायम अयमर अयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

त।रीख: ़6⊶2⊶198ु5

प्रका बाहें, टी. एन. एए.

.बायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पूना, दिनांक 7 फरवरी 1985

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11 विनायक अपार्टमेंट, स० ट० स० नं० 834, सदाशिव पेठ हैं, तथा जो पुणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूस्वी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृन्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींकत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र ह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखर में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ।

- ेखी अंतरण से हर्ड किसी अव्यक्ती बाबत्, उक्स अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार अधिक

कतः व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, गाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— 1 मै० बी० आई० पी० बिल्डर्स, 1204/10, शिवार्ज, नगर, धोले मार्ग, पुणे-4।'

(अन्तरक)

 श्री आनन्द नरहर रहालकर तथा अन्य बी-4, विलिगशा को०-आप० हाउ० सो०, सेनापितृ वापट मार्ग, पुणे 16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाउी करके पूर्वोक्त सम्पृत्तिः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वां स्कोंगे।

भ्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शगस्त्र श

फ्लैट नं० 11, विनायक्ष अपार्टमेंट्स स० ट० स० नं० 834, सदाधिव पेठ, पुणे-30।

(क्षेत्र: 425.6 चौ० फि०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत क० 4315 जो जून 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल् कुमार सक्षम प्राथिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षणी) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 7-2-1985

प्रस्प नार्रं . टो. एन. एवं. मन्यास्थ्य

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं॰ 37-ईई/4831/84-85/1088--यतः मुझे अनिल कुमार,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 25,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 4, 4थी मंजिल, 1394, शुक्रवार पेठ, है, तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख जून 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूज यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया अध्य प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त क्षुन्तरण निम्निचत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियुत्र को अधीन कर बूंने के अन्तर्क्षक की बियित्व में कमी करने या उससे बचने में सूदिया के बिए; बार्ड/बा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकद्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मै० बिलवा प्रमोटर्स,
 515, सद्याशिव पेट,
 पुणे- 30।

(अन्तरक)

2. श्री चम्पकलाल इन्वेस्टमेंट
एण्ड फायनैनिशियल कन्स्लटसी लि०, पिनेट चैम्बर्स,
नारिमन पाइंट,
बम्बई-21।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना बारी करकं पृवांक्त संपत्ति के वर्जन के निष्कार्यवाहियां करता हुं।

उक्द संपंतित के वर्जन के संबध् में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार!;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका

वगस्य

अाफिस नं∘ 4, 4थी मंजिल, बिलव निधि, 1394 शुक्रवार पेठ, पुणे-2।

(क्षेत्र: 350 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रेंश्टित कः 4831 जो जून '84 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🖫

प्रसम् नाइ . टी . एम् . एक ,------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार -

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 फ़रवरी 1985

निवेश सं॰ 37-ईई/4899/84-85 1089-**अ**तः मुझे, अनिल कुमार,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौं धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, ग्राउण्ड पक्लोर, निसन चेम्बसं फ० ए० नं० 173, कीले पाटिल मार्ग, पुणे हैं, तथा जो पुणे में स्थित हैं (भीर इससे उपावड अनुसूची में भीर पूणे रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाबार मून्य से कम के स्थयान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है जरि मूक्ते यह विश्वास कर्षे का कारण है कि मशापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाबार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का दुन्बई प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से जवत अन्तरण विकित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरम् सं तृद्दं किती शाव की वावतः, स्वल् वृधिनियम् के बधीन कर दोने के बन्धरक के द्याधित्वं में कमी करने या कुठके वचने में सृत्या के लिए; कौर/था
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था छिपान में रिक्शा के निय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— म० द्रिस्टार बिल्डर्स,
 21, प्रास्पिक्ट चैम्बर्स,
 पठा स्ट्रीट,
 बम्बई-1।

(अन्तरक)

 श्रीमती लीना वल्लभवास मुकादम, भ्रोम दरिया महल, 80, नेपियन सी नार्ग, वम्बई-6 ।

(बन्तरिती)

का यह सूचना जस्री करकै नुवानित शस्त्रीत के वर्षन के निष् कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उन्त सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिश की वविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की सर्वधि, को जी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीवध म्यविस्थों में से किसी म्यविस्य द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पान विश्वित में किए जा सकींगे।

स्वक्यों करणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का को अवस अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बग्युची

बुकान मं० 3, प्राउण्ड फ्लोर, निसन बेम्बर्स, फ० प० 173, ट॰ प० स० संगमवाडी, स० स० नं० 19, होले पटिल मार्न, पुणे।

(बेंद्र: 285 ची० फी०)

(जैसे कि रंजिस्ट्रीकृत कर 4899 जो जून 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुजे के दफ्तर में लिखा गया है)।

वित्रस कुँबार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-2-1985

मोहर 🤢

प्ररूप कार्ड .वी. एन . एस . -------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) ले मधीन सुभना

भारत सरका

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 फरवरी 1985

निवेश स० श्राई०ए०सी०/ए०सी०वपू०/सी०ए०-4/1090/

84-85---ग्रतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कृ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन सं० नं० 220 (पार्ट), 221 (पार्ट)
222, 223 (पार्ट) 224 (पार्ट), 233 (पार्ट), कीकसावाडी कल्यान जि० ये ना है, तथा जी कल्यान में स्थित है
(और इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
बायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण बिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी
1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, ऐसे क्रयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण जिल्लि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरक सं हुई किसी नान की नावत अन्तर अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के सामित्व में कमी करने या उससे बजने में तुर्मिंश को लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धर्न या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवस, वा धन्-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रसंज्ञार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा में जिए;

अतः अयः, उत्तर विधित्यमं की भारा 269-वं की जनसरण कें, में, उत्तर अधितियमं की भारा 269-वं की उपधार (1) को अभीतः, विकालियसं व्यक्तियों, अर्थास् ६—— श्री फक्करहीन मोहम्मद झली गुल्बी श्रीर साथी (8), निचाली मंजिल, फूझाबाई मनीर, 112-बी, पत्तन रास्ता, टी० पी० एस० -4 । अलमेडा रास्ता, बांबा, बम्बई-400 050 ।

(बन्तरक)

2. मैं० लोक बेवलपर्स, 14, विशाल गापिंग सेंटर, सर वासनजी मथुरादास रोड़, श्रेंग्रेरी कुर्सा रोड़, वम्बई-4000691

(बन्तरिती)

को यह स्वाना बारी करके पूर्वोक्त सम्मात्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निकास में किए जा सकोंगे।

श्वष्टीकार्जः — इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पदों का, वां सन्द्र अधिनियम, को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है। यहां हैं॥

वन्सूची

जमीन सर्वे नं० 220 (पार्ट), 221 (पार्ट), 222, 223 (पार्ट), धौर 233(पार्ट) कोकसावाडी, कल्याण, जिला बाना।

(क्षेत्र: 6,18,000 स्क्वेयर यार्डस)

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कु० 14465 जो फरवरी 85 को सङ्घयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के वफ्तर में मिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) **कर्जन** रेंज, पूना

तारीच: 8-2-1985

मोहर 3

अक्न बार्ड, दी. एन. एस.-----

नायकर निभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुभीन सुभना

मारम् व्यक्तार

कार्यास्य, सहायक मायकर नागृक्त (मिरीक्षण) अर्जन रॅफ,

अहमवाबाद, विनोक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आए० नं० 3560-अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269- व के अभीन सक्षम शामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रू. से अभिक हैं

धौर जिसकी सं० एच० पी०, पोरबंदर में बैंक कालोनी, नजदीक है तथा जो फोर्ड 3 सी० एस० नं० 1869, शीट नं 151 क्षेत्रफल 123 वनाई में स्थित है (भीर इससे जपाज्य अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, पोरबंदर में रज़िस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है विश्वास करने का मुभ्हे यह कारण कि यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके इस्ममान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्यरण से हुई कि दी बाव की बावत , 2005 निष्णियन के न्यीन कर वीने के अंतरक के वासित्य में कभी कारने या स्वतं व्यने में सृविधा के किस्र; भीर/या
- (था) घेती किसी बाय या किसी धन या जुल्थ आस्तिय। को, जिन्हों भारतीय जानकार वीधिवयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनिजम, या धन-कर अधिनिजम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा विजया जाना चाहिन्ह था, डिजाने में स्विधा के सिन्ह;

बतः शर्म, उन्हा मिनियम, की भारा 269-ग के सनुसरण में, में, सक्त मीमिनियम करें भारा 269-न की स्वयंत्रक रूं। में नर्भीन, हैक्किकियोत अमेनियमहें अस्त्रीक क्र-- श्रीमती वासंती बीरेन्द्र, बैंक कालोनी के नजबीक, बीरला कोलोनी के पीछे पीरबंदर।

(अन्तरफ)

 श्री युतुफ सह्मद पटेल, मेमनवाड़ा, पोरवदेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारीं कड़कें पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मास के अर्जन के अन्तन्य में कार्ड भी आक्षा :---

- (का) इस स्वाम के सक्तम ने प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की नवींच या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की व्यक्ति या भी अविष वाद में सजान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्वान्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजधन में त्रकाण की जार्रीय वे 45 दिन के मीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसनब्ध विसी मन्य व्यक्तित् द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए या सकेंगे।

स्मध्दांकरण .---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, की उक्त जिशानिका के सम्बाद 20-क में पिरभाजिए हैं, नहीं कर्ष होगा भा उस अध्याय में दिय स्या हैं।

जनसम्ब

एव॰ पी॰ पोरबंदर में क्षेत्रफल 123 वर्ग यार्व वोर्व 3 मीट नं॰ 151 सी॰ एस॰ नं॰ 1869 रजिस्ट्रेशन नं॰ 2230/15-6-1984।

श्री० के० पंडया सक्षय प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेंज-1, अद्वसदाबाद

तारीख: 8-1-1985

महरू 🛭

प्रकप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज-1, बहुमदाबाद

नह्मवावाद, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश स० पी० स्नार० न० 3561—∺ग्रत: मुझे, जी० के पं≋या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल शेंड भीर मशीनरी राजकोट में सर्वे नं० 386 है तथा जो प्लाट नं० 13 जमीन 1518 वर्च यार्ड + शेंड + मशीनरी में स्थित है (भीर इस उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख 22-6-84

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाव की शावत, उपत बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा के निष्; बांद्र/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतींस आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा से सिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ंग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थाल :— मै० स्टार न्नाईल केक इन्डस्ट्रीस
प्रोप्तायटर—
बीठलभाई हीरजीभाई पटेल एण्ड सन्स,
(एच० ए० एफ०),
की भोर से —
श्री विट्ठलभाई हीरजीभाई) पटेस,
कर्ता भौर मनेजर,
गीरीकुंज,
चौथा मंजला, पसैट,
मरीन दूाइव,
बम्बई-20।

(अन्तरक)

 मैं० गुजरात बेसन मिल्स, भागीबार—-श्री धनजी भाई परसोत्तमदास श्रीर अन्य, 32, प्रहलाद प्लोट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रित में हिनब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्यव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त व्यक्षित्रयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उन्त अध्याय में दियाः नया है।

धनुस्ची

इण्डस्ट्रियल शेंड ग्रीर मशीनरी अभीन पर क्षेत्रफस 1518 वर्ग यार्ड शेंड क्षत्रफल 833 वर्ग यार्ड 7500 वर्ग यार्ड राजकोट में गोंडल शेंड, सव नं० 386 प्लाट नं० 13 एस० पी० नं० 1, रिजस्ट्रेशन नं० 6665/22-6-841

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जहमदाबाद

तारीच: 15-1-1985

प्रकार बार्ड . सी. एन . एस . ------

नायकर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत बहुकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1,

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3562—अतः मुझे. जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं राजकोट में जमीन सर्वे नं 481/2 प्लाट नं 46 है तथा जो क्षेत्रफल 577-7 वर्ग यार्ब में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत सं रिधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निचित में शाह्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क), बन्तरण से हुई जिस्सी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, फिन्हें भारतीय ब्रायकार अधिनियम, 1922: (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने के सुविभा के लिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्घ मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1), के अधीन, जिल्लीजीवत व्यक्तियों. अधीस्:--- नी जीलाबर विठलजी करुड़ के०/भो० लखानी एजेन्सीजः 'सत्यम जनकल्याण सोसायकी, राजकीट-1।

(बन्तरक)

 भी कानजी भाई मावजीमाई 'भीराम निकास, मासवीया नगर, राजकोट।

(बन्तरिती)

को यह सूचना वारी क<u>त</u>्रको पूर्वोक्त सम्पत्ति को नर्चन की निस् कार्यवाहियां करता हो ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 चिन की बचीभे या तत्त्वमंभी व्यक्तियों पर सूचना की ताथीश से 36 चिन की श्विभः, को भी सदीभ वाद-में समाध्य होती हो, से भीतर पूर्वोच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुन, से
- (व) इस सूचमा के राजवण में प्रकाशम की तारीं से 45 वित के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृष् (किसी जन्य व्यक्ति द्वारी, अधोहत्ताकारी के पास सिवित में किये जा सकती।

जन्त्रची

जमीन राजकोटः में 'रैकाः रोक, पर सर्वे 'नैंट 481/2, पैकी प्लाट नं∘ 46, नोब्रज़ल 577-7 वर्ग यार्ब, रजिस्ट्रेशन नं. 3575/6--6-1984।

> जी० के० पंड्या संसंध प्राधिकारी सङ्घायक घायकर वायुक्त (निरीक्षण) क्षजेक रेज-1; अञ्चनदाकार

तारी**च**४ 1**5-1-1**965

माहरः

THE HIS IST AND WHEN

वायकर विभिनियव, 1961 (1961 काः 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

ब्राह्म ब्रह्मा

कार्यालय, सहायक मायकर का**ब्यूनत (निरक्षिण)** अर्जन रॅंज-1, **अहमकावा**द

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1985

निषेत्र सं पी० आर० नं० 3563—अतः मुझे,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का :43) (निवर्ध क्वां क्यां क्यां प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त क्यां मिनियम स्था गया है), की नाय 269-क की क्योंन सक्तम प्राधिकारी को यह निवक्त करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० फ्लैंट चौपा मंजिला पर, पिस्सी अपार्टमेंट है तथा जो 4, जागनाय म्लाट ,राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण हुँक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भूग 1984।

कां पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के क्यमान भितिफल के लिए जन्मित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल के प्रेंच स्थमान प्रतिफल का पंचह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते बंतरिण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्नितिबित सक्षेत्र से उचत कमारण विश्वित में वास्त- विश्व को से से वास्त-

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जीभनियम के अभीन कर देने के जंतरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/वा
- ्रेंझ) प्रेंसी विश्वी आव बा, किसी अस या, बन्ध-क्सिन्समें की, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के किए;

कतः श्रम, उक्त किंधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 2**69-म की** उपधारा (1) के वधीन, निम्नीजिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् :—— श्री योगेश नारनदास बडीयामी, ग्रीर अन्य,
 3-10-23, एल०, नवजीवन लैमिन्टन रोड़,
 बम्बई-4।

(अन्तरक

 श्री सुरेश कुमार नवीनचंद्र थापर, मील अपार्टमेंट, चौथा मंजला, 4, जागनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पृष्यक्त सम्परित के अर्जन के सिव् कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप !---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद, में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत स्यक्तियों में से फिसी स्थक्ति ख्वारा;
- (व) इव क्वना के रावक्त में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा. जो उसु अध्याय में दिवा पद्या स्रा

बन्स**प**ी

फ्लैट चौथा मंजला पर क्षेत्रफल 1289 वर्ग फीट मील्स अपार्टमेंट-4, जागनाय प्लाट, रजिस्ट्रेशन नं० 1584/ जून 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 15-1-1985

प्रकृष बाह्नी, दी. एम एस : -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जनवरी 1985

निवेश सं०पी० आर० नं० 3564—अतः मुझे, जी० के०पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जमीन गांव नवांगढ़ सीम सर्वे नं० 139 है तथा जो क्षेत्रफल 4 एकर 35 गुंठा है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14~6~1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेश्य से उस्त अन्तरण के लिए तय नहीं कम में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जल्तरण से हुई किसी अप की बावक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा कै लिए; और/या
- (क) एसी किसी या जिस्सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण कें, ब्रॉं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों अर्थात्ं∷— श्री गोकलभाई नारनभाई नंदालीया, पुराना टावर हाउस के नजदीक, जेतपुर जिला, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्री भगवत कुमार नारनभाई अमीचरा ग्रौर अन्य, 'अमीचरा निवास, फरणन मालजीकी गोरी, जेतपुर, जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिचित में किये जा सकरी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विस्था नवा हैं।

नन्त्र्या

जमीन गांव— नवागढ़ सीम में सबे नं 139 क्षेत्रफल 4 एकर 35 गुंठा रिजस्ट्रेशन नं 1792/84, दिनाकः 14—6—1984।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- अहमदाबाद

तारी**च:** 17—1—1985.

मोहर 🛭

प्ररूप बाह'. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3565—अतः मुझे, जी० के० पडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जमीन गांव बेजलपुर में सर्वे नं० 1097 है तथा जो पैकी 4, एकर 15 गुंठा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मौरबी में रजिस्ट्रीकरण अधिनाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थामान भितफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अप अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया एता है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर रोगे के जन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मार; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ्छिपाने में सविधा के निए;

 श्री जीना नानजी सतवारा ग्रौर अन्य, गांव—बेजलपुर, तालुका—मोरबी, जिला, राकोट।

(अन्तरक)

 मैं० सौराष्ट्रा सेरेमिक इण्डस्ट्रीज, भागीदार—— शामजीभाई नारनजीभाई पटेल श्रीर अन्य, फायाली प्लाट, मोरबी, जिला, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मेन ए जमीन गांव वजेयर में तालुका मोरवी सर्वे नं० 1097, क्षेत्रफल 4 एकर, 15 गूंठा रिजस्ट्रेलन नं० 2830/26-6-1984 ।

जी० के० पडया सक्षम प्राथिकारी सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख: 17-1-1985

मोहर 🖁

प्ररूप आर्धः दी . एन . एस . -------

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक, 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3566—श्रासः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी में मिलिंधियत त्रिष्तनगर में प्रभूदास तालाब के नजदीक, है तथा जो प्लाट नं० 463, बार्ट नं० 5, भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिज़स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-6-1984

को प्रशिवन सम्परित के उचित कार्जार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल हो, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई फिली जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या कन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकिर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जीना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- श्री रिवशंकर
 श्री किपलराय,
 श्री लाभशंकर
 श्री करुनाशंकर पंड्या,
 किरुन नगर,
 प्नाट नं० 463,
 प्रभुवास तालाब,
 भावनगर।

(बन्तरक)

2. प्रपोज्डू दीपक टेनामेंन्ट्स, फो० ग्रो० सोसायटी, श्री जीतेन्द्र कुमार, ंचुन्नीलाल पटेल, कनबीवाड़, धजागरावाली शेरी, भावनगर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के वर्जन के निएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी (अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त अयक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा)
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्वष्टीकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

मिस्कियत किष्ननगर में प्लाट नं० 463 वार्ड नं० 5, भावनगर रिजस्ट्रेगन नं० 2213/7-6-841

जी० के० पंडया . सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-12-1984

प्ररूप आधुरं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक सायकर जायुक्त (निरीक्षण्)

अर्जन रेंज-300, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3567—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जमीन रानीय सीम में है तथा जो सं० सर्वे नं० 53-2 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 11-6-1984

को पूर्वों क्रिं सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृस्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनत्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त जन्तरण जिल्ला मं बास्तविक रूप से किया गया हो :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त आभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः जब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, जर्थात् ः—--

श्रीमती कमलाबेन,
 श्री रेवाभाई, परसोत्तमदास की पुत्री,
 13, गिरीशक्ज सोमायटी,
 नारनपुरा,
 ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पटेल भीखाभाई रामदास
के०/श्रो० सरस्वतीनगर को० श्रा० ए० सोसायटी
के०/श्रो० चंद्रमृली सोसायटी,
नया वाडज,
श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में करेड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्र्यी

जमीन रानीच में रानीच सीम सर्वे नं० 53-2 रजिस्ट्रे- गन नं० 5586/11-6-1984।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख . 23-1-1985

इक्ष वाह्रं, टी. एन. एस्,-----

भायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

शादिक सहस्राद

कार्याज्ञ , सहायक कायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 23 जनवरी 1985 श्रा. सं० पी० श्राप्तः रेन० 3568—श्रतः ३

निदेश सं० पी० श्राप्त नेत 3568—श्रतः मुझे जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्परित, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन मेमनगर सीम में टी० पी० ग्रंग -1 है तथा जो एफ० पी० 113 सर्वे नं० 52-1-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण केंप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्त संप्रतित के उचित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूक्ते कह विद्वास करम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल की, एसे ख्र्यमान प्रतिफल की पंद्रह, प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ख्र्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है:--

- (क) ब्रुच्छुण सं हुई किसी बाद को बावब, उसर अधिनियन सं अधीत कर देते के अन्तरक के साबित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के बिह; ब्रोट्/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया या किया थाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के सिए।

बतः अंब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री ठाकुर खोडाजी देशलजी, ठाकुरवास, ममनगर गांव, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

मैं० क्ष्याम श्रपार्टमेंट श्रीनर्स,
 एसोस्येक्कन,
 (एन० टी० सी०),
 के०/श्रो० श्री श्रजय रमनीकलाल श्रीमाली,
 गोल्ड कोरन फलैंट,
 विजय रेस्टोरेन्ट के नजदीक,
 नवरंगपुरा,
 श्रहमदाबाद-9।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुधना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हा।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ने 45 दिन के भीतर 'उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, बही अर्ध होगा जो उस अध्याभ में दिया गया है।

वप्युकी

जमीन मेमनगर में टी० पी० एस० 1 एफ० पी० -113 रजिस्ट्रेशन नं० 9395/19-6-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23÷1-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एड.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० न० 3569—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० 104 है तथा जो हीमालय पार्क व पैलेस को० ग्रो० सोसायटी फ्लैंट नं० 1/3 मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिवारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 37जी जून 1984 (17-3-83)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, प्राचे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिचत्त से ब्रिथक है और अंतरक (अंतरका) और अन्यान (अन्तरितिथो) के बीच एसे अन्त ण के लिए त्य प्रसा ग्यापित फल निम्निलिखित इद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक क्ष्य स क्षियत नहीं किमा गया है .—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिन्यम के बंधीन कर देने के बतरक के दारियल में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा क सिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुधिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- श्री बाबूलाल केणवलाल शाह हरीहर सोसायटी, नवगुजरात कोलेज के पीछे, स्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री ग्ररिवदभाई मुरारलाल शैाह,
श्रीमती ग्ररुनाबेन ग्ररीवदभाई शाह,
1/3, हिमालय पार्क,
ग्रनता कार्माशृयल सेन्टर के प्रीछे,
ग्राश्रम रोड,
ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी, के ,पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

वन्स्पी

फ्लैट टी० पी० एस० 3 पर एफे० पी० 104 हिमालय पार्क में फ्लैट 1/3 रिजस्ट्रेशन न० 4244/13/3-83 37- जी० जून 1984 में प्राप्त हुम्रा।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

तारीख 23-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

गामकर ग्राभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नारह बरवार

कामलिम, सहावक भागकर आगुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3570---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उधित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० ग्रोफिस टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० 100 ग्रजंता है तथा जो कोर्माशयल सेन्टर में शाप नं० 52 ग्राउन्ड फ्लोर, ग्राश्रम रोड ग्रहमदाबौद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसर्चा में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 हैं (1908 का 16) के ग्रजीन, तारीख 6-6-1984

को पूर्वोध्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य में कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निसित उद्देशस्य से उसत अन्तरण विश्वास में वास्तविक अप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्निक के वृत्तीन खबु दोने के अन्तरक के बाहित्व में कनी करने का उन्नते वचने में बुनिया के निष्; बरि/वा
- (च) एसी किसी नाव ना किसी थन या नाव नास्तिजों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, ग्रा धन-कर विधिनयम, ग्रा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृगः था ना किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुनिधा के किए:

कतः कथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अभीन, निम्मिलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भेजेन्द्र रुखरतात पटेल, मीथीला कालोनी, जय विश्नु मोसायटी के नजदीक, स्थानी सोसायटी के सामचे, सेट जेबीयर्स, स्फुल रोड, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीशचन्द्र स मरथलाल शाह, श्री रमेशचन्द्र सतीशचन्द्र शाह, श्री अतुत्र भनीशचन्द्र शाह, ग्राउन्ड फ्लोर शोप नं० 52, श्रजन्ता कर्माशयल सेन्टर, ग्राअमरोड, श्रमहदाबाद।

(अन्तेरिती)

को बह स्वना अपी करके पूर्वोक्त बंपीन के बर्वन के तिक कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप अ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं

 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकारें।

स्यब्टौकरण: —-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अवस्य अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

समाची

शोपटी०पी० एस० उपर एफ०पी० 100, ग्रजन्ता कर्माणयल सेन्टर में शोप न० 52, रजिस्ट्रेशन नं० 8291/6-6-84.

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—1,ग्रहमदाबाद।

तारीख : 23-1-1985.

प्रकृष आहे. टी . ए**न् . पृष**्ट-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारक बरकार

कार्यालय राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० श्रार० न० ३571—अतः मुझे, जी० के० पंजया,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा विकित्र के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० 403— 1-2-4 है तथा जो कचनजंशा श्रपार्टमेंटस में मी० जी० रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है (शौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कृप से ब्राणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियप, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-6-84

को प्वाँक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तों के संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्मितिति उद्योध्य से स्वत अन्तरण मिचित में बास्ति कर स्पार से किया गया है:——

- (का) बन्तरण संहुत् किसी साथ की बाबत, अवस्थ बाबिनियम की बाबीन कर दोने के अन्तरक की दासित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा की सिद्ध; भार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, १९२२ (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्षे दुवारा प्रकट नहीं किया कता थाहिए था, क्रियमों में सुविधा की काय्री

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ के अनुकरण को, की, अला अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रमेशभाई मनुभाई पटेल, श्री गौतमभाई मनुभाई पटेल, 189, सन सेट रो हाउस, गुरुकुल के सामने, ब्राइव-इन रोड़, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हंसमुखलाल हरीलाल शाह, चंद्रभागाबेन हंसमुखलाल, फ्लैट ए/503, कंचनजंगा श्रपार्टभेंट, चिमनलाल गिरधरलाल रोड, एसीसबीज, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्रम सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवैक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सक्तेंगे।

स्वच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त अन्यों जाँद पवां का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट टी० पी० एस० β पर खंगीसपुर सीम में एफ० पी० नं० 403-1-2-4 कंचनजंघा ग्रपार्टमेंट फ्लैट नं० ए/503 रिजस्ट्रेशन नं० 1984/11-6-84

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग), भ्रजन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

तारीख: 23-1-1985

मोहर 🖫

अक्य आई टी.एन.एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आगकर आयवत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-[, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 17 जनवरी 1985

निदेश सं पी० ग्रार० न० 3572 — ग्रत मुझे, जी० के० पडया.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' की गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 न- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दरीयापुर काजीपुर सीम सर्वे नः 48-49-1 है तथा जो टीव पीव एमव 8 श्रहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 जून, 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित श्राच्यार मत्या से व्या के स्व्यमान श्रीतफाल के लिए अन्त्रहरित की गई है और माने यह विष्वाम करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफाल से एमें दृष्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिश्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिमित उद्यक्ष में उक्त अन्तरण विश्वित में सम्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत जब, उक्त अधिनियम की धारा 260 ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) हे अधीन, निम्नलिखित ब्लेक्सियों, अर्थात :—— (1) श्री जयनीपाई जीवाबाई पटेल, 3 चिराय पपार्टमेट, गाहीबाग, अहमदायादा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भागीलात चीगडमल जीगवाला, 200, नानी मालवीताड, भग्मपुर, यहमदाबाद , नया पता जिस्ति प्रपार्टमेट को० श्रो० सोमायटी, फर्नेट न० ती/एफ-3, शाहीवाग, श्रहसदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्याक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिना करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नहीं पर प्रवेशित है कि ए प्रवेशित व्यक्ति का निर्माण का मानित व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र ग्रंप्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अपोहस्पाक्षरी के पास जिसा म किये जा सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अध होंगा जो उस अध्याय मे दिया। गया है।

HARLES.

फ्लैट टी० पी० एस० 8 पर इरीयापुर, काजीपुर मे सर्वे न० 48-49/1 रजिस्ट्रेशन न० 8268/5--6-९।

> जी० के० पंडया, नक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेन रेज−! श्रहमदाबाद

तारीख 17-1-1985 मोहर

प्रकथ बार्स्, दी, एन्, एस्. ------

कायक र मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचना

नारत तरकार

भायलिय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-], ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3573:—ग्रत: मुझे, जी० के०

पंडया.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मील्कत टी॰ पी॰ एस॰ 4 पर एफ॰ पी॰ 65+63+64/1 है तथा जो 18, अश्धनी पार्क सोसायटी, गोपाल चौक, भैरवनाथ रोड, मनीनगर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-6-1984

को पृथांबन संपत्ति को उचित बाजार मृश्य से अस के क्यमान प्रतिफस को सिए बन्तरित की गई है जौर मुखे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से विश्व है जौर बन्तरक (बन्तरकों) जौर बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पासा क्या प्रतिक्त कल निम्नतिचित उद्योक्त से उच्त अन्तरण कि किए तब पासा क्या प्रतिक्त कर से कर्म कर्मित वहाँ किया जवा है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में निका के जिल्ह:

बत: अर. उक्त भीषांनयम को भारा 269-ण के बन्सरक बे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निःमलिखित व्यक्तियों, वयुद्धि—— 17 —476 GI/84 (1) श्री केशवलाल पटेल, न्यु० डालीया चिल्डिंग, गीता भारती श्राश्रम के सामने, टाउन जेल के नजदीक, श्रतीसंश्रीज, ग्रहमदावाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) बीनाबेन राबजीभाई पटेल, 18, श्रदंधनीपार्क सोसायटी, गोपाल चौक, भैरवनाथ रोड़, मनीनगर, श्रहमदाबाद-8।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ''बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के विकास में किए जा सकेंगे।

न्यस्तासरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

जन सः ज

मील्कत टी॰ पी॰ एस॰ 4 पर एफ॰ पी॰ 65+63+63/1 18, श्रहंधानी पार्क में गोपाल चोक, श्रहमदाबाद-4,

जी० के० पंडया, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–J, श्रहमदाबाद

तारी**ख** : 23-1-1985.

प्रकृप बार्ड . टी. एम. एस. -----

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं०पी० आर० नं० 3574—अतः मुझे जी० के० पंडया,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी मं० फ्लैट नं० एलिसबीजर्स टी० पी० एस० 3 एफ० पी०, 2/23, सब प्लाट 4, समर्थन्धर, को-आप० सोसायटी, अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाज्य मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और संतिक्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- हैंक) बनारण से हुई किसी भाव की बावस उन्हें अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दें शियत्त्र में कमी कारने या जसमें वचन में सुविश्की के सिए; और/या ,
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— भारतीयबेन, हसमंत लाल परीख, ए-3, स्टेटम, फ्लैंट, नवरंगपुरा, दोलीफोन, एक्सचेंज, के नजदीक, अहमदाबाद-6।

(अन्तरक)

 डा० दगरबलाल फोदरलाल मोदी, 11/बी, समस्य कुपा, फ्लैट, समरेश्वर, महावेव के नजदीक, जा कालेज, एलीसक्वीज, अहमदाबाद-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितनक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्माक्ष्येकरण : इसमें प्रयुक्त कर्मा और पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट, समरथकूपा, सोसायटी में टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 2/23, रजिस्ट्रेशन, नं० 9568/22-6-84।

> जी०के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद ।

विनांक: 24-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1985

निर्देश सं० 37ईई/1035/84-85/1035—ग्रतः मुझे, भ्रतिस क्मार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुट में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 बी, 3 री मंजिल, प्लाट नं० 18, 19, सं० नं० 8ए, नवघर, बसई में है तथा जो थाने में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इदयमान के लिए अन्तरित गहरै और विश्वास करने यह का यथापुर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, का कारण है कि उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्रल, नियनलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखिलों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरयः, के वार्टियस में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-च के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स भ्रासरा बिल्ब्स्सं, बी-1/9, ग्राउन्ड फ्लोंभ्रर, खीरानगर, स० व० मार्ग, शांत ऋूज, (पश्चिम), बम्बई-54

(भ्रन्त क)

होगांग ह० कुपर तथा ग्रन्थ
 19/341, बू० प० ट० स्टाफ, कार्टस,
 रेनाल्ड मार्ग, बडाला, बम्बई-37

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनु सूची

फ्लैंट नं० 7 बी, 3 री मंजिल, प्लाट नं० 18, 19, स० नं० नवघर, बसई, (पश्चिम), । (क्षेत्र 640 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 10940, जो जुलाई, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणें. के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना,

दिनांक 16-1-1985 मोहर .

प्ररूप बाहु . टी. एन. एम.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, I, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 28 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3576—अतः मुझे, जी०के० वंडया.

नायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन राजकोट में सर्वे नं० 462,, पैकी प्लैंट, नं० 17, क्षेत्रफल, टोटल, 575 वर्ग गज, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एगं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिविव, श्प ये कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम् से हुन्दै किसी जान की बावत , उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यक्त की वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भनु या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सविभाव के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधाँत् ः— विजय प्रभाकर वेशपांडे, 89/529, विजय नगर, मवा वाइज, अहमदाबाद-13

(अन्तरक)

 श्री नानजीभाई, घनजीभाई सीसापरा, 39, जगन्नाथ प्लैट, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाकत सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी अविकत व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन राजकोट में सर्वे नं० 462, प्लाप्ट न० 17, क्षोत्र जल, टोटल 575 वर्ग यार्ड, (दो दस्तावेज मे),रिजस्ट्रेशन नं० 2140, ग्रोर 1587/जून, 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंग रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 11-1-1985

मोहर ः

प्रकल्प बाइँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) से अभीत सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय - महायक आगकर अयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रैंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3577---अतः मुझी, जी०के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं जमीन ध्रमरेली आप ऐसानी 12 है तथा जो सी। ऐसानी 2804 क्षेक्रफल 1 अकर 4840 वर्ग यार्ड में स्थित है और इससे उपाधक अनुसूची मे और पूर्ण रुप से वर्णित है); रिजस्ट्रोकर्ता ध्रिधकार। के कार्यालय अमरोली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-5-84

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शंहय से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त जिथ-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; औद/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर गिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत्, निम्निसित स्पन्तियों अधीत्, स्पन्ति अधीत्, स्पन्तियों अधीत्, स्पन्तियों अधीत्, स्पन्तियों स्पनियों स्

 मेसर्स गिरिराज, लैन्ड, डेवलपमेन्ट, कारपोरेशन भागदार, श्री ईश्वर राय जेठालाल देशाई श्रीर अन्य वानिया वोरा गोरी, अमरेली-364601 ।

(अन्तरक)

1. गोकुल को-आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी चेयरमैन, जे० हरीशभाई, छबील वास गांधी फेरिया, रोड, मानेकपरा, पटेल बिल्डिंग, के नजदीक, अमरेली-364601।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी त्यि क्यों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अक्षेप्तस्ताक्षरों के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

BH WITH

जमीन अमरेली, में आर० एस० नं० 12, सी० एस० नं० 2804, क्षेंत्रजल, 1 एकर, 4840 वर्ग याई, रिजस्ट्रेशन नं० 704/7-5-84

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 29-1-1985

भाहर 🛭

प्रक्ष बाह्रे. टी.- एन. एस.------

जाबकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्पना

मारव सरकार

कार्बालय, सञ्चयक जायकर मायुक्त (निरामण) अर्जन रेंज I, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आए० नं० 3578—अतः मुझे, जी०के० पंडया.

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने वसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जमीन शेला में, ताल्लुका, सानन्द, है, तथा जो ब्लाक, नं० 633 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सानन्द में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रिक्षक के लिए अन्तरित का गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तिक रूप से किया गया है 1—

- (क) जल्तारण से हुई किसी नाय की बावसा, उक्त विधिन्यम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्व में कजी करने वा उत्तवे वचने में बृविधा के दिसस्त वॉड/बा
- (क) एसी किती नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

 श्री मफाजी, पामाजी, बवीवैन, पामाजी, देनाजी की पुत्री, मोला, ताल्लुका सानन्द, जिला अन्तमदाबाद ।

(अन्तरक)

 स्ट्रोंग फाउन्डेशन, ट्रेडिंग, एसोशिएशन, प्रमुख: श्री विनोद भाई, ह्रीलाल, महेता, के/आफ, महेता ब्रव्सं, फस्ट फ्लोअर, आनश्द नेबम्बर्स, रायपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेविस स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बच्च किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मोर्जे, शैलामें, ताल्लुक, सानन्द ब्लाक, नं० 633, रजिस्ट्रेशन, नं० 703/84 तक जून, 1984 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः कवः, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन ्निम्मसिक्ति व्यक्तियों, अधीतः:—

विनांक: 30-1-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन ु एक व कार्यकार

आयकर अधिनियम, 🕹 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासंय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज I, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं०पी० आर० नं० 3579—अतः, मुझे, जी०के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन गांव शेला में, ताल्लुका, सानन्द, है, तथा जो ब्लाक, नं० 591, जिला अहमदाबाध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानन्द जिला अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का अधिक बाजार मृष्य उसके ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेदय के उक्त अन्तरक सिम्

- (क) नन्तरण संहुद्दं किली बाय की बाबत, अवत अधिनियन के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के धृतिभा के लिए; और या/
- (क) एसी किसी बाब या किसी बन या कन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा को लिए;

 श्री रामजी वाधा जी, गांव शेला, तास्लुका सानन्द, जिला अहमदाबाद।

अन्तरक)

 स्ट्रोंग फाउन्डेशन नान ट्रेडिंग एसोशिएशन, प्रमुख: श्री विनोद हरीलाल मेहता, के/आफ मेहता, बादर्स, फस्ट फ्लोर, आनन्द चेम्बर्स, रायपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन शेला में ताल्लुका, सानन्द ब्लाक न० 591, राजस्ट्रेशन नं० 708 दिनांक जुन 1984 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात:——

दिनांक: 30-1-1985

प्ररूप बार्ड टी एन . एत . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकाड

च्यामंसय, सहायक गायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, अहमवायाद

अहमवाबाय, दिनांक 30 जनवरी 1985 निवेश सं० पी० आर० नं० 3580—अतः, मुझे, जी० के० पंड्या

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं जिमान गोला में, ताल्लुका, सानन्द है, तथा जो ब्लाक नं 633 में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सानन्द जिला अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक जून, 1984

को पूर्वेवित सम्बत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उच्य अतरण लिखित वे बास्तविक रूप से काँधत नहीं किया गया है :----

- (क) वन्तरच ते हुइ किसी बाव की बाबत उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; वरि/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, चिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

बत: वय,, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त जीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित्र व्यक्तियों, नर्थात् :--- 1. श्री मफाजी पमाजी, बबीबेन, पमाजो दासलजी की पुत्री, शैला, तास्सुका मानन्द, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 डायरेक्टर — स्ट्रोंग फाउन्डेणन (इंडिया) प्राइवेट लि०, फायडीबाड, रामपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के खिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्थितर द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, भहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन मौजें शेला में, तास्लुका, सानन्द, जिला अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 705/84, दिनांक जून, 1984 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-1-1985 मो**हर** ध प्ररूप नार्षं, टी., एन., एव. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्मना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज 1, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3581—अतः; **मुझॅं, जी० के०** पं**ड**या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषया करने का भारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका जिसका जाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं ज जमान में ना में नालू का सानज है सथा जो लीला अहमदाबाद, ब्लाकन नं ज 613 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सानन्द, जिली अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

का पूर्वोक्त सम्पंति के उचित बाजार मून्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के गीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या जससे वचने में सुविधा की किए, बीट/या
- (क) एसी किसी बाय या जिल्ली भन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए:

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधील, जिस्सीलिखिल उपजित्तमी, अधील हरू

18 -476 GI/84

 श्री नाथाभाई दोसलभाई गांव शेला, तालुका सानन्द, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरंक)

 स्ट्रॉग फाउन्डेशन, नाम ट्रेडिंग, एसोसिएशन, प्रमुख: श्री विनोद एच० मेहता, के/आफ मेहता अदर्स, फस्टं फ्लोर, आनन्द चेम्बसं, रायपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अजन यह । लए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मृत्यि के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्याग्यनी जिल्ला पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

जन्सूची

जमीन गांव शेला में तालुका; सानन्द, जिला अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन नं० 613/जून, 1984 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, 1, अहमदाबाद

दिनांक 30-1-1985 बोहर ध **अरूप बाह**ै, दी, पुत्र पुरस्त, वनन्त्रक

बायकंद्र सिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकड नायुक्त (निडीक्स)

. अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनोक 30 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० आर० नं० 3582—अतः मुझे,जी०के० ग.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन कुवर में, तालूका सानन्य, जिला अहमदाबाद है, तथा जो 852, 8453, 856, 857, 910 पकी जमीन, और मकान, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सानन्य, जिला अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उन्नित बाजार मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे ६% पान प्रतिफल का मृन्द्रह् प्रतिस्रत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिन्न्निचित उद्विष्य से उक्त अन्तर्ण निचित्त में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने के सुविधा के निष्ध और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हों अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिथाने में सुविधा के लिए;

अतः वर्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मृलिखित स्थितसों, अर्थात् क्र-- श्री परवंत भाई नोघाभाई आयर कृवार, शालुका, सानन्द, जिला, अहमसाबाद ।

अन्तरक)

 बहादुर सिंह तस्त सिंह वाघेला, वासना, इयावा सानन्द, जिला, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप ध--

- (क) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं [1]

पनुसूची

जमीन कृतर में, वालुका, सानन्द, रजिस्ट्रेशन नं० 807े जून, 1984 ा

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिका सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमसाबाद

विनांक: 30-1-1985

माहुदु 🖫

प्रकथ बाह्य दी पुन पुर ------

जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यासर, तहायक भागकर नायुक्त (निर्दाखन)

अर्जन रेंज I, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 358 3---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस मीन मोने, इयावा, बासना, में तालुका, मानन्द; मर्वे नं० 247-1, 247-2 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सानन्द, तालुका, जिला अहमदाबाद, में रिजस्ट्रीवारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्म से किथित नहीं किया गया है।

- (क) अस्तरण तं हुव् किती बाव की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते वचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने कें सविधा के लिए:

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग में जन्सरक में, में, सकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. (1) जो फुवरना चीनूभाई सुरसगभाई, की विधवा पत्नी,
 - (2) दिग्विजय सिंह कालूभाई,
 - (3) भरत सिंह, पवन सिंह,
 - (4) महेन्द्र सिंह पवन सिंह,
 - (5) नवल सिंह मुराभाई,
 - (6) बलवन्त सिंह, मुक्स्राभाई,
 - (7), घनश्याम सिंह, कालूभाई,
 - इयावा वासना, तालुका, सानन्द,
 जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

 मैसर्स जिगीस कैमोकल्स, भागुदार श्री कुलदीपक लालजी भाई, पंडित, 3538 आम्बवाडी, सैजपुर, बोघा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ततरीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकिट में किए पा सकांगे।

स्पद्धीक एण ः इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जभीन मोजे वासना इयावा में सीम सर्वे नं॰ 2471, 247-2, रजिस्ट्रेशन, नं॰ 753 जून, 1984।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनौक 30-1-1985 मोहर: THE PART OF THE PARTY.

प्ररूप बाह्र दीं. एवं. एसं. -------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के व्यीन स्वना

सारत संबद्धाः

कार्यातय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमयाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० ी० आर० नं० 3584---अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

काशकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जि.कः सं० जमान बासना ह्यावा सीम में सर्थे नं०, 247-1, 247-2, है तथा जो तालुका, सानन्द, जिला अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण हप से विणा है) रिजस्ट्रेनकर्ता अधिकारी के कार्यालय सानन्द, जिला अहमदाबाद में रिजस्ट्रेनकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उणित बाकार मूस्य से कम के क्षयमान वित्रकल को लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाबार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से सिए तय पाया गवा प्रतिफल निक्त अव्योदिक से अव्योदिक को स्वारतिक स्वारतिक से अधित नहीं किया गया है एक्स

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत उपत व्यक्तियन के अधीन कह दोने के बनाएक के दायित्व में क्रमी सरने वा उसके वचने के ब्रुविधा के सिंह, बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (३) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः—

- 1. (1) जा कुंवरबा चीन्भाई सुरसंगमाई, की विधवा पत्नी,
 - (2) दिग्विजय सिंह कालुभा,
 - (3) भरतसिंह, पवन सिंह,
 - (4) महेन्द्र सिंह, पवन सिंह
 - (5) नवल सिंह मूखभाई,
 - (6) बलवन्त सिंह, मूरूभाई,
 - (7) घनश्याम सिंह, कालूभा, वासना - ईयाबा, तालुका, सानन्य, जिला, अहमवाबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स के०टी० केम ० (इंडिया), भागोदार, : श्री मफतलाल, मूलर्जःभाई, 3541, मम्बावार्डा, सेजपुर, बोघा, अहमदाबाद ।

(मन्तरिती)

को बहु बुचना बारी कारके पृशांक्त सम्मित्ति की शर्चन को सिए कार्वनाहियां करता हूं।

बन्द सन्तृति के वर्षन के सन्तरभ में कोई भी बास्रेप?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सदिश बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितवक्ष किसी अन्य अपिक क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निकास के किस ला सकेंगे।

स्वक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो सक्त अधिनिक्स के अध्याय 20-क में पृरिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं.॥

मन्दर्जी

अमीन मौजें, वासनां इयावा, सीम में, सर्वे नं० 247-1, 247-2, तालुका, सानन्द, जिला अहमदाबाद, रिजस्ट्रेशन नं० 752 दिनौंक जून, 1984

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

विनोक: 30-1-1985

मोहर 🗈

प्रक्ष वार्षं ही पुन् पुष् -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरोंजा, अहमकामाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी, 1985 निदेश सं० पी० आर० नं० 3585—अत: मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जर्मान मोरबं। सावसार प्लाट, एरिया, में है तथा जो प्लाट नं० 8/334 और 8/335 क्षेत्र फल, 6234 वर्ग फीट 580 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे ज्याबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरबं। में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावता उक्त विश्वीप्तय के अभीन कर येथे के बन्तरक की वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिष्; धीर/या
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उसत प्रक्षितियम, या वन-कर बिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के अपीजनाय पन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि किया जाना चाहिए बा, जियाने में मुख्या के बिए।

कतः व्यव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

- श्री दिनकर राय, लालजी भाई कथरानी, और श्री लालजी भाई डी० कथरानी, बसन्त ण्लाट मोरबी, तालुका, मोरबी, जिला अहमदाबाद । (अस्तरौ)
- श्रो मती हेमलता, बेन, छगनलाल सुषार और अन्य, (अंबिका घोषिंग सेन्टर के भागीवार,) 'अंकुर', नोलम होटल, के सामने, दादा, साहेब पंगला के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमधाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाश की तारी के से 45 विन की प्रवेशिया तत्वें बोले कि कि नियं पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवशि, जो भी अवशि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपान में प्रकाणन की तारीप से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर अभ्यत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान सिखित में किसे जा कहीं ।

हपस्टीकरण र --इसमें प्रयुक्त अन्तां गीर पटी हो, ता उना धार्छ तियम के अन्याय २०-क में परिभाषित है, **पती** सर्ये होगा, जो उस मध्याय में विधा गया है।

नप्युक्

त्रमीन मोरबं, में हावमार प्लाट एरिया, वार्ड नं० 8, प्लाट नं० 8, 334 और 8335 क्षेत्र फल, 6234 वर्ग यार्ड,-580 वर्ग मीटर।

> जी० के० पहया, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 1, अहमवाबाद

विनांक: 30+1-198 5

मोहरु 🖺

प्ररूप बाइ, टी. एन्, एस.-----

नाबफर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

नार्त तरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनौंक 30 जनवरी 1985

निवेश संविधा. प्रारव्नंव 3586—प्रतः मुझे जीकेव पंडाया

नायकर विश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रकों प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित धाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं जमीन मेमनगर में टी० पी० एस० 1, है तथा जो सर्वेनं 0 87, 86, 89, एफ० पी० 203 जमी म में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिनांक 25-6-1984

करे प्रॉक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्मिलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ने हुई किसीं जान की बाबत, उपत अभिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; बार/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सृतिधा के सिए;

 श्री वसुबेन विनोद भाई गाह वीर क्रुपा सेकण्ड फ्लोर, 375 तलांग रोड, मागंुगा बोम्बे।

(भ्रन्तरक)

 श्रध्या चपार्टमेन्ट्स एसोमिएशन, के०झाफ श्रम्त भाई गनेशभाई श्रध्या सोसायटी, विभाग-2, नारनपुरा, झहमदाबाद।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई वाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्पू

जमीन मैमनगर में टी० पी० एस० 1, सर्वे नं० 86, 87, 89 एफ० पी० 203 रजिस्ट्रेशन, नं० 9677/25-5-84,

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्य---

विनोक: 30-1-1985

मोहर 🗊

प्रस्प आहं. दी., एव., एव., क्ला-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

4) विनयं सहाय्क भायकर भायुक्त (निर्विक्रण) श्रुर्जन रेंज -1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

्निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3587--- स्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं मिलकियत जी भाई डी सी इस्टेंट बटवा में है, तथा जो बींजोल, सीम प्लाट नं 99-102 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 30-4-1984, रिकार्ड 37 जी, जुन, 84 में मिला

को पूर्वोद्धाः सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एस्पमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने कत कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एस्पमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हुन्स भार० के० किमकल्स, लिमिटेड 80 हीराभाई भारकेट रायपुर दरवाजा बाहर, भ्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक

2. महमदाबाद, रामकृष्ण मिल्स गोमती, भ्रहमदाबाध। कंपनी लिमिटेड

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्क सम्मत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ;---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों से

स्यक्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भिलकियत जी० भाई० डी० सी० इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, में प्साट नं० 99-102 रजिस्ट्रेशन, नं० 6548/30-4-84 37 जी, जून, 1984 में मिला।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

विनांक:30-1-198**5**

माहरू 🖺

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-1, भहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० घार० नं० 3588——झर∰ मुझे, जी० के पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मिलिकत कालुपुर, वार्ड नं० 2 में सी० एस० नं० 1875, है तथा जो सेकण्ड फ्लोर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप विज्ञ है) रिजस्ट्रीकर्सा भिधकारी के कार्यालय झहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15-3-1984, 37जी जून, 1984 में मिला

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्यं ब्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उनत अधिनियम की धार्य 269-ग के जनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धार्य 269-च की उपधार्य (1) के बधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् व्यक्ति श्री विनोद भाई, रतीलाल मंकीवाला, 1282, गार्बन मार्ग महाराष्ट्र सोसायटी के पीछे, एलिसांगुज महमवाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 पहालक्मी, कापरिश्रन कालुपुर टावर के नजवीक प्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीच भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जन्त्वी

मिलकियत कालुपुर बार्ड नं० 2 में सी० एस० नं० 1875 पैकी सेकेन्ड फ्लोर, :रजिस्ट्रेशन नं 3874/15-6-84 37 जी, जून 1984 में मिला

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रमेन रेंज -1, श्रह्मदाबाद

दिनांक:30-1-1985 मोहर 😉 प्ररूप गाइ टी. एन. एस. -----

काषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

मारत चंत्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985 निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3589—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन वसकीर, तालुका, गाथ शोला में, है, सथा जो सीम जिला, श्रहमवाबाव में स्थित है (श्रीर इससे उनावड अनुसूत्रों में श्रीर जो पूर्ण रूप से वाणत) है रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 15-6-1984 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

 हंसमुख भाई, रावजी भाई पटेल, रमेश भाई रावजीभाई पटेल, छनसुखभाई रावजी माई पटेल, घाटलोडिया, गाव, सिटी० तालुका, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

 श्री श्रंबालास विठलदास प्रजापित, सगीर—विनयकुमार विठलदास, प्रजापित सगीर घनश्माम भाई विठलदास, उत्तर गुजरात प्रजापती नगर, नारनपुरा श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी क्षा किसयों पर मूचना की सामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रताहन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारं, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वद्वीकरण .-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पटों का, जो उज्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ALC: U

खेती की जमोन; जो गोला गांच में स्थित है तालुका, दसकार, जिला—अहमदाबाद में रिजस्ट्रेशन, नै० 9242/15-6-94

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर भायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-1-1985 मोहर

श्ररूप जाइं.टी.एन.एस.------

बाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1985 निवेश सं० पीं० आर० नं० 3590—⊸अतः मुझे, जीं० के० र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसका सं० शेखपुर, खानपुर, सीम टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 154, है, तथा जो अर्माबेला, सैंकिंड फ्लोर, हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राकर्ता अधिनयम, 1908 के कार्यीलय, अहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांस 12-6-1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— मैं पर्स अमाता कारपोरेशन, 'अमात्रेला'। हाईकोर्ट के सामने, नवरगपुरा , अहमदाबाद-9

(अन्धरक)

2. श्री भौगव डी० महेता, आफिन 'अमाबेता', में, सेशन्ड फ्लोर, ब्लाक नं० 1, हाईकार्ट के सामने, नवरगपुरा, अहमदाबाद-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन। की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस मुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए या सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

आफिन शेखपुर, खानपुर में टी० पी० एस० 3, एफ०पी० 154. सै मण्ड फ्लोअर, ब्लाश नं० 1, रजिस्ट्रेशन, नं० 688 1/ 12-6-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयबार आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 31 जनवरी, 1985

मोहर :

प्रकप नाहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आध्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-रू, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3591--अत: मुझी, र्जा० के० पण्डया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषेवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनका संव पर्नेट, टीव पाव एमव 4, एफव पाव 43, वन्समोर प्लैट है तथा जो ुष्ण बाग, चार रास्ता, मर्नालगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इयसे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राक्षती अधिकारी में कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान दिनात 30-5-84, 37 जी, जून, 84 में मिला

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान की गद्र⁵ प्रतिफल के लिए अन्तरित' मभ्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से,, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बोस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उसरो बचाने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन्न कर अधिनियम, या धन्न कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा तकट नहीं किया भया था या किया जाना नाहिए ता, छिपान में सूबिका की लिए।

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण धें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ताल बेन जयन्त कुमार लाघनोजाया, वा/2, वन्नमोर पत्तैद्त, कृष्णव ग चार रास्ता, मनानगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 जमनाबेन मनसुखलाल पटेल, बी/2, वन्समोर, फ्लैंट, कृष्ण बाग, चार रास्ता, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्का सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में स किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकारन की तारी है के 45 दिन के भीतर उदार स्थायर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित मी किए जा सकता।

स्भष्टिशेकरण:--इसमें प्रयक्त शक्ते और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र

फ्लैट टी०पी० एस० 4, एफ०पी० 43, बन्समीर फ्लैट में स्थित है रजिस्ट्रेशन नं० 8018/30-5-84 37जी में जून, 1984में मिला है।

> जी० के० पंडवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमधाबाद

दिनांक: 31-1-1985

मोहर :

प्रथम बार्ष हो. एष् , पुष्क

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमृता

बारत सरकार

कार्याज्य, तहाएक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 31 जनवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3592--अतः मृझे, जी० के० पंड्या

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं विभिक्त है

और जिसका सं० आफिस 'अमीबेला' में, हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, टी० पी० एम० 3, एफ० पी० 154 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और जी पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्राकर्ती अधिकार। के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक दिनाक 22-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान शांतफल के जिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण शिवित में धारह-विक स्थ से काचित गहीं किया वहां है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुधिधा के निए;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स मैसर्स अमीता कारपोरेशन, भागाधार: श्रा राजेश, एस० परीख, बिल्डिंग, 'अमीबेला', हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कान्तीलाल शाह, ब्लाक नं० 2, 'अमीबेला', बिल्डिंग, हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवस सम्मिति के वर्णन के सम्मन्ध में कोई भी बाखेंद स--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जनिभ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवित, जांभी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त अवित्यों में किसी स्पन्ति बुनाएा;
- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए वा सकेने

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विभिन्नयम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मना है।

अनुसूची

आफिस टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ॰ पी॰ 154 पर ब्लास, नं॰2, 'अमीबेला' नवरंगपुरा, में रजिस्ट्रेशन, नं॰ 9569 22-6-84 को लिखा है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

दिनांक 31-1-1985 मोहर 🛭 प्रकप बाई .दी .एन .एस "---- "

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

शारुत् व्रकारुः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांश 31 जनवरी 1985

निदेश सं० पा० आर० नं० 3593——अतः मुझे, र्जा० वे० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिनको स० दुकान अजंदा कीमणियल, सेन्टर, में दुकान नं० 103, है, जो शेखपुर, खांतपुर टं१० पे१० एस०-3, एफ० पी० 100 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिरारी के बायिलय अहमदाबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 25-6-1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिकल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से, एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त बन्द्रारण लिखित में बास्य- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोंने के बन्तरक के शांक्रिय के कमी कारूपे वा उच्छ वचने के कृतिया के शिष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1932 का 1) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में बृष्णा के किया के विकास

अक्षः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— श्रं चन्द्रकान्त मूदरभाई बोरा,
 फुलचन्द, एण्ड ड.० शेठिया कंपनी,
 69-71, घनजा स्ट्राट,
 पंचशाला, विस्डिंग,
 प्राउन्ड पलीजर, बम्बे-400003

(अन्तरक)

 अजन्ता प्लायवूड, सेन्टर, भागोधार बलदेव भाई, नारायन दास पटेल, गाप नं० 103, अजन्ता कोमणियल सेन्टर, आश्रम रोड, अहमधाबाद।

(अन्तरितो)

स्त्रं वह न्या वारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

धक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बद्धार में कोई भी नाक्षेप ≱---

- (क) इस स्वांना के राजपृत्र में प्रकासन की तारीब कें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त,स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

ल्लाकरणः -- इसमें प्रयुक्त बन्दों और वर्धों का, वो उक्त विभीनम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस बध्याय में विमा गया है।

नगृज्जी

शाप अजन्ता कोमशियल, सेग्टर में शाप नं० 103, ग्राजन्ड फ्लोअर, टी०पी० एस०-3, एफ० पी०-100, रिजस्ट्रेशन, नं० 9673/25-6-84 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 31-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भाय्त सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-र, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 3594—अतः मुझो, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन वासनामें टी० पी० एस० 26, एफ० पी० 99, सब प्लाट-6, है, जो जमीन 606 वर्ग यार्ड 1/3, शेर हर एफ० को मिल्कियत ट्रान्सफर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16 (के अधीन दिनांक 1-6-84, 2-6-84, 15-6-84, जुन, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मृताय कुमार रमेश कन्द्र मल बी/6, ज्ञानः गंगा, फ्लैट, धूमकेतु, मार्ग, पालक्की, अहमदाबाद ।
- (2) श्रीमती लीलावती, रमेश घनद्र भट्ट ।
- (3) सगीर मिलक, रमेशाबन्ध्र भट्ट बी/6, ज्ञानं गगा, पलैट, धूमकेतु, मार्ग, पालकी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 आलोक, एपार्टमेन्ट आनसँ एसोशिएशन, प्रमुख, श्री राजेश भाई, पी० शाह, 970/7, सी० जी० रोड, पालडी, अहमदाबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

मिलिकियत जमीन टी०पी० एस० 26, एफ० पी० 99, सब, प्लाट 6 बीन, कहें चणी, कीया मिलिकियत, जमीन 1/3, गोयर हर एफ० को, रिजिस्ट्रेशन, नं० 1781, 1782, 6763/1-6-84, 5-6-84, जून, 1-84 ।

जा०क० पडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अहमवाकाद

दिनांक 25-1-85 **मोहर** 🖁 प्ररूप बार् . टी. एन. एस...----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निर्देश सं०पी० आर० नं० 3595—अतः मुझे जे० के जी० के पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मिनिश्यत, उस्मानपुरा, सीम में ग्रम्बिका, को०-अपरेटिव, सोमायटी हैं, जो बी० न० 20, एफ,० पां० 77-78, सब प्लाट 11-बी, अहमदीबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में . यास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्नस अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1067 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उचत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सीताबेन मोतीलाल पटेल, गौतमभाई मोतीलालभाईप्पटेल, हिम्मत भाई मोतीभाई पटेल, बलवेन भाई शिवलाल पटेल, राजेन्द्र कुमार बलवेन दास, 20, श्रम्बिकां, सोसायटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री चंचला बेन, रनछोड़ भाई पटेल, किरीटकुमार, रनछोड़ भाई पटेल,
 श्रीबिका सोतायटी,
 उस्मान पुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोत्रत सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस मुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिनबत्ध किसी अन्य अपिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्वितिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हूँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत उस्मानपुरा, सीमा में एफ० पी० 77-78 सब प्लाट, 11-बी, रजिस्ट्रेशन नं० 9248/15-6-84।

> जी० कें ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 25-1-1985 मोहर : ंप्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरोक्षण) अर्णन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 31 जनवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3596---अत : मुझें, जी० के० पंडया,

बायकर सिधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 154, असीबेला', है, जो सेफण्ड फ्लौर, नयरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीजर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमवाबाद में रिजर्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक 12-6-1984

को प्वांधित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्परित का उचित बाजार महन्य जसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए श्रीट्र/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अला कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानी में सुविधा के सिष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — मैसर्स अमीता कार्पोरेशन, 'अमीबेला' हाईकोर्ट के सामने. नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री मीलन एच० दलाल,
 43, सरदार पटेल कालोनी अहमदाबाद,।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अक्षोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसर्वा

आफिस नं टी०पी० एस० 3, एफ० पी० 154 सब प्लाट 5, 'अमीबेला', हाईकोर्ट के सामने,/नवरंगपुरा, अहमवाबाद में स्थित है तथा राजस्ट्रेमन, नं० 6876/12-6-84 है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक 31 जनवरी, 1985 मोहर : प्रस्य बाई. टी एत एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, 1,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3597—अत: मुझें, जी० के० पंड्या.

शायकर कि धिनियम, 1961 (196) का 43) जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुचित बाजार मूल्य 25,090.'- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट, कोचब में, टी०पी० एस० 3, एफ०पी० 270, है, तथा जो नार्थ, यू फ्लैंट, नवरंगपुरा, अह्मदाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचं। में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिथ्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदावाद में रिजिस्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का $1 \in$) के अधीन दिनांक 27-6-1984

को प्वारेत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ं कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिक्निय भें बास्तिकक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना के हिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मोंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यिक्तियों, अर्थात् :—— 20 —476 GI/84

कंतन रिमकनालणाह,
 राजनगर, चार रस्ता के नजदीक,
 पालडी, अहमदाबाद -7

(अन्तरक)

श्री पदमनाथ, सी० लोठा,
 पलैट, नं० 11, सेकनण्ड फ्लोर,
 नार्थव्यु, को०आप० सोसायटी फ्लैट,
 एल० डी० इंजीनियरिंग, होस्टल के सामने,
 नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति व शान के सबध मा आई भी **वाक्षोप**:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, त्रों भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से फिसी न्यदित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थार ग्रम्पित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के एास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ब्रुध्याय में दिया गया

नग्स्ड्र

फ्लैंट कोचखमे टी०पी० एम० 3, एफ० पी० 270, सबप्लाट, नं० 2 रितस्ट्रेणन. नं० 9830/27-6-84 है ।

जी० के० पंडया, सञ्जम प्राधिकारी सहाय ह ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 31-1-1985

मोइर 🖁

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेण य० पो० ग्राप्ट नं० 3598——यतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रह. से अधिक है

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट शाहपुर-II में सी एस० नं० 4234 से 4241 है तथा जो आनंद सीरीन को आप० सोसायटी फ्लैंट फस्ट फ्लोंर खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-84 ए० जी० जून 84 में मिला को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के खरमान प्रतिकृत की नार अन्तरित को उचित बाजार मृस्य से कम के खरमान प्रतिकृत का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरण के लिए तय प्राया अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया

गया प्रतिकल, निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अन्तरण सिसित में

शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (का) होसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के निराट:

ल्ल अद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की नपधारा (1) के स्थीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री राजेश कुमार बालूभाई शाह सत्यवादी सोसायटी, उस्मानपुरा ग्रहमदाबाद।

(मन्तरक)

2. श्री दिनेश कुमार बाबूलाल पटादिया, फ्लैट न० 1/एफ०, श्रानन्द सौरीन को० श्रा० सोसायटी खानरपुर श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के रिक्रम कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थावितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थवितयों में से किसी स्थवित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तस्रींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वत्वतिकरणः इसमें प्रमुक्त सन्यों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाष्टिक है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका वहा है।

मन्स्ची

फ्लैट शाहपुर II में सी० एस० नं० 4234 से 4241 श्रानन्द सौरीन को० भाष सोसायटी में रजिस्ट्रेशन नं० 8025/ 31-5-84 37-जी जून 84 में मिला

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-^I **भहमदाबाद**

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🥲

प्ररूप थाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० म्नार० न० 3599—म्प्रतः मुझे जी० के० पंड्या

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लैट, शाहपुर-11 मे सी० एस नं० 4234, है तथा जो श्रानन्द सौरीन को० श्राप० मोमायटी, खानपुर श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी हो कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम-1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 37-जी, जून 84 में मिला

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का फल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री चंदूलाल वापचंद वोरा पटेल भुवन दूसरा खांचा शाहपुर मिल कम्पाउड शाहपुर बहार सेंटर घहमदाबाद

(अन्तरक)

 श्री रमेश कुमार शंकर लाल शाह फ्लट झाफ 4 झानन्द सौरीन को० झा० सोसायटी खानपुर श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अग्स्ची

प्लैट शाहपुर-II में सी० एस० नं० 4234 सब प्लाट 2 से 16 ग्रानद सौरीन को० ग्रा० सोसायटी में फ्लैट नं० एफ 4 र्राजस्ट्रेशन नं० 6132/25-4-83 37-जी, जून 1984 में मिला

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 31-1-1985

मांहर 🛭

प्ररूप. माइ. टी एन. एस. ----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11 श्रहमदावाद

महमदाबाद दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश म० पी० धार० नं० 3276/11—— ग्रत मुझे, जी० के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी से दुकान ने श्रीरं -2109 सूरत है तथा जो रिंग रोड सूरत में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद्ध श्रीसूची में श्रीरं पूर्ण व्या से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीक्षारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकर्रण श्रीक्षित्तयम 1908 (1908 का 16) के श्रीक्षान, ताराख 4-6-1984 का पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि श्रीप्यावित अपित्त का उचित अर्था करने का कारण है कि श्रीप्यावित अपित्त का उचित अर्था मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस रस्तमान प्रतिपात में पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यवेश्य हो उक्त अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यवेश्य हो किया नया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उवत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सोवधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती दवार प्रयट नहीं स्थित या धा या किया जाना दाहिए धा िरुपान में जिया के लिए,

अत अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् --- श्र) बजरगलाल दव।दयाल घरांगः सूरत

(ग्रन्तरक)

2 देवीदयाल टाह्लाराम श्रीरा 86/87 थोगीछ्या को० श्रा० हा० सोसायटो, मुरुत

(भ्रन्तिरती)

को यह सूजना आरी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहिया कारता हु।

वक्त प्रभारित क अर्थन न सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान क राज्या में प्रकाशन की तारीस से 45 विन का जबीय या तराम्बन्धी व्यक्तियों पर . . मा , दिवा कि , मा भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों म से किमें। ज्यावित स्वारा,
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन क भीतर उकत स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी न्य कार देनारा अंशहस्ताक्षरों के पान किसी किसी कि

स्पष्टीक्षरण ----- व्याप्त शब्दा और पदों का, जो उत्स अ। प्रित्यम के अव्यास 20-क में परिभाषित ए धृ बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा राम ही।

अनुसूची

मिलिकियत जो सूरत मुकाने स्थित है जिसका राजस्ट्रशन नम्बर 4525 है और दिनाक 4~6~84 को राजस्टर्ड क' गई है।

> जो० के० प**डमा** मक्षम प्राधिकारी महायक **ग्राय**कर श्रायुक्त (fनरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II **ग्रहमदाबाद**

तारीख 11-1-198 मोहर . प्ररूप माई . टी . यन . एव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

सारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाङ 11 जनवरी 1985

निर्देश न०पो० आर० न० 3274/ अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० दूका न० 2/3171 सूरत है तथा जो रिग रोड सूरत में स्थित है (प्रीर टममें उपाबड़ ग्रनुसूची प्रे ग्रीर पूर्ण रूप से बांजन है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारों के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीवरण ग्राधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, तार ख़ 13-6-1984

को पूर्वोक्न सपरित के उचित शाजार मूल्य से कम क इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्म यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आ वक है और अन्तरिक (अन्तरिको। और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच एम अहरण के लिए तय पाया गया प्रीत-कल, निम्निलिखित उद्देश्य स उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक इष्य म किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे उचने में सुमिधा के निष्; बार/जा
- (ख) ऐसी वि.सी अध या किसी के या अन्य का निर्मा को जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन गिम्निलिसिन व्यक्तिया, अर्थन

 श्री जीन्काराम ग्राशाराम तेचारी, सुभाषनगर मूरत

(भ्रन्तरक)

2 श्री विश्वनदाम तीरथदान, नेदप्रकाश विश्वनदास, जी/22, भाटर रोड़ सूरत।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्**त्री**

मिलि भियत जो सूरत में स्थित है जो 4775 नम्बर पर दिनाक 13-6-84 को सूरत रिजस्ट्रार कार्यालय मे रिज-स्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख . 11-1-1985 माहर :

अध्य अंध्र . क्षी. एन. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-र्षरे अंद्र (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बाधकर नायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-II, महमदाबाद महमदाबाद प्रमांक 11 जनवरी 1985 निदेश नं०पी० आर न० 3278/II अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके परचात् 'सकत अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-च के नचीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 25,000/- रह. से विक्या है

मौर जिसकी सं० दुकान मं० 2/3170, सूरत टैक्सटाईल्स मक्केंट, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-6-84

को द्योंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रश्तिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निक्वास करने का कारण है कि अध्यम्पर्वोच्च सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्तस, निक्निविचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिचित में क्लाक्तिक कम से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं सुद्दं किसी बाद की बावत , उपल स्थितियद में बनीन कर दोने के बन्तरक में स्थित्य में कभी करने वा उत्तवे व्यन में स्थित में में सिए; बीह/वा
- (क) एती किसी नाय या किसी भन या किसी भास्तियों को, जिन्हें आस्तीन नाय-कर निभनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते जिभिनियम, या धन-कर निभिनियम, या धन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती क्वारा अंबंध महीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जिनाने में सुविवा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को कभीभ, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

गं मैं० के० टी० टैंक्सटाइल्स भागीवार---श्री ठाकोरभाई छिटुभाई, सुमुलंडरी रोड, सुरत।

(मन्तरक)

 बासुलाल जे० खुराना स्रौर प्रन्य, मालीफलीया, गोपीपुरा, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृजेंक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितयस्य किसी जन्म व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिसीस में किए जा सकाय।

रुपक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा, वो उस वश्याय में दिया पदा है।

वन्युची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सहायश रिजस्ट्रार सूरत मे 4870 नंबर पर दिनाक 18-6-84 को रिजस्टडें कि गई है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख 11-1-1985 मो**हर** अ

इस्य बार्ड. टी. एव. एव.-

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में नधीन स्वा

नारत वरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दोक्तण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 11 जनवरी 1985 निर्देश सं०पी० आ^ए० नं० 3279/II—श्चरा: मुझे,, जी० के० पंड्या,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को ब्र्धीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 470/1 देसरा है तथा जो ता० गणदेवी में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तविक रूप से किश्व नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामरा, उनस् अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक की शामित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा की निए; बार्ड/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अभ, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मो, मी, उन्नत अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रमणलाल प्राणशंकर रावल, देसरा, पटील फलीया, ता० गणदेवी।

(ग्रन्तरक)

मै० णिवकुपा कार्पोरेशन,
 श्रीमती भानुसरण महेन्द्र भाई,
 बालीमोरा,
 महादेव नगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजीवत स्म्योत्त के सर्वन औ जिल्ह कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के बंबंध में कोई भी बाबोप :----

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की संविध या तत्स्रक्रक्थी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संविध, को भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजवण में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्त-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्धां और पद्मी का, को सन्ध सपिश्विम को अध्यास 20 का में परिश्वाणिक हैं, वहीं भर्य होना को उस मध्याय में विका गुवा है।

मग्ल्यी

णमीन जो बूसरा जींद में क्थित है। सब रिजस्ट्रार 429 नंबर पर दिनांक 6-6-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-1-1985

मोहर :

प्ररूप बाईं टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा २69-७ (1) के अधीन गमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज- Π , ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 18 जनवरी 1985 निर्देश नं० पे० पार० न० २ $280/\Pi$ -अत मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, हिस्स के किन बाजार प्राय 1,00,000/- रु से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० सैयद पासणा है तथा जो वडौदा में स्थित है (स्रोर इससे उपवाद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित), है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, वडादा में रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मझ यह भिर्मा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अनरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के नीच एस अन्तरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप स कथित नहीं। असा राज्य हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में क्यों करने या जनमें बचन अ सीक्ष्य के लिए, और या
- (५) एसी किसी आय या किसी पन पा अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195, 1957 न 27) के प्रयासी या किया जाना चाहिए था जियाने में सविधा के निष्ण

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण मो, मौं, टक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित त्यिक्तयों, अर्थात --- श्री प्रश्वीत पुण्डरीविराय हाथी रेसकोर्म, वडोदा।

(ग्रन्तरुक)

2 श्रीमती रुकीस्गई स्मृत्याम ईसरानी, बडादा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मस्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के प्रमान तत्मम्बन्धे व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद के समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों मा मा किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सचनः के राज्या मा अकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उस स्वादर सम्पत्ति ना दित-बद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्यक्षरों के पास विश्वित में किए जा सकेंग।

म्पच्चीकरण — इसमा प्रयुक्त कव्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ किया जे उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

जमीन जो सैयद-पासणा, वडौदा मे स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बडौदा मे 2484 नबर पर जून 84 मे रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 18-1-1985

माहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. =====

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयका (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 18 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3281/II—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्यात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का मारण है कि स्थावर एक्पिटन, जिसका उचित शाजार मूस्य 1,00 000/- रहा स्थापिक है

ग्रीर जिसकी स० रोड बरयामा है सथा जो जि० बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बदौडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13-6-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रितिक्त के लिए अंतरित की उर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुड किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसं किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात :—— 21—476 GI/84

 श्रीमती ग्रागीग्राडारे प्रतापितह गाह 34, मुक्लामंद सोसायटी, जि० बड़ौदा।

(बन्तरक)

(1) श्रहणा पी० पटेल, (2) पैक पेपर पारथर का भागीतार जे० पी० नगर, पादरा रोड़, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (य) इस स्पाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-सब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्थी

जमीन जो वरणा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4314 नंबर पर दिनांक 13-6-984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख: 18-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एम.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

> द्भादाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1985 ् आर० नं० 3288/II--अतः मुझे,

निदेश जी० के० प ी 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें आयकर अधि इसके परचात् "अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिसकी सं० श्रोफिस नं० 278, अजन्टा सेन्टर है तथा जो रिंग रोड, सूरत में (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 37-ईई के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वाम **इरले का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित** बाजार क्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंगरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में इविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के तिए।

वतः वब, उक्त अधिनिकम की धारा 269-ग के अनसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🕬

1. मैं शांति बिल्डर्स, सुरत।

(अन्तरक)

2. मै॰ जाश इएन्टरप्राईज, गणेश कृष्त रोड़, डयना, उद्योग नगर, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अगुस्क

'धिनियम की धारा 37-ईई के फार्म पर कार्यालय में जून 84 में पेश किया गय

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 29-1-1985

मोहर:

प्रस्प आइ. टी. एन. एस. - - - --

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

बारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 18 जनवरी 1985
निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3283/II--श्रतः मुझे,

आयकर महिथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान, कोटा, बड़ौदा है तथा जो वड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वडौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देनें के अंतर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, ज्यास अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—— श्रीमती मनोरमा सरन हर्सदराय बारमैया, ग्रोलिस क्रिज, ग्रहमदाबाद।

(मन्तरक)

 श्री जयेश कुमार देवशी हिराजी, ग्रमी को०-ग्रा०-हा० सोसायटी, ग्राकोटा रोड़, यड़ौदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्तर व्यधिनियम के नध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं नधीं होगा, जो उस नध्याय में विया गया है।

नवस्थी

मकान जो प्राकोटा, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 3932 नंबर पर दिनांक 20-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सम्राम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, ग्रह्मवाबाव

तारीख: 18-1-1985

मोहर 🐠

प्रकम भाइं दी पुन एक । -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

नार्वं बरकर्

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्जीक्रण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3284/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 312, नानकवाड़ा है तथा जो ता० बलसाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वलसाड़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है ——

- प्क) जन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उबस जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में स्विधा के सिए; जॉर∕वा
- (स) ऐसी किसी अब या किसी भन वा बन्य बास्तिवः को जिन्हु भारतीय नायकार निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निभिन्यम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्धात् ह—- श्री बलसाङ जिल्ला
 जंगल मंडली सहकारी संघ लि०,
 चेयरमैन —
 श्री नानुभाई मगनलाल,
 बिलपुड़ी,
 ता० धरमपुर।

(भ्रन्तरक)

 मै० वनराज को०-म्रा०-हा० सोसायटी, चेयरमैन— श्री एन० एम० देसाई, बिलपुडी,
 ता० धरमपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त कन्दों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया नवा है।

नगत्त्रची

मिलिकियत जो नानकवाडा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बलसाइ, में 3134 नंबर पर दिनांक 21-5-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख: 30-1-1985

मोहर 🛚

जी० के० पंडया,

प्रकृष् नार्यं असी अपूर्व प्रकृत —

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

सारत सङ्ख्य

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० भार० नं० 3285/II—भतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उफित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 621, श्रजन्टा शापिंग सेटर, है तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुंसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन तारीख जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब एस के किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उकत विधिनियम के मुधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्य में कभी करणे वा उन्नुखे वस्त्रे में बृह्यिंगा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फियाने में सृविधा के लिए;

मै० शांति बिल्डर्स,
रिंग रोड़,
सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुरेश कुमार भोमाचंद, राधे मार्केट, रिंग रोड़, सूरत।

(अन्वरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवादियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोड़ां भी जाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कर्णजन्या में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुस्या

ग्रायकर श्रधिनियम, की धारा 37-ईई के ग्रमुसार का फार्म यह कार्यालय में जून 84 में पेश किया गया है।

शी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भ्रष्टमदाबाद

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नृतिस्ति व्यक्तियों, अधीत् ६—

तारीख: 30-1-1985

मोहर 🕄

प्रस्तु नाइं, टी. एत. एत.,- - - ----

नायकर निधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्चना

बाइत चुड्रच्छ

कार्यालय, सहायक शायकर जायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रैंज-II, ग्रहमदाबाद
धहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० झार० मं० 3286/II—— झत: मुझे, जी० के० पंड्या,

श्रीयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है" कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भाफिस नं० 626, अजन्टा शापिंग सेंटर है तथा जो रिय सोड़, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठ-कारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 84। को पूर्वोक्त सम्पिश्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए सय वामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उक्षेच्य से उक्त अन्तरक किवित के नास्तिक कम से किवित महाँ किवा मना है:——

- (क) जन्तरण वे हुई जिल्ली शाव की दावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के चौरात्व में कमी करने या उत्तरो अवने में सुविधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बुस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

मतः। मंत्र, समत निधानियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें. उक्त अधिनियम की भारा 269-च को उपधारः (1) को नभीन, निस्निसित स्पित्तियों, समित् क्षाना मै० गांति बिल्डर्स,
 रिग रोड़,
 सूरत।

(भन्तरक)

 श्रीमती पूनम एच० बीयानी, 1177, सूरत टैक्सटाईल, रिंग रोड़, सूरत।

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भायकर श्रधिनियम की धारा 37-ईई के श्रनुसार का फार्म पर कार्यालय में जून 84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन स्चना

नार्य बहुकाई

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निराक्षण)

धर्ज रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाव, विनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3287/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रोफिस नं० 639, श्रजन्टा गोपिंग सेंटर है नथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज यह विद्वास करा के का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विच्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक हुए से कायत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिली नाय की बावत, उक्ह जीभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक की दाशित्य में कानी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिएं। वरि/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया थाना चाहिये था, किया में सृविधा के सिए;

मैं० गाति बिल्डर्स,
 रिंग 'रोड़
 सूरत।

(भ्रम्तरक)

मै० डीसीलोन क्रीम्पर्स,
 4/200 घोलियाकी वाडी,
 सूरत।

(भन्तरिती)

को वह सूचना वाड़ी करके पूर्वोक्स सन्यत्ति हैं के के विष् कार्यवाहिया करना हो।

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स पार्टिक में में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्वाचित्रकाः ----इसमें प्रवृक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसुस्

भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 37-ईई के भ्रनुसार का फार्म पर कार्यालय में जून 84 को पेश किया गया है।

जी० के० पड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

बतः अभ , उक्त अधिनियम की धररा 269-ग के अन्सरण मो. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविधत व्यक्तियों, अर्थीत् ः---

तारीख: 29-1-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभरा

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयक्षर आयक्षत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

असुन्नवाबाद, विमांक 29 जनवरी 1985 निदेश की अार० नं० 3288/II—अतः मुझे,

जी० के० पहेंचा, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात जिसे अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रोफिस नं० 278, अजन्टा णापिंग सेन्टर है तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दर्यमान प्रितंत्रल के लिए अंतरित की गर्दे हैं और मुक्ते यह विश्वामं करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल के बत्यह प्रतिदेश में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और इंगिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बगा प्रतिफल, निम्निलिक्त उबदेश्य में उक्त अन्तरण निल्लिल में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बम्तरण से हुई किलीं जाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनिकम की धारा 269-ग के अनूसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात इन्ल

 मैं० शांति बिल्डर्स, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै॰ जाश इएन्टरप्राईज, गणेश कृष्टन रोड़, इयना, उद्योग नगर, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

दगरान्

आयकर अधिनियम की धारा 37—ईई के अनुसार का फार्मपर कार्यालय में जून 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 29-1-1985

मोहर:

प्रकल बाही, टी. एन्, इस. ----

आयुकार स्थितियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

मारत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3289/II—अतः **मुझें,** जी० के० पंड्या,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ओफिम नं० 722, अजन्टा गोपिंग सेंटर है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल है, एखे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तम वाया क्या प्रतिफल निम्मीसियत उद्देश्य के स्वत्त जन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नमा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावक, उक्क विधिनियम को नधीन कर वोने के अम्तरक के वाजित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों नारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ने लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० शांति बिल्डर्स,
 रिंग रोड़,
 सूरत।

(अन्तरक)

श्री बासुलाल अग्रवाल,
 मै० अर्चना टैन्सटाईल एण्ड वीविंग मिल,
 मार्ग नं० 4,
 उद्याना,
 सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज सें 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्य सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति श्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभीहरताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सवा हैं।

अनुसुची

आयकर अधिनियम की घारा 37-ईई के अनुसरण का फार्म पर कार्यालय में जून 84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 29-1-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड ुटी, एन. एस ु----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3290/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुसे अधिक है

त्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1183, 378/बी० है तथा जो नानदरखी, ता० गणदेवी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गणदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-84 को पूर्वोत्त सस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, / उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जोड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरित्ती द्वार प्रवास कर अधिनियम सामा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :----

 श्री धीरजलाल चम्पकलाल मोदी, श्रमी तालाब, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री युनुसभाई रहबोभाई मुकाली, देसरा, ता० गणदेवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मिलिकयत जी नान्दरखी, ता० गणदेवी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, गणदेवी में 295 नंबर पर दिनांक 4-6-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-1-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नाय्कर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के निर्धान सुभन।

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 जनवरी 1985

निदेश स० पी० आर० न० / 3291/II—अत: मुझे, जी० के० पडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० वार्ड न० 4, नोद न० 2167 है तथा जा बेगमपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे ख़ुपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सूरत में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1984

को पृथीकत सम्पत्ति के उष्मित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्योक्स संपत्ति का उष्मित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्ष्य से किंचत गड़ी किया प्रा कि

- (क) मन्तरण से हुई किन्ती बाम की बाबत तक्य भीभ-निवृत्त के अभीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी करने या उद्देश बचने में तृषिभा के किए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित -यक्तियों, अधीत्:— श्रा सुरेश शान्तीलाल कोठारी, दिया महल, बम्बई।

(अन्तरक)

2. मैं विष्यकाना को अो हा सोसायटी, महरद दरवाजा के पास रिग रोड़, सुरत।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पृशांकत सम्मिल के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त राम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख स 45 विन की वादी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचन की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी या प्रोक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भी थर प्रोक्ति स्वक्तियों में भे किमी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हिट्ट- वर्च किसी अने विकास दिना के बाहर किसी अने विकास की में किए जा सकींगे।

स्पष्डीक रूण: --- इसमें प्रयुक्त कार्जी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 2384 नबर पर दिनाक 30-6-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रापृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

तारीख: 30-1-1985

मोहर :

प्रक्य बाह् , टी. एवं. एस.,-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नायुक्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3292/II—अत: मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० अठवां टी० पी० एस० 5 है तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1984

को पृथितित सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उच्चिय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यथने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सै विष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सरलाबह्न रमेणचन्द्र मोदी, मार्फंस मुलाशा को० आ० हा० सोसावटी, 4/133 पीरछादी रोड़, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० मुलका को० भ्रो० हा० सोसायटी,
 आफिस नं० 4/133,
 पीरका रोड़,
 सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :~~

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 हिन की नम्भि या शरसम्बन्धी म्यूनितमों पूर स्वन। की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो भी नवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 2805 नंबर दिनांक 16-6-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-¹¹, अ**ह**मदाबाद

तारीख: 30-1-1985

मोहर :

श्रुरूप . आर्च . टी . एन . एस . - - - -

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3293/H---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशस करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० स० नं० 546—12, 547—548, शाम मूर्ति सोसायटी, है तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम से हुए किकी बाब की बाबत, अक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; क्रीकृ/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बै अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, जर्मात् अ—- भी प्रतिभवहन आर० वेयारौ, सुविधा सोसायटी, सूरत।

(अन्तरक)

हितेन्द्र अमृतलाल नानावतो,
 1/1286, सांदेशेटी,
 हरिपुरा,
 सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निर्मित में किए बा सकर्षि।

स्थळिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

वर्ष्य

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 1154 नंबर पर जून 84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> भी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 30-1-1985

मोहर:

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

भायफर अभिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

· निवेश सं ॰ पी० आर० नं ॰ 3294/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० 317- हिस्सा-3, कलारगाम है तथा जो सूरत में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे मीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंग्त नहीं किया गया गया है:—

- (कं) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त निभिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया श्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री रामजीभाई तुलाधाभाई पढेल, मार्फन गुणातीन कार्पोरेशन, गोपीपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० गुणातीत कार्पोरेशन, हसमुखनान भगवानदास, गोपीपुरा, माडल स्कूल, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। वारी करके पृथाँक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सिह कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्डीकरण .--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में विया स्वा हैं ॥

STUDE:

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब राजिस्ट्रार, सूरत में 4928 नंबर पर दिनांक 19-6-84 को राजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-1-1985 मोहर:

प्रक्य बाइ. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269- थ (1) के अभीन स्चना

ब्राइक स्टब्स्ट्र

भार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश मं० पी० आर० नं० 3295/ — अतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी स० वडौदा है तथा जो बडौदा में रिथत हैं, (श्रीर इससे उपावड अनुसूर्ण में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान गीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त संपरित का उचित बाधार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप मे क्षी बत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उनस विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (थ) एंसी किसी जाम जा किसी थन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ विद्

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विट्ठलदास मोहनलाल शाह, ग्राट रोड़, बम्बई।

(अन्तरक)

2 श्रीमती तक्षलता रजनीकात शाह, सुवर्ण अपार्टमेट, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीयत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षंप .---

- (क) इव सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, यां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार त्रधोहस्ताक्षरी के पान तिक्तिन में किए जा सकती।

स्पक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्मत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ अरोगा जा उस अध्याय में विया जवा ही।

बन्स्ची

प्लाट जो रेसकोर्स, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4619 नंबर पर दिनांक 25-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

नारीख: 30-1-1985

मोहर:

प्रकार वार्ड . टी. एन्.्एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1985

मिदेश सं० पी॰ आर॰ नं० 3296/II--अतः मुर्झे, जी॰ के॰ पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९०-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार भूक्य 25,000/- रू. ते अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट पर्लंडगंज है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण इप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियक के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री कालूमल चेलाराम बहाक्षती, बढ़ौदा,

66, अलकापुरी।

(अन्तरक)

2. श्री पृथ्वीपाल सुरजीतिमह छाबड़ा, 1-सी०, प्रतापगंज, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके प्रशंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मस्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) एस स्वता वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में ने जिल्ली व्यक्ति द्यारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकोंगे।

स्पर्धाकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उक्त १ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, - वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

वनस्पी

फ्लैट जो फनेहगंज, बडौदा में स्थित है। सब राजिस्ट्रार बड़ौदा में 2549 नंबर पर दिनांक 4-6-84 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडय। सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अतः अतः अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख: 30-1-1985

मोहर :

प्रकृष बाह् त टोंत इन्. पुरु हु≒--==-=-

क्रायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के स्वीत स्वा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3297/II—अतः मुझै, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधाव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह जिक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो खंभात में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से 'वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंभात में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्ववदेय से उक्त अंतरण निचित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भूनतहरू ने हुन् किसी नाम की बान्त, प्रथस अधिनित्त को ज्योग कर वांचे के बन्दरक के शामित्व में कमी करने वा क्यूबे व्यूने में हुनिया के निष्; मुद्धिना
- (वा) एती किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में बिवध के सिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभारत ः—— 23—476GI/84 श्री जलाराम कार्पोरेशन,
 श्री एच० एम० पटेल,
 खंभात,
 जि० खेड़ा।

(अन्तरक)

 श्री सचेरभाई बजभाई पटेल, सेतालिस प्राम, चटौलर पादीदार, केलयमी मंडल, वटादरा, ता० खंभात।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕻

- (क) इस सूचना के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थाक्तयों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्दश्य किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिजित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित को, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवस अथा है।

वन्तुन्त्र

जमीन जो खंभात में स्थित है। स्व रिजस्ट्रार, खंभात में 2183 नंबर पर 7-6-84 को रिजस्टर्ड की गई है। जिसका सर्वे नं० 2/4862 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 30-1-1985

मोहर:

प्रक्स भाषां, टी., एन., एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

माउत् तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-11 अहमदाबाद

अहमदाभाव विनांक 30 जनवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3298/II:—अतः मुझ, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या जमीन बोरसव है तथा जो बोरसद में स्थित है (भौर इससे उपावक अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय, बोरसद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल सें, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) कलारण ते हुए किसी त्राय की बाबत, उक्त स्थितियम के अलीन कर दोने में कलारक की सामित्व में कमी करने वा एक्स वचने में सुनिधा में हैंसए; स्ट्रिं/या
- ्रैंक) ऐसे किसी बाम या किसी धंत मा अन्य जारित्यों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्नरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से लिए !!

अनः अव, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग को अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भूभीन . निम्निलिकित व्यक्तित्यों, अथित ६---

 श्री भोगीलास अन्सालाल भीर अन्य बोरसद।

(अन्तरफ)

2. श्री छबील दास धरडलाल सागडीया भी जी कार्पोरेशन। बोरसद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत स्व्युत्ति के श्रवंत की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ग्राज्यान में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति .
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें '45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवस में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण हु---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पंरिभोवित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं ⊥

अनुसूची

अमीन जो बोरसद में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बोरसद में 2056 नम्बर पर दिनांक 7--6-1984 को रिजस्टर्ड की गई है। जिसकी कीमत 2,70,000/--- रुपये है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक: 30-1-1985

मोहर 🕄

प्रस्प बाह्यं दी एत . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की धारा 269-ष(1) को वधीन सुखना

भारत संदुकार

कार्यालय, सङ्ख्यक शासकर अध्युक्त (निर्क्षिण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 जनवरी, 1985

क्रिदेश सं०े पी० आर० न० 3299/II—अतः मुझ जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिष्ण' कहा नवा है), की धारा 269-ख के नुधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थान्द्र संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या बंगलीं तेलपुर है तथा जी वारडोलों में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय वारडोली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीब 8-6-1984

को मुर्वोधत सम्बन्धि के उचित बाजार मूख्य से काम के स्वयमन प्रतिप्रकृ के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्कास करने का कारण है कि वश्यम्वींचत संपत्ति का उदिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिप्रत से एसे ज़्यमान प्रतिप्रत का पन्द्रह प्रतिशत से वृधिक हैं और अन्तर्स (अन्तरकारें) और सन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे क्रक्सरण के लिए तथ पाना गृथा प्रतिप्रत, विकासिक स्वाधित क्यूक्टेड्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तियक रूप से कायत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर देने के अन्वस्क के क्तियत्व के कमी करने या उत्तरों, बचने में सुनियम के लिए; बॉर/या
- (य) एसी किसी जाय हा किसी बन या अन्त अंगीस्त्रीयों की फिल्ह आइसीय आयकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिखित अधिकतयों, अधीत है— श्री अविनाश मगनलाल मोदी सोमीसरन नगीनलाल मोदी
 3, प्रताप गंज, बड़ौदा-2।

(अन्तरक)

 श्री आत्माराम नारमय रामादीप 30, पार्श्व नगर श्रो० आ० हा० सोसायटी, बड़ौदा-5।

(अन्तरिती)

कौ 'यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्ज्य के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में काइ भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्समंबन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) ६० स्वना के राजपत में प्रकाशा की तारीख से 45 दिने के भीतर उक्त त्थापर मन्नित में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास विकल्प में किए जा सकरेंग।

ल्यास्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

बंगली जो प्रताप नगर, बड़ोदा में स्थित है।, सब रिजस्क्र्य, बड़ौदा में .4127 नम्बर पर दिनांकं 8-6-84 की रिजस्टर्ड किया गया है जिसकी कीमत 2,20,000/- इपये है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाजाद

तारीख: 1-2-1985

मोहर 🖫

श्र**म् वार्**ंटी पुन**्युव**्-----

भापकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43<u>)</u> की भारा 269-म (1) के अभीन-सूचना

नारत सूरकार

कार्यास्य, शहायक आयकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद, ू

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी, 1985

ि निदेश सं० पी० आर० न० 3300/II—अतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**चित बाजार मुख्य** 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० जमीन अकोटा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अज्ञीन, जून 1984

का पूर्विकत सम्मिति के अचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पनि का जावित बाजार मृज्य, उसके करममान प्रतिकल से, एसे करममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रसिद्धत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया वितफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे ब्युने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (बा) ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियद्धः; या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) कों प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था., 🛚 अपाने में स्विधा के बिए;

उत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. श्री परसोत्तम धरमवास पटेल कारवाजी, तहसील: पादरा जि॰ बड़ौदा

(अन्तरक)

2. श्री बिट्ठलदास केशवलाल प्रमोदकुमार एल० मोदी मार्फत परसोत्तमदास धरमदास पटेल, कारखडी तहसील-पादरा

(अन्तरिती)

को यह बुचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्वन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उपय सम्पत्ति के जुर्वन के संबंध में कोई भी जाओं 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृंबारा, अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किये वा सकेंगे।

स्युक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, आ उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है वही अर्थ होगा, जो उस क्ष्याय में दिया नवा है 🕕

अनुसूची

[ं]प्लाट **जो आ**कोटा बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्टार, बड़ौरा में 3449 नम्बर पर जून, 1984 में रजिस्टर्ड किया गया है। जिसकी कीमत 1,67,550/- रूपये है।

> जी के पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-11; बहुमदाबाद

सारीख़ 30—1—1985

मोहरु 🛭

प्रकृत नार्षाः दी पुन् एतः । ------

नायकर गींभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सुजना

भारत चडकाड

कार्यांत्रम, सहायक नायकड नायुक्त (निड्डीक्शन) भर्जन रेंच-II, अक्षुमवाक्षद

बहुमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3301/II--अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्रण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रुसे अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लोट बेजलपुर है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिचस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रायमान प्रतिफल के एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त अभिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उद्धत अन्तर्भ सिश्ति में वास्तरिक रूप से कास्तरण का सिश्ति में वास्तरिक रूप से कास्तर्भ सिश्ति में वास्तरिक रूप से कास्त नहीं ख्रिया प्रधा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत , खबत वीधीनवस को वधीन कर दोने की बन्तरक को दायित्व को कभी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के सिष्ध बाझ/वा
- (क) एसी किसी जान वा किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त जिप्तियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए जा, कियाने में सुविधा जी सिए।

अतः अंबे, उथलं रुधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिक्ति व्यक्तियों के अधीन, निम्मसिक्ति व्यक्तियों के अधीन, मे० बानन्द श्रोरमेनाईजर्स
 35, श्री किसमाकुंज, सोसायटी
 जेतलपुर, रोड़
 बड़ौदा

(अन्तरक)

 श्री दययन्तीबहुन जयन्तीलाल महतो भार्फत मे० आनन्त ओरगेनाइजंसी, जीतलपुर रोड, बडौवा।

(अन्तरिती)

कने यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन को निक् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क), इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की जबिध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में िक्सी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है. 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिक्रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

पलटे जो जेतलपुर, बड़ौवा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौवा में 343 नम्बर पर दिनांक 1-6-84 में रजिस्टर्ड किया गया है जिसकी कीमत 1,44,300 रुपये है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अद्दयदाबाद

तारीख: 31-1-1985

प्रकर् वार्ष होते. एन श्रेष त के के के के कि वार्ष के विश्व वार्ष के विश्व वार्ष के वार्ष वार्ष के वार्ष वार वार्ष वार्

मारत वरकार

कार्यालय है बहायक जनवकर जनवृक्त (निर्देशिया)

अर्ज. रेंज-II, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनौंक 31 जनवरी 1985

ैनिदेशः सं० पी० आर० न० 3302/II--अतः मुझ, जी० के० पण्डया,

नायकर विश्वित्वम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इतवे इसके परवात् 'उनतः विश्वित्यम' कहा गया है), की शाख 269-व के वचीन सक्त प्राथिकार्यं को वह विश्वतस्त कहने का कार्ण है कि स्थावर् सम्बन्ति, जिसका 'उचित यावार मृज्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसका सख्या जमान, बुडासने है तथा जी तह कड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, कर्डा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारांख 25-6-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास का कारम है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृंदूह प्रदिश्वत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिख उद्योवयों से उक्त बन्तरण मिक्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्धतम से द्वारं किसी मान को नावत_⊅ उत्तर महिम्मित्वम् से बन्धीन् कर दोने के बन्दारक के शांतरम में कमी करने वा उत्तर् स्थाने में श्रीवधा के जिए; सीट्र/मा
- का, जिला नाम का किसी पन आ कान्य जारिका को, जिला अहितीय जातकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वं अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्ट्रिका

मण्ड नव, उपल मर्डिशनमा की भारा 269-ए के जनुहरण मी, मी, उपल मिशनियमा की भारा 269-मा भी उपभारा (नि) से नभीन निम्मिसिक्क मानिकन्तुं, अर्थात् ह— 1. श्री सतीश कुमार साधू राम सांगी बुडासन तह० नडी

(अन्तरक)

2. श्री विद्याभूषण साधूराम सांगी बुडासन, तह० कडी, जि० महसाना

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्परित की जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशिय की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मुजना के ग्रुजपत्र में प्रकारकन न्यती तासीस पं 45 किन के भीतर उनत स्थायर सम्मिति में हितनकृष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथाहम्ताक्षरी के मन्द्र निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विभिन्नम् के वध्याय 20-क में प्रिकाषिट है, वहीं वर्थ होगा जो उस वध्याय में दिए!

श्रासाम की

जमीन जो बुडासन, ता० कडी में स्थित है सब रजिस्ट्रार कर्ड: में 1129 नम्बर पर दिनांच 25-6-84 में रजिस्टर्ड की गई है। जिसका कुल क्षेत्रफल 8612 चौ० मी० है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ह ुटी ु हुन ु एस ु कार्य व्यवस्थात्यात

कायकरु सिधनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज II; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3303/II—अत: मुझे, जी० मे० पण्डया,

सायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर स्थास, जिसका उपित् बाजार भूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

और जियही संख्या मशान सुमानपुरा है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इयसे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्राकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12~6~1984

को प्रोविश्व सम्पत्ति के उषित बाजार मृख्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नीकत सम्पत्ति का उषित बाजार मृन्य, उथके दश्यमान प्रतिफल में, एस वश्यमान प्रतिफल का वन्सह प्रतिकात से सिक्क है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम प्राया गया प्रतिकात का निम्नतिथित उष्वेश्य से उक्त जंतरण निवित्त में शास्तियक कप से कींशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिद्य के अभीत कर दोने के जंतरक के अवित्य में कभी करने या उससे अचने में सविधा के सिए; जौर/बा
- (क) होती किसी भाव वा किसी धन या अन्य नास्तियां कों, जिल्हों भारतीय अध्यक्तर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंगरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किए;

शतः जव, उक्त जिथिनियम की भारः 2८९ व के पन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिवित अ्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री दिनुषाई चुनि लाब ब्यास मार्फत विजय कुमार रमेश चन्द्र भट्ट जैल रोड, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2 विजय कुमार रमण चन्द्र भट्ट पेट्रोल पम्प के पास, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाह्यां शुरू करता हुं।

वन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत् हरूरू

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्विधि, को भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब्बुव किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमं प्रयुक्तं शब्दों और पदों का, वा खक्क विभिन्निस, के वश्याय 20-के में परिभावित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

प्रमृत्यी

मकान जो मुभानपुरा बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में, 4264 नम्बर पर दिनाक 12-6-84 को रिजस्टर्ड किया गया है। जिसका मूल्य 1,70,525 रुपये है।

> जी० **के० पण्ड**या सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेज II, अहम**दाबाद**

वारीख: 31-1-1985

म्रोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन., एस. ------

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक भायकर भागुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० पी० आर० णं० 3304/II---अतः मुझे, जी० के० पण्डया,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विद्यात करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका जीवत नावार मुख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

मौर जिसकी संख्या मकान अलकापुरी है। तथा जो बडौदा में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान बिकिस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समुपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रममान प्रतिफल का पन्तह बिकिस से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रति-कम् निम्नीमृद्धित उद्वर्षय से उस्त अन्तरण हैसिक के बास्तिक कम् निम्नीमृद्धित उद्वर्षय से उस्त अन्तरण हैसिक के बास्तिक कम् से कर्षिश नहीं किया गया हैं

- (क) मृत्युष्य संहुदं कियी नामृक्षां नाम्स्, धन्यः न्यितिमम् सं स्थीत कर को सं सन्तरक सं वायित्य में कमी कर्ण या उससे नचने में सुनिशा के सिंधु; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसौं भन या अन्य आंहिंस जों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रयोजभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए वा, दिवाने जो सुविधा के लिए:

भतः वय उत्तर अधिनियम की भार 269-ग वी अवृत्ररण में, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्धात् क्रक्क श्री प्रकाश चन्द्र मनुभाई पटेल रेसकोर्स रोड, अलंकार टोकीसवाला, बडीवा।

(अन्तरक)

श्रीमित आरतीबहृत अजीतकुमार,
 19, संपत्रराय कालोनी,
 आर० सी० दत्ता रोड,
 बड़ौदा

(अन्तरिती)

का यह सूचना नारी करने पूना नव सम्मरित के नर्जन के निष् कार्यगाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के व्यान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिव की सर्वीय या उत्स्वामणी व्यक्तिकों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वीय, जो भी सर्वीय माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांगर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उत्तर स्थानर कम्यृत्ति में हिन्द्वपूष किती नम्य व्यक्ति इवारा नभोहस्ताकरी के पास निवित में किए वा तकोंगे।

रवक्कीकरण्?— इसकों प्रमुक्त कक्षी और वर्षों का आहे स्वक् अधिक्षित्र, को अध्याद 20-के वें परिशाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमुक्त हैं।

धनुसूची 🕠

प्लाट जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 494 भौ० वार० है। सब र्जिस्ट्रार बड़ौदा में में 4681 नम्बर पर दिनान 29-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) " अर्जन रेज [], अहमदाबाद

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड , दी . एन , यस ., --==---

भायक द लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-II, अहमधाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्वेष सं०पी० आर० नं० 2305/II→ अतः मुक्की, जी० के० पूंड्या,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा, से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या कुंडाल, ला कुड़ी है। तथा जो कुंडाल में, लकड़ी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्वा में और पूर्ण रूप से व्रणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के सार्यालय, गई। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह धिष्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गण दिस्यान, निम्नितिबित उद्योध्य से अक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से किया गथा है ए

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जिन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे बचने में मृथिधा के लिए; बाँड/शा
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए:

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 24—476 GI/84

 श्री सस्तुरभाई चमनलाल संघवी संघवी एसोसियेटस रेखा विस्डिंग, रिंग रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

 श्री मोहनलाल आर० अग्रवाल और अन्य मधुसुदन सारामिक, प्रयोजक श्री चन्द्रमनी, सी० दलाल कडी जि० महेसाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दिया स्या हैं।

वन्स्ची

जमीन जो कड़ी जि महेमाना में स्थित है जिसका मूख्य 1,55,727 - रुपये हैं । सब रजिस्ट्रार, कड़ी में 2349 नबंर पर दिनांक 28-6-1984 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

> जी ० के ० पंख्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-II, अहमदाघाट

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🖟

प्रथम अपर्यं स्त्रीत श्रम् प्रमृत्यान्यान्य

नायकर मिधुनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजार, अहमसाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1985 निर्देश सं० पी० आर०नं० 3306/II---अतः मुझे, जी० के० पण्डया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके क्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी फ्लट है। तथा जो सयाजी गंज, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक 18 -6-1984

प्ये पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार कृत्य,, उसके द्रथमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कत प्रवा, उपल अधिनियम की भाषा 269-ग के समुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, स्थाति :--- मालती बहुन अजीत माआ संघवी उर्फ अपार्ट्मेंट, सया जागंज, बड़ौदा मार्फेस मजीबहुन मगन भाई शाह।

(अन्तरक)

 मजीबह्त मगतभाई णाह उर्फ अपार्टमेंट्स, सयाजी गंज , बड़ौदा।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को सर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु वें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृत्रों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थळींकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, भी उन्नेत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

अनुसुची

फ्लेट जो उर्मी अपार्टमेंट, सयाजीगंज बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 4402 नम्बर पर दिनांक 18-6-84 रिजस्टर्ड किया है।

> जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 31-1-1985

मोहुर 🖫

प्रकप आर्थ्य दी ्र एन∋ एस≟=----=

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 31 जनवरी 1985

स० पी० आर० न० $3307/\Pi$ ---अतः मुक्षे, जी० के० पाड्या,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट, आणिरवाद, अपार्टमेंट है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्य। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के वार्यालय, बड़ीदा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्र्यमान प्रतिफल से, एसे श्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह मित्रात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देष्य से उक्त अन्तर्ण शिवित में सस्तिवक स्थ से कृथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाद वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः ज्या, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) मुं सभीन, निम्नलिखिस, व्यक्तियों, सभीत् ६ मै० अमर बिल्डर्स कोन्ड्राक्टर,
 10, कस्सूरब। नगर, बड़ौदा।

(अन्तरम्)

 ट्यूब इनवेस्टमेट आफ इण्डिया लि० विश्वास हाउस,
 राजाजी रोड, मब्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्पब्हीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लैट जो आधिर्वाव अपार्टमेंट, बड़ौदा में स्थित है जिसका मूल्य, 2,05,000/— रूपये हैं। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4957 नम्बर पर दिनांक 7-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी सिहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, भ्रहसवाबाद

वारीख: 31-1-1985

मोह्य 🖫

प्ररूप बार्च ु दी ुपन ु पुस ु ---- ===

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 21 जनवरी, 1985

सं० 52/जून/84:--अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सर्वे० सं० 362/3 है, जो पट्टनम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्राहर्ता अधिकारा के कार्यालय, एस० आर० रासी-पुरम (दन स० 1374/84) में भारतीय रिजिस्ट्राक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, 7 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक द्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कि किया गया इं

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्टरक के द्रास्त्विम कमी करने या उससे बच्चमें में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :-- 1. श्री मती पेर्च(यम्माल।

(अन्तरम)

2. श्रीपी० टी० मुत्तू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पर्ध्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण पट्टनम गांव सर्वे स० 362/3 (इस० सं० 1374/84।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ! अर्जन रेंज, महास

तारीख: 21-1-1985

मोह्य 🖫

प्रकार कार्यः, टी., एव., एस., ----

्र---- 1. श्री पि० राजमनिक्कम।

(अन्सरकः)

2. श्री आर० इलयपन।

(अन्सरिता)

बाय्कड बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेज, मद्रास

मद्रास, दिना त 21 जनवरी, 1985

सं० 54/जून/84-- जनः भुझे प्रेम मालिनी वासन, बायकर शौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ख क अधीन सक्षम प्राधिकार। को यह विश्वास करने का कारण हु " के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/ - रु. से अधिक हुँ

और जिसको सं० सर्वे० सं० 233 है, जो जुक्ठलपर्ला गाव में स्थित है (और इमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रा क्ती अधिवारा के नायिलिय, एस० आर० नाम-गिरिपेट्ट (दस० सं० 43784) में भारतीय रिजस्ट्रा तरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दाराख जून 1984

का पूर्वोक्त सपित्त के उचित्र बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र राजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रीप्तिल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्नालिखित उख्दोश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी अरने या उससे बचुने में सुविधा के सिष्; अदि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के निए;

जता अर्थ, उनत अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरज जे, मैं, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जभीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् ,---- का यह स्वाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

जनसर्वी

भूमि और निर्माण ककूठलीपल्ली गांव सर्वे० सं० 233 (दस० सं० 437/84)।

> त्रेम मालिनी वासन सक्षम त्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मंद्रास

वारीख: 21-1-1-1985

मोहर

इक्ष् नर्श्या ठील एन . एव .,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

शारत सरकार

काभाँसय, सहायक आयकर आयुक्त' (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, महास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निवेश सं० 56/जून/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परण्त, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकीं सं० सर्वे नं० 187 है, तथा जो पुतुपट्टी, गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एसं० ग्रार० नामिकरिपेट्टै में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक जन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) व्यवस्थ से हुन किसी बाद की वास्त, क्यत् अधिनियम के ब्योज कार को के बस्तहरूक से क्षियस में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के चिए; ब्योड/वा
- (क) एंकी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिया के जिए;

्धतः वंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) को अधीन, निम्निसिया व्यक्तियों, सर्थात् ं-- 1. श्रीमती पलनियम्माल,

(अन्तरक)

2. श्री के० तिरुमनि

(धन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

वक्द सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के ग्राज्यण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविश, जो भी जविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा, मभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगेंग को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण पुतुपट्टी, गांव (वस॰ सं॰ 485/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मद्रास

विनांक 21-1-1985 मोहर: प्ररूप गाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना मारत सरकार

कावितय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मब्रास,

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० सं० 57/जून,/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन भायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिंधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास बच्चे का छारश है कि स्वावर संपरित जिसका उचित बाजार मूक्व 25,000/-रुठ. से अधिक हैं

भोर जिसकी सं क्वें नं 629/2 है, तथा जो कुर्कूठलपट्टी, गांव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (एस० आर० भ्रामगिरिपेट्टे, दस्ता० सं 6486/84 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून, 1984 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिबात से क्षिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्दरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उनत अन्तर्ण जिल्ला में शास्त्र किया गया है:---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाय की बाबस उक्त करिंक-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उबबे क्यमें में सविधा के बिए; त्रीकृ/वा
- (क) होती किसी भाव या किसी धन या जन्य आस्कियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः वक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. मैससं सिन्नु पठयाचि श्रीर ग्रन्यो।

(भ्रन्तरक)

2 श्री सेकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सबस स्थारिश को अर्थन के सम्भाग में कोड़' भी लामपे प्र---

- (क) इस तुगना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शक्त में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में सं सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) अस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच हैं अ 5 दिन की भीतर उकत स्थावर संपरित में दिन-बद्ध किसी अन्य स्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के क्ल किसी अन्य स्वक्ति व्यक्ति

श्विकारेट राप्त-प्रशासित अपन्ती और पर्शी का, वा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में किया स्वा ही।

वनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण कर्कृटलपट्टी गांव सर्वे नं० 629/2 (दस० सं० 486/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन र्रेज, मद्रास

दिनांक 21-1-1985

प्ररूप आइ. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना 1. श्री थेन्कटाचलम श्रौर रवी।

(झंन्तंरक)

2. श्री किष्णन ग्रीर ग्रन्यों।

(मन्तरिती)

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरक्षिण) \mathbf{x} \mathbf{y} न रेज- \mathbf{I} , मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1985

निवेस सं० 63/जून/84---- प्रतः मुसे, प्रेम मालिनि वासन नायकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

मीर जिसकी सर्वे नं० 55/1, 55/2, 56/1 मीर 39/5 है, जो पनमरत्तुपट्टी गांव में स्थित है (मीर इससे उपावद्ध म्रनुसूची में मीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, एस० म्रार० तादकपट्टी, दस० सं० 1823/84 में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गष्ट् और विष्वास करन का कारण यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रति-फल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और ब्न्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विष्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ, को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अभिनियम, का धन-कर अभिनियम, किया गया अने किया जाति हो साथ अने में कृषिभा को साथ आ या किया जाता जाहिए था, खिपाने में कृषिभा के सिए;

भेतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल, व्यक्तियों, अधृतिः— को यह स्थना जारी करके प्र्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिङ में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमी प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

बन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण पनमरत्तुपल्ली, गांव, सर्वे सं० 55/1, 55/2, 56/1, ग्रौर 39/5। (दस्तावेज सं० 1823/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-1, मद्रास

विनांक 2-1-1985 मा**हर** 🛭 अक्ष्य. बार्ष. टी. एन्. एस. -----

न्त्रायकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत स्रकार

कार्यालय, सङ्घायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 65/जून/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पद्दात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० टी॰ एस॰ मं० 4/5 बी है, तथा जो प तादकपट्टी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस॰ श्रार॰ तादकपट्टी, दस्ता॰ सं० 1864/84 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1984

को प्वीक्त संपित्त के उणित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्ति सस्पिति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :----

- (क) बलरण भे हाई फिसी पण की बाबत उक्त जिल्ला कि किसी में क्षिनियम के क्षिमित कर दोन के अन्तरक के दायित्व को कारी कारते या उपने सचने के भृतिका के निए; बोर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिल्हों भारसीय जाय-कर अन्यिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जान साहज्ञ था, विकास में प्रियोग के निया

शतः जब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण में, भैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 25—476 GI/84 1. श्रीमती एस० मेनका देवी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पि० निर्मला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

जनत सम्पत्ति वे अर्जन के संबंध में कांद्र भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी त्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्थाल्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भूँ दिया गया है।

क्यसम्ब

भूमि श्रुर निर्माण तादकपट्टी, टी॰ एस॰ सं॰ 4/5 बी। (दस्ता॰ सं॰ 1864/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 21 प्रानवरी, 1985

रक्य बाह्र .टी .प्र .६४ .-----

बायुकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की थाउ। 269-व (1) को अधीन सुखना

नगरत सरकाह

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 70/जून, /84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उपमें इसके गर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के मधीन सक्षम प्राभिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका छिन्त गजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं०टी० एस० सं० 9/2 है, तथा जो भ्रसदमपट्टी, गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० भ्रार०-I, सेलम दस्ता० सं० 386/84 में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- जिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिखां में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए-बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-श के अनुसरण मं, मृं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1)। उँ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् क्रू-- 1. पि० भादियन्तन ।

(श्रन्तरक)

2. भी एम पी० भ्रार० उसेन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रकार्यवाहियां करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क से 30 दिन की जन्भि, को भी जन्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया भया हैं।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण श्रसदमपट्टी. गांव, टी॰ एस॰ सं॰ १/2 (दस्ता॰ सं॰ 386/84)।

> प्रेम मालिनि बासन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 21-1-1985 मोहर : - प्रकप **वार्ड**ः, टी_ल पुत्रः, पुत्रः,-----

नायकपु व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वता

धारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र्</u>राक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरं। 1985

निदेश मं० 73 जुन 84--अप्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 54/1 है, तथा जो वेट्टैकारनूर, गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और जो पूर्ण हए से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि। करा के कार्यालय, जे० एस० आर० सेजन, सस्ता० सं० 1389/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक जुन, 1984

ने पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भग्र प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तर्डण संहुई किसी बाय की बाबत, उमत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

.

1. पि० आसम्बन्ध और अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्री पि० नारायन मामि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पोरत के अर्जन क सबाब में कार्ड भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अवाहरताक्षणी के पास निस्तित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उँक्त अधिनियम हे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यीं

थुमि और निर्माण, वेट्टैकारनूर गांव। (दस्ता॰] सं० 1389/84)।

> प्रेम मालिनि वासन ॄैसक्षम प्राधिकारी, ृँसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ृंअर्जन रेंज-I, मद्रास

अंतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उ.क्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधित् ८—-

दिनांक 23-1-1985 मोहर 🖟 शुक्कष कार्षः, द्वीः, एष् , एक . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 21 जनवरी, 1985

निदेस सं० 85 जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि ,वासन भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- के. से अधिक हैं

और जिसको सं० कुठलनगर, विलान्कुटी गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री जर्ती अधिकारी कि कार्यालय एस० आर० पुदुमन्डवम, दस्ता० सं० 1427/84, में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन। दलांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुइ ाकसा आय की बाबत, उसत बाधानियम के अभीन कर योग के कल्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुनिका के निष्; बार्डिया
- (व) ऐसी किसी अपन या किसी धन या अस्थ जास्तिनों को जिन्ही भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ता निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तीरती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए गर, कियाने में सुविधा के विद्र;

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—— '

1. श्री वि० अरुपया

(अन्तरक)

2. श्री एम० नरायणन,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

. उक्स सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह स 45 दिन की अर्था अस्त स्वामी व्यक्तियाँ पर सूमना की कामील सं 30 दिन की बन्धि, जो भी व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुवना के राजपन्न में प्रकासन की आरोध है 45 दिन के श्रीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिछबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकींगे।

स्थ्यतीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षित्रसम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है ॥

अनुसूचो

भूमि और निर्माण कूटलनगर, विलान्कुटि, गांव (पस्तार्वसंव 1427/84)।

> प्रेमम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, 1, मद्रास

दिनांक 21-1-1985 -----

प्रस्य आहूँ. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (मिर्दीक्षण)

अर्जन रेज-I, मदास

मदास, दिनार 24 जनवरी, 1985

्रांनदेश सं० 102 जूर्र | 84---अत: मुझे, प्रेम मालिनि दासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्सके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1321/1 है, तया जो तिरुत्तकन्त गाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूसूर्चा, में और पूर्ण न्य में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रायित्य तिरुत्तन्य काम० मं० 755/84, 756/84, 761/84, 765/84 में रिजर-ट्रा प्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांस जून, 84

को पूर्वोक्त सम्पातः। के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफाल मं, एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिचात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्टारितमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्शलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण किसिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वायत उनत वाच-नियम के व्योग कर दोने के बन्दरक के बायित्व में क्रमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (क) एसी किसी आव वा किसी थम वा जन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निकर:

1. श्रामती वल्लियममाल

(अन्तरक)

2 स्टैन्डर्ड भैच, इन्डस्ट्रं ज, प्राह्वेट लिमिटेड,

(अन्तरिर्तः)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के उप्जिपन भें प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुकना के राजपण भा प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधन स्पन्ति हो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति कुशारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा ककेंगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

वेशन्ट भूमि, तिरुमन्कलम, गाव सर्वे न० 1321/1 (दस्ता० सं० 755/84, 756/84, 761/84, 765/84)

> प्रेम मः लिनि वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक **माय**कर भ्रायुक्त, **(वि**रीक्षण), अर्जन रेज-, मद्रास

भतः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित भ्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 24-1-1985 मोहरि 🕄 प्ररूप आर्ड. टी. एन . एस...-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राग, दिनाक 21 जनवरी, 1985

निदेश सं० 108/जून/84—अत. मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

पौर जिसकी सं० डोर सं० 75 और 75ए हैं, जो दुवी पुरम, टुटी कोरीन, टाऊन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और जो पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजस्ट्री अधियान के कार्यालय में, जे० एस० आर० I, टूकट कोरिमन, दस्ता० सं० 274/84 में रिजर्ट्र न ण अधिनियम, 1908 (1908 न 10) के दूध र रिस्ट जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं िक्या गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वाियत्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमता राज सुन्दरी रोसलिन,

(अन्तरका)

2. एस० चूरेन्दरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याख्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुल्ला

भूमि और निर्माण वृद्यीपुरम, दुटीकोरिन, टाऊन, (इस्ता० सं० 274/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मक्रास

दिनांक 21-1-1985 मोहर 8 प्ररूप वार् टी.एन.एस. -----

ा. श्री ए० वेन्सटालचम अय्यर

(अन्तरक)

2 मैसर्म स्वामी, इन्टरप्राइसेस,

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्राम, दिनांक 19 जनवरी, 1985

निदेश सं० 109/ज्न /84—यतः मुझें, प्रेम मालिनि घासन जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, विकटोरिया एक्सटेंशन रोष्ट है तथा जो सुतुकुडा अपोजिट, चार्लम थियेटर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ II, तुतुकुडी दस्ता० सं० 605/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई फिसीं आय की वाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण के, मे, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिचित स्पिक्तिमें, जर्थात् ध--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के प्रिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, ज्यूं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 23, विक्टोरिया एक्सटेंगन रोड, तूतीकुडी (दस्ता० सं० 605/84)।

प्रेम भालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

क्षिनां त 19-1-1985 सोहर ध प्रकप 'बाइ".टी. एन . एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, महायक आयकर आग्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I मदास

मद्राम, दिनांक 22 जनवरी 1985

निदेश सं ं 110/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सौप वीरवनल्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० तालुक वीरवनल्लूर, दस्ता० सं० 429/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्न या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती तन्कनाय अम्माल

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० लिलदा अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा काइ भा नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणं ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण माऊष वीरवनल्लूर । (दस्ता० सं० 429/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक 22-1-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भभीन सूचना भारत सरकार

क्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मदास

मद्रास, दिनांक 24 नदम्बर 1984

निदेश सं० 111/जून/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायक र गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0€0/- प्र से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 113/2 है तथा जो सिन्टू पुन्हुरें गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुचची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-1 मद्रास नार्थ दस्ता० सं० 1588/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर धोने के अन्तरक की धायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/याः
- (क') एसी किसी आय या किसी धन बन्द बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ड्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया आना वाहिए भा छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :——
26—476 GI/84

1. श्री ए० रामसामि ।

(अन्तरक)

2. श्री एस॰ रामन रेठियार श्रौर राजेश्वरी ।

(अन्तरिती)

को यह मुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पॉट्त के अर्जन के सम्बन्ध में की है भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के क्ष्म लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

वनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण सिन्दुपुन्दुरे गांव । टि० एस० सं० 1113/2)दस्ता० सं० 1588,84)।

> प्रेम मालिनि **वासन** सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनीक 24-11-1984 मोहर 🛭

क्ष्म बाद'ल दी हुए हुए का मार्थ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

ब्राह्म बहुकाडु

कार्यांचर, बहायक जायकर जायुक्त ((र्निट्रीकर्ण)

अर्जन र्रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं ० 112/जुन/84--अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

नायकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें धरवात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की भार 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 73 है तथा जो चेठपट मद्रास-31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिसपेठ दस्ता० सं० 617/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1984

को न्वींक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पित कल को लिए अन्तरित की गई है और ग्रुफे यह विश्वास अन्ते का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभक्त से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निनिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निमित्त हैं सम्तरिक कर से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या चत्तसे बचने में मृविधा की लिए; अरि/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के निए।

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती शलिति रविन्दरन ।

(अन्तरक)

श्रीमती सी०सी० ठिमति ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के जर्बन के निष् कार्यवाहियां करता हुई [1]

छक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में को**इ थीं आर्थर ह**~~

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ৠুঁ भूमि শ্রীং নির্দাण ভার सें॰ 73 हार्रिटन शोड, बेटपट मद्रास-31 । শ্রুষ্ট (दसता॰ सं॰ 617/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रैंज-I, मद्रास

दिनांक: 24-1-1985

प्रकार बाह्र . टी . एत् . एस ., ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)-

सहायग आयकय आयुषत (निरीदुण) अजेंन रेज-1, मद्राग

मद्रास, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 120/जून/84--अतः मुझे, प्रेम मार्लिन दासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'जकत आ'धनियम' कहा गया है), की बारा

269-ख के बधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य

25,000/- रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० आर० एस० सं० 4056/1 4057 है तथ $_{\odot}$ जो सं० 24ए टी० एच० रोड, नियुदाशर मेन पट, मद्र स-१1 में स्थित है है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ्वः कार्यालय, एस० आर० रामपुरम, दस्ता ० सं० 987/84 में रिलस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के उरप्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहः प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय **पाया गया प्रतिफल, िनम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण** िलिचित में ब्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के थिए; नौर⁄ वा
- (च) एेसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अपस्तिया को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना पाहिए था, स्थिपने में ह्याबिधा के लिए:

वतः वयः, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण , मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 🛋 सधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, नर्भात् ध---

मैंसर्स अलक्षणा इन्डस्ट्री ।

(अन्तरक)

2. श्रोजका चिल्डर्न दूस्ट,

(अतिरिती)

कां भ्रष्ठ सुखना कारी करके पृत्राविक कम्परित के धर्णन के सिख् कार्यवाहिया करना हुं।

उत्तरभाति के व व्यवस्था में काई भी वाक्षप्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शादींचा है 45 दिन की अवधि भा सत्संघंधी न्यक्तियाँ पर स्पना को तामाल स 30 दिन की अवधि, आ भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी सा 🖠 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मे । हव-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधाहालाक्षारी के पास लिखित में किए भा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उबत अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो वर्ष हागा, या उस रूप्याय मा दिया ग्या ₽°1

ग्रनुसूची

भूमि वां० 24ए, टी० एच० रोड, मद्रास-81। (दस्ता० सं० 987/84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रांस

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आई., ट., एन्. एस., - - ---

आरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज- ${f I}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० 133/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 9, घास मेजर रोख, है, जो नेड लेन, मद्रास-8 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुचची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० पेरियमेट, दस्ता० सं० 594/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अध≀न दिनांक

को पृवोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

बतः वयं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरक में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति ६--- 1. श्री अब्दुल जाफ़र,

(अन्तरक)

2. मैसर्स, वैद, घुदाट हुसैन श्रीर अन्य

(अन्तरित्र)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूके करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्सूको

भूमि स्रौर निर्माण सं० 9, कास मजर, रोड, नेटलेन मद्रास-8

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1' मद्रास

दिनांक : 9-1-1985

मोहर 🛭

अल्ब काइ". टी. एव. एस. -----

बायकर गिधिनिगम, 1931 (1961 का 43) का धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यांचय , सहायक आयकर वायुक्त ("नर्"झण। अर्जन रेज-J, महांस

मद्रास, दिनाक 18 जनवरी 1985

र्सं॰ 134/जून/84:-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

ामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या 116 (बोल्ट स० 111) नायककन स्ट्रंट मद्रास—2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूचः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस० 604/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम क दरममान विकल के लिए उन्तरित की गर्ड हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृश्नित स्परित का लिलिय बाजार दूरण, उसके दर्वमान प्रतिफाल के, एसे द्रियमान प्रतिफाल का दूरण, उसके दर्वमान प्रतिफाल के, एसे द्रियमान प्रतिफाल का दूरण प्रतिकत से अधिक हैं और मंतरक (अंतरकों) भीर बंतरिती (ब्लिडिवियों) के बेंद्र एसे बन्दरण के विद्यु तय पाया नया प्रति-क्या निम्निलिख स्थ्यस्य से उपने करारण निर्माणय में बाक्ति कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या बस्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उवल निधिनियम, या वद-कड़ ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्परिती द्वारा अन्द्र नहीं किया बना था या किया जाना भाष्ट्र था, किया म स्विधा के लिए;

भतः क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुस्रम माँ, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्मितिक व्यक्तियाँ अर्थात् ध--- 1. श्री के॰ राजबातर भ्रौर वि॰ जादिसवरि ।

(अन्तरक)

2. श्री पि० हीरालाल व्यासन

(अन्तारेती)

स्त्री सङ्ग्रह सूचना चारी करके पृत्रों क्ला तस्पृतित के अर्थन के जिल्ह कार्यभादियां करता हुं।

दक्त सम्मृतित के वर्षम् के सम्बन्ध् में खोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्त की सर्वीक्षण के स्वर्थ पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काव में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति स्थानित में से किसी स्थित दुकारा
- (थ) इन् सूचना कं राचपत्र में प्रकादन की क्षारीय है 45 दिन के भार र उनत स्थावर सम्परित में हित्बबृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा बकोंगे।

स्वयं करणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, वा उक्छ विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क में परिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

अनुसूचो

भूमि श्रौर निर्माण सं० 116 (बोलट सं० 111) चामि नामक्कन स्ट्राट, सिन्दादरिपेट, मद्रास-2। (वस 604/84)

> प्रेम मालिनी बासन, सक्षम[्] प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

सारीख: 18-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहू".टी.एन.एस.-----

पानकर । अनगान, 1931 (1981 का 43) ही जार. ३३० ((1) क जशोत भूगना भारत सरकार

कायालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास दिनाक 10 जनवरी 1985

स० 135/जून/1984 —यत. मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बायकर ऑफिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उत्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन रक्षर प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षत पर्णत्त, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रह. में अधिक है

भीर जिसको स० आर० एस० 65/1, डोर सं० 82, आस प्रन गार्डन चे ट स्ट्रीट, मद्रास-10 है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुस्क मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेठ दस० 606/84 मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

का पनाहा सम्पाद क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को निल् अन्तिरत की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने ना निश्ण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसा दश्यमा प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के चि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिस्तिता वत उद्वेश्य से उक्त उन्तरण लिकित मे बास्तिवक रूप से विश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (का) होती किसी जाग या किसी भन या अन्य वास्तियों कां, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया हवा मा या किया भाना वाहिए भा, कियाने के स्विभा के निष्टा

कर कर, उसत अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि चित्र व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री धुरघेष मारयन नगर काट्टी

(अन्तरक)

 श्रीमती उमरेम्माल लोदा ग्रौर राजेय कुमार लोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मित के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीब धैं

 45 दिन की जनभिया तरसम्बन्धी, व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी
 कविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्णक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अभाहरणाक्ष्यी को पास तिसिस में किए वा सक्हेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्वा हैं।

यम्स्ची

भूमि भौर निर्माण सं० 82, आसप्रन गार्वन चेकट स्ट्रीट मद्रास-10। (दस० 606/84)।

> प्रेम मालिनी वासन ट्वसक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 10-1-1985

प्रक्ष बाह् . टी . एन् . एव . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्राधीन स्म्ला

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास. दिनांक 17 दिसम्बर 1984

सं० 136 ग्रीर 147 मे/84:-- यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी संख्या 81, गुरूफा स्ट्रीट, चिनटारीपेट मद्रास (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट दस० 623 ग्रीर 624/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनक अधिनियम, या वनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, F, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् F—

1. श्रीमती वि० बसन्था।

(अन्तरक)

2. श्री एम० मणि।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाह्या शुरू करता हुं.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ज भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न मो प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धे ज्यान्त्रा पर पूचना की तामीन में 30 दिन की कर्ताय का पान बनीस बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी बिस्त हुनार,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पच्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे प्रिरिभाषित हैं है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

वेकन्ट मृति 81 गुरूअफा चैट्टी स्ट्रीट, चिन्टारीपेट मद्रास-2 (दस 623 और 624/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज –I, मद्रास

तारीख: 17-12-1984

प्रक्रम बाइ. टी. र्ग. एम -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1985 स॰ 138,जून,84:-यतः, मुझे, प्रेम मास्तिनी वासनः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस हमम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उपित बाजर मृल्य 25.0)0/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे० सं० 1205 है, जो भादवरम में स्थित है (ग्रीय इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सेमबियन दस मं० 2110,84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन । कारण है कि यथापूर्वोक्त जम्मित का उचित बाबार मून्य उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश से प्रविक है और बण्तरक (अन्तरकों) और बण्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिश्वन, निम्निशिषत रहेक्य थे तक्त ग्रन्तरम लिखिन में बान्नविक क्ष्य से निवत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाय की वाबत, अवस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए; और/या

नंत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स एसकोंट्स।

(अन्तरक)

2. मैं० बालाजी इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के दिलए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में दिग्र जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण माव्यरम। (दस स् ० 2110/84)

प्रेम मासिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज-1, मद्रास

तारीख: 15-1-1985

प्रका बाहै , टी. एत. एत. ------

भायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत स्वना

भारत सहस्रार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० 141,जून, 84:— यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० मं० 8777 है, जो मद्राम-3 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय, सीकापेट्टि दस० सं० 241,84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक क्य ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंद्र किसी आय कर्ष बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में गुप्तिभा के लिए; और/शा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हीं भारतीय अय-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में न्वेशक के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियप्र की धारा 269-ज को उपधारा (1) के सधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अधाँत :—— 27—476G1/84 1. श्रीमती नीता एम० जेन।

(अन्तरक)

2. श्री मती सुबदि देवी।

(अन्तरिती)

को यह तुषना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिद् कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

बनत सम्परित की अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों नर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वयद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रारमधित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसः वका है।

ग्रनुसूची

भृमि भौर निर्माण एलकन्डप्पन स्ट्रीट, मद्रास-3।

प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 15-1-1984

इक्द बाइ¹. दी. एवं. एवं. -----

बाव्छर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-प (1) के वृधीन स्पना

TIEST SECTION

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० 142/जून/84:—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 18 (सं० 45) है, जो चिन्नताक्रमणि स्ट्रीट मब्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सकवरपेट्ट मद्रास दस० सं० 242/84 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पृशांक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमाथ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहां है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिबक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाध की बाबत उज्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

जतः भंग उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भं, में उत्तर अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री मुहम्मद इसमाइल सेठ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० एम० सेनि इबराहिम।

(अन्तरिती)

को यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन कें जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकांगे।

मगुजुनी

भूमि भौर निर्माण सं० 18 नं० 45) विकातामणि स्ट्रीट, मद्रास-1 (वस० 242/84)।

प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्वास

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🚜

त्रक्ष भाष*्ट हो*ं हुन्_य हुन्_{य-न-स-स-}

नायकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)

अर्जैन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी, 1985

सं० 147 जून 84:—यक्षः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269 के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौय जिसकी सं० है, जो प्लाट सं० 303,से अन्ना नगर, मद्रास में स्थित है भौर इससे उपाध्य अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अन्ना नगर, दस 2044,84 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण जिलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ" किसी बाद को बादत, उत्तः अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के खबित्व में केनी करने या उत्तरे वचने में सुनिधा के सिह; जोड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम आधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आहिए था, कियाने में ब्विधा के लिए;

बतः बव, उक्त वर्षिनियम कौ भारा 269-ए कै बनुसरम कें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के बधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अथित ह— 1. श्री पि० हि० हिस्आ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उरमिला हैवी जैसबाल।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्रांबपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारील सं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिंस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी में पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय धं विया गया हैं।

मन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 3803, अन्ना नगर, मब्रास दस० 2044/84।

> प्रेंम मासिनी वासन, सक्षम प्रापिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 4-1-1985

प्रकर, बाइ, टी, एव. एव. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-मृ (1) के सभीन सूचना

श्रारत चरुकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 148/जून/84---अतः, मुझे, प्रेम मालिनी बासन,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1067 है तथा जो अन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज स० 2142/84) में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरणुसे हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; जोर्/मा
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पृति स के निए:

अतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनूतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीएम० के० उन्नी।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सैमन जैकब।

(अन्तरिती)

की वह तुष्पा षारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त थी वर्षन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कीई भी नाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकीं।

स्पन्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त जिन् नियम को जन्याय 20-क में परिभाषित है, बही जर्भ होगा, भी उस अन्याय में विया गया है।

नन्सूची

भूमि-प्लाट स॰ 1067, अन्ना नगर, मद्रास। (वस्ताबेज सं॰ 2142/84) ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 4-1-1985

प्रकृष कार्ड, टॉ., एव. एस्.------

कार्यकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के क्थीन सूचना

भारत सहकार

कार्यासम्, सहायक नायकर नायुक्त (निरीजण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, धिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 149/जून/84—-अत., मुझे, प्रेम मालिनी

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विश्वका अभित बाजार मृश्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० आर० एस० नं० 127, प्लाट न० 1092 है तथा जो अन्ना नगर, मद्रास—40 में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर, मद्रास—40 में (दस्तावेज सं० 2143/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वों कर सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार पूरुष, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्र निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी नाय की बायत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने खें अन्तरक के वायित्य में कमी कड़ने वा उस्ते बजने में शुविधा के लिए; बीड़/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वी सिए;

कतः अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौंकिखित व्यक्तियों, अधींत् :— (1) श्री के० एस० ऐसक।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक मालपानि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन से सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिचिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

भूमि और निर्माण-आर० एस० नं० 127, प्लाह नं० 1092, अन्ना नगर, मद्रास-40 । (दस्तावेज सं० 2143/84) ।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, मद्रास

तारीख: 4-1-1985

माहर 🛭

प्ररूप आर्ड्.टी.एन..एस.. -----

शायकः द विभिनियसः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वृधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 152/जून/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूंच्य 25,000/- रु. से अभिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3954, टी० एस० 61 ब्लाक सं० 2 है तथा जो अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास-40 (वस्तावेज सं० 224/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोंकत संपत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे मृन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकस, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में नास्तिक कम् से कामित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तहरू से हुई किसी बाव की शब्स, उसस विभिन्नित्व के अभीत कह देने के अन्तहरू के स्थित्व में कती कहने या उससे ब्यम में सुविभा के सिस्; ब्रीट/बा
- (च) एंसी किसी आय वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, विक्र भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा वे सिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्रीपी० राम कृष्णन् ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जयरामन श्रीर इन्द्रा शेषाद्वी ।

(अन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नचीन के जिल्ह कार्यवाहियां सुक करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कींध भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के श्वप्त में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी जब्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवब्ध किसी मृन्य स्थावत बुवारा अभोहस्ताक्ष्री के पाब् सिचित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अर्िधनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—प्लाट सं० 3954, अश्रा नगर, मंत्रास-40 ।

(दस्तावेज सं० 2214/84) ।

त्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🖺

प्ररूप आई'.टी.एन.एस. -----

जायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

िनिदेश सं० 155/जून/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनीः सम

वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 2, 4था कास स्ट्रीष्ट है तथा जो मद्रास-30 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, असा नगर, (वस्तावेज सं० 2268/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान
) प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके धरमान प्रतिफल से, एसे धरमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदम से उक्त अन्तरण
किचित में वास्तिवक कम् हे कीचत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उनस अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के तिए; बॉर/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिण्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिण्म, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीकृष्ण मूर्ति एस०।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० पीटर्स ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पित्त में हितबद्ध हैं) को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिया कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में को**र्ड्सी आक्षो**प :——

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण---2, शौथा कास स्ट्रीट, शेनाथ नगर, मद्रास--30।

(दस्तावेज सं० 2268/84) ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः जब, उबत जींधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्यों, अधीत् :--

तारीख : 4−1−1985

प्रथम् वार्वः हो पुन् वर्षः -----

The second secon

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

भारत श्रकार

कार्यासय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं ० 160/जून/84--अतः मुझे, प्रेम मार्हिनी वासन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसके परचात 'उन्तं निर्मानयम्' कहा पदा हूँ), को धारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निरमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका सचित वाचार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 56 है तथा जो डिक्लप्पन स्ट्रीट, जी० टी० वी० भो० ची० नगर, मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० चौगारपेट (दस्तावेज सं० 284/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल निम्निसित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरन दे हुई किती बाब की बाबत, उक्छ बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरफ के दावित्व में कभी करने वा सत्तवे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 दें 1922 का 11) या अच्छ अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निय;

भतः भव, उन्त निभिनियम की भारा 269-व के अन्सरण भा, में उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाबू लाल जैन भौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमानमाल चुराना धौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिविद्य में किए वा संकेंगे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त कर्ना और पर्यो का, जो उक्त किम्नियम, के मध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा है।

अन<u>ुस</u>्ची

भूमि भौर निर्माण—सं० 56, डरुलप्पन स्ट्रीष्ट, वी० वो० ची० नगर, ।

(दस्तावेज सं० 284/84)।

प्रेम मालिनी वास्तृ. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 15-1-1985

प्रस्प बाई. टी. एन. एस. 💌

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, मद्रास मद्रास, दिनाक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 167/जून/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन.

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्म सके पश्त्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 5,000/- रत. से अधिक है

गौर जिसकी स० 198है, तथा जो वीरपनचन गाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित)है, रजिस्ट्रीकर्ता. श्राधकारी के कार्यालय, दामरैपट्टी दस 1034/84 मे भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16)के **प्रधीन, तारीख** 1984

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती ाद्धारितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तेफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की गवत, अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; वरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर **बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज**गर्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिप्पते सें बुरिधा हो नि

.(1) एन० दन्क राज् और अन्य

(ग्रन्तरक)

(2) बालदेव एसकु लुल्ला

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया श्रु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरण:--इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्यी

भ्मि सं० 198, वीरपन्चन गांव (दस 1034/84)

> प्रेम मालिनी वासन ग्रर्जनरे ज, मद्रास

तारीख: 4-1-1985 मोहर :

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा / (1) त्रं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---28-476 GI/84

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस्. - - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्बाक्षय, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 18 जनवरी, 1985

निदेश सं० 173/जून/84---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूझ्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० एन० नेट्टी स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता दस सं० 1414/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाक्स मूल्य से कम के द्रश्यमान विकास के लिए अन्तरित की गर्द और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तहण ते हुई किती बाब की बाबत, सक्त कितियम के अधीन कर दीने के जन्तरक के वामित्य में कभी कारने मां छससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (य) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों नते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गणा था या किया थार। नाहिए था किया में अविका में विकास किया

शतः स्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमात ऊषा सराधि

(अन्तरक)

(2) भ्रमिवा सराधि

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीस 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 4 दिन के भीतर उच्ये स्थावर संख्याता में दितवव्य कि वन्य व्यक्ति श्वारा, वभोद्यताकरी के पास जिरि में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया है।

<u> भृष्युची</u>

भूमि और निर्माण-85, एस० एन० चेट्टी स्ट्रीट मन्नास् (वस स० 1416/84)

> प्रेम मालिनी वास् सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 18-1-1985

मोहर 🔳

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. 😕 - -

लावकड वर्षिमियन, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

HIST TIME

कार्यांक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, भवास

मद्रास, विनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 175/जून/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 19-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का एण कृं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,,000/- रु. से अधिक हैं

रर जिसकी सं० सर्वे सं० 16/1 है, जो प्रमलैकुल्ल मनायक्क न ्टी गांव में स्थित है (भौर इससे उपाँब अनुसूची में श्रौर र्पूर्ण प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० । मलूर दस सं० 963/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल, 84

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के रहरमान उफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा ,9 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास स्ट्रिक्त किया गया है मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके रहय-। प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भक्त है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-कित उद्दरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त∫वक रूप से 'थत नहीं किया गया है ≟---

- (क) अन्तरम् से हुए किसी जान की नागत, उनस् मृत्रिमितम् से भूभीम् कर दोने के भून्यद्रक हैं श्रीवरम् में कमी करने ना अनुसे मुखने में सुविधा के सिष्ट; जीड/धा
- (क) ऐसी किसी आध या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधन के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधाश (1) अधीना, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ाः—— (1) एस० महबूब कान

(अन्तरक)

(2) म्रार० सरोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप 🕮 🗝

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि श्रीर निर्माण-श्रमिषकुरूनम नायक्कन पट्टी गांव टि॰ एस॰ सं॰ 16/1 (दस सं॰ 963/84)

प्रेंम मालर्ना वासस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-I, मद्रास

तारीख: 19-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप वाई , टी, एन. 'एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 23 जनवरी 1985

निर्देश सं० 176 जून/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयः है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे 220/10 है, जो करूमले गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण ईप् से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, एस श्रीर पालयन्कोटे दस० सं० 2636/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरंक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) इ० वेन्कट विजयन

(ग्रन्तरक)

(2) के० रामसामि

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे

स्पर्वेदिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक. अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण-कुरूमले गांव सर्वे सं० 220/10 (दस सं० • 2636/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्काप प्राधिकारी सहायक आवकर बानुक्त (निरीक्कण) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग, के जनसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात है—

तारीख : 23-1-1985

प्ररूप वार्ं.ट<u>ी.</u>एन<u>.</u>एस.-----

आयकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं ० 128/जून/84— यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 2, और एस० स० 68/2 है, जो एक्सोर मे स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, पेरियमेठ दस सं० 561/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्त्राक्ष करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल से वित्र स्वाप्त अंतरिका से विविद्य से वित्र से विद्या पाया गया प्रतिकल निमानिचित उद्वर्ध से उसत कन्तरण निभीचत में विक्त कर्ति कर्ति से क्षित क्षी कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति है से विविद्य से विविद्य कर्ष से क्षित नहीं किया गया है दिन

- (क) अन्तरण से हुई 'किसी आय का शावत, उचत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कें लिए; और/का
- (स) एसी किसी काब या किसी पन या अन्य आसितवों का, जिल्हों जारतीय अध्यक्तर की पीनयस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिल्हों का 27) के अर्थे अपिनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रकारणी बन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गर्भा का वा किया बाना बाहिए बा, किया में स्वीवका के लिए?

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, की उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत :--- (1) सिसन्स एन्टरप्राइसेस

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सिसन्स कम्पनी लि०

(अन्तरिती)

का यह सुभना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्थन के विष्

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यविसयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए वा सकरें ने :

स्थव्यीकरण: --- इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, को छक्त किं किंनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया ही।

न्गृत्वी

भूमि श्रौर निर्माण-मन्दोन रोड एघमोर श्रार ० एस० सं० 68/2 (इस सं० 561/84)

प्रेम मालिनी वासम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मन्नास

ंदिनांक 5-2-1985 : मो**हर**ः प्रकृष बाइ. टी. एन. एव. -----

शायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (ूी) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भायकतु मायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-1. मदास

मद्रास, विनांक 5 फ़रवरी 1985

निर्देश सं० 132/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौरिणसकी सं० आर० एस० सं० 358/2 है तथा जो बेटपट मद्रास में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसुधी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिय-मेठ दस्तावेज सं० 590/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्ययमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम सं हुई किसी नाय की वायत, उक्त विधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्टु बीड/वा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था दा दिक्या बाना चाहिए था, कियाने में व स्विभा के सिक्;

कत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीए०एम० सयव अन्दुल कादर।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी० पी० सपरा।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या चारी कर्डके पूर्वोक्त स्म्मीत्त के बर्जन औ सिए कार्यवाहियां करुता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी स्पवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ध होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्त्रची

भूमि धौर निर्माण—चेटपट, मद्रास आर० एस० सं० 358/2

(बस्तावेज सं० 590/84) ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीख: 5-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्षं. टी. पुन. एस. =--=--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन अर्रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं॰ 159,जून, 84—अत: मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मुस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो मदुर वासल स्ट्रीट जार्ज टाउन, मब्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सौकार पेठ, वस्तावेज सं० 282,84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिएमूओ यह विक्यास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्त उद्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण ते हुई किसी जाय की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी अाव या किसी अन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविद्या व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री बेंकटेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वौगयालक्ष्मी ग्रौर सुभद्रा।

(अन्तरिती)

को बहु सूर्णना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावपु सम्मत्ति में हितवहुम किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास तिवित में किये जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभनियमा के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा हैं।

वनुसूची

भूभि भौर निर्माण—मदुरवासल स्ट्रीट, मद्रास—1 । (वस्तावेज सं० 282,84)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास

तारीख: 5-2-1985

प्रकार बार्य हो. एन. एस.

काम्कर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के कथीन स्थना

प्रारत सरवहर

कार्यातयः. स**हायक बायकः वाय्वेत (निर्दोक्षण)** अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निर्देश सं० 161/जून, 84---अत मुझे, प्रेम मासिनि वासन, भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्परितः, जिसका चित्र राजार मुख्य 25 . 000/ फ . से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० पठवीटु गाव, नामकल है तथा जो मद्रास मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० [']आर० सेकरी वुर्क म, (दस्तावेज सं० 52984) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, ै 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसकं इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नीसियत उद्देश्य से अनत अन्तरण जिल्लित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-- ।

- (क) अन्तरक सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा विभा धाना चाहिए था, कियाने भें स्थिभ के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 2.69-च व्ये जन्सरक में, में, जक्त अधिनियम की भारा 2.69-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् --- (1) श्री एस० कन्दस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री रामा स्वामी ।

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी कारके प्रीक्त सपक्ति के अवन व नितः कार्यशाहियां करता हुं।

क्क सम्परित में अवंश के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 15 दिन की कर्वाध मा तरराजधी कर किसायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी जुनीन कर में सकारत होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वाध;
- (क) इस स्वान के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उसत स्थानर सपित में हिल्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति इसारा, अधाहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्यर्थ्<mark>टाकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त</mark> अधिनियमी, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया नया है।

धनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-पठबीटु गाव नामकल । (दस्तावेज स॰ 529/84)।

> प्रेम मालिनि वासन , सक्षम प्राधिकारी सहीयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 21—1—1985 मोहरिध प्रकप बार्ड, बी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) क अधीन सुवना

HIST USEN

व्ययांलय, सहायक बायकड बायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-1, मदास[्]

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 180/जून 84—अतः मुझे, प्रेम मालिती वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें -इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- २३. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० रायपुरम मद्रास-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, मद्रास नार्थ (दस्तावेज स० 1761/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्व क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एटि इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए एय पाया भया पतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किश्वत नहीं किया मंगा है '—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-मियम अं अधीन कर बाने के अन्तरक के दायिक में मानी करने वा उसले बचने में अविशा के कित: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिवनार्थ अन्तिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिवनार्थ अन्तिरियों देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीभानुमति भौरअन्य।

(अन्तरक)

(2) म॰ सवर्नं पेट्रो-केमिकल इंण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेश ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवंहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र को प्रकाशन की सारीत में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्योबसमों पर सम्बन्ध की सामीत से 30 दिन की अविधि, को भी उपित वास को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्वित्त में में किसी क्योकर स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माक्षर में किए जा सकेंगे

स्थानिकरण ह---इसमें प्रयुक्त कथा और वर्ष का, को जरूत विभिन्नियम को कथाय 20-क औं वरिशाणित हैं, वहीं वर्ष होना को उस अध्यास में निका नवा हैं।

मनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—रायपुरम, मद्रास । (दस्तावेज सं० 1761/84) ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-2-1985

मोहर '

प्ररूप बाह'.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन संबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 181/जून/84—अतः मुझे, प्रेम माँलिनी वासन, आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसक सं० आर० एस० नं० 11287 है तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास-नार्थ (दस्तावेज सं० 1775/84) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रेतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से दिश्व नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बावा, उकत सिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसमे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना अहिए था छिपाने में स्पिता के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अम्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निलिखिल अधिनयों, अर्थात ॥— (1) श्रीमती सौदर्या अम्माल श्रीरअन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री नूर मोहम्मद ग्रीर एन० सलाउद्दीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा आरा करक पूबाक्त सपित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करतो हु।

उक्त संपति के क्षेत्र के संबंध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की वसीध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा कथांक्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, मसा हैं।

ननुस्ची

भूमि और निर्माण—मद्रास— 1 । (दस्तावेज सं० 1775/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; 1, मद्रास

तारीख: 5-2-1985

-बोहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

···· 4004 (4004 ····· 40) ·····

भायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनें रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 फरधरी 1985

निदेश सं० 182/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो मबुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री— फर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (वस्तावेज सं वि 1698/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उच्चित बाजार मूस्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोच्य से उच्य अन्तरण निश्वत में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क्यें बाबत, उक्क बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के बिएह बरि/बा
- (क) एती किसी या किसी धन या अन्य अतिस्तरों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास । 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में, सुविधा के सिए।

कत्तः अर्व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एम० कृष्णन पिरुलै।

(अन्तरक)

(2) मैं ० ए० एन० सुरिलियप्पन श्रीर को० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल् कार्यमहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस गुचना के राज्यपत्र में त्रकाणत का तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपरित में हिसबह्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकारी।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

भन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण--मदुरै । (दस्तावेज सं० 1698/84) ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-2-1985

मोहर 🚁

प्रकलं काई ु टी. एन. एस. -----

नामकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) जे सभीन सुमन

भारत तहकात

कार्यासय, सहायक जायकार शायुक्त (निहासिक्त)

अर्जन रेंज-1, मन्नास

मद्रास, धिनांक 5 फरवरी 1985

निवेश सं० 183/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कील पाक है तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नाथ (वस्तावेज सं० 1600/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

की पृतिका संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्क के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बाक्स, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के शिए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया परा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औं सिए?

कतः कव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी. उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभौत् :--- (1) श्रीमती जै० शशिकला।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० एम० मृहम्मद बुखारी भौर के० ए० रैकान बीवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी क्यों क्या क्वारा;
- (क) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार सम्पत्ति में हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकेंगे।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

(ँदस्तावेज सं॰ 1600/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारी**ख**ः 5-2-1985

मोह 🖫 🤋

प्रारूप गाई .टी . एन . एस . ------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चयक जायकर जायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज~1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 184/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वास न जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित थाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं े है तथा जो दण्डयारपेठ, मद्रास-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (दस्तावेज सं वि 1629/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्वोंक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपन्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उन्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; आर्ड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए,

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन - निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु≟— (1) श्री आर० राजामनि श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री घो० पी० यम्माहमि ग्रौर अन्य:

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी प्यन्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यव्य किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्तुची

मूमि भीर निर्माण--है रोड, दण्डयारपेठ, मद्रास-81। (दस्तावेज सं० 1629/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीख: 5+2~1985

मोहर 🖫

प्रभव्य काहाँ, ही, धन ११५

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत् धरकान

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 5 फरवरी 1985

निवेण सं० 185/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काण्ण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उति बानार मूल 25,000/- सा. से अधिक है

25,000/- रत. से अधिक हैं तथा जो मणिट मद्राम-1 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एवं से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (दस्तावेज सं० 1693/84) में रिजस्ट्रीकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एंचे दश्यमान प्रतिकत प्रमुख अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उवक अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्त कि अभिनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरक के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्रिंशना के निए;

अतः अब, उठ त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० फासिमा बीवी।

(अन्तरिती)

को गह मुखना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति औं कर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपल सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांत्रे भी बाध्येय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त भावता को मो ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचका के राजपत्र भें पकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंपत्ति में हितलद्ध । कभो अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरों के जन लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टांकरणः ----६समं प्रयुक्त शब्दां और पदां का, ओ उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मारिया नया हो।

. मनुसुची

भूमि ग्रीर निर्माण—सवरी मुसू स्ट्रीट, मणिठ, मद्रास-1। आर० एस० नं० 2474। (दस्तावेज सं० 1693/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 5-2-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 186/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह ब्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 /- रु से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा पुदुपेठ, मद्रास-2 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (दस्तावेज सं० 1745/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वीयत सम्पोन के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्वींकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख़) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा उक्त नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक् में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री पी० बी० तुलसी शाह ग्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री एम॰ हमीद सुलतान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यहस्ताक्षरी के पाप निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण — इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, नहीं अर्थ हाना, जा उस अध्याय म दिया गगा है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण--नारायण नायकन स्ट्रीट, पुदुपेठ, भद्रास-2। (दस्तावेज सं० 1745/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

·तारीख: 5-2-1985

प्रकृष नाइ. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 187/जून/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

अधिकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाता 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25 000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 156/2 है, जो कोन्डपनायकनपट्टी गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ दस० से० 1648/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ट्रमान अतिफल फो लिए अन्तरित की गर्ड है और मूफ्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य. उसके स्ट्रमान प्रतिफल सं, एसे स्ट्रमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोस्य से उन्त अन्तरण लिखित में अस्निक रूप से किया गया है क्रिन

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, क्लक किंपिनियम के बभीन कर दोने के बंतरण के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जानो चाहिए था, कियाने में स्विध। के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत एक ाः श्री के० स्नार० कृष्णमूर्ति, स्रोर भन्य।

(घन्तरक)

2. श्री के० ग्रार० कृष्णमूर्ति

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् नार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिरित्त में किए जा सकेंगे।

स्वध्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिय गया है।

and the

भूमि ग्रौर निर्माण—कोन्डपनायकनपट्टी गाव। (दस० सं० 1648/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**ख**: 5-2-1985

मोहर 🖫

त्रक्य बाह्य, ही, एवं, एसं, ००० ००००

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाया 269-म (1) के वभीन सुमना

शाउत चउकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 188 व 190/जून/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रो० एस० 1765 है, जो सं० 15, पार्थ-सारिय नायडू स्ट्रीट, मद्रास-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में मद्रास सेन्ट्रल दस० सं० 625 व 627/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह् प्रतिवृत्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने वा उससे वचने में मृतिभा के लिए∽ कार्र/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अल्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छियाने मे सुविभा के लिए;

1. श्री के० ए० मदार,

(ग्रन्तरक)

माइनर ग्रनूप कुमार कुपता
 श्रीर श्रीमती सविता कुपता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यॉक्त संपीत के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अध्यान , जो उस अध्याय में दिवा भवा हैं।

जन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण—पार्थसारिय नायडू स्ट्रीट, मद्रास-12 (दस० मं० 625 व 627/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर प्रापृक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 5-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ष. टी. एन . एस् . -----

1. श्री कें० ए० मदार,

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सीता देवी कान्रा

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेण स० 189/जून/84---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी यासनः

सायकर धाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- छ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी स० सर्वे स० 1765 है, तथा जो पार्थमारिथ नायुडू स्ट्रीट, मद्रास-12 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय में मद्रास सेंट्रल दस० सं० 626/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बोध एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वें बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्ष्मी करने वा उत्तत बचने में सृत्भा के सिए; बौर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, कि लिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के जर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्मन्थ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपद्धित में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया वया है।

नगत्त्रची

Land and building at Parthasarathy Naidu Street, Madias. (Doc. No. 626|84).

प्रेम मालिनी वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 5-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

मिदेश सं० 191/जून/84---ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रि. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० मं० 359/1 है, जो घेटपुठ में ,िस्थत है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्द्रल दस० सं० 636/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जन 1984

को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क)) जन्तरक से सुद्दे किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, गृ957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त जींभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त बीभनियम की भारा 269-ग की उपभारा़ (1) के अभीऩ, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अभीत् ः— श्रीमती विजयलक्ष्मी मार्कन्डा श्रीर श्रीमती श्राणा किरन

(भ्रन्तरक)

2 श्री नोबिल राजकुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसचीं

भूमि श्रौर निर्माण, चेटपुट ग्रार० एस० सं० 359/1, (दस० सं० 636/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 5-2-1985

मोहर ः

प्रकप् बाइं. थी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 192/जून/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी नासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1587/2 ग्रौर 1598/2 है, जो तल्लाकुलम, मदुरै डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ दस. सं० 1627/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त संपीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेश से

उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं 'िकया गया है :──

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय/ आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, डिज्या स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. श्री कोदै नायगी

(ग्रन्तरक)

2. श्री के॰ रामसामि

(भ्रन्तरिती)

ंको बहु सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्ड प्रभ किसी जन्म व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है,

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—तल्लाकुलम मदुरै—टी० एस० सं० 1587/2 श्रौर 1598/2। (वस: सं० 1627/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**ख**़े: 7-2-1985

प्रस्कृ बाइ ुटो. एन. एव ः ----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं ० 162/ज्न/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को बंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से बिधक है

श्रोर जिसकी स० है, तथा जा पाडाबीड गाव में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० सन्किकिर दुकम दस० स० 530/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ ही मुक्ते यह विख्यास करने का कारण ही कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तर्ण ते हुई किथी जान की बाब्छ, उन्तर समितियम के सभीन कर दोने के जीतरक को वासित्य को कनी करने या उत्तर व्यन्ते में सुविधा को निए; बार/वा
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री एस० कन्तासामि

(भन्तरक)

2. श्री चेल्लप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

प्रनुसूची

भूमि <mark>फ्रौर निर्माण—पाडाबीडु।</mark> (दस० स० 530/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 21-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी.एन . एस . -----

1. श्री रामसमि चेट्टियार

(मन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री रेन्कसामि

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश मं० 163/जून/84—प्रतः मुझे, प्रेम मालिनीः वासन,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० हैं, तथा जो सन्किकिर गांव में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सन्किकिर दुर्कम दसः सं० 525/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तिरीख जून 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ के अनुसरण हो।, हाँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन विकास विकास विकास की धारा है अधीन है ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

धनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण — सन्किकिरि गांव]। $(दस: \frac{1}{2}$ सं० 525/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 21-1-1985

मोहर 🔞

1. श्री पी० पी० शाम्बमूर्ति प्ररूप बार्ड ् धी. एन. एस.------

(ग्रन्तरक)

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० 48/जून/84/रेंज-11-म्ब्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, डोर नं० 27, स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया श्राफिसर्स कालीनी है, तथा जो मद्रास-12 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचिक में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरशवायकम लेख सं० 953/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984 को पूर्वीवत संपत्ति का उचित बाजार मुख्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए और भुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुदोह्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

2. श्रीमती एन० मनोरमा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिः द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अमुसूची

भूमि श्रीर मकान:---प्लाट नं० 25, डोर नं० स्टेट बैंक भ्राफ इण्डिया भ्राफिसर्स कालोनी, ले श्राउट नं० पी० 17/1967, पोरबंदर है रोड़ पेरंबुर, मद्रास-12 लेख सं० 953/841

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 31-1-1985

मोहर 🖫

शक्य वार्षं ह डी अपन अपन प्रस्तान

1. श्रीमती के० कल्पगम

(भ्रन्तरक)

जायकर सिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्भीत स्थान

2 श्रीमती एम० ग्रंबिगा

(म्रन्तरिती)

नारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, विनाक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० 134/जून 84/रेंज-11---म्रतः मुझे, एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच क् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 20, 169, मोब्रेस रोड़, ग्रालवार पेठ है, तथा जो मद्रास-18 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 608/ 84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जन 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्वत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से धुद्द किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी काम या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बन्द सम्पाद्य के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधिं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधिं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख डै. 45 दिण को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वर्त्यो

भूमि और मकान—प्लाट नं० 20, 169, मोब्रेस रोड़, ग्रनवार पेठ, मद्रास-18। लेख सं० 608/84।

> ग्म० सामुबिल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

तारीखुः 31-1-1985

प्रकार कार्ष. टी. एस श्रव. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यातयः, सहस्यक आग्रकः र आग्रम्भतः (विरोक्तभ)
श्रर्जनः र्रेज-11, मद्रासः
मद्रासः, दिनांकः 2 फरवरीः 1985

निदेश सं० 174/6/84—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल.

सायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा समा हैं), की धारा 269- क के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० न्यू नं० 9, 417/2 व 3 भ्रनुप्पर पालयम् गांव है, जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची म भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोयंबतुर लेख स० 2348/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23-5-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्नि के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे कतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से क्रिथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से सुद्ध किसी बाय की वाबत, क्रवत बिधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या कस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविभा के दिन्छ।

अतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) च अधीन, निक्तिलिखिन व्यक्तियों, अधीत ः---31—6GI/84 श्री के० एन० बालसुब्रमणियम् श्रीमती के० अयलक्ष्मी श्रीर श्रन्यों

(मन्तरक)

2. श्री ए० सदाशिवम्

(प्रन्तरिती)

कार्या यह स्वाना चारी करके पूर्वोक्द संपरित के अर्थन के किस् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हा-

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिए द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ४ न्यू नं० 9/417/2 व 3, ग्रनुष्परपालयम् गांव पालयम् गांव कोयंबलूर/कोयम्बतूर लेख सं० 2348/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, मब्रास •

धारीच: 2-2-1985

मोहर ः

इक्य बादी, टी. एन. एव. -----

जायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ${f u}$ प्रजेन रेंज $-{f I}^I$, मद्रास

मद्रास दिनांक 2 फरवरी 1985

निवेश सं० 203/जून/84---श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स ने अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कोणवाकर गांव, कोलागरी है तथा जो नीलगिरीस में स्थित हैं (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, कोलागरी लेख सं० 641/84 नीलगिरी इन्हिंद्रक्ट में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अम्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विश्विष में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (प) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निर्णे

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्षे अब्रूप्टर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभाति :—- (1) श्री बी० सुरेश एसियास सीनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कगी बाय।

(ग्रन्त रिती)

को यह सूत्रका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

वन्स्ची

भूमि श्रीर मकान--कोणवाकरै गांव, नीलगिरीस लेख सं० 641/84, कोलगिरी।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-II मद्रास

तारीख: 2-2-1985

प्ररूप शार्षः टी., एन्. एस.,----

भागकर कृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत चहुकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायक (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1985

• भौर जिसकी सं० मलयाडिपुदूर गांव वरघम्पालयम है तथा जो सत्यमगलम् तालुक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सत्यमगलम् लेख सं० 1352/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(का) जनसङ्ग ते इन्हां किसी जाय की बावत , उसके अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्सरक को वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौद्ध/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था खिगाने में स्विधा के लिए;

काट: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री ग्रन्दुल मजीद, श्रीमती रैस्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री नंगण गौंडर श्री ओवियण्या गौंडर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्क कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील लें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

भूमि श्रीर मकान-मलयाडिपुद्र गांव, वरवम्पालयम् सत्यमंगलम् लेख सं० 1352/84, सत्यमंगलम् ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, धहास

तारीख : 2-2-1985

प्ररूप बाइ टी.एन.एस. -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1985

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पुत्र, रामिलगानगर पुराना सर्वे टी० एस नं० 1564 वोरैपूर है तथा जी द्रिण्यो तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्द्राकर्ता श्राधकार्य के कार्यालय, वोरैपूर लेख सं० 1699/84 में राजस्द्रीकरण भाविनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, जून, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्वेश्य से उक्त अंतरण निम्निलिश्वत उद्वेश्य से उक्त अंतरण निम्निलिश्वत में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; अदि/वा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या कन्न आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिभिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा स्विधा के लिए;

जतः अवः, राज्य निधिनियम की वारा 269-ग के जनुसरन मा, मी, छन्त विधिनियम की धारा 269-थ की,उपधारा (1) क्षेत्रधीन, विस्तिविक स्थित्यमों, स्थात्ः— (1) श्री के॰ येतिराजुलु चेट्टियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदुरै वीरन , 2. श्री सुद्धमनियन् और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरुः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बबीध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 विन के भीतर उचत स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

भूमि भौर मकान—सर्वे नं० 1564, न्यू नं० 44, रामिलगानगर, पुत्तूर, बोरैयूर, ट्रिज्ची डिस्ट्रिक्ट । लेख सं० 1699/84 (बोरैयूर) ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मन्नास

. **सारीख**: 2-2-1985

मोह्य 🛭

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

शाक्तार विधिवित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरे 1985

निदेश सं० 264/जून, 84/रेंज $-II \stackrel{\searrow}{-} श्रत. मुझे, मत्ती एम० सामुबेल,$

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का या है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित हुवाजार मृल्य ,000/- रु. से अधिक है र जिसका सं लेख सं० 1058/84 की शेंडूल में दी हुई

पति है तथा जो मद्रांन से स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध पुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारा कार्यालय, तजावूर, मे रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 108 (1908 का 16) के ग्रधान जुन, 1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति सं उचित बाजार मृत्य से कम के इक्यमान । फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास . का कारण है कि यथागूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार :, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती । रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निष्वित में अधिक इसे किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्क अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपान में सुविधा है किया

वतः वन, उक्त अधिनिष्ठम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्यीन, निम्नुसिखत व्यक्तियों, वयांत्र ह—

(1) श्रो रामनाथन ेचेट्टियार, मैनेजिंग पार्टनर: रामू इण्डस्ट्रीज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० सुत्रमणियम चेट्टियार, मैनेजिंग पार्टनर : सुत्रह्मणियम एण्ड को०

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हु।

उक्त सम्पत्ति क बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख, से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में दिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भूमि स्रौर मकान—लेख सं० 1058/84 की शेंडूल में दी हुई सम्पत्ति तंजावूर।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 2-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीने सुमना

प्राद्ध वरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायुक्त (निराक्षा)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 2 फरवरी 1985

निदेण स० 344/जून 84—अन मुझं श्रामित एम० साम्बेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रोर जिसकी स० 3 वित्र हातन्दर व।दा, महालिगपुरम् कालोनी है तथा जो पोल्लाच्चः में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पोल्लाक्च। म लेख स० 1290/84 में राजस्ट्रोकरण श्रोधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधोन तारीच 23 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है.—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत सक्त अधि-नियम के अधीन कुर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अंत. अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रो ए वेस्लियगिरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मार० पर्लानयप्प गौडर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पर्ित के अर्जन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच . 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील स. 30 दिन की अविधि, जो . अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा,
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में विय गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—नं० 3 (वार्ड नं० 5) विवकानस्दर वीदो, महालिगपुरम् कालोनी पोल्लाच्चो तालुक कोयम्बन्तूर ! लेख सं० 1290/84/पोल्लाच्ची

> ्रम० सामुबल १ सक्षम प्रोधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजेंन रेज-II, मन्नास

तारोख : 2-2-1985

मोहर 🕹

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

भागभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक ∏ फरवरी 1985

निर्देश सं० 376/जून/84—श्रतः मुझे,

रीमती एम० सामुवेल

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उस्ते पहचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000 - रह. से अधिक ही

ीर जिसकी सं वार्ड नं 7, ब्लाक नं 23 दुवाष स्ट्रीट है। या जो महलाइतुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप में वीणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इलाइतुर लेख मं 503/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, जून 1984

ां प्वांकत सम्मित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के इष्यमान तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार श्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल के दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय या गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण के लिए तय मां अस्मिवक रूप र कथित नहीं किया गया है ---

- (६) प्रत्नरण म हुई किसी आय की नायत, उबत अस्तिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जना चाहिए था, जिलाने में मिविधा कै लिए।

अन्त अत्र, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण **के, अन्यरण** , में प्रक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (†) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री एस० विश्वनाथ प्रथ्यर, श्री बी० नारायण स्वामी श्री वी० राममूर्ति

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फरीक्षा बेगम ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना अर्थ अरको पूर्वोक्स संपन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस पनिना के राजणत भी प्रकाशन की हारीख में 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की हामील से 30 दिन की सबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपण में पकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति स्थारा अथाहेस्स्थारी के पास निर्मित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रमुक्त शन्दों और वर्षों का, जा उन्क्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अस्ताय में विका गथा ही।

मंग्राची

भूमि श्रीर मकान—सातवां वाड, 23 ब्लाक, बुबाष स्ट्रीट, मदलाडुतुरै। / लेख मं० 503/84।

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारी**ख** : 2-2-1985

भोहर :

प्रकार बाइ ि टो॰ एन॰ एस॰---

आप्रवार व्यक्तिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत बहुकाडु

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज—II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 फरवरी 1985

निवेश सं० 18/जून/84/रेज-II---श्रतः मुझे, श्रीमिति एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/ रु में अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० टी० एस० न० 3, ब्लाक नं० 7, प्रड्यार गाय है तथा जो घड़ियार में स्थित है (स्रोर उससे उपाबद्ध स्रनुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), र्जिस्ट्री कर्ता द्वाधिकारी के कार्याय, प्रड्यार लेख स० 1805/84 और 1806/84 में रिनिस्ट्री करण र्याधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जून 1984

को पूर्वों कत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अतिरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निमित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम (1957 रा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या का किया जाना का हिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसंखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो जें० वेकटेश श्रो बी० विवेक, श्रीलक्ष्मी नारायणन्

(म्रन्तरक)

(2) श्री ए० एम० सैयद श्रब्दुल कादर, पार्टनर मै० ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्शन एण्ड इण्डस्ट्राज ।

(भ्रन्तरिती

कर पह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के का नया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख - 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी क्यक्तियों स्चना की तानी। से २० दिन की व्यक्ति, खो अवधि बाद में समाधा गोनी हो, के भीतर पृत्रों था, में में किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में कितब किन्य अन्य कित दवारा अधोहस्ताक्षरी के ह लिखित में त्रिए जो सकींगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो ज अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में रि गया है।

ज्युस्ची

भृमि—अडयार गांव, टी० एम०नं० 3 क्लाक नं० , भैदापेठ तालुक, भ्राडयार

श्रडयार/लेख स० 1805/1806/8**4**

एम० सामु**वे** सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज—II, मक्राव

तारीख 5-2-1985

मोहर

प्रकृष कार्ष'. टॉ. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सम्बद्धार

कार्यालय, सक्षयक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं ० 69/जून, 84/रेंज--II, ---म्रतः मुझे, श्रीमति एम० सामुबेल,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उन्त निधनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से मिशक हैं

श्रीर जिसकी सं० लेंड नुंगम्बाक्कम में है तथा जो नुंगम्बाक्कतम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, श्रीसंडलैंटस लेख सं० 291/84 में राजस्ट्रोकरण श्राधिनयम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमाय प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देषमां से उक्त अन्तरण लिकित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण् से हुई किसी जाव की बावत, उपत जिल्लाम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जजने में मुजिया के लिए, जौड़/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय बाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपार म सर्विषध के लिए;

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थांत :— 32—476 GI/84

(1) श्री **श्रा**र० नटराजन श्री एन० सुन्दरराजन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के भीनाक्षी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहित्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए अं सकींगे।

स्वच्चीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जा उक्त भिनियम के सभ्याय 20-क में परिभावित ै, बही अर्थ होगा आँ उस सभ्याय में विया या है।

इन्स्पी

भूमि—नुगम्बाक्कम् गांव भ्रार० एस० ने० 141/3 थौंसडलैट्स । लेख सं० 291/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्र्योन रेंज-II, मद्राम

तारीख: ,5-2-1985

प्रकृष् आहें .टी . एन . एस -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-मं (1) के अभीन सृणना साह्यत् सृद्रमण्ड

कार्यालय, सहायक शायकर आयृषत (निरीक्षण)

श्चर्जन, रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निवेश सं० 100/जून, 1984/रेज-2--न्न्रत मुझे,श्रीमति एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' सहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका लियत बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० रेखा न० 5, 4 काम स्ट्रीट, सी० ए० टी० कालोनी है तथा जो मद्राम-4 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बॉणत है), राजिस्ट्रोकर्ता ग्रधियार के कार्यालय, मैलापुर लेख स० 743/84 में प्रजिम्ट्राकरण ग्राधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए बतिरत की गई है जार मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमार प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरित्यों) के बीच ऐसे अतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिश्त उद्देश्य से अस्त अन्तरण निवित्त में गरलिशक हम से देशियन नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्स, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दन के अन्तरण के दिस्स में कबी करने बाद्ध से उलन में सुविधा ने सिए, जी<u>र</u>/बा
- (भा) एर्गा किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय अाय-अन्य श्रीमित्यम, 17922 (1922 की 11) या अकल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट अझी किया स्था था या किया जाना धाहिए था, रिप्पन में सामा का सामा है।
- ं अरा: अब, उक्त अर्थिनियम को धारा 269-ग के अनसरण भै, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

(1) श्राएस० जनार्धन भ्रम्यर,

(भन्तरक)

(2) मैसर्स राजलक्ष्मी पेपर मिल्म प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

कां थह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए जार्यमाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से शृंदिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त श्वित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा।
- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीज के 45 विन को भीतर कवत स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति हैनारा नभोहस्ताक्षरी को पास निवित्त में विद्याल स्थिति ।

स्वच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्यों का, वा उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही बर्ध होगा को उस अध्याय में दिवर गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान—रेखा नं० 5, 4 कास स्ट्रीट, सी० ए० टी० कालोनी, मैलापुर, मब्रास—4 । मैलापुर लेख स० 743/84

> ्रम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 मद्रास

तारीख 5-2-1985 मोहर: प्र**क्ष**्र**्वार**े, ठी. एन. एस.: ----

आयकःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० 105/जून, 1984/रेंज-2-स्नातः मुझे, श्रीमति एम० सामवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भ्रार० एम० नं० 4573 पार्ट है तथा जो मैलापुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 803/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चवय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैसर्स ए० चन्द्रा राजू श्रीर श्रन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीएम० ए० नैना मुहम्मद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा संकंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

भूमि ग्रोर मकान--श्रार० एस० नं० 4573 पार्ट मैलापूर लख सं० 803/84/मैलापुर।

> एम० सामुवेल स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भायकर जायुक्त (निरीक्षक)** प्रजीन **रेंज**-28 मद्रास

अत: अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के कन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

नारी**खं** : [′]5—2—1985

प्राक्त वार्द दी पुरु एस :------

नायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (१) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 फरवरी 1985

निवेश स० 107/जून, 1984/रेज-2-अत. मुझे, श्रीमति एम० सामुबेल,

नायकर अभिनियंम, 1961 (1961 का 43) (प्रिंस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका लेजित बाजार मृल्य 25,000/- 'रु से **अधिक हैं**

ग्रौर जिसकी स० भूमि लस चर्च रोड है तथा जो मैलापुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबज अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाण है), रिजस्ट्रयकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख स० 808/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम÷ के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार ्राल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल के पन्द्रहप्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) जौर मन्तरिली (अन्तरितियाँ) के बीच एसे सम्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिकाल, निम्न**मिधित उन्दरेय से उन्त अन्तरण** लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग**वा है**ं----

- (क) अन्तरक से शुर्व किसी बाब की बाबस, जाभनियम के वभीन फर तोने के अन्तरक की प्राधित्य में कमी करों या उसके बचने में सुनिधा **वै निम्: बरि/दा**
- 🖲) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को चिन्ही भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) 🕸 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा ना या किया जाना चाहिए भा कियाने में सुप्रवर्षा 🖈 सिष्;

अतः सम, उक्त समिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित ध्यक्तियों, अर्थात् .---

- (1) बा॰ (श्रीमती) विदठो बाई मान्यम । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जे० शासाक्षी ।

(अन्तरिती)

को बहु स्वता बारी करके प्वॉक्त सम्पृत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को अधिक या तत्सब भी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख़ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त इन्द्रों और पदीका, मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अभूस्ची

· भूमि——ण्लाष्ट न० ३७, रामा राव रोड, लस चच रोड, मैलापुर, मद्रास । मैलापुर--लेख स० 808/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मन्नास

तारीख 🗭 5-2-1985 मोहर:

प्रस्थ बार्ड . टी . एन् . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन सुष्ता

भारत शरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 फरवरी 1985

निदेश स० 112/जून, 1984/र्रेज--2--अतः, मुझे, श्रीमित एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

म्रोर जिसकी स० केडोर म० 46, III स्ट्रीट अभिरामपुरमी है तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय, मैलापुर लेख स० 830/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत को गई है और मुझे पह विश्वास भर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छा जत बाजार मृत्य उसके बृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच इसे भन्तरण के लिए तय पाया मया अतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिल्लित में बास्तविक्ष रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म्) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्यद्विधी प्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अत. बन, उक्स अधिनियत्र की धारा 269-ग के अनुसरण बें, मैं, उक्क अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीएम० के० शेषण ।

(अन्तरक्)

(2) श्री एम० कं० सबापति।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 चिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अविधि, जा भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील में -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पञ्जीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि---46, III स्ट्रीट, अभिरामपुरम, मद्रास-18। मैलापुर--लेख सं० 830/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्राय**कर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा . 5-2-1985 मोहर ≝

प्रकप बाही,टी.ध्न.एस. ------

आयकर अधितिश्राम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ब्राइव ब्रुडकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश स० 117/जून, 1984रिज-2--अत., मुझे, श्रीमित एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्तिः जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० एप० नं० 856, 2501 न्यू 19 मैलापुर तालुक है तथा जो साताम में स्थित हैं (म्रीर इससे उपाबड अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणत हैं) र जिस्द्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय मैलापुर लेख सं० 879/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सपित के उष्यित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अफे यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिशत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुर्ष किसी आय की बावत उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के फिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाथ वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या भन कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना भाहिए था, क्रियाने में सुविभा के सिए;

कतः अव, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण में. में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीकेंदाजामणि।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० नष्टराजेन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हरें 45 दिन की अवधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भा समाप्त हांती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा न किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण .--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान--17, डमांटी स्ट्रीट, सातोम ,मद्रास। मैलापुर--लेख सं० 879/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेजी-2, मद्रास

तारीख: 5-2-1985

मोहर :

प्रऋषे बाईं. टी. एन एस ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुंचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 फरवरी 1985

निदेश स० 127/जून, 1984/रेज-2-अतः, मुझे, श्रीमिति एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्भात, जिस्सा उचित अजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिमकी स० 115, मौठ रोड, गिण्डी है तथा जो मदास— 15 में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुमूची वे स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिझस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्गालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख स० 570/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वांचत सम्परित क उचित बाजार गृस्य में काम के दश्यमान अतिकल के निए अन्तरित की गई है और भूभे गई विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय णया गया प्रा- कल, निम्निचित च व्यव्येष्य से उक्त अन्तरण लिचित में याम्तिव क्या गया है:—

- (क) बन्तरंग से हुई किसी जाय की बाब्त्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरंक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिभा के सिए

अट अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् ---

(1) श्री ए० एम० कालिम श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मै० एनफिल्ड इण्डिया लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रीक्षोप '---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अर्याय गा तरण्याभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्विस्त भाकिसी व्यक्ति, द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् 'विधित में विष आ कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथरा अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गय। हैं।

ननुसुची

भृमि $\sqrt{3}$ र मकान—-115, माँठ रोड, गिंडी, मद्रास-15। मद्रास सेन्ट्रल—नेख स० 570/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेज-2, मद्राम

तारीख 5-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री कुफुराजलु मुर्दाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महबूह्य उन्नीमा ।

(अन्तरिती)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुधना

भारत तरकार

का**मलिय, तहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंजु--2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० 1/जून/1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परज्ञात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र में पिश्व है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे स० 1664 है तथा जो अरकोनम, टाऊन में स्ट्रिन है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० ऑर०-2, अरक्कोनम (दस्तावेज सं० 962/84) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

की प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हण्यमान प्रतिकाल से एमें दृश्यमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकाल, जिन्निसिबित उच्चक्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिया क्या में क्रिकाल में अधिक हो की कर्ता कर्ता अप्रतिकाल के लिए त्य

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करें दोने के अन्तरक आई दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम., 1922 (1922 का 11) या अका अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियों जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

эत. अ.श्र., अ**क्त** अधिनियम की धाल 269**-ग के अन्सरण,** क्रे., क्री., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षय :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से. 45 दिन की अविधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त उद्योजस्यों में से किंसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगति मेथ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास िनीखत मो किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय से विष्टा गया है।

धन्स्धी

भूमि श्रीर निर्माण—अरक्कोनम टाऊन । सर्वे सं० 1684। (दस्तावेज सं० 962/84)।

> प्रेम मालिनी बासन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, मद्रास

तारीख : 23--1-1985 मोहर : प्रसार भार^क् ठौ_ा एव_ा एस<u>.</u> ----क्षक्रक्रक

बाक्कर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयुक्त (निडीक्सण) अर्जन रेंज-1, महास

मब्रास, दिनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 2/जून 1984/---अतः, मुझे, प्रेंम मालिनी बासन,

बायकर अभिनिवंग 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अभीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

धौर जिसकी सं० 168/बी है तथा जो डोर सं० 67, मास्क स्ट्रीट, अरक्कोनम में स्थित है (धौर इससे उपाबस अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-2, अरक्कोनम (वस्तावेज सं० 1039/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उषित बाधार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपत्ति का उषित बाधार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिक्त क्ष्यक्य से उक्त अन्तरण के लिका में बास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तर्ण से हुइ किसी आय की शायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कााने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी नाव ना किसी भन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों आरतीय बायकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधिनियम, या वनकार निधिनियम, या वनकार निधिनियम, या वनकार निधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया मवर्ष वा ना किया जाना चाहिए वा, कियाने में वृष्या से विष्

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, जैं उक्त अधिमयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) दे सभीय, निम्मतिषि र अधिकार्यो अधिकार प्रमानिष्य अधिकार अधिकार

(1) श्री डी॰ दुरैराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवराजन ग्रौर अर्ध्य ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित न किए जा सकेंग्री

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त मिपनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुषी

निर्माअ डोर सं० 67, मास्क स्ट्रीट, अरम्कोनम् । सर्वे सं० 168/वी । (दस्तावेज सं० 1039/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 19-1-1985

मोहुद्ध 🖫

प्रकप आहें .टी .एन .एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-पु (1) के अधीन सूचना

प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्ज. रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनास 19 जनवरी 1985

निवेश सं० 10 जून 1984---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (-1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), औ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 160/2 है तथा जो वेलकोन्डनपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीनर्सा अधिकारी के वार्यालय, वेलकोन्डनपट्टी (दस्तावेज संव 453/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वीक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कह के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बकर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक कें दायित्य में कभी क ने या उनसे अधन भें सुविधा के सिए: बौट्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए भा छिणाने में सुविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन निम्निसित व्यक्तियमें, अर्थात् :-- (1) श्रापी० एन० नाचिमप्प गौडर।

(असरक)

(2) श्रीकौन्दी गौडर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्बक्ति से वर्षन से निम् न

चनत संपत्ति के भर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजणंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पळीक रुण: — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त विभिन्नियम के वश्याय 20-क में वरिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को वश्याय में दिया गवा है।

ग्रनसूची

भूमि--मानाता इस्ल नगर गांव । सर्वे सं० 160/2 । (दस्तावेज सं० 453/84)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मन्नास

तारीख : 19-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्य नाइ. टी. एन्. एस्.-----

(1) श्रीमती पीप्पति अम्माल।

(अन्सरक)

(2) श्री/मतः समलमः।

(अन्तरिती)

ब्रायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 कार्43) कर्ड धारा 269-च (1) के विभीन सुचना

भा<u>रत चरका</u>ड

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निवेश स० 11 जून 1984---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 296-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका अभित बाजार मृज्य 25..000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे नि० 165/1-1 है तथा जो नार्थ विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद अनूस्च: में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, एस० आर० बेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यात्य, कारा बेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार श्रूप, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से सुद्ध किसी बाय की बाबस, उक्से विधित्यम् के सुधील कार दोने को बंतहक के दायित में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी अध्य या किसी भून या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट न्द्वी किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः श्रवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के अनुसरण भों, मीं; उक्त अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) भीं अधीन, निम्लुनिजित व्यक्तियों, अधीत् हे—- का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि या में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वष्प कभी अन्य व्यक्ति इवारा अपोह-ताआरी के पास लिखित में दिये जा सकनी।

स्पब्दीकरण .— इसमें प्रयूक्त गब्दों और पर्यों का, जो उनत अधिनयम की अध्याय 20 के मी परिभाषित ही, उहीं तथ होता, आ उस अध्याय मीं विकास नथा ही।

arrest.

भूमि और निर्माण-नेसम विलेद । सर्वे पं० 165/1AT।

> श्रम मालित वासन सक्षय प्राधिकारी सहायक भ्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रीत रेशेन 1 अद्रोत

শ্ব্ৰ . 18-1-1985

मोहर :

प्रकृष भाष्ठी देशे । प्रग∑ एक ु------

भायकरं अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के मधीन सुधना

पारत बहुकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 12 जून 1984--अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, .

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उभित नाजार मृष्य 25,000/- रा. से विभक्ष हैं

और जिनको सं० सर्वे नं० 213/2, कुरुम्बला महादेवी गांव है तथा जो नरूलूर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नल्सूर (द सं० 266/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण वे हुर्द किसी बाय की बाबस, जनत श्रीधनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दाविका में कनी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किनाने में स्नृविधा से निष्

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की खपभारा (1) के सभीन, निष्निचित व्यक्तियों, अभित् ध--- (1) श्रीबी ० एस० पेरियस्वामी गौन्डर।

(अन्तरक)

(2) श्रापी० मनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उन्त संपत्ति के अर्थुन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्त्वस्वन्थी व्यक्तितवों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा नभोहस्ताक्षती के पास निवित्त में किए जा सक्ति।

स्थलाकिएण: --- इसमं प्रयुक्त शब्धों बीर पर्वों का, जो उक्त विधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होना जो उस जभ्याय में दिया गया है।

अमस्यी

भूमि और निर्माण→-कुरुम्बला महादेवी गांव । मर्वे मं∘ 213/2 ।

(दस्तावेज सं० 266/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

~तारीख : 19**-1-**1985

मोहर 🖫

प्रकल् आही_ः ट्री. एन . एस_{..}- - a ases

काष्क्रपुत्र वर्धिपनियस्, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मदास

मद्रास, धिनाक 19 जनवर्रः 1985

निदेश स० 14 जून 1984---अत मुझे, प्रेम मालिना वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूच्य 25,000/-रा. से विधिक हैं

और जिनकी स० सर्वे न० 127/5 और 126/2 है तथा जो जरुकोन्डानपट्ट। मे स्थित है (और 244 एपाबड़ अनुसूर्वी से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्द्रीकार्त अधिवारी के कार्यालय, वारपान्डी (दस्तावेज स० 743/84) मे रिजम्द्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 ता 16) के अधान, तारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान इतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिनित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क), स्वाह्मय में हुन्दे चित्री नाम की वानत, उपछ नीधनियम के अभीन कर दोने के श्रन्तरक के वादित्व में सभी करने के उससे तकने में स्विधा के हिन्द; नीर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के सभीन, निम्निनिवित स्थितां, वर्षात् !!---

(1) श्रार्वा० डी० वेकटराजन। और दा अन्य।

(अन्तरकः)

(2) श्राचित्रं तायक्माल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पृति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ;---

- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सङ्ग्रस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाये।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--जर्राकोन्डानपट्टी गाव। सर्वे सं० 127/5 और 126/2। (दम्तावेज स० 743/84)।

> प्रेम मःलिर्नाः वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज∽ 1, मद्रास

नारीख . 19-1-1985 मोहर : प्रकप नाइ ., टी. एन ., एस . -----

गायकरुः समिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-घ (1) के अर्थान सुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज. रेंज-1, मद्राम

मद्राप, दिनांक 19 जनवरी 1985

निवेश सं० 15 जून 1984--अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिलका स० सव नं० 126/2-ए, 2 वी, 2 मा और 2 डा है तथा जो जरकोन्डान्पर्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। में स्थापित्य, वीरपार्डी (दस्तावेज स० 744/84) में रजिस्ट्रा- सरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभी यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और्ट्रया
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिपा के लिए;

कतः वस, उक्त विभिन्नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमिस व्यक्तियो, अर्थाण्:--- (1) श्राचा० डी० वेकटराजन और दो अन्य।

(अन्तरकः)

(2) श्रीः वेडिचीः गौडर और श्रीमरीः पेरूमायम्माल ।

(अन्सरिसी])

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए-, कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा संक्रेंगे।

स्वव्यक्तिकरण : --- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

नगुजुनी

भूमि और निर्माण-- जिटकोन्छानपट्टो गाव। सर्वे नं । 26/2-ए, 2 बी, 2 सी और 2 डी। (दस्तावेज सं ० 744/84)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶, मद्रास

नारीख : 19-1-1985 मोहर छ प्रकप बाइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

शारत् बर्जाह

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- अमद्रास

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 18/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया. हैं), की 'धार 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उचित नाजार मृस्य 25000 रु० से अधिक हैं

मौर जिसकी सर्वे सं० 661/1, 64/3/65/1, 62/5 श्रौर 64/2 है, तथा जो कोट्टाम्पट्टी गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से पणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेठनयक्कनपट्टी, वस्ता० सं० 137/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1984

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यानाय प्रतिपत्त को तिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजापु मृस्य उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एमे क्यामान प्रतिपत्त का पन्त्रह वितियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एके जन्तरण के लिए तक पांचा जवा प्रतिपत्त, निम्नितिवित उद्योचों से उच्त अन्तरण जिल्ला में बास्तरिक रूप से कृषित नहीं किया गवा है ए——

- (क) अन्तरण ते हुई किती भाग का बाबत, जनत अभिनियम के अभीन कर धाने के जन्तरक के दाबित्य में कमी करने वर उगसे वचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (च) ऐसे किसी जाय या किसी कैन या जन्य कान्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिथितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा खे जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) से अधीन, निस्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री कन्दलामि श्रौर श्रन्थों।

(श्रन्सरक)

2. मैं ० जवाहरलाल नेहरू,।

(श्रन्तरिती)

को सह सुधना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही सूरू कारता हुए।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कद
 स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधेत्स्साक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्थलकीकारण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभादित हैं, वहीं सूथ होगा जो उस अन्याय में दिया गुबा हैं।

भनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण कोट्टाम्पट्टी गांव । (दस्ता० सं० 137/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक 21-1-1985 मो**हर** ध प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 20/जून/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासने आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सर्वे सं० 318 है, तथा जो इठ्मपनकुलम गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, एस० स्रार० परामित (मेलम) वस्ता० स० 529/84 में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून,

को प्वें अत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँ वार्यतः, उनतः अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा की लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर प्रसोक्तार्थ अन्तरिती इंकारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री उदयकुमरन, :

(भ्रन्तरक)

2. मैनर मनोकरन, 1

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् क्वे संबंध में कोई भी वाशेष् :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा नो उस अध्याय में दिया गया है।

> भूमि और निर्माण इठुम्पनंकुलमं, गांव (दस्ता० सं० 529/84)।

> > प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ' ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक: 21-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

नारक चूरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निवेश सं० 21/जून/84—— प्रत मृझे, प्रेम मालिनि वासन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं०ं है तथा जो इठुमपनकुलम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस०श्रार० पारमादि, दस्ता० सं० 530/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिक के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मुभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिनिश्च उद्देश्य से उक्त बंतरूण निर्वित में वास्तिवक क्य से क्थित नहीं किया स्वा है है—

- (क) बन्तरण सं इन्हाँ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा '69-ग के अन्सरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा ?69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----34 -476 GI/84 1 श्री एम० उदयकुमरन।

(भ्रन्तरक)

2 श्री म्साल्मि कौन्टर,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इ.स. सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींग से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किन्ति मा किन् का सकींगे।

स्वव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, भो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इंग, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गवा है।

मन्त्रकी

भूमि इठुम्पन्कुलम गाव । (दस्ता० स० 530/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-! मद्राम

दिनाक 18-1-1985 मो**ह**र ।ः प्ररूप बाइं.टी, एत एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 22/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सर्वे० सं० 361 है तथा श्रग्रहारम, वेलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय परमाती, दस्ता कै सं० 531/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के निए; और/धा
- (क) एंसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक र अधिनियम, या अनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए;

1. श्री सेलवकुमरन।

(अन्तरक)

2 श्री कन्दस्वामी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि इडुम्पनकुलम गांव—सर्वे सं० 361। (दस्ता० सं० 531/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक 19-1-1985

मोहर :

प्ररूप शाहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन मृपना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 4 जनवरी 1985

निदेश स० 21/जून/84—प्रत मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिरायम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित वाजार भूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं और जिसकी स० है जो कोमारपालैयम से स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में गीर जो पूर्ण पत्ति विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी क वार्यात्य कोमारपालै म, दस्ता० स० 1547/84 में रिजन्द्रीकरण अधिनिया, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून, 1934

को पूर्विक्त सम्पांत्त को उचित जाजार मूल्य स कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की उम्हें और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ह कि उमान महा सम्बान का उमित नाजार मूल्य, उमके दरयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकत से अधिक ही जीर संतरक (अंतरको) आर अंतरित (अंतरितिको) को बीच एसे अवरण के लिए तम प्रमा गमा प्रतिक्षा का विम्नोनिक उद्देश से अवरण के लिए तम प्रमा गमा प्रतिक्षा का विम्नोनिक उद्देश से अवरण के लिए तम प्रमा गमा प्रतिक्षा का विम्नोनिक उद्देश से अवरण के लिए तम प्राप्त का विम्नोनिक उद्देश से अवरण कर्म का विम्नोनिक उद्देश से अवरण कर्म से का विम्नोनिक उद्देश से अवरण कर्म से का विम्नोनिक उद्देश से अवरण कर्म से का विम्नोनिक उपा का विम्नोनिक से अवरण कर्म से का विम्नोनिक से अवरण से का विम्नोनिक से क

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाथ की बावत, उन्त क्षिनियत के जणीन कर दन के अम्बर्क के दायित्व में कमी करने या जससे क्यने में सुविधा के क्षिए; भौर/भा
- (ण) एसी किसी नाम मा किसी पन या कम्य कारितयां को फिल्हें भारतीय वाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः वय, उक्त विभिनियम की धारा 269 ल का अनस्यथ में, में उक्त विभिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियो, अर्थात् --- 1. श्री एन० नर्नेया कीन्टर ग्रीर ग्रन्थ ।

(श्रन्तरक)

2. ठान इडिया बोट्टल एक्स्ट्रापटर्स कंपनी लिमिटेड । (म्रन्तरिती)

को नृष्ट् सूम्पना आरी करके पूर्वावत सम्पत्ति के वर्जन के तिस् कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्मतित के बर्चाए के सम्बन्ध में आहे भी बाह्यप्र--

- (क) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्सपथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रा 30 दिन की अधिध, जो भी अवीध बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उपय व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

ए स्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित कृ, वहीं अर्थ होना जो उप अन्याय में दिया स्याहै।

अनुस्ची

भूमि श्रीर निर्माण कोमारपालैयम, (दम्ता० स० 1547/84)।

> प्रेमः मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक: 4-1-1985

माहर

प्ररूप बाईं. टी., एन., एस. -----

नायकर माधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 28/जून/84—ग्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं है जो दोरमन्कलम गांव में स्थितहैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० जलकन्टपुरम दस्ता० सं० 525/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया अवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तविक स्थ से क्थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; जाँग्र/वा
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री एन० वेन्कठाचलम,।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती जि॰ दवारकम्माल ।

(श्रन्सरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन जो लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण दोरमन्कलम गांव । (दस्ता० सं० 525/84)।

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः वर्ष, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-गृकों अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीग, निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

्दिनांक 18-1-1985 •**मोहर** अ प्र**क्य भा<u>दौ.</u>टी.<u>एन्.एस</u>. - - - --**

4004 (4004 = 40) =

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-घ (1) के नभीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रैंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 30/जूनं/ 84- अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रह. से अभिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 314 है, तथा जो पोटिलिटि पट्टी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण से रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ए हपे में द्री गांव दस्ता० स० 896 84 में रजिस्द्रीकरण अधि-नियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन 🕭 नांक मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रश् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित भें वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है 🏻 —

- (क) क्लारेंग से हुई किसी भाव की वावत, उक्त श्रीधीनयम के वधीन करें दोने के जम्मुरक के खीयत्व में कमी करने वा उससे वचने में सुन्धि। के लिए; बॉर/या
- (स) एसे किसी आद्रार्क सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ४एम० मकालिन्कम भौर अग्यों

(भ्रन्तरक)

2. दुरैसामि श्रौर राजू,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्म्यात्त के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏻 🖚

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त, स्थावर सम्पत्ति में हित्रबच्च ध किसी अन्य स्थावत द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा तसोंग्रे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जनस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण पोट्टिलिट्टिपट्टी, गांव सर्वे न० 314 । (दस्ता० सं० 896/84)।

> प्रेम मालिनि वासम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 18-1-1985

मोहरु 🚁

प्रकथ आर्थं ु टी. एव. एस.=-=---

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी, 1985

निदेश सं० 31/जून/84—अत: मुझे प्रेम मार्लिन वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० है तथा जो ए० पी० मार्लमुकम गांव में स्थित है (धीर इससे उपाबक अनुसूची में धीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० एसपाटी, दस्ता० स० 743/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वादार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तुषक कप से कथित नहीं किया गया है देन

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने वा उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) पुरेसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हर्स अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन, निम्निशिकित व्यक्तियों, अधीत ध— 1. श्री व० एन० सामिनतन ग्रीर पि० रतनम,

(अन्तरक)

2. श्री आर्० पलनियप्पन ग्रीर चेलप्पन

(अर्न्तारती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्थन के निष्क कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपप में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या छत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्भ
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जा सक्यो।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वर

भूमि श्रौर निर्माण ए० पि० मेलमुकम गांव। (दस्ता० सं० 743/84)।

> ंप्रम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक : 21-1-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजी, मद्रास

भद्राम, दिनाक 21 जनवरी 1985

निदेश स० 32/जन/84—अत मुझे प्रेस मालिनि वासन सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है, तथा जो कोनेरिपट्टी गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद अन्स्ची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कं कार्यालय एस० आर० एटपाली, दस्ता० सं० 745/84 में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुरूँ यह । वर्षास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोचिय संपत्ति का राजित बाजार मूल्य इसके द्रयमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उपल अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के/लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1 श्री आर० टि० वीराचामि, श्रीर अन्यो

(अन्तरक)

2 श्री पूवा कौन्टर,

(अन्तरिती)

को बहु सुभा जारी करनी पुवासित सम्परित की अर्जन को विष् कार्यवारिया श्राकरता हो।

तकत राम्परित की नर्जन क सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस भूवना की राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्त में किए जा सकोंगे

स्थान्य का अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण कोनेरिपट्टी गाव, (दस्ता॰ स॰ 745/84)।

> प्रेम मालिनि **धासन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

अत. अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

दिनाक 21-1-1985 मोहर . प्रकप बाह्रं.टी.एम.एस.-----

1. श्री एस० बी० काली, कौंठर

(अन्तरक)

2. श्री एम० पि० माकेन,

(अन्तरिती)

बायक इ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भूरा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर नायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 33/जून/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन गामकर गिर्धानमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसने परचात् 'उक्त गिर्धानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुं से गिषक है

भीर जिसकी सं० सर्वे [सं० 233/4 है, तथा जो पेरियपट्टी गांव मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर-II नामककल वस्ता० सें० 1055/84, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

कों पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल मिन्नलिचित उच्चेष्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

को यह सूचना जारी कल्पके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथतः सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी श्यिक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त ख्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकी।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ डोगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

1 166

भूमि ग्रीर निर्माण पेरियपट्टी गांव सर्वे नं ० 233/4 (दस्ता० सं० 1055/84)

> प्रेम मालिति नांसम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, मद्रास

- (क) वंतहण से हुइ कियों बाद की वाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के सिए; जोर्/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान प्र स्विवा चे निव्हः

जतात अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक: 21-1-1985

मोहर:

प्ररूप भार्यः, दर्गः, एतः, एसः, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

महास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 34/जून/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से विधिक है

भीर जिसकी सँ० है तथा जो नामक्कल गाँव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नामक्कल दस्ता० सं० 1041/ 84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बादत, जानत जिथितियम के अधीत कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने दा उससे अभने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आरितरों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

णतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अासरणः भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के करीन जिल्लासित स्पन्तियों, अधितः— 1. श्री पी॰ मुनुसामि श्रीर मैनर दिनेश कुमार, (अन्तरक)

2. मैसर्स ए० गुप्ता सामि भौर अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सहां अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया श्वा हैं।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण नामक्कल गांव । (दस्तावेज सें० 1041/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 21-1-1984

मोहर 🛭

श्रुक्त, **बाइ**, टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

1

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मेद्रास

भारत सरकार

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं॰ 35/जून, 184 अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम फरने का धारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

25.000/- रु. स बाधक हैं

भौर जिसकी से अस ने 213/14ए है, तथा जो पेरियपट्टी

गांव में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण

रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जो एस एस आर०-II, नामक्कल, दस्ता असं 1040/84 में रिजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 84 को पूर्वे कित सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल को लिए अस्तिरित की गई है और मूक्त यह विक्वास करने का कारण है कि बथाप्योंक्त संपित्ति का जावत बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पत्तिक की अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निक के वृद्धि के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निक के का विष् तथ उसत अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निक के का विष् तथ है किया व्या है किया वया ही स्थान व्या है किया वया ही स्थान व्या है स्थान वया है स्थान व्या है स्थान वया है स्थान व्या है स्थान वया है स्थान स्था

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियस के अधीम कर दीरे के ब्ल्सरक के दायित्व में कभी कहन वा उनसे वचने में नृतिधा के लिए; और/बृह्न
- (क) एसी किसी बाव या किसी धर या अन्य आस्तिकों कोई जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरू- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती कामाक्षी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० टि० के० देवस्थाल ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तन्त्रं जंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हों, को भीलर एवें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सृष्या के राज्यम में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर गणित में दिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोह्स्याक्षरों के पास तिक्ति में किए जा सर्वागे।

स्थब्दिकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दा और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभृषित हैं, उही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में वियम भया है।

बन्दक

भूमि भौर निर्माण व रीयपट्टी गांव, सर्वे सं० 213/14ए (दस्ता० सं० 1040/84) ।

प्रेम मालिनिः वासन सक्षम प्राधिकारी सङ्खायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिलिश्वत व्यक्तिकों, अर्थात् ;——

विनांक 19-1-1985 मोहर ः इंक्ट बार्ड, ही. दर . एस्. मन्त्र

1. एन० सुबारायन ।

2. श्री एस० राम सामि।

(बन्तरक)

(अन्तरिती)

नामकड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन कुमरा

HIST WALL

कार्यभव, सहायक भायकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 40 जून 184 — अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्ताद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 के जधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्याध करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. ते अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किली भाव की वावतः, उचतः अभिनियम के अभीन कार देने के अन्तरकः के धामित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा[®] के थिए; ब्रुह्म/वा
- (क) इसी किसी बाथ या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में स्विधा के लिए;

ब्दः बन, उनल् विधिनवन की बारा 269-व के वभूत्रक में, में, उनले अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों वर्षात् :--- क्रों बहु बुचना धारी करके पूर्वों क्यू संपृत्ति के अर्थन के सिष् कायनाहिया करता हुई।

ाथर सम्प**.स के वर्षन क संबंध में कोई**' भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यास्त्यों पर सूचना की तामीन के 30 दिन की अविचि, जो भी अविधि नाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पृष्टी के व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (ख) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन के भीतर स्थान स्थानर सम्पन्ति में डितनद्भ किनी जन्म स्थानित स्थान समाहित में डितनद्भ किनी जन्म स्थानित स्थान प्रभावित स्थान स्थानित स्थानित स्थान स्थानित स्थानित

भ्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो बस अभ्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्थी

भूमि भौर निर्माण-तिष्वेन्कोठूगोव । दस्ता० सं० 1648/84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी -सहायक आयकंर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

विनीक , 21-1-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी, 1985

निदेश सै॰ 46/जून/84—यतः मुझे प्रेम मालिनि वासन से आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं टिंग् एस० सं 14 है, जो कुमारसामिपट्टी गांव, में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के एस० आर० चलम, दस्ता० सं 1207/84 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त स्म्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित मेंहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ----

- श्री टि० एम० जि० हाजि, अब्दुल करीम राव्यर (अन्तरक)
- 2. श्री भा० पालानियाधन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त इम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- ?

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
 - (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा. सकोंगे।

स्वव्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

भूमि भौर निर्माण कुमारसामि पट्टी गांव टि॰ एस॰ 14 दस्ता॰ 1207/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

दिनांक: 19-1-1985

मोहर:

`प्रारुप बाइ*. टी. एन. एसं. ------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी, 1985

निदेश सं० 47/जून/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कोर सं० 89 है, तथा जो तघनवुक्करसु, नगर नरसिन्कपुरम, गांव दस्ता० सं० 1100/84 में स्थित हैं (भीर इससे उपाध्य अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय नर्रां कपुरम, में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

कां पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यश्रापृषोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

लतः लय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री कोविन्दन नायर,

(अन्तरक)

2. श्री ए० नटराजन, श्रोर ए० परमसिवम,

(अन्तरितः)

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध, में कोई भी आक्षेप :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाझन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

वन्स्ची

भूमि घौर निर्माण नरसिन्कपुरम, गांव डोर घं० 897 (बस्ता० सं० 1100/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निर्≀क्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

विनोक : 18-1-1985

मोहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, मदास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी, 1985

निदेश सं० 494,जून, 84——अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') कीं भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संश्वस विं जिं 513 है, तथा जो सेत्तर गाँव में स्थित है श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सेसूर, बस्ता० संश् 634,84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री डी० नवजीवन,

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० सुशीला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी को पास जिस्तित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि भीर निर्माण सेत्तूर, गांव, बस्ता० सं० 634,841

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज I, मद्रास

विमोक: 19-1-1985

मोब्र 🖫

प्रकपः बाइंःद्री. एनः एसः प्रमान्याप्य

बायकर व्यक्तियमः, 1961 (1961 का 43) कर्रें भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी, 1985

निदेश सं० 50/जून, 84— यतः मुझे प्रेम मालिनि वासन गायकर ज्ञिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा २६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य २५,000 '- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 513 है, जो सेतूर गांव में स्थित (श्रीर इससे उपाव अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्नी अधिकारी के कार्यालय में सेतूर में दस्ता० सं० रिजस्ट्री करण कि कार्यालय सेतूर में दस्ता० सं० 628,84 630, 631,84 में रिजरट्री वरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 84
को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए जन्तारित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार
मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के
रन्द्रह उचित्रात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पामा
,गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाब की वावत, सक्छ प्रितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें प्रियत्व में कमी करने वा उत्तर्ध बचने में विविधा के लिए: और/बा
- (ख) एसे किसी आग या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा से विद्य

1 श्री पी० वी० दुरैराज।

(अन्तरक)

2. श्री एस॰ राजाराम,

(अन्तरिती)

को वह भूचना चारी करके पुत्रोंक्य सम्पृत्ति को नर्पन के स्मिष् कार्यनाहियां कुक करता हूं।

उक्त ग्रम्मीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचवा के शाजपून में प्रकाशन की शारीश ते 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित्त में किए का सकेंगे।

स्वक्रकिरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया मुक्ता हैं।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण सेतूर गांव , सर्वे सं० 513 (दस्ता०. सं• 628,84, 630, 631,84)य।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

ज्ञतः रुख, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनूसरण भों, मीं, तक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के सभीतः निस्निचित स्वितियों, अर्थात १—-

दिनांक: 18-1-1985

मोहर

प्ररूप बाह्र .टी, एन .एस , ------

1. श्री पी० के० पी० दनकोटी, भीय अन्यों

(अन्सरक)

2. श्री मैनर, आर० मोहन,

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनोक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 55,जून, 84— ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं के सर्वे नं वे 110/2 है, जो जटरपालयम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एसव आरव नामिगिरिपेट्टे, दस्ताव संव 465/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

कां पूजोक्त सम्पत्ति के उचित बर्ज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह पिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जैन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के न्ए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिख्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्ष्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे अचाने में सूविचा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदां का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण जेदरपालयम, सर्वे सं० 110/2, (वस्ता० सं० 465/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मन्नास

दिनीक: 19-1-1985

मोहर 🏚

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस.-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 58/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिन वासन, क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ित्रसे इसके इसके पञ्चात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-न के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/र संवर्षकर है

ग्रीर जिसकी सं०टे एस० सं० 97, वार्ड सं० 3, है, जो द यहपट्टी. विलेज, चलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश्व अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दाथहपट्ट (दस्ता० सं० 1632/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिक दिनांक जून, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के स्वयमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके देवयमान प्रतिफल से, एसे एक्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उच्त अन्तरण जिल्ला माना प्रतिफल का प्राप्त के सिए तब पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उच्त अन्तरण जिल्ला सिखत में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरच से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथितियस के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा एकर नहीं किया गया धा वा किया जाना वाहिए था, जिपाने में स्विधा से सिए:

नतः अथ, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसाम में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात '--- 36-476 QI/84

श्रीः एस० आर० घुनशेकरन ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० सृनमुगम ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृवासित संपत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की बबधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त कोती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिने के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिस ख्षे किसी बन्य स्पक्ति ब्वास अधाहरूनाक्षरी के पात स्थितित मों किए का गर्कों भे।

स्पध्दीकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषिस हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

धनुसूची

निर्माण वार्ड सं० 3, तादहप्पट्टी, विलेज, सेलम (दस्तां० सं० 1632/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनोक : 11-1-1985

मोहर:

प्रकल आद्'. टी. एन. एस. ------

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

भारत सर्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निषेश सं०62/जून/84— अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्तम पाधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्यन्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25 (100/- राज्य से अधिक है

भीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 113 है, जो वादकप्पट्टी गांव में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूच: में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वादकप्पट्टी वस्ता० सं० 1740/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

की पूर्वोक्त सम्पन्ति के उद्वित बाजार मत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव को बावत उपत बिध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में फ़र्फी करने या उलसे क्यने में मृतिधा के लिए: ग्रीक्श्या
- (क) एरेसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को. जिन्हां भारतीय आय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत श्रीधनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की भन्ए;

कतः कव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-म क्री उपधारा (1) के बर्धान, ज्यानिकतं व्यक्तिकों, बर्धातः :--- 1. श्री जे० स्वामं,नाथन धौर अन्यों

(अन्तरक)

2. श्रीमती पापू अलिस, पलानियामल

(अन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अध्य न्यवित इयारा अधाहस्याक्षरी के पास लिखित से किए जा ग्रुकेने।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया हुँ।

जन्स्ची

भूमि निर्माण दावकपपट्टी, टी. एस० सं० 113, (बस्ता० सं० 1740, 84)

प्रेम मालिनि **बासन** सक्षम प्राधिकारी **सहायक आयकर** आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 21-1-1985

माहर 🖫

प्ररूप आइ⁴.टो.**एन.एस**.~~~~~

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तं (निरोक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रोस, विनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० 64/जून/84—अतः मुझे प्रम मालिनि वासन क्षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास धारने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० टि० एस० 203/1 बी 14 है, जो अन्तयानधट्टों में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्र:कर्ता अधिकारे के कार्यालय, शादगपट्टा दस्ता० सं० 1850/84, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पृथीक्त सर्पात्त के उचितं बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल हो एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्ने प्रतिपात से अधिक हो और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकिंग, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अंतरण निष्यत में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करंदने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ध्रेंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियस 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया ध्रम था था किया बाना बाहिए था, क्यिंगों में ध्रियों के लिए;

1. श्री एस० थूबैग सम,

(अन्तरक)

2. श्रीमती रुकमणि अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जनु के लिएं कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मैं से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में पारभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

प्रनुसूची

निरमा, अन्तदनहट्टी, टि॰ एस॰ 203/1 **बी** 14 (दस्ता॰ स॰ 1850/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज I, महास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखत व्यव्तियों, अधीत् :—

दिनोक: 11-1-1984

मोहर

प्ररूप वार्ड.टी. इन. एस. -----

श्री ए० चमपन राजू।

(अलरक)

(अन्तरिती)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

श्रा पि० वनराज बोकटिया भीर सेम कौर।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं० 69/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टि० एस० नं० 44 है, जो चेलम, टांकन, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बंगित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्य स्था० सं० 1253/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

क्षे पूर्विकत संपत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित. में वास्तिवक रूप ये कथिश किया गया है :—

- (क) वन्तरण से हुईं किसी लाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-स्व्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि भौर निर्माण टि० एस० 1 से 44, बारंट सं० '5; बेलम टाऊन, दस्ता० 1253/84 ।

> प्रेम मासिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज्रा-, महास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

क्लिक 11-1-1985 मोहर ⊈ प्रकप बाहै, ही, एन. एस,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० 71/जून/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख वें। अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25 900/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टि० एस० सं० 96 है, जो सेलम टाउन में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० भ, सेलम, दस्ता० सं० 1308/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रियसत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखत उद्देषयों से उच्च अन्तरण कि बिखत मे बास्तरिक क्य से क्यियत महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुए जिसी आय की बावस उक्त विध-नियम के ज़शीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ए'सी किसी जाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तिनयम, या भन-कर विभिनियम, वा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के निए;

 श्री एस० एल० वेन्त्रटरामन भीर अन्य । (अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी एस० कोबाल ।

(असरिती)

न्द्री यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ने नर्वन के लिए कायवाहियां करतः हुं:

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अनुधि, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए आ सकांगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, का उस अध्याय में विदा गया है।

जन्स्यी

भूमि भौर निर्माण——सेलम टाउन, टौ॰ **एख॰ त॰ ७**६, (दस्ता॰ सं॰ 1308/84) ।

> प्रेम मानिनि वासम संक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर ब्रायक्त (निरोक्तम) अर्जन रेज-I, महास

श्रतः स्था, उक्त सिंधीनयमं की धारा 269-त की सनुसरण हों, में, उक्त सिंधिनियमं की धारा 269-त की उपभारा (1) से स्थीन, भिम्नजिसित व्यक्तियों, सर्वात् क्र---

दिनांक : 5-1-1984

मोहर

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. -----

भाषधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, विनोक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 75/जून/84—पतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, श्रायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो अमतमपट्टी, गाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर जो पूग रूप से गिंगत है) रजिल्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय जे० एस० गार० चेलम I, दस्ता० सं० 1501/84 में रजिल्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य', उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं गया

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को अन्सरण में, में, राक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिन्ति अधिकतयों, अर्थात् 1. श्रीमती एस० राजेश्वरी,

(अन्तरक)

2. श्री आर॰ नरायन सामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्यी

भूमि मीर निर्माण⊸-असतमट्टी गांव (दस्ता० सं० 1501/84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-I, सक्रास**

दिनांक: 21-1-1985

मोहार

प्रस्य नाइं.टी.एन्.युस् -----

1. श्री के॰ एन॰ सिन्नसामि ।

(बन्तरक)

माथकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

2. श्री जकप चेरियन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० 80/जून/84—स्वतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० सर्वे नं० 84/1 है, जो भोडनचन्त्रम, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर को पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रोड चंत्रम, एस० आर० सस्ता० सं० 529/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिधित उद्वेष्य से उच्ते अंतरण लिखत में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किथी आय की वाबत, उक्त अधिमयर के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चौहिए था, कियाने में स्विधा असे निए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६ स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच से 4 विन के भीतर उत्तत स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

भूमि श्रीर निर्माण भोडनचंत्रम, सर्वे सं० 84/1, (दस्ता० सं० 529/84)

> प्रम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) सर्जनरेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 15-1-1985

मोहर ८

अक्ष्य बाह्यं, टी. पून्, एस्,------

1. भी हरि कृष्णम,

(अन्तरक)

2. श्रीमवी एस० मस्लिका

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहामक मायकर काय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनोक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० 81/जून/84--- अप्तः मुझे, प्रेम मालिनि वासम, बायकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25.000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी सं० सर्वे नं० 57, है, जो बटलागुन्द विलेज में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुस्ची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्गा अधिकारी के कार्यालय बटलागुन्द, इस्ता० सं० 1038/84, 1040/84, 1065/84 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक का पूर्वोंकत संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्व है और भक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार कुन्य, उसके रहयमान प्रतिकाल से, एसे रहयमान प्रतिकाल का वन्द्र प्रतिकृत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के 'लए तय पावा गया प्रतिकाल, निम्मतिचित उद्योग्य से उद्य बन्तरण लिखा में वास्तविक रूप से किया गया है है ---

- हैंक) विश्वरण से हुई किसीं आय की वाबत उक्त विधिनवस के वधीन कर दोने के बनारक धीं शियरण में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा था िन्या जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के सिए;

को मह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्त संपत्ति के वर्षन के संबंध वें कोई भी नावांप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्याक्षरी के पास लिखित में किए का सकीं।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में धीरभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, खो उस अध्याय में विद्या स्था हैं॥

अनुसूची

भूमि भीर निर्माण बटलागुन्त, विलेश, (सर्वे सं० 52) इस्ता॰ सं॰ 1038/84, 1040/84, 1065/84

> प्रेम मालिनि नासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-ों की उपधारा (†) की अभीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनोंक : 19-1-1984

मोहर:

श्रुक्य काइ. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

धारत संह्याड

क्शार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजिं–ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० 91/जून/84—श्रत. मुझे, प्रेम मालिनी वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.,001/- क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डीं एम वे नं० 96 है तथा जो मदुरै पुदुमन्टनम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमन्टनम (दस्तावेज सं० 1447/84, 1446/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पून्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी अब वा किसी अन या अन्य जास्तियों का. जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- 37—476GI/84

(1) श्री वी० सदाणिय भ्रय्यर।

(ग्रभरक)

(2) श्रीमती मुलोचना श्रम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस न्यान के श्वापन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्स्र म्यानी व्यक्तियों पर स्थान की त्रामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में समान होती हो, के भीरार गुवाँकत व्यावस्था में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के प्रमार्थ किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के प्रमार्थ किसी अन्य किसी अस्त

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भां उन्सर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जा उस अध्याय में दिया नमा है।

बमुस्ची

भूमि भ्रौर निर्माण—पुदुमन्टनम, मदुरे । (दस्तावेज सं० 1447/84, 1446/84)

> ग्रेम मालिनी वासन ्सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I, मद्रास

तारीख '24-1-1985 मोहर: प्ररूप नाइ ें टी, एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश मं० 94/जून/1984—- प्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो मदुरे में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मदुरे जे० एस० श्रार०-1 (दस्तावेज सं० 3146/84) में र्राजस्ट्रीकरश्च श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वीति संस्म्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्राचनार्थ अवस्ति विद्या प्रयासी अवस्ति जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

कत. त्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० एम० मानिक वासकन ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीके० एन० मोकन चन्दरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन की जबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामीन से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावरा;
- (खं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्रोकरण:--इसमे प्रयुक्त कथ्यो और पदों का, को छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

प्रनुस्ची

भूमि भ्रौर निर्माण—मदुरे । (दस्तावेज सं० 3146/84)।

> प्रेम मालिनी वासन ़ सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेज-!, मद्रास

तारीख . 21--1-1985 मोह्यर ः

(1) श्रीई० शंकरन। प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती एम० माला,

(भ्रन्तरिती)

नाय्कर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्करा

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निडिक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

सद्रास) दिनांक 21 जनवरी 1985

99/जून/1984--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी निदेश स० वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इस्**में इसके पृश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक **है**

श्रीर जिसकी स० डोर स० 282 है तथा जो ब्रान्ड्यूर गांव मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० $-{f I}$ मदुरे (दस्तावेज स० 3460/84) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1984

को पुर्शनित सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया दवा है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उन्त स्थि-ज़िब्स के ब्रंथीन कार दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: मौरु∕या
- (स्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वासकत अधिनियम, याधन-कर्बिभितिसम् 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

असः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्य में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिकित यिक्तर्यों, क्षाहि "---

की बहु बूचना जारी करके प्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवादियां करता है।

उन्त रम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप्र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की जयांध, को भी जनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्योक्त द्वारा अव हस्नाक्षरी क पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पर्कीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि ग्रौर निर्माण—डोर सं० 282। **धान्डयूर गांव** । (दस्तावेज सं० 3460/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 21-1-1985

मोहर ः

प्रकथ बाइं.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 21 जनवरी 1985

निदेश स० 100/जून/84—श्रत मुझे, प्रेम माजिनी वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० सर्वे न० 99/4 जी० है तथा जो परन्कुद्रम गाव मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० तिरुपरन्कुन्द्रम (दस्तावेज स० 883/84) मे रजिस्ट्री— करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखं जन, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके द्वयमान प्रतिफल में, एसे द्वयमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया गया है:—

- (कं) अतरण से हुर्इ किसी भाय की बाबत,, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक क दायित्व में कनी करने या उससे वच्ने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्री एन० एन० राकवन,

(अन्तरक)

(2) श्रा/शिवडानम ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति की वर्षन् के ज़िब् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जा उक्त विभिन्नमं के अध्याय 20-क मां परिभाषित है, बही अर्थ हाना जो उत्त उन्याय मां विया निया है।

नगत्त्वी

भूमि और निर्माण-परन्कुन्द्रम गाँव (वस० म० 833/84)

> प्रेम मालिनी वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मब्रास

तारीख: 21-1-1985

मोहर

प्ररूप मार् , टी एन. एस. ------

भायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

बाउत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जॅन रेज $-\!\!^{\mathrm{I}}$, मद्रास

मद्रास, दिनाक 11 जनवरी 1985 निदेश स० 101/जून | 1984—अत मुझे, प्रेम मालिनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृन्य 25,000/ रु से अधिक है

श्रौर जिसकी म० 3, मुम्मापुरम, मगलम मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूण रूप म विभिन्न है रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तमेडालम दस्तावेज स० 1576,84) मे राजाद्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूत 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है .——

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार,
- (क) ऐसी किसी भागुया धनया जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, ३०० (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए चा, जिनाने जे मुन्या के सिए;

जता जया, उनत अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के प्रतीन, रिस्तिनियिक प्रक्रियों, जमृति ह (1) श्रीमती के॰ पेगुलना देवी।

(अन्तरक)

(2) श्रीचि० चामि येवर श्रीर श्रीमती वसनता ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान धारी करके ग्याँक्त कम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के सबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ंउक्त विधिनयम, के क्ष्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवाहैं।

धनुसूची

भूमि और निर्माण—वार्ड न० 3, मुम्सापुरम रोड, त्रिमगलम दस्तावेज स० 1576/84)।

> प्रेम मालिनीवासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–I, मद्रास

तारी**ख** 11-1-1985 मोहर् प्र<mark>रूपः बाह्</mark> <u>टी. एन</u>. **एस**. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

मार्च सहकार

कार्यासया, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिंग)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, विनांक 23 जनवरी 1985 निदेश सं० 4,जून। 1984---यतः मुझे, प्रेम मालिनी शासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 'है तथा जो सौद वेलर टाऊन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० वेलूर (दस्तावेज सं० 2044,84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क)) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, उक्तत अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आहित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा औं जिए;

(1) श्री टी॰ नर्मदा अम्माल।

(अन्तर्क)

(2) श्रीवी० आर० पुषान राज।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना बोरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं भे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्थाव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण—सौद वेलूर टाऊन । दस्तावेज सें० 2044,84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । —

तारीख : 23-1-1985

🏄 मोहर

प्रकम् बाह्ं ुटी. एन्. एव्, ≘ल ध र ल

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के अभीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक भागकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० 6/जून/1984---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

शायकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० है तथा जो निरुप्तत्तूर म्युनिसिपल टाऊन मे स्थित है (भीर इनसे उपाबद्ध अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्टीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, निरुप्तत्तूर (एन०ए०) (दस्तावेज सं० 1920/84) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984 को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी बाव की बाबत, उन्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्रिंग।
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 बा 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिरिती एटारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्रीपी० एस० नरसिंहन।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० टी० सैयद जहीर अहमद साकिब। (अन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हु---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

भ्यष्टोकरण:---इसमे प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

उपस्ति की

भूमि श्रौर निर्माण-तिरुपत्तूर टाउन। (दस्तावेज स० 1920/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेंन रेज-1, मद्रास

तारीख : 23-1-1985

मोहर:

प्रक्ष बाहील द्वील प्रस्तु पुरस्त------

नायकर विनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) कें जभीन सूचना

वारत धरकार

फार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जनवरी 1985

निदेश सं० 7,जून, 1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'जेक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विषयास करने के. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृह्द 25,000 - रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टीं० एस० नं० 310 है तथा जो स्वामी कीं ग्रर नगर, तिरुप्पत्त्र टाऊन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तिरुप्पत्त्र टाऊन (दस्तावेज सं० 1921/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्योंकत सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृस्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अध्कि है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की शावत, उक्त विधिनवज्ञ के जभीन कर दोने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आहर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या सकत जिभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया धनना अस्तिए था किया में सुविश्रो के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्।——

(1)श्री पी० एस० रामान्जम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीकादर हुसैन साक्रिब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाधित सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप (---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरप्रबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (खं) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साधरी के पास सिसित में किए जा सर्कोंगे

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

नपुत्रची

भ्मि ग्रौरनिर्माण—सामकौंडर नगर, तिरुप्पत्तूर टाऊन। टी० पी० एस० नं० 310। (दस्तावेज सं० 1921/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज–I, मद्रास

तारीख: 22-1-1985

मोहर :

प्रकल बाहा. टी. एन. एस.-----

असम्बद्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) , अर्जन रेंज--1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 22 जनवरी 1985 निदेश स० 13,जून, 1984——अत मुझे, प्रोम मालिनी वासन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम अर्थने का कारण हैं कि स्थावर सपिता, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० मर्बे सं० 6911764 है तथा जो पेरमबलतेर, सुिसन्द्रम गाव में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० एइलाकुट्टी दस्तावेज सं० 1223/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से एसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्तर्ह प्रतिकृत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नां निकत उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिकित में बास्त्रिक रूप से अधिक नहीं किया गया है है----

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्ज क दावित्य में कमी अपने या असते वचने में युविधा के बिए; स्ट्रिंग
- (स) एसी किसा भाष या किसी अन या कम्य जास्त्रयों को, विन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भवकर अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधारि :----38---476GI/84 (1) श्रीमती भानुमति।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्यी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितजदूध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—सुसिन्द्रम गांव । (दस्तावेज स० 1223/84)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अजेन रेज-1, मद्रास

तारीख: 22-1-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष बाह्य टीज एन ु एस ु-----

बाबकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-म (1) वो सभीन ब्यूमा

बाइक् बुड्फा

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास,दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 16/जून, 1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वीसन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे मं० 129 है तथा जो जारकोंडालमपट्टी में स्थित है श्रीय इससे उपावद्ध अनुचर्ची में श्रीय पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में र्जिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य निम्नीकिष्ठ ब्युवेश्य से दृश्य अन्तरण निचित में वास्त्रिक क्य ने कीषत वृत्वी किया थवा है १०---

- (क) अन्तरण वे हुई हैं की नाव की वावत अन्त निय-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के तियत्व में कृती करूने वा उपके नचने में सुविधा के बिए; वीर्ट/या
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम् या धन-कर अधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ जन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः— (1) श्री सी० मालपन अभियास मादैयन।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० कुप्पुचामि।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह स्थाना चाडी कड़के पुत्रावित स्मृतित के सूर्यन के निह कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उनत् सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकालन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वाद में सुमाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना हुन
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में दित- वृद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किया जा सकारी।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, जो उपन जिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याव में दिया गवा है।

नन्त्री

भूमि और निर्माण—जारकोन्डालयम पट्टी गांव । सर्वे सं० 129। (इस्तावेज सं० 273/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ं(निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मब्रास

तारीख: 21-1-198**5**

मोहर 🖫

THE RES OF STATES

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-मु (1) की भाषीन सुमाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० 17/जून/84—अतः मुझे, प्रेम् मुश्लिना वासन, नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विखे इसमें इसके प्रवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन संसाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसको सं० है तथा जो जारिकों डालङ्ग्रही गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध, अनुसूच, में और पूर्ण म्हण से विणित है), रिजम्ट्रांवर्ता अधिकार, के कार्यालय, एस० आर० वारपन्टा (दस्तावेज सं० 777/84) में रिजस्ट्रीं स्राप्त जून, निषम, 1908 (1908 जा 16) के अधान, तार जून, 1984

क्षेत्र पूर्वीयस संपरित् को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिक्यों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कत कर. ६वस विधितियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, में, उक्त किंधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्वित्यों, अर्थात् ः— (1) श्री एस० मनियन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० अप्यूकी डर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के किंग कार्यप्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिसित में किए का सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--जरिकोन्डालम पट्टी। (दस्तावेज मं० 774/84)।

प्रेम मालिनी वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख . 21-1-1985

गोहर:

प्र**कप बार्च**्टी<u>.</u> एन**्. एस**्. -५-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक भायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985 निदेश मं० 19/जून/1984--अतः गूझे, प्रेम मालिनी

वासन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

और जिसको सं० सर्वे नं० 206 है तथा जो नेमकाट्टी गांव में स्थित है (और इसमें उपाबंध अनूसूर्या में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेसनायकन पालयन (दस्तायेज सं० 840/84) में रिजस्ट्रीकरसे अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

की पूर्वेक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पित्त का उचित बाजार बूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का वंबह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है उ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अभिनियम के अभीन कहर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्धातः—— (1) माइनर सम्म बरूका ।

(अन्तरकः)

(2) श्रो सेन्कोटान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।,

उपत तंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण—-सेक्सपट्टी गांव (दस्तावेज सं० 840/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी भहायक आयकर आयूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--I, मद्राम

तारीख : 21--1-1985

भोडर 🖫

प्रस्प नार्षं ु टी. एम ु एस्. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 20 जनवरी 1985 निदेश स० 23/जुन/1984--अत मुझे, प्रेम मालिन। वासन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका स० है तथा जा कोमारपालयम अवरकारम गाव में स्थित है (और इसमें उपाबंद्ध अनुमूच, में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्राक्ती अधिवारी के कार्यालय, एस० आर० कोमारपालयम (दिस्तावेज स० 1474/84) में रिजिस्ट्राक्षरण अधितियम, 1908 (1908 वा 16) के अधान, तार ख जुन, 1984

को प्रवेक्ति सम्परित के उचिन बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिरों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिथीं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रो पेस्माल कीडर।

(अन्तरक)

(2) श्रामता एन० धन लक्ष्मी अस्मालं।

(अन्तरिती)

को यह सुभूना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियाँ करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी अवित दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहेंस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--वामारपालयम गाव। (दस्तावेज म० 1474/84) 1525/84)।

> प्रेम मालिनः वासन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 1, मद्रास

वारीख . 20-1-1985 मोहर 2

अस्य अरह्टी..एन .एस...-----

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बंभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मब्राम, दिनांक 21 जनवरी 1985 निवेण सं० 25/जून/1984---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसको सं० सर्वे नं० 55/11 है तथा जो अक्करेपट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और पूर्ण रूप से वणित हैं(, रजिस्ट्रोंकर्ता अधिवारी के कार्यालय, मल्ल-समुद्रम (दस्तावेज सं० 664/84) मे रजिस्ट्रीकरसे अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधान, तारीख जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कुम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमालिकित काकितयों. अर्थात ध--

(1) श्रो राज कौण्डर

(अन्तरमः)

(2) श्रीमूदायी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकना।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

भूमि और निर्माण - -अक्षरेपट्टा गाव। (दस्तावेज सं० 664/84)।

प्रेम भारतनः वासन सक्षम प्राधिकारः सहायक आगन्दर आयुक्तः (किर क्षण अर्थना रेजन् 1, महास

तार (ख : 21-1-,1985

मांहर :

प्ररूप आर्थः दी , पुन . एस , , ------

बायकर बिधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

धारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन, रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 जनवरी 1985 निदेश सं० 29/जून/1984--अतः मृक्षे, प्रेम भालिनी न

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 100 है तथा जो तप्प हुट्टे गांव में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय, एस० आर० मगूडन-वठो (दस्तावेज सं० 662/94) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (कं) एसी किसी बाय या किसी धन सा बन्य जास्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । (1) श्री करुप यूप्पना

(अन्तरक)

(१) श्रीमती वसन्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्जा और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वनुसूची

भुमि और निर्माण--स॰पकुटे गांव। सर्गे सं० 100 । (दस्तावेज सं० 662/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 22-1-1985

मोहर 🖫

प्रहप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अजेंन रेंज- 6, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जनवरी 1985

निदेश सं० 3-6/जून, 1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्हा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका, उचित बाजार मृल्य 25,003/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिम्नकी सं० सर्वे सं० 494₁2 है तथा जो नमक्कल टाउन में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० नामक्कल दस्तावेज सं० 862₁8) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रति-क्या निम्नितिवाद उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद् में बास्त-विक कप से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-विश्व में अधीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में क्वी करने वा उक्के व्यूने में दृष्ट्या के किए; बार/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री के० जयरामचन्द्रने ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नामिकरी नारायणन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा है
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौय निर्माण—नामक्कल टाउन। आर॰ एस॰ सं॰ 494/2। (दस्तावेज सं॰ 862/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

बतः बद, उबैत अधिनियम की भास 269-न क वम्बरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नित्वित व्यक्तियों, अर्थात् ध्—

दिनांक 22-1-1985 मोहर : प्ररूप कार्ड. टी, एन. एस.-----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-6, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जवनरी 1985

निदेश सं० 38/जून/1984—अत. मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० सर्वे स० 93/2 है तथा जो देवमान्मुकुरीज़ी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० नामनकल आर०-1 (बस्तावेज सं० 930/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत स अधिक हं और अन्तरक (अतरको) और अनिरित्ती (अन्तरित्तियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल जिम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित के पास्त्रीं कर स्था है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य अस्तिशं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ही स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन, निम्निजिसित स्यक्तियों, अर्थातः (1) श्रीमती ए० सरोजा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० मुत्तू और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भ्मि ग्रौर निर्माण—देवमान्मेकुरीची गांव। सर्वे सं० 23/2। (दस्तावेज स० 930/84)।

> त्रेम गालिनी वासन सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-6, मद्रास

सारीख : 21-1-1985

मोहर 😯

प्रकल् बाइ". टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, मद्रास मद्रास, विनांक 21 जनवरी 1985

निदेश स॰ 39/जून/1984—अत मुझे, प्रेम मालिनी बासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधि। मक्षम प्रधिकारों को यह चिवेदास करने का सारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक हैं

भीय जिसकी म० सर्वे र्म० 119/1 है तथा जो अकरम गांव में स्थित है (श्रीय इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विजय है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरूचेन्कोट (दस्तावेज सं० 1634/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उख्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने में स्विधा के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियो, अधीत — (1) श्री कालियन्न कौडर ग्रौर अन्य। (अतरक)

(2) श्री जयरामन ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किस् पा सकेंगे।

भ्यक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

भूमि श्रौर निर्माण—अकरम गांव। सर्वे मं० 119/1। (दस्तावेज में० 1634/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 21-1-1985

मोहर

प्रकृष वाई ुटी. एन. एस. ----

बायुकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुवना

शारत बडकार

कार्यातम, सहायक कामकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेज-6, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश सं० ४१/जून, १९८४——अतः मुझ*े,* प्रेम मालिनी एसन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं कि सर्वे सं २ 246, 3, 243, 1 है तथा जो तिरुचेन्कोटु गांव में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तिरु-चेन्कोटु (वस्तावेज सं० 1682/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एचे ब्लाउन के बिए तय बाजा नवा प्रतिफल किम्म्निविक उद्योक के उन्तर अन्तरण किम्म्निविक उद्योक के अन्तरण किम्म्निविक उद्योक के उन्तर अन्तरण किम्म्निविक अप के अन्तरण किम्म्निविक अप किम्म्निविक अप के अन्तरण किम्म्निविक अप के अन्तरण किम्म्निविक अप के अन्तरण किम्म्निविक अप किम्म्निविक अप किम्म्निविक अप के अन्तरण किम्म्निविक अप के अन्तरण किम्म्निविक अप किम्मिविक अप किम्म्निविक अप किम्म्निविक अप किम्म्निविक अप किम्मिविक अप किम्म्निवि

- (क) नन्द्रम् वे हुदे किन्नी नात की वान्द्रः, उन्दु निपीत्वम् के न्यीत कर देने के बन्दरक के दासित्व् में कभी करते या उन्नदे वयने में मृत्या के निए; श्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को अन्ह भारतीय बायकर बिधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्धिनियम, या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा स्वै लिए।

कतः जब उक्त विधिनियम काँ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीलियत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कालियान्की कौंडर श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री अम्बिकाबदि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यत्राहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुजना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 ज़िन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्यक्ष्मीकरण: — इस्मॉ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस स्ध्याय में विया यया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-तिरुचेन्काटु गांव । सर्वे सं० 246,3 श्रौर 243¹1। (दस्तावेज सं० 1682,84) ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

तारीख: 21-1-1985

मोहर ः

ह्रक्ष बार्डं. टी. एन. एड्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन स्वार

भारत बहुकांडु

कार्याभव, सहायक जावकर वायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रैंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश र्स० 44/जून/1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० सर्वे सं० 138/1 है तथा जो आदनूर गांव में स्थित है (श्रीर इसमे उपाब ब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० रसीपुरम (दस्तावेज सं० 1224/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी., तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का टिचल बाजार मूल्य, उसके रहवमान प्रतिफल सें, ऐसे रहवमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्नि चित उद्वेषय से उक्त अन्तरण के लिए ज्या पाया गया प्रतिफल निम्नि चित उद्वेषय से उक्त अन्तरण के लिए

- (क) अन्तरक्षे हुई कियी साथकी शायक, सक्त भविषयम के धंधीत कर देते के अन्तरक क वायित्य भ कसी करते या उसले व्याने में सुविधा के सिए; सरि/दा
- श्वें) एसी किसी भाग या किसी भन पा त्रिक्ष बास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उनत अधिनियम, ४८ भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, जबत जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० पलनिचामिय।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी०, आर० मणि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख 45 दिन की सर्विष्य तत्सम्बन्धी स्थित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विष, जो भी सर्विष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्थित्यों में से किसी स्थितत व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है

 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निक्षित में किए जा सकागे।

स्याक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

पर्युची

भूमि श्रीय निर्माण—आदनूर गांव। रासिपुरम तालुक। (दस्तावेज सं० 1224/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-१. मद्रास

तारीख**ुः 21-1-1**985 **मोहर** अ प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

(1) अ: ए० बेर गोविन्दस्वामी ।

(अन्तरकः)

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रोमती राधाबाई।

(म्रन्तरिती)

भारत सरकार

भाषां नय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-6, मद्रास

मद्रान, दिनांक 21 जनवरी 1985

निदेश मं० 48/जून/1984--अतः मुझे, प्रेम भालिनी जवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मं० डोर मं० 79, 80 गार्धा रोड है तथा जो आनुर में स्थित हैं (और उपने उपाबद्ध अनूसूर्व) में और पूर्ण स्प से वर्णित हैं), रिजस्ट्र कर्ना अधिकार के बार्यालय, एम० आर० आनुर (सेलम) धम्तावेज मं० म रिजम्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, तरिख जून, 1984

द्रि पूर्वाका सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिकल के लिए अतिरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या औधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, जर्थात् ६—— को ग्रह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोग।

स्पच्छिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थन्त्रची

भुमि और निर्माण---आत्तुर गांव। (दस्तावेज सं० 1192/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, महाम

तारीख: 21-1-1985

मोहर :

प्रकप बार्ड ही, एवं, एतं,,-----

शासकर शिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत स्मानः

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1985 निदेश सं० 51/जून/1984---अत मुझे, प्रेम मालिनी, बासन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास अन्ते का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाब की बावल, उस्स अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक कें दायिस्थ में कमी करने या उसके वसन में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अलकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः, जब, उक्त वर्षिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्त्य मं, मै, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1,) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, वंधित् :--- (1) श्रानियण कौडर और अन्य।

(अन्तरकः)

(2) मैं कोडान और रामन।

(मन्तरितो)

को यह सूचना धारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- ैं (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्बन्दित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकीये।

स्वस्त्रोकरण:—हसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भूमि और निर्माण→-अनैपालयम गाव। (दस्तावेज सं० 1372/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

दिनीकं: 21-1-1985

मोहर 🥲

प्रस्य काई. सी. एवं एस. -----

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाषु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बेगलुर

बेगल्र, दिनाक । फरवर, 1985

निदेश स॰ 62/868/84-85/868---अत मूझे,

आर० भारद्वाज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसका स० 10 है तथा जो शिमोगो सिट। 4 डिविजन मिवान वम्पाइण्ड, दुर्गागगृडि एक्टेशन में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूच। म और पूर्ण क्ष्म से प्रणित है), रिजस्ट्रा- भर्ती अधिकारा के कार्यालय, शिमागा में रिजस्ट्राक्टरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, नारोख 21 जून, 1984

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांध्य सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरिश्वमों) के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या ब्रन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, मा चप-कर अधिनियम, मा चप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 7) व प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिनत व्यक्तियों, कर्यात --- (1) श्रीमतः देवादना कुमारी अलियास एस० देवादानाम्मा वम सेम्अल, इ।० मत्यानन्द के पुत्रः, हाऊम होल्ड कैंग, शिमोगा ।

(अन्तरका)

(2) श्री नटराज एम० कामेट्टी, गोधी नगर, शिमोगा, मैंभर्म सा०वी० पूर्णिमा कम नटराजु एम० कामेट्टी, गाधी नगर, शिमोगा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन के लिए कार्यमिहियां करता हूं।

उन्त सम्मन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धं 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जनभि, थो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास राखिय मा किए जा सकींग।

स्थय्दीकरण ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन की

(धम्तावेज स० 766/84, ता० 21-6-84)। खालो जगह ्जिसकी स० 10 है म्यूनिसपल खाता सं० 1842/1842/1637; जो 4 डिवाजन, मिणन कम्पाउण्ड, दुरगिग्डि एक्सटेशन, णिमांगा िट म स्थित है।

> आर० भारद्वाज स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, बेगल्र

नार्रिष 1-1-1985 **मोहर** .

अक्ष कार्ड. टी. एव. एस. ------

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक । फरवरी 1985

निर्देश म० सा० आर० 62/869/84-85——अतः मुझे, आर० भारहाज'

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एसके पश्चात 'एकत अभिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- फ. से अधिक है और जिसकी सं० × है तथा जो बदुलेम; पणजी गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है), राजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के रायित्य, गोवा में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूंला से कम के दृश्यान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रिपशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (१९९) शन्तरण सं हुई किसी शाम की बाजर, समर जीवनियम के अधीन कर दशक अन्तरक जे सायस्य में अभी करन शाउससे अजन त स्टिया जी सिए; जीर/बा
- (स) ऐसी किसी वाय या सिसी ध्रम या जन्म जास्तिकों गर्ने किन्हों भारतीय जाय-ताज अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, वा श्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं वस्तिवार्थ जन्मितियम, गर्भा प्राप्तिय जन्म प्राप्तिय वास्ति भार विकास यो श्रीकरा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कातीत, निम्मीलिखिस व्यक्तियों, अधीर :---

- (1) 1. कुमार: इफोमिया करोलिन्ना रोसा एलियोस पणजा रिबैको डी० सन्ताना फोन्टेनहास ।
 - श्रा आलफडो कास्टानी
 पितागोरम रिबैको, डी० डिसीजा
 सन्ताना और परना मै० मिरिया अरहिमफिरिया
 ई० रिबैरा, बम्बई देर अटानी
 खु रिबैरो दा० सोताना,
 सैन्शन बिल्डिंग, पणजा ।
 - श्री मरिया मेसर कर्ताबते रिवै,
 रो उर्ा संताना, फोटेनहास,पणजं, ।
 - 5. श्री रू आलवारो फ्रांसिन्सको रिवैरो डी० सामता और मिनर्स जैनिश्वना डैना श्रीटरिज डा कोस्टो अर्जारेड्ड, और रिवैरो डं संताना, पनर्जा, गोवा।

(अन्तरकः)

(2) मिसर्स लिया एमेलिना कारेवाल्हा बाज--कोरेबांड रोड, मरगोवा, सलसेट्टे, गोवा-403601।

(श्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके प्याजित संपरित के अर्थन के मिए कार्यवाहियां कारता हों।

तकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई जी बाधांच:--

- (क) इस स्का को राजपण मो प्रकाशन की तारीब से
 45 विस् की अवधि या तत्सन्वन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्वा की तामील से 30 विन की व्यक्ति, बो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रांकिट
 व्यक्तियों में से किसी स्मिन्त द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा मभोहस्ताकरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्राची:

(थस्तावेज मं० 407/195, ता० 1~6-1984)। मप्पत्ति है। जेपका नाम 'अराष्टि' है तथा जो बदुलेम, पणजी, इलहास, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक: 1-2-1985

. मोहर

प्रकृत जार्द है दी. एन्. एवं. ल ++ +

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, बेगलुर

बेंगलर, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० स० सी० आर० 62/44260/84-85---अतः मुझे, आर० भारदाज,

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० 6 है तथा जो 2 कास विक्टोरिया ले आउट, विक्टोरिया रोष्ड, बेगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजर्स्ट, क्रां अधिकारी के कार्यालय, णिवार्जा नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 जून, 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिंखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कल्फरण वे हुई किथी बाव कहें बावत धवत अधि-नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कजी करते या उसके बचने में सुविधा के लिए; ब्रोड/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर जिम्हीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया शांता वाहिए था, जियाने में सुविधा के बिए;

बतः वय उक्त विधिनियम की धारा 269-व की अनुसरम भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के व्यीत निम्निशिक्ति व्यक्तियों, वृशीत् :— 40-476GI/84 (1) श्रोपा० त्यागराज, 43,मन्लिकार्जुनापा लेन, के० आर० सेट्टीपेट, बेगलुर-2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बन्साला एन० शा, नेयर आफ . नेसर्सग्णवती वी० शा, 16, 6 मेन रोड, बेगलुर-9।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

समत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजनः की तासील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राॅक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपरित में हित-यव्य किसी जस्य व्यक्ति दवारा, जभाहस्ताक्षरी के पास निजित में किए वा सकते।

स्पष्ट करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-वा में यथा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

ननुसूची

(दस्तावेज सं ० 1020/84, ता० 13-6-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० 6 है जो 2 कास विषटोरिया ले आउट, विषटोरिया रोड, बेंगलूर-- में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

वारीख: 15-1-1985

माहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश' सं० 62/44175 84-85--अतः मुझे, आर० भारदाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख जे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिशकी स० 2919 2919/1 है तथा जो हलायाकेरी लश्कर मोहल्ला मैसूर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिन्द्रा विश्वकार के कार्यालय. मैसूर में रिजिन्द्री वर्ण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी एक जन, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत जिलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रार्डा० विजय कुमार, ज नं० 2918, इविन रोड, लक्ष्कर मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी और पूनम , नं० 2819, हल्लादकेरी, लक्कर मोहल्ला, मैसूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्ची

(दस्तावेज सं० 1024/84, ता० जून, 1984) ।

सम्पत्ति है जिसकी सं० 2919 2919, है, जो हल्लावाकेरि, लश्कर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारक्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तार ख : 15~1~1985

मोहर:

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर जाय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, बेगलूर

वेगलुर, दिनांक 14 जनवर्र। 1985

निदेश सं० सं० आर०न० 62/43552/84-85---अतः मुझे,० आर० भारढाज,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

गैर जिलकी सं० टी० ए-१० 308/2 संगी है तथा जो कोडिबल बैंग विलेके मगलूर में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हुए से विणित है), रिजस्ट्र द ती अधिनार्र, के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्र दारसे अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अर्थुन, नारिख 19 जून, 1984

ां पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के उत्प्रमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने ज कारण है कि स्थापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य अके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती गन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तिक क्ष के किए ने किशत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष; बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अन्तः उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनसरेण , में उक्त अधिनियम की धारा 769-च की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित स्यक्तित्यों, अर्थात् :— (1) श्रश्की० शकरा अल्वा, कोडियलबैल, मगलूर।

(अभ्तरक)

(2) श्र्यः जान पिटो,
2. लीली पिटो, बाई पी० ए० होल्डर,
श्र्यः उडफर रोजारियो,
मन्नागृडा, मगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उद्भा सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी प्रवित्तरों पर (सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यस्टिनेकरण: ---प्राप्ते प्रयुक्त सन्दों और एवा का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गमा हो।

वन्स्ची

(धस्तावेज सं० 396/84, ता० 19-6-84)।

सम्पत्ति जिसकी सं० टी ० एस० 308/2 सी/1 है तथा जो

कोडियलबैल विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलर '

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🏻

प्ररूप मार्ड .टी. एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश मं० सी० आर० सं० 62/43621/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41 है तथा जो 11 मेन, मसलेश्यारम बेंगलूर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण हम से विणित है), रिजिस्ट्रों सर्ता अधिकारी के सार्यालय, राजार्जा नगर में रिजिंग प्वारण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन तारी ख 23 जून, 1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अध्वित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिका, निन्नी रिक्षित उर्ज्य में उक्त अन्तरण निजित में वास्तर विकास सम्बद्ध में अपन रही किया गया है।

- (क) प्रश्तिषय से हुद किसी यात्र की बावत वस्त प्रधि-विकास के बड़ीन कर यन के प्रश्तिष्य के वास्तिय में करी क्या या वससे नक्स में सुविद्या के विद्या वीद/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सिव्धा के सिक्ध;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा .269-क की उपलारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तिवारी, अधीक्यीक्याः— (1) श्री एन० गे(पानाथन, नं० 41, 16-17 क्रास मिडिल, 11 मेन मुलेश्वरम, बेंगलूर-55 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एस० कृष्णस्या मेट्टी और कुछ लोग, मै० इण्डियन फर्नीचर्स वर्क्स, नं० 1175, 12 5, कास, श्रीरामपुरा, बेंगलूर-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिं कार्यवाहियों करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वृर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 4 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अवि वाद में समाप्त कोती हो, से भीतर प्वींच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हार;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पास लिकित में किये जा सकोंगे।

स्थाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषि हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया है।

वन्तुवी

(बस्तावेज सं० 1277/84, ता० 23-6-84)।

सम्पत्ति जिसकी सं० 41 है तथा जो 11 मेन, मलेख्वरम बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारहारे निक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्

तारीख: 10-1-1985

मक्र 🖫

प्ररूप आई._टी एन.एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

धाउस स्रकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1985

सी० आर० नं० 62/43538/84-85--अतः **मृझे, आर०** भारदाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसत बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ईं 301 है तथा जो III पलोर, बोलूर विलेज में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राह्मरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल के लिए र्राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया हो मुझे यह विश्वास .

करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:—

- (क) मृत्यरण से हुइ शिक्षती जान की नावत, बनत अधिनियम के जुधीन कर दोने के जन्तपुक औं वायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के किए; जीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री फेब्रिक पिटो, चिलिम्बी ऊरवा, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पासकल एच० डिकुन्हा, रूप महल बिल्डिंग, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिते हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 302/84, ता० जून, 1984) सम्पत्ति जिसकी सं० 301 है तथा जो Π फ्लोर, बोलूर विलेज, मंगलूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बंगलर**

तारीख: 15-1-1985

माहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायस अभिकर आयुक्त (गिरीक्षप) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जन्वरी 1985

सी॰ आर॰ सं॰ 62/43524/84-85-अतः मुझे, आर॰ भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), केी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्माति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ८ र राधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 888 है तथा जो एच० ए० एल० V स्टेज इन्दिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य झास्तिय? की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिषाने में सुविधा को लिए;

बत कब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व के बन्सरण ब, ब, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, जबाँद --- (1) श्रीएच० सी० जयरामा रेड्डी, सं० 284, II क्रांस, सोमेश्वरापुरम, अलसूर, बेंगलूर-8।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री उदय राम वल्ल्भ दास अश्विनी,
2. श्रीमती पन्ना उदयराम अश्विनी,
नं० 68, II स्टेज,
एच० ए० एल० इन्दिरा नगर,
बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 923/84, ता० 27-6-84) सम्पत्ति जिसकी सं० 888 है जो एच० ए० एल० II स्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-1-1985

मोहर 😢

प्रकृप बाइंटी. एन. एस्. -----

भागकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के संसीत स्पन

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश मं० सी० आर० सं० 62/43337/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज

शायकर अभिनियम, 1961 (ग्री 961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदस्थत (उनत निधिनियम कहा एया है), की धारा 269 स के अभीन नक्ष्म गाधिकारी की, यह विष्यूभ करने का शारण है कि प्यावर पंपत्ति जिल्का एकित वालार मुख्य 25,000 - लाम संविधिक है

श्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 7/3 ग्रौर 7/4 है तथा जो हो सकेरि विलेज, कूरग में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडिकरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणित वाजार मृस्य सं कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल की, एंगे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्लिनिति उद्धान्य से उक्त अन्तरण हिन्तित में वास्ति के स्व से सं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त विध-नियस के बंधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए, बौद्द/या
- (क) ऐसी किसी आय का जिस्सी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट मही किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की अनुसरण वें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिकित स्थिक्तयों, अर्थात् क्ष—ः (1) श्री बी० वी० देखेंट्या,
श्री बी० डी० देवकी,
श्री बी० डी० मनोहर,
श्री बी० डी० सेनुगोगाल,
श्री बी० बी० सीनाम्मा,
श्री के० आर० कुंजामा,
श्री की० के० बोपन्ना,
श्री बी० के० बोपन्ना,
श्री बी० सी० किमैंट्या,
श्री बी० सी० केन्याप्पा,
होसकेरि विलेज,
मडकेरि नालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० वी० तामम श्रीर श्री सी० कुन्हि, काफी प्लांटरं: मै० पार्कलण्ड मोहम्मद इस्टेट, चेट्टालि पोस्ट, कोडगु।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को बह स्वना बारी करके पृथाकत सम्पत्ति के उन्हें हैं जिल कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में अनेधे भी आक्षेप-

- (क) इस मुखना के राजण में प्रकाश की शारीस से 45 दिन का अर्जी कर राजण में प्रकाश की शारीस से 45 दिन का अर्जी कर राजण की अर्जीस की तामील से 30 दिन की अर्जीस, जा भी अर्जीस बाद में समाप्त होती हो, है भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा,
- (ज) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यन्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में विया सवा है।

जन्स्यी

(दस्तावेज सं० 349/84, ना० 1-6-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० मर्वे नं० 7/3 है 7/4, ग्रीर जो होसाकेरि विलेज, कूर्ग में स्थिन है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

तारीख : 15—1—1985 मोहर :

त्रस्य बाइ े दी. एन. एस् ,------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 जनवरी 1985

निवेश सं० सी० आर० 62/43556/84-85—अतः मुर्बे, आर० भारद्वाज

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका अवित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से लिभक हैं

मौर जिसकी सं टी० एस० 371 है तथा जो किंदि विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है (श्रीर इसमे उपावस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जून, 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उणित बाजार मूख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक है से किया गया है:---

- (क) बनारण ते शुद्दं किसी बाव की वानष्, उपत वृधिवियमं में वधीन कर दोने के अनारक में स्वित्य में कमी करते वा सससे दलने में सुविधा से लिए; बीट्र/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) मैं ० आदर्ण इन्टरप्राइसेस । गणेस कुपा, अपोजिट ज्योति टार्झाज, मंगलूर ।

ऋअन्तरक)

(2) श्रीपी० आर्ट रमेश राव, अपार्टमेन्ट्य नं० 302, 3 फ्लोर डैना ब्लाक, बेन्दौर रोड, मंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हु।

उपस संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सर में व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सपित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पासं सिकित में किए का एक थी।

स्थाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वार संस्थित

(दस्तावेज सं० 438/84, ता० 27-6-84)

सम्पत्ति है जिसकी स० आर० एस० न० 180, टी० एस० न० 371, है जोकि कादविलेज, मगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधील, निकासिकिक व्यक्तियों, अर्थात् ६——

तारी**ख** : 14-1-1985

मोहर 🔅

प्रस्य जाइं.टी.एन.एड. ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश स० सी० आर० न० 62/43549/84-85---अत:

मुझे, आर० भारद्वाज

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पहवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स०टी० एस० न० 28/2आर. एस० न० 1654/2 टी० एस० न० 30 ग्रीर आर०एस० नं० 1666 है तथा जो कस्या बागार विलेज चेम्बर रोड, मंगलूर टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री—कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधि—नियम, 1908. (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जून, 1984

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का जान्य है कि यथापूर्वों रेता संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उभक्षे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नितिसत उद्योध्य से सकत अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कलरण शंह्यं फिसी आय की शामत, उक्त विभिन्न के अभीन कर दोने के बन्तरक वे दासिस्य में कसी करने मा उन्न वर्ष में सुविधा के सिक्; वर्ष/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या जक्त अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्देश बुवारा प्रकट नहीं किया निया था था किया जाना बाहिए था, जियाने में सविधा के बिक्ट विद्या के स्विधा के स्वधा के स

जतः जब, उक्त जभिनियम, की भारा 269-ग के अनुकरण
के, मैं, ब्लास अधिनेत्यम की भारा 269-ण की उपभारा (1)
के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
41—476 GI/84

- (1) 1. पण्डित देवीदास राव,
 - 2. अमिल डी० पण्डित,
 - नारामण बी० पण्डित ।
 के० एस० राव रोड,
 मंगलूर ।

(अन्तरक)

(1) दि जामिया इस्लामिया, भटकाल, जी० पी० ए० : श्री कडलि अब्दुल खादर, भटकाल, उत्तर केनारा।

(अन्तरिती)

का यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के सिप् कार्यवाहियां करता हूं।

क्षप्र सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाध्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: ----इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, थी सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 284/84, ता० 15-6-84) सम्पत्ति है जिसको सं० टो० एल० 28/2 आर० एस० नं० 1664/2 स्रोर टी० एस० नं० 30, आर० एस० नं० 1666, जो कस्था बाजार विलेज, मंगलर मेंस्थित है।

> आर० भारबाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 14-1-1985

मोहर ध

प्रकृप आर्थ , टी , एनं , एव , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर०नं० 62/43545/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायक र बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के ब्रुधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० 35-3-बी (नौ 35-3-बी/1) है तथा जो बंगलूर विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिट्येमी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान श्रितफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का पल्क्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण् से हुई किसी काय की वावलः, उच्छ स्विभियम से स्थीन कर वेने के नन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उत्तर्ध वचने में स्विभा के लिए; सरि/वा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों फी, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिषी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में रिवधा के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यस्मियों सर्भात ;---- '1) कुमारी लिली मारसेलिना ट्रेसिला, गोवित्रस, कास विला, अगोक नगर, बोलूर विलेज, मंगलूर।

(अन्तरका)

(2) 1. श्री रोनाल्ड एफ० पिटो,
2. श्री नोरिन एफ० पिटो,
बोय रिसैंडिंगं:
नियर सेन्ट मोरिम हाई स्कूल,
फलनीर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाष्ट्रिया शुरु करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त स्थित्यों में से किसी स्थित दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिससद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्या का जो उपत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

बन्स्की

(दस्तावेज सं० 356/84, ता० 13-6-84)। मम्पत्ति जिसकी सं० आर० ए स० 35-3 बी, है जो. बोलूर ''वी'' विलेज, मंगलूर सिटी, में ल्यित।

> आर० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख : 15-1-1985

मोहर :

प्रकृत बाह्य . हो : युग :: युग :------

नायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सहसार

कार्यालय, महायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनोक 15 जनवरी 1985 निदेश सं० सी० आर० नं० 62/44171/84-85--अतः

मुझे, आर० भारताज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 2,819, 2819/1 है तथा जो हल्लाद किरी, लक्कर, मोहल्ला, मैसूर में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर दूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्यों कर सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई हैं और मृझे यह विषवास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ममा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्नविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क औ दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के बिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अस्य जास्सियों का, जिन्हों भारतीय अगस्त अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा औ लिए;

क्त: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 व के बजुतरू कों, मीं, उसत अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) को कथीन। निम्नलिकित स्थितकों, वर्षात् ड— (1) श्री डी० रमेश कुमार, नं० 2918, हिन रोड, लक्कर मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती राज कुमारी, 2. श्रीमती पूनम, नं० 2819, हल्लादकेरि, लक्ष्कर मोहल्ला, मैसूर।

(अम्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृवांक्त संपरित के अर्जन के निर् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्षत्रिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्याप्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टि मों कियु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इर्ड, बहुी व्यं होगा, जो उस् मध्याय में दिया गढ़ा। इर्ड!

मन्स्य

(दस्तावेज सं० 1023/84, ता० जून, 1984)। सम्पत्ति है जिसकी सं० 2819, 2819/1, है तथा जो हल्लादानेरि, लक्ष्कर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्तमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15-1-1985

मोहर 😃

प्रकृप बाह् . टी., एन., एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० सी० आर० नं० 62/44290/84-85 - अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00000/- रा. से अधिक है

जिन का पं० 2 (6) है जा जो III फास, पिल्लाम्मा क्लाक, बंगलूर में स्थित (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, श्री रामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जून, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ब्रह्ममान प्रति कल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्वह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबतो, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निधित व्यक्तिसों अधीत्:— (1) बार सक्कुवाई सं० 6/2, 3 कास, पिल्लम्मा ब्लाक, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेम्बरी, नम्बर 25/24, 3 कास, पिलाम्मा ब्लाक, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्पितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में शकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो वा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पधों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थः होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अमृस्की

(दस्तावेज सं० 1007/84, ता० 10-1-85)। सम्पत्ति जिसको सं० न्यू न० 2 (पुराना न० 6 तथा जो 3 कांस, पिल्लाम्मा ब्लाक, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

सारीख 10-1-1985

मोहर:

प्रका बाई ही पूर्व द्वा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (!) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

निदेश सं० स० आर० नं० 62/44265/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इस के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं है तथा जो केम्पापुला अग्रहार (अमर ज्योति हाउस बिल्डिंग को आपरेटिव हाउसिंग सो नाइटी लिमिटेड), बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारा के कार्यालय श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रकर्ण अधिनियम, 1908 (1908

16) के अधान, ताराख 22 जून, 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित पाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितं की गई है और मुभे यह विश्वास क्रिने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्व/या
- (व) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधील् :--- (1) श्वी पी० आर० अनन्ता पद्मानाभभया, नं० 2211/ए, सप्पागिरी 3 कास, एक्सटेंशन, चन्नापटण, बेंगलूर इिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्रमती मालिनी जे० शेट्टि,
नं० 724, 10 क्रास,
एम० सो० रोड,
विजया नगर,
बेंगलूर-40।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारो करकं प्वाक्त सम्पत्ति के अजंग के लिए कार्यगिष्ठयों करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन की अविध या तत्संबैधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) का सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीब वें
 45 दिन के भीतर उक्त संशावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1064/84, ता० 22-6-84)।

सम्पत्ति जो केम्पापुरा अग्रहारा, (अमर ज्योति हाउस बिल्डिंग को आपरेटिंव हाउसिंग सोसाइटे लिमिटड), बेंगलूर में स्थित है।

> जज आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🕐

अक्न बाइ¦्र टॉ. इन. एव. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सङ्घायक आवकर जाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 11 जनवर 1984

निवेश सं० सि० आर० 62/43630/84-85--अत मुझे, आर०भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- एड. से अधिक हैं

स्रोर जिसको मं० 21 (2) है तथा जो ज्वाहकार्म रोड, बेंगल में स्थित है (स्रोर इससे उपाबज अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रारामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अभारण से हुए कि सी आय की बाबत, सक्त अभिषयम की स्थीद कर दोने के अंतरक के शायित में कभी कहने वा सकते क्यने में सृविधा के किए; कीहर/बा
- (क) एसी किसी बाद या किसी भन या अस्य बास्तियां को, विन्हें भारतीय आवकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया बाना वाहित्था, छिवाने में संविधा के किए;

भवः भवः, उदस मिनियमः भी भारा 269-ग के मन्सरण मी भी, उसन मिनियम की पारा 269-थ की उपणारा (1) मी अभीना हिन्द्रजिनियम स्मीपार्थ हिन्द्र

- (1) 1. श्री एन० सम्पत कुमार,
 - 2. श्री स० नारायणायार,
 - 3. श्री एन० घसवराज
 - 4. श्रीपी० धसवायार,
 - श्रीएन० मिललाकारजुना,
 - 6. श्रीमती पुट्टाम्मा,
 - श्रीमती न्यायाम्मा नं० 1, जवाहर लाल स्ट्रीट, शोशादिपुरा, बेंगलूर श्रोर
 - मै० सा० एन० आर श्रीरकं०, लक्ष्मन बिल्डिंगस, लिकपेट कास, बेंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कमल चोपड़ा नं० 9, 1 मैन V ब्लाक, कुमारा पार्क वेस्ट, वेंगलूर। श्रीमति रेखा रानी चौपडा 66, अन्चेपेट, बेगलूर।
 - श्रीमती लता रानी चोपड़ा,
 37, माधवा नगर, बेंगलूर।

(अन्तरितं)

(3) अन्सरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को सह स्थना बारी कर्के पृथींक्त सम्पत्ति के कर्बन के सिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 😁

- (क) इब सूचमा के चजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर बृचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति सुवारा;

स्वाधिकता :--इतने प्रमुक्त वन्ते और पर्यो का, की जनक अधिक्षिक्ष के अध्याय 20-क् में प्रिशिद्द है, वहीं कुथ होगा जो उस अध्याय में दिया च्या है?

अनुसूची

(वस्तावेण सं० 1173/84, ता० 28-6-84)। खाली जगह है जिसकी सं० 21, (पुराना नं० 2) जो प्लेटफार्म रोड, बॅगलूर में स्थित है। (822.70 स्के॰ यार्डस)।

> आर० भा**रद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण) **वर्षन रेंप-I, बें**गलूर

तारीख: 11-1-1985

मोद्वर 🗷

प्ररूप नार्द्, दी.पून.पुस., -------

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा '69-अ (1) के मधीन पृथना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/43629/84-85---अत: मुझे, आर० भारद्वाज आयकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000 ∕-रुज्ञ से अ**धिक ह**ैं

म्रोर जिसक सं० 22 (3) है तथा जो प्लेटफार्म रोड, बोंगलूर में स्थित है (भ्रोंप इसमें उपाबद्ध अनुसूर्या म भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में रिजिस्ट्रिव ण अधिकियम, 19(8 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 28 जून, 1984

की पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रीरामपूरम में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया श्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ड—

- (क) अन्तरणं ते हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अभीत कर दोने के बंधरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में तुर्तिभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, त्रिन्हें भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थितने में निवास औं सिह;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

- (1) 1. श्री एन० बसवराज, 'झाग्या निलया , देवनासाचार स्ट्रीट, यामराजपेट, बेंगलूर; 18 ।
 - श्रो टी० मूडलैंग्या, नं० 36, डी० एस० लेन, चिकपेट, बेंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) श्री महेन्द्रा कुमार चोपड़ा, नं० 67, अन्चेंपेट, बेगलूर-2 ।
 - श्रीमती कुसुम रानी चोपड़ा,
 नं. 39, माधवा नगर,
 बॅगलूर-1 ।
 - (3) (श्री एन० बसवराज)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंभत् सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीअरुण: --इसमें अमृत्य कर्यों और पर्यों का, जो उनस् अधिनयम, जे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है। गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1172/84, ता० 28-6-84)। खाली जगह जिसका नं० 22 (पुराना नं० 3) है तथा जो प्लेप्टफार्म रोड, बेंगलूर में स्थित है (612, 22 स्कै० बार्डम)।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नेंगलूर

तारीख : 11-1-1985

मोहर :

प्रकम काई.टी.एन.एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सूचना

भारत संरकार

कार्यां नय, सहायक शायकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर
अंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० सी० आर० नं० 62/43331/84-85---अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रौर जिसके सं० 26 है तथा जो अनन्ता राम लेआउट लिंगराजापुरम, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),रिजिस्ट्राकरण अधितियम, 1908

(1908 का 16) के अधान, तारीख 8 जून, 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय केंगलूर दक्षिण में भारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास 'रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूझे यह विश्वास

करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके 'स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत संपिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देशध्य से उक्त अंतरण विखित में सस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आयं की वावत, उक्तं अभिनिय्मं के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कजी करने या उससे स्वमे में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिका के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुप्ररण म, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसित व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) मिसेज शारदा मुख्यें या, नं 26, अनन्त राम लेआउट, लिगराजापुरम, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) दि दिव्या शांति किस्चियन एसोजिएशन, सेन्ट जान चर्च, नेन्ट जॉस चर्च रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यशिक्षा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिसित में किये जा सकींगे।

स्यध्दोकरण:--द्रसमें प्रयूक्त सृब्दी और पर्वो का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 766/84, ता० 8-6-84)। सम्पत्ति जिसकां सं० 26 है तथा जो अनन्तराम ले आउट, लिगराजापुरम, बेंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 10-1-1985 मोहर:

प्रकार वार्ड , ठी. एवं., युद्ध

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन स्वनः

नारत त्रकाष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज वेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० सं/० आर० नं० 62/43773/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित अजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 139 /1 (भाग) है तथा जो दोमलूर (भगत सिंह नगर) जेगेलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुपूर्वों में ग्री पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्र कर्ता अधि कारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजिस्ट्र करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 16 अगस्त 1984 व

कर प्रांक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य र कम के क्ष्यमाश्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यूथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक फल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबक्ष उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए वरि/बा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

(1) श्रीमती इंबिराएस० आर० रेड्डी मं० 165 वोमलूर, बेंगलूर-71।

(अन्सरक)

(2) सिद्धार्थं, नं० 7631 कास इन्दिरा नगर1 स्टैज, बेंगलूर-38।

(अन्तरितः)

को यह तुषना चारी करके पृथानित सञ्चारत के वर्षन के हिस्स कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त बम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप:--

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियां पर स्वना की धामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वाश;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाइ सिसिक में किए का सकेंगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

नगुस्यो

(दस्तावेज सं० 1492/84, ता० 16-8-84)। सम्पत्ति है जिसकी स० 139/1 (भाग), जो अंगलूर (भगत सिंह नगर), वेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख: 10-1-1985

मोहर

प्ररूप. बार्ड. टी. एन., एस.---------

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1984

निवेश सं० 62/43609/84-85- ग्रवः मुप्ते, बार० भीरदाज,

आयकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत नाजार मन्त्र 25.000/- रह से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 1140/10 है तथा जो 2 मेन, होल्डिंग विजया नगर, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बॉजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीरामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और सतरिती (अतरितियों) के बीच एसे जनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) बन्तरण से हुए दिनसी बाय की बाबत, उक्त जीधीनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एेसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में मुविधा के न्तिए;

जतः अच उकत अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, सभीत्:——

- (1) श्रीमती विशालाक्षियम्माल,
 - 2. श्री जे॰ पद्मानाभा,
 - 3. श्रीएम० जे० मुरुगेश
 - श्री जे० वेकटेश मेटलव्यापारी, भाजार स्ट्रीट, मण्डया।

(अन्तरक)

(2) श्री एम॰ खासिम, गौरापल्ली, श्री निवासापुर, कोलार डिस्ट्ब्स्ट ।

(अतिरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य'व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी लें पाम निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वन्त्वी

(बस्तावेज सं० 1335/84, ता० 11-7-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० 1140/10 है तया जो 2 मैन, होसाहल्ली, विजया नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 15-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निरेश स॰ सं ॰ आर॰ नं॰ 62/43382/84-85--अत: मुझे, आर॰ भारद्वाज,

आयकर अधिनियग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 284 है तथा जो राजा महल विलास, एक्स — टेंगन, 15 मेन रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकर सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिह्म से स्वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है स्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बागित्व में कमी करने या उत्तरसे वजने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अंब, उक्त अधिनियम को भीरी 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एस० वं ० नारायणप्पा, 303, 6 कास, सरकारो ववार्टस, विससन गार्डन, वेंगसूर-27।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रमेश कुमार शराफ,
 2. श्रीमती भावना शराफ,
 एल-114,
 एवन्यू रोड,
 बॅगलूर-2 ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस के दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति वृंबारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिचित में किये जा सकती।

स्वक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्धी और पर्वो का, जो उत्थल विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

वन्त्वी

दस्तावेज सं॰ 971/84, ता॰ जून, 1984)। खासी जगह जसकी सं॰ 284 तथा जो राजा महस विलास एक्सटेंगन, 15 मेन रोड, बेंगसूर में स्थित है।

> नारहाज सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीच : 10−1~1985

मोहर 🖫

ं प्रकृषः **वाह[्] . टी . एन् <u>.</u> एक्** ..-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्चान

प्राह्मत चंडुकाड

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निर्देशिकः) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/45559/84-85--अतः मुक्षे, आर० भारद्वाज

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 1851 है तथा जो 23 कास, बनमंकरी 2 स्टेज बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालय, जया नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, तारीख 11 जून, 1984

को पूर्वेक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूच्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूच्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावतः, अवतः मधिनियम के वधीन कर गृते के वधापुक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सुविधा में द्वस्प; बार्ट्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों का, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

भतः भव, अभत मधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, में, उसत मधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्पन्तियों, अभित् क्र--- (1) श्रीः एन० के० श्रीनिवासा आयंगर,
 ★20, 11 कास,
 मलेशवरम,
 वेंगलूर-3।

(बन्दरक)

(2) श्री जी० बी० सिम्मापेग्या, नं० 23/5, माउन्ट जाय रोड, हुनुमन्त नगर, बेंगनुर-19।

(अन्तरितं:)

को बहु सुचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्वजिहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष्य से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, अंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगराची

(दस्तावेज सं० 923/84, ता० 11-6-84) खाली जगह जिसकी सं० 1851 है तथा जो 23 कास, बनगंकरी 2 स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तार्र: **व**ः 10-1-1985

मोहर

मुक्त बाई ्डी . एन् . एवं

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांके 10 जनवरी 1985

निदेश सं० नं० 62/45564/84-85--- अतः मुझे बार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 112 है तथा जो बनागंकरी 2 स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूच) में भीर पूर्ण रूप से बाजत है), राजस्ट्र कर्ता घांधकारी के कार्यालय जया नगर में राजस्ट्रोकरण घांधनियम 1908 (1908 का 16) घांधन, तारीख 16 जून, 1984

को पूर्वोक्त रूपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देशों से उस्त अन्तरण सिबिछ. में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्दाइण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत् कार दोने के बन्दारक से दायित्व में कमी करने या अससे ब्याने में सूजिए: के सिए; बाँड/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या किस जास्तियाँ की, जिल्हें भारतीय जाय-केर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में द्विया के सिए;

चतः वन, उन्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुस्रकः में, में, उन्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (६) के वभीन, निस्तिसिकत स्थानितमों, सर्वाद् ्— (1) श्री ए० मार० बेंकदाराव, 15, बसप्पा ले माउट, 2 स्टेज, 4 कास गविपुरम एक्सटेंशन, बेंगसूर।

(मन्तरक)

(2) श्री टरें बी वी विश्वानायन, 17, उत्तरादि मठ रोड, शंकरापुरम, वेंगलूर— 4।

(भ्रन्तरिती)

करें यह सुचना चारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के वर्षन के किय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस ने 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विष्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य श्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगं।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शंक्यों और पदों का, जो उच्च आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वनुसूची

(यस्तावेज सं० 1003/84, ता० 18-6-84)। खाली जगह जिसकी सं० 112 है तथा जी बनागंकरी 2 स्टेज, बेंग्लूर में स्थित है (60×40')।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज, बेंक्सूर

तारीख : 10-1-1985

महिर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

कार्यांत्रय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 55: 1 (51: 1) है तथा जो स्वास्ति रोड, लक्ष्मो रोड, 2 कास गांति नगर, मेन रोड बेंगलूर—27 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाजत है) राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, जया नगर में राजस्ट्रकारण भाधिनयम, 1908 (1908 का 16) भधोन, तारोख जून, 1984

की पूर्वाक्त संपक्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच अन्तरण को लिए तय पाया वसा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित को बास्तिक कमारण सिकित को बास्तिक कमारण हिस्तित

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की शावत उत्तर अधि-'विवय के स्वीप कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कड़ी करने वा उससे वजने में सुविभा के निये; कड़ि/या
- (क) ऐसी किसी आंय या किसी भन या अस्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-क्र अधिनियम, या भन-क्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या ना या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सृतिभा औ बिए;

जिता: अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीत, पिमन्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रो पी० धार • मृगम,
 17, 1 मैंन रोड,
 सुघामा नगर,
 बॅगलूर-27।

(भ्रन्तरक)

(2) एम मंजूनाथा भीर एम० लक्ष्मोनारायण, 6, लिंगणेपेट्टिट, अंजानेयागृहि बोदि बेंगलूर सिटो ।

(भन्तरिती)

की यह स्थना थारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिकत ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्यास में दिवा गवा है।

मन्त्र्या

(बस्तावेज सं • ि926/84, ता • जून, 1984)। सम्पत्ति जिस्तकी सं • 55.1 (51:1) है तथा जो स्वास्ति रोड लक्ष्मी रोड, 2 कास, शांति नगर, मैन रोड बेंगभूर-27 में स्थित है

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरोणण) मर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीच : 10-1-1985

मोहर

प्रस्प बाई. श. एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनोक 15 जनवरी 1985

निदेश सं ० सी ० झार० नं ० 62/44404/84-85--- भतः मुझे, झार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उच्चिम बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसक सं े प्लाट नं े 1/5 है तथा जो 1 फ्लोर सुन्दर मृिरीड, में स्थित है (और इस से उप अब्र अनुसूर्य में और पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्रीक एग अधिनियम 1908

(1908 का 16) के भधन, तारोख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान श्रीतकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्निरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, डबर विभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उतते बचने में सुविधा के लिए; बॉट्र/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धर्न अन्य जान्तियाँ की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गुनम्निलिखत स्पक्तियों, अर्थात् :---- (1) मै॰ वडलानिस साउथ ६ण्ड्या कन्स्ट्रव्यान कम्पनी मोइन बिल्डिग्स, चिकपेट, बेंगलूर ।

(पन्तरक)

(2) 1. मिसेस मेरी चाको ईपन
2. डाक्टर (मिसेज) मेरी मात्यु
ग्रीलयणंत्ल, नं ० 1/5
(1 फ्लोर), सुन्दर पूर्त रोड,
वाक्स टोन बेंग्लूर।

(मन्दर्शिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूवत शब्दों और पदौं का, और उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

धनुसूची

(बस्तावेज सं० 1809/84, ता० जून, 1984)। फ्लाट नं० 1/5 (1 फ्लोर) है तथा जो सुन्दर भूति रोड, काक्स टाउन, बेंगलूर में स्थित है।

> मार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायंक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, वेंगलूर

तारख : 15-1-1985

मोहर:

त्ररूप बाई .टी .एन .एस ., -----

नावकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के नभीत सुचना

बाइद चुडका

कार्यक्षत्र, बहायक भावकर कार्यक (विरोधिक)

मर्जन रेंज, बेंगलूर

बैंगस्र, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेस सं० सी० मार० नं० 62/45544/84--85--- मतः मुक्के, भार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसक तं • 1699 है तथा जी बनागंकरी 2 स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूत्री में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्ज्जस्ट्रकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जया नगर में र्राजस्ट्री—करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

की पूर्विक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान श्रीत्मक्त के निए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्चॉक्त सम्पर्ति का उजित बाजार बुल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंज्र प्रतिकात से विधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्मों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकाद विक्रांतिवित उद्वारय से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक क्य के किए तस्त्र मूझें किया क्या क्ष्य

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त वीधीनयब के अधीन कार दोने के अन्तरक के सादित्व में कानी कड़ने वा अव्यक्त वजने में सुविधा के सिद्द; ब्रीडिंगा
- (थ) एंदी किसी बाय वा किसी धन या नम्य नास्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा वन-कर अधिनियम, मा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, बक्त वीधीनयम की धारा 269-व के अभूतरक को, को, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निस्निवित व्यक्तियों, वर्धात् :--- श्री एफ० झार० सिगवी, 13/10, सिगव/ सदन, पम्पा महा कि शिड, बेंगलूर-- 4 ।

(ग्रग्तरक)

(2) श्री के० रामाराजू, 29, 3 श्लाक, जय नगर, बेंगलूर— 11 ।

(भन्तरित'ः)

को यह सुभाग पारी करके पूर्वोक्त सम्मीति के अर्थन के लिए कायवाहियों करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तायील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्योक्त इवारा,
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पेरित में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिंग के वास किए का सकोंगे।

लब्दीकरणः -- इतमें प्रमुक्त संब्दों और पद्यों का, को अक्छ विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया मया हैं।

अनुष्षी

(दस्तावेज सं० 799/84, ता० 1-6-84)। खाली जगह जिसको सं० 1699 है तथा जी बनागंकरी 2 स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> मार० भारद्वाज सक्तम् प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख : 10-1-1985

मोहर:

त्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. ----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार्० सं० 62/45552/84-85--- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयक्तर अनिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाख 269-ख के अधीन स्थम प्रपिथकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 51 (51/10) है तथा जो 4 टी ब्लाक जय नगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्त्ता ग्रेधिकारी के कार्यालय, जया नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्शयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तिकत स्थ से अधिक हमानिक का पन्द्रह

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिय्त्र के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/गा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योत्रनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सिविधा के लिए;

कल अबे उन्स अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 43—476 GI/84 (1) श्री मुन्नुस्या सुब्बु के पुन्न 17, वार्ड ग्राफिस, के०वी ० टेम्पल रोड, चिकपेट, बेंगलूर-53।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रार ० शांतिनी कमलेन,
 नं० 9/3, सेन्ट्रल स्ट्रीट,
 शांति नगर,
 बेंगलूर-27 ।

(ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्र(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

बन्यू क

(दस्तावेज सं० 846/84, ता० जून, 1984)। सम्पत्ति है जिसकी सं० 51 (नया स० 51/10) है तथा जो 4 'टी' ब्लाक, जया नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> स्रापु० भारद्वाज संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्तः (निरीक्षण) स्रजैन रैंज; बेंगलूर

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

परूप आई टी एन एस ------

नायुकार नांभिनियम, 1961 (19**61 की 43) की** भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 1 जनवरी 1985

निवेश स० मी० आर 62/43548/84-85—अत मुझे, आर॰ भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन स्थान गांधकारों ने यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर शस्पीन, जिसका उचित नाजार मन्य 25,000/ रुक्त संअधिक है

और जिसकी स आर एस ^{*}603-1ए, टि एस 185-1ए हैं तथा जो कम्बा नाजार विलग मार्के वार्ड आफ

मगलूर सिटी में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 15-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ट्रीकर्ती के कार्यालय संजानर सिटी में धारा 269 ए ती के अतर्गत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है वि यंथापुर्वोक्त सपत्ति का अवर्गत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्यह प्रतिशत से विध्व है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अतरितियो) के बीच एसे बतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उदवेष्य से उक्त अतरण लिखत में वास्तिवक रूप जो किएत नहीं किया गया है हरन

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आध की बाबता, उकत जिमित्यम की सभीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कमी करने रा उससे सभने में सविधा के जिस की रूप
- (म) एसी किसी आय या किसी भन वा बन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय गाय-कर सीधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अंत अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत ——

- (1) मैसर्स वज्जावनी सुरेन्द्रनाथ, न० 14, बिगयपा गार्डन, शानिनगर, बेंगलूर।
- (2) एम० आर० प्रसाद, क्रिश्चियन अनंता आश्रम, श्रोल्ड कैन्ट रोड, बेंगलुर।
- (3) रोडिणी बलवेल,92, लायड्स रोड, मब्रास-14।
- (4) मृत्तु कुभार
- (5) कल्यान सदर

- (6) महेश सना रप्रसेटेड बैंन० 3, 92, लायडस रोड, मद्रास-14।
- (7) णालिनी राजवरधन, न ० 18, रेलवे पारलल रोड, नहरूनगर, बेगलूर-20।
- (8) अशांक कुमार, } शालिनी राजवरधन के पुत्र (9) बार्लाज
- (10) मालिनी देवा, न० 14, बॅगियप्पा **गार्ड**न्स, शानिनगर, बेगलूर। शातिनगर, बेगलूर।
- (11) राजामिन कुमार, न० 14, बिगयपा गार्डन्स,
- (12) कवित्ता कुमारी, बै० न० 11, ब†गयप्पा गार्डन्स, मातिनगर, बेगलूर।
- (13) एम० सात कुमार, व न० 11, बैगियप्पा गार्डन्स, शातिनगर, बगलूर।
- (14) ज्यांति रानके,
- (15) जीवन कुमार,
- (16) नवीन कुमार,
- (17' नैना रानि,
- (18) बीना रानी,
- (19) स्वापना रानी,
- (20) प्रसन्ना कुमार, "गोकुल", 27/सी, जयामहल एक्सटेंगन, 1 कास, नंदिदुर्गा रोड, बेगलूर-20।
- (21) आर० आर० बगेरा, माउन्ट रोड, मद्रास।
- (22) मीरा डी० मुर्वण, स्रोवर बेंददोर, मगसूर।
- (23) रामाकृष्ण सतीणचन्द्रा बगेरा, न ० 41/1, स्टान्डाग रोड, फेजर टाउन, बेगलूर।
- (24) प्रकाण बगेरा, माउन्ट राड, मद्राम।
- (25) मैसर्म सोमिनि मुर्वेण, मुर्वेण विलास, उल्लगुडि, महुर-18
- (26) रमेश बगेरा, माउन्टराड मदासा

(27) तारा तारानाथ, तिरुष्टामलै, तमिलनाडु।

(28) सुधाकरा बंगेरा, माउन्ट रोड, मद्रास।

(29) वस्सला अनंद प्रगाद, : 17/18, हाल्म रोड, इगमोर, मब्राम-8।

🕶 (30) उमा प्रसाद

(31) रामा प्रसाद र् 17/18 हाल्म रोड, इगमोर, मद्रास-8।

(32) सुन्तीला सर्जावा, 15-बी, कृष्णामाल स्ट्रीट, कुष्पाकोनमपुदूर, कोयमत्तूर।

(33) सीला घन्दर, प्लाट नं० 21, अफागर, कोलाबा रोड, बम्बई-400005।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स न्यू ताज महल केफे
प्राइवेट लिमिटेड,
मअलूर।
बाई डायरेक्टर
श्री कस्तूरी देवदास पै,
कार स्ट्रीट, मंगलूर। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारा करके प्रकित सम्परित के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कहन भी भाषांप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में थे किसी व्यक्ति इस्तर ?
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के शस् लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकिरण:---इसमें प्रयुक्त काव्यों भीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

मग्रामी

(दस्तावेज सं० 383/84, ता० 15-6-84)।

सम्पत्ति जिसकी स० आर० एम० नं० 603-ए, है टी॰ एस० नं० 185-1ए, जो कस्बा बाजार विलेज माकट वार्ड आफ मंगलूर सिटी में स्थित है।

> आर० भा**रद्वा**ज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

सारीख: 1-1-85

मोहर 🛭

प्रकृष आहें.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा र 269, क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 3 जनवरा 1985

निदेश स० सी० आर० न० 62/45015/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 89-ए टो० एस० नं० 215-1, आर० एस-० नं० 382-1, (उत्तर पित्रम माग) है नथा जो कोडियल बैल विनेज कामबला वार्ड आफ मगलूर सिटा में स्थित है (श्रोर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ग इस में बॉणत है), रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 23 जून, 1984

को पूर्वाक्त सम्पास के उचित बादार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के निए अन्तरित कर कर्न है और मून्से ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से एसे दरयमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमां) के बाब एस अन्तर्थ के निए तय पाया कथा प्रतिकल, भिक्तां लिखत उद्देश से उक्त धन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से कांचर नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण संहुक्षं किसी जाम की भागता, उक्त प्रीकिंग्यम के अधीन कर वीने के सन्तरक को दासित्न में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; जॉर/भा
- (थ) एसी किसी आय या किसी यन या बन्य बास्तियों को, सिन्हें भारतीय आय-सह अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहियेथा. छिपाने में न्यिंश के लिए;

अत. णव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अवत अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के वर्धान, जिम्मिनिस्न स्थापन्तयां अर्थात :----

(1) श्री महेश सुवर्ण टेलर, दुमार्क कम्पाउन्ड, इमेकेरे कास रोड, बोलार, मंगलूर। (अन्तरक)

(2) श्री एम० रामान्ना शेट्टी, व्यापारी शेट्टा महल, गोल्लरकरी, मंगलूर। (अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थने के लिए कार्यवाहिया करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आशंघ :---

- (क) इस स्थान के हाजपत्र में प्रकाशय की तारीय से 45 विम् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हा
- (क) इसु सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शव निरिक्षत में किए जा सकरें।

स्यस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन<u>ृस्</u>ची

(दस्तावेज सं० 424/84 ता० 23-6-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० टी० एस० 215-ए, आर० एस० 382-1 (उत्तर पश्चिम भाग) जो कोडियल बैल विलेज, काम्बला वार्ड आफ मंगलूर सिटी में स्थित हैं।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-1-1985

मोहर 🖟

प्ररूप काइर्. टी. एन. एस., = - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ज (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1985 निदेश सं० सी० आर० सं० 62/45016/84-85--अतः मुझें, आर० भारद्वाजः

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 11/2 ए 2 बी 1 सी है तथा जो कोडियल बैल विलेज मंगलूर तालुक में स्थित है (धौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रीकरण तारीख 25 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ। किसी आय की नाम्स. उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक व क्षांकरत भी कमी करने वा उसके अचने में सुविधा के लिए; और मा

जतः अवन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, निम्निलिखित व्यक्तियों,

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

> मैसर्स अन्ता सुजाता मोदाइल, नं० ई-325, ईस्ट आफ कैलाण, नई दिल्ली-65।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर शिवराम किनहाल, बाईश्री के० गोपालकृष्णप्पा, किनहाल घर, पमबेताडि सुल्लिया तालुक एस० के० ।

(अन्तरिती)

उत्कत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख अ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

मनुसूची

(दस्सावेज सं० 431/84 ता० 25-6-84)

सम्पत्ति जिसकी सं० आर०एस० 11/2-ए 2बी, 1 सी, ${\bf \hat \xi}$ तथा जो कोडियल बैल बि० विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित ${\bf \hat \xi}$ ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, क्षेंगलूर

सारीख : 3-1-1985

मोहर 🖫

प्रस्प भार् . टी . एन . एस . -----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के लंबीन सुचना

भारत सरकार

कामानय, नशर्यक शराकर मागुनत (निरीक्षम)

म्रर्जन रेज अगलूर

बंगलूर धिनाक 7 जनवरो 1985

म सि० आर० न० 62/44866/84-85:--यतः मुझे आर० भारताज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसको स० 54 हे तथा जो न्यू बाबू बाजार इण्डस्ट्रियल सर्बब फोर्ट मोहल्ला मैसूर मे स्थित है (और इस से उपाबद्ध प्रानुसूची मे और पूर्ण रूप म वणित है) राजस्ट्रीकरण प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5--6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसि क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरक सं हुइः किसी बाव की बाबतः, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक्तर आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरित द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतर प्रव उक्त आधिनियम का चारा 269-ग औं अनुसरण मा, मो, तक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारत री। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

 श्री भार० भन्तोनि दास
न० 3367 विहसारन्यापुरम
साखा जीनका होस्टल रोड VI मैन, क्लास फोर्ड मोहल्ला IV
मैसूर।

(मन्तरक)

 डाक्टर सि एम० नजेय्या रामासमुद्रा चिक्का बीदि भामाराजानगर टौन मैसुर डिस्ट्रिक्ट

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

(दस्तावेज स० 1220/84 तारीख 5-6-84) सम्पति है जिसका सं० 54 जो कि न्यू बम्बू बाजार इडस्ट्रियल सर्वेब, फोर्ट मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है

> धार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलूर

दिनाक : 7-1-1985

मोहर:

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस्. ----

बायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, झगलूर

बगलूर दिनाक 7 जनवरी 1985

निदेश स० मी० भ्रार० 62/43620/84-85-- भ्रतः मुझे भ्रार० भारद्वाज

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 243/2 है तथा जो II ब्लाक वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड़ बंगलूर में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध श्रम, सूची में श्रोर पूर्ण रूप में बांगत है) राजस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन नारीख 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से कायत मही किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अन्ते या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का .11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) संसर्भ अनः नोग इत्स्र्र्भेटम और अद्रोलः न ० 105 अभोलो स्ट्रोट फोर्ट बम्बई-1 रिप्रासैटेंड बै श्रो बो जे पटेल

(ग्रन्तरक)

(2) मनमोहन (2) सुरंग श्रीर (3) मदन गोताल न० 33 विशाखापटनम राव रोड़ मधवा नयर बेंगलूर-1

(ग्रन्तरिती)

को शह भूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध यों कोई भी बाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्तित मा किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बर संची

(दस्तावेज मं० 1385/84 न्तारोख 18-6-1984) सम्पति है जिसका सं० 243/2 जो IX मैंन रोड़ शिवनाहिल II ब्लाक, वेस्ट आफ कार्ड रोड़ राजाजीनगर बंगलूर में स्थित है।

म्रार भारकाज सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक : 7~1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्हे. टी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आगण्य सायुक्त (निरक्षिण)

ध्रजैन रेंज, बंगलूर वंगलूर दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० मी० झार० नं० 62/43623/84-85--झत: मुझे, झार० भारद्वाज.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मन्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 29 है नया हो 17 कास मल्लेरवारम बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपामद्ध ग्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय राजाजिनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख जून 1984

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने क्त कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावन, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के असारक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए, और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, गा धन-कर कहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं. मैं, इक्त अधिनियम को भारा 250-ग की उपधाय (1) के यभीत, निम्तिरिष्ठित व्यक्तियों, अधित, ——

- (1) श्रो विम कान्ति
 - (2) श्रोकात कान्ति (3) सुधीर कान्ति
 - (4) श्रोमती भारतो राव न० 28 "घुणक" 17 कास मल्लेरवारम बंगलूर

(भ्रन्तरक)

2. डाक्टर मेससं धार० उमार्शाश भट्ट नं० 3, 5 टेपल स्ट्रीट, 16 कास, मल्लेखारम बंगलुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रशंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे

स्यच्डोकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

(दस्तावेज सं० 1227/84 तारीख जून, 1984) सम्पति है जिसका सं० 29, जो 17 कास मझ्लेरखारम बंगलूर में स्थित है।

> ग्रीर० भारखाज नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 5-1-1985

माहर :

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत महकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्तम) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1985 निवेश सं० सीं ग्रार० 62/43229/84-85--- ग्रतः मुक्ते, ग्रार० भारद्वाज.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1640 है तथा जो चामुन्डेश्वरि रोड़ के० भ्रार० मोहल्ला मैसूर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबब भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता भांधकारी के कार्यालय मैसूर में राजस्ट्रीकरण भांधिनयम 1908 (1908 का 16) के भांधीन तारीख 4-6-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्भाव प्रतिफल के पर्ने अन्तरका (अन्तरका) और भन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि स्विस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुंड्र किसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए् और√या
- (का एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्न[लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री ए० एन० मूर्ति न० 853 त्री 'ए' कार्स II ब्लाक I स्टेंज बनाशंकारि बंगलूर—50

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नरासम्मा नं 1640 चामुन्डेश्वरी रोड के श्रार मोहल्ला मैसूर।

(ग्रन्स्रिती)

(3) ग्रन्तरितीः (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं।)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस स्पना के राजपथ में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अर्रीध रा उत्तर्भन्नधी व्यक्तियों पर मूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों मा से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रणुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज मं० 1052/84 तारीख 4-6-1984) सम्पति है जिसका मं० 1640, जो चामुन्डेश्वरी रोड के० ग्नार० मोहल्ला मैसूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन <u>र</u>ेंज, बंगलूर

दिनांक : 5-1-1985

मोहर :

प्रक्य बाह् . टी . एत . एस . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज अंगलूर अंगलूर, दिनौंक 5 जनवरी 1985 निदेश सं० सी धार० नं० 62/45011/84/85— अतः मुझे धार० भारक्षाज

कायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अि।क है

शौर जिल्ली सं० 740 सर्वे न० 24-1बी 3 है तथा जो तिरूवल विलेज मंगलूर तालूक में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिवकारी में कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-6-84 को पूर्वों म्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उच्चों स्व उच्च अंतरण निम्तिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) प्रेसी किसी आप या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 ता 11) या उक्त प्रधिनियम, या ध्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रशिक्ताय प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए चा, ख्रिपाने में पृष्टा के खिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन. निम्निलिबा अधिकतर्यों, अधीतः :— 44—476 GI/84 (1) श्री यु० रमानाथ शेट्टि भनेजर ग्राफ को० ग्रापरेटिव शैंक वामानजूर इन तिरुवैल विलेज मंगलूर तालुक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० नारायण शेट्टि छेवेलपमेंट आफिसर एल० ए० सी० आफ इंडिया मूलिक टाउन, मंगलूर, तालूक की के० (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किश् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तं सपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत ने प्रकाशन की तारीच से 48 दिन की महिद्य स्वतंत्रीधी असेनतर्थी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्जात्र, को भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजप र ने प्रकाशन की सारी व से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर शम्पति में हिस्बा किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

हवरिष्टी हरण : --इसर्ने प्रयुक्त गर्ना श्रीर पदी का, जा उस्त मिकि नियम दो अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही चर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

(बस्तावेज सं० 602/84 तारीख 21-6-1984) सम्पति है जिसका सं० 74 जो तिरुवैल विलेज मंगलूर तालूक में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज. सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइ रे.टो. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अधीन स्मा

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगल्र बंगल्र, दिनांक 3 जनवरो 1985 निर्देशसं० म्रार० 62/43771/84→85:—–यतः मुझे, म्रा≺० ारक्काज,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्म्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारं मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 10 है तथा जो श्रहमद सेट रोड फेजर टाउन बेंगलूर—5 में स्थित है '(श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचे) में श्रीर पूर्ण रूप से बाजत है) राजस्ट्रीकरण श्रीविनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-8-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्रमान प्रतिफल को लिए राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में भारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास राजस्ट्रीकृत किया गया ही मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के रिएए;

 श्रीमती मेहरूनिसा
 र्राहमुबोसा श्रीर श्रवतारून्नोसा ने 10 श्रहमद सेट रोड, फ्रेजर टाउन, बेंगलूर।

(श्रन्तरक)

 श्री मोहस्मद श्रब्दुला नवाब श्रीर (2) एम० ए० नवाब
 मोहस्मद सिराजुद्देगन
 शमसुद्दिन
 न० ७ बावशा स्ट्रीट बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज संव 1466/84 तारीख 17-8-1984) सम्मत्ति है जिसका संव 10 जो श्रहमद सेट रोड,फेजर टाउन बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज,बेंगलूर

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्नतिसित व्यक्तियों, सर्थात् :---

सारोख: 3-1-1985

मोहर:

प्ररूप आइ". टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर दिनांक 5 जनवरी 1985 निर्देश सं० सि० म्रार० 62/43747/84-85:---यतः मुझे भ्रार० भारद्वाज,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 145/1 है तथा जो III मैन, भारगोसा रोड, मस्लेख्वारम बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन तारीख 23-8-84 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मूझे यह विश्वास

फरने का कारण है कि यथापृवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से एसे द्रम्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रन्धरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्र्भने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिए;

अत्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) अर्ध अधीन, निम्नतिचित व्यक्तिसर्थों, अर्थात् रू-च

- 1. श्री: एल० नर्रासमम्या
 - (2) एल० गोपाल,
 - (3) श्रीमती मुझाम्मा
 - (4) एल० रामाचन्द्रा,
 - (5) एल० रिबन्द्रान,
 - (6) श्रीमती एल० रामालक्ष्मी
 - (7) श्रीमती एल० सुवर्ण, न० 13 VI मैन रोड प्लेस, गुट्टाहिल्ल बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री ए० लोगनाथन, नं० 11 XIV कास मन्लेक्वारम, बंगलूर—3।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्क सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध भे कोई भी नाक्षेप्.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति सें हितबध्य
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे

स्पच्छीकरण है—इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में विरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1677/84, तारीख 23-8-1984) खाला जगह है जिसका पुराना सं० 188, नवासं० 145/1, जो III मैन मारगोसा रोड मल्लेण्यराम बेंगलूर में स्थित है।

श्रीर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त निरीक्षण) श्रजैन रेंज बंगलूर

तारीख: 5-1-1985

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज बंगलूर
अंगलूर दिनांक 4 जनवरी 1985
सं० सि० श्रार० 62/43568/84-85:—यतः मुझे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 2 है तथा जो हुचिन्स रोड एक्सटेंगन सेंट तामस टौन बेंगलूर में स्थित (श्रौर इससे मे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2~7-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है मुझे यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पि० जोसेफ नं० 42 म्युजियम रोड बंगलूर-1

(प्रन्तरक)

ए० स्टीफन
नं० 2 हुचिन्स रोड एक्सटेंगन
सेंट सामस टीन
बंगलूर-84।

(भ्रन्तरिती

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिस**के प्रधिभोग** में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृस्ची

(दस्तावेज सं० 962/84 तारीख 2-7-1984) सम्पन्ति है जिसका सं० 2 जो हुचिन्स रोड एक्सटेंशन सेंट तामस टौन बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण ग्रर्जन रेंज बंगसूर

तारीख: 4-1-1985

मोहर :

भुकपु बाइ^र्, टी. एन. एस..- - - ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1985 सं० सि० आर० नं० 62/43608/84-85:—यतः मुझे, आर० भारदाज,

अयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी स॰ 38 है, तथा जो कैम्पापुरा अग्राहारा बंगलूर में स्थित है (भीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रीरामपुरम में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास 'रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंगरको) और अंगरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्विथित्य में कमी करने या उससे अवने में जुनिधा के किए; बॉर/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्राम्लियों को जिन्हों भारतीय बायकर व्याधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या अन्कर व्याधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

लतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) अधीम, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती विनाता एस० राय, नं० 112, I 'एन' ब्लाक, राजाजिनगर, बंगलूर-10।

(अन्तरक)

2. डाक्टर राजकुमारी भेलान्ता, नं० 889, III ब्लाक, राजाजिनगर, बंगलूर-10।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन का शारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पाच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त भाव्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

(वस्तावेज सं० 1331/84 तारीख 11-7-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 38, जो केम्पापुरा अग्रहारा (विनायका हौस बिल्डिंग को आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, मागडि रोड), बंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आयकर अ(युक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत बर्जाड

कार्याक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1985

स० सि० आर० न० 62/43611/83-85-यतः मुझे आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स 21 और 22 है, तथा जो 11 कास, रामामोहनापुरम, बंगलूर में स्थित है (भ्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-करण अधियनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 12-7-1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रीरामपुरम में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कोरण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके प्रत्यमान प्रतिफल से, एसे प्रस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या जि.सी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः बव, उक्त विभिनयम की धारा 269-व के बनुबर्व मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हिन्स मारदम्मा,
नं० 235, VI क्रास,
II ब्लाक राजाजिनगर,
बंगलूर-10।

(अन्तरक)

 श्रीमती मीनाक्षी जवाराम, नं० 1650/16, II क्रास, 11, मैन रोड, रामामोहनापुरम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 1370/84 तारीख 12-7-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 21 और 22 ग्रोल्ड एम०नं० 1662/4, जो II कास, रामामोहनापुरम, श्रीरामपुरम, बेंगसूर-21, में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त निर्दाक्षण) अर्जन रेंज बेंगलूर,

तारीख: 3-1-1985

मोहुरु 🕄

कारण है कि स्थावर संपत्ति,

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहास्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1985 सं० सि०आए० नं० 62/43665/84—85:——यतः मुझे,

आर॰ भारदाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

िजसका उचित बाजार मुख्य

25,000 /- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी मं० आर० एस० 968 श्रीर 971 बि,
दि० एस० नं० 520 श्रीर 517/बि० है, तथा जो असावर
विलेज बालमहा, वार्ड, मंगलूर सिटि में स्थित है (श्रीर इस
से उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-7-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (स) एेसी किसी आय का किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्--- श्री ए० प्रभाकर राव, फलनीर, मंगलूर।

(अन्तरक)

 डाक्टर II सुरेश, फलबीर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

(दस्तावेज सं० 559/84 तारीख 16-7-1984) सम्पत्ति है जितका सं० आद० एस० 968 श्रीर 971 बी, टी० एस० नं० 520 श्रीर 517/बी० जो अत्तावर विलेज मंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

तारीख: 1-1-1985

मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 1 जनवरी, 1985

सं० सि० आर० नं० 62/43666/84-85:--- यतः मुझे, आर० भारताज,

आयकर अधिनिगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आर० एस० 968/1, टी० एस० 520/1 है तथा जो अलावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1984।

का पूर्वीकत सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में भारा 269 ए.नी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उरुके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिलित में वास्तिणक कप में किथन नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के तायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— डाक्टर ए० सुरेग राव, फलनीर, मंगलुर।

(अन्तरक)

2. श्री ए० प्रभाकर राव, फलनीर, मंगलूर।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुत्तुची

(वस्तावेज सं० 559/84 तारीख 16-7-1984) सम्पत्ति हैं जिसका सं० आर० एस० 968/1, टी० एस० नं० 520/1, जो अत्तोबर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारदाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त, निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-1-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ". टी. एन. एह.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं॰ सी॰ आर॰ नं॰ 62/45547/84-85---अतः सुझे, आर॰ भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सैक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 179 (179/17) है , तथा जो II मेन,
I क्यांक, जयानगर, बेगलूर में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्वी में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-84 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्योलय जयागगर में आरा 269 ए.बी. के अंतर्गत राक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विष्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रोतफल का क्रिक्ट प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कण, निक्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में वास्तिविक रूप से कवित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण ते हुए किसी भाग की नावत उपत विध-भियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने ना उसते वधने में सुविधा के जिये; बार या/
- (ख) एँसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बाना चाहिए था, खिनाने में बुविधा के लिए;

श्री एल० गणेश राव,
न 31,
एच० बी० समाज रोड,
धसवनगृडि,
बॅगलूर-4 ।

(अन्तरक)

 श्री एस॰ भासकर, मं॰ 10, बीवान खाना रोड, अविन्यू रोड, फ्रास बेंगलूप-53 ।

(अन्तरिती)

की यह भूचना चारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के सिए कासवाहियां शुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृशेंकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया दवा है।

वनस्यी

(दस्तावेज सं० 80684 ति।० 1-6-84) खाली जगह हैं जिसकी सं० 179 (179/17), जो II मैन, I बताक, जयानगर, बेंगसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बंगलूर

जत. अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, जिस्सिनिसिस स्यक्तियों, संशंत् धन्न

45-476 GI/84

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖰

प्रकर बाई. टी. एन. एड.-----

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वचीन क्यमा

भारत बरकार

क्रायांसय, सहायक आयंकर जायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिलांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/45566/84-85---अतः सुक्षे, आर० भारद्वाज,

नायकर निविचम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात् 'उन्त अधिनियम' नहां नया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार बृज्य 25.000/-रा. से नधिक हैं

भीर जिसकी सं० 1583 है, तथा जो बनाशंकरि, II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख जुम 1984

को पर्वो स्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्त के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अधानमर में भारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास प्रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

कारन का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाबार मूल्प, उसके रहममान प्रतिकृत से, ऐसे रूपमान प्रतिकृत का रंड हे प्रतिकात से निधक हैं और जन्तरक (बन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरन के सिए तब पाया गया प्रतिकात, निज्नसिवित उद्देश्य से उच्ये अन्तरन निचित में वास्तिक रूप से किनत नहीं किया गया है

- (क) असरण से इन्हें किसी नाय की बावत, उनक वीधिन्यम के नधीन कर दोने के नंसरक के दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुनिधा के निष्; नरि/वा
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी थम का अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ अतिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, खिनाने में सुनिधा के सिए;

नतः नव, उनत वीधनियमं की भारा 269-न के सनुसरण ते, में, उनत वीधनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के नधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, नव्यति :--- 1. श्री बी॰ पी॰ नम्जाप्पा,

नं 409,

18 कास, III मैन,

III क्लाक,

जयामगर,

बेंगलू १-11 ।

(अस्तरक)

2. श्री बासुदेवा

नं॰ 668,

XV मेन,

III 'टी॰' ब्लाक,

चयानगर,

बेंगलूर-11 ।

(अन्तरितं:)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के शिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 प्रेंबन की काबिस, जो भी काबिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

न्यव्यक्तित्व :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित्य हाँ, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

(दस्तावेज सं० 1024/84, ता० जून, 84) बाली जगह है जिलको सं० 1583, जो बनागंकरि II स्टेज, बेंगसूर में स्थित है।

> आर० मारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

सारीच: 10-1-1985

मोहर:

प्रकम् आह्रे.टी.एन्.एस.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन सूचना

ष्टारुव संदुका

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० सी० आर० 62/45574/84-85--- अतः मुझे, आर० भारदात्र,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं 15 है, तथा जो X मेन, बनगंकरि, II स्टेज, बेंगलूर-70 में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुभूर्च: में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रं:करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख 23-6-84

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बण्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयागगर में शारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास प्रजिस्ट्रीकृत किया गया है मूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, निम्निजिबित उद्वेषय से उच्त अन्तरण मिवित में वास्त्विक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वावित्व में अभी करने वा अस्त्री वृज्ने में सूत्रिया के किए; बाद्ध/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम वा धनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ज्यांका के किए;

बत. बंब, रुवा विधिनियम की भारा 269-ग के अंमूसरूज में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंचीत ८── मी सी॰ ए॰ राजानोपाल, रिप्रेजें दिङ बाई—— सीमती सी॰ ए॰ रामादेवी, नं० 176, ईस्ट. IV उसाक, जयानगर, वेंगमूर-11।

(अग्तरक)

 वी वै० वि० एस० विनोद, मं० 59%, XXIV कास, क्नामंकिए II स्टेज, वेंगनूर-70 ।

(अन्तरिती)

सर्वे वह त्यना जारी करके पृत्रों नश सम्पत्ति के अर्थन का जिए कार्यनाहिया सुरू करता हुं।

च नेत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) वस सवना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीशा से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी वयिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति ब्यारा;
- (न) इस स्था के रायपन में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्मित मां हितवस्थ किसी क्या व्यक्ति बुवारा वजोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए या सकतें।

स्वक्षीकरण :--इसमें प्रवृक्ष बच्चों और पर्धों का, वो उनत वीधीनवन, के सम्बद्ध 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होता, को उन्ह सम्बद्ध में दिया गया है।

मन्दर्भ

(दस्तावेज सं॰ 1065/84, ता॰ 23-6-84) खाली जगह है जिसको सं॰ 15, जो X मैंन, बनासंकरि II स्टेज, बेंगसूर-70 में स्थित है।

> आर० मारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीय: 11~1~1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्री, दी. एत . एस . -------

बाधक्र ऑफनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 अनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/45575/84-85---अतः मुझे आर० भारदाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 3 है, तथा जो सेतृ स्ट्रीट, लागफर्ड टाउन, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्याखय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास प्रजिस्ट्रीकृत किया गया है मृझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) कन्तरण संसूर्व किसी आय की शावत, उपल मधिनयम के अभीन कर दोने के कलारक के दायित्व में कभी कर्तने या उससे वचने में त्रिक्शा के निए; बरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकड नहीं किया गया था या किया जाक। चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विकासित कियानितामों, अर्थात् :---

 डा० राम प्रकाण अप्पाय्या, आलसो नोन—

एँज श्री एम० ए० कुट्टाप्पा, नं० डी०—11, स्टाफ क्वार्टर्स, सेंट जॉन्स मेडिकल कालेज, बेंगलूर।

(अन्तरक)

 श्रीमती श्रीलता प्रकाश मं० 11, श्रंटन रोड़ क्रास, सेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उपत स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के आस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिवा गया है।

नगसची

(दस्तावेज सं० 1069/80, ता० 23-6-84) खाली जगह है जिसकीं सं० 3 (भाग), जो लागफर्ड टाऊन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज, बंगलूर

सारीच: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप मार्च .टी.एन.एत_{ः =-----}

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के मधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गामकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलर, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निवेश स० सि० आर० 62/455582/84-85:---यतः मृझे, आर⊜ भारद्वाज,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

और जितका संख्या 710 है, तथा जो बनागंतिर II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूचा में और और पूर्ण कर से बणित है), रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 27-6-1984।

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरसमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय जयानगर में भारा 269 ए.बी... के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास 'रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि सभापनोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रुव्यमान प्रतिफल से एसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला का पाना गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला का प्रतिफल कर से कीचत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्रे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे क्षणे में सुविधा के सिए; बाँड/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन वा अध्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एस . विश्वनाथन,
 नं ० 28, VII कास, स्ट्रीट,
 शास्त्रीमगर, मद्रास-20।

(अन्तरक)

श्री टी० मूरली,
 नं० 818, XVIV मैन,
 बनामंकरि, स्टेज,
 बेंगलुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६ स. स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, थी ्डक्क अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में विका गया है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 1144/84 तारीख 27-6-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 710, जो धनाशंकार II स्टेज, बंगलूर में स्थिति है।

> आर० भारहाज, संतम प्राधिकारी, सहायक वायकर वायुक्त(निरीक्षण) वर्जन रेंज, चृंबसूर

अतः अम, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, बनुसरणं में, में उक्त विधीनयमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखतं व्यक्तियों, अर्थात् हे—

वारीच: 11-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृप आहें. टी. **एन. एस. ---**--

नायकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्मासय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बेंगलुर

बंगलुर, दिनाक 30 जनवरी, 1985

निदेश सं० सि० आर० 62/45581/81/84-85:--यत. मृझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूका 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भीर जिलका संका 28 है, तथा जो लान्मफर्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इस्ते उपाबद अनुसूच मे और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, तार्रख 28-6→1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कस के रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयागर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजिस्ट्रीकृष किया गया है मुझे यह विश्वास

का कारण है कि सथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहीं प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिशित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण कि कि के बास्तिक के बास्तिक के सम्बद्ध से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) जन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, अध्यक्ष वृधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाजितक की कमी करने या उससे अचने में श्रीयमा के शिए; वर्षित्रा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण वी, वी, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को वधीन, निकासिनिय व्यक्तियों, वर्षात् अ--- मैसर्स सबिल नुमि अम्बरसम, नं० 28, बरसै स्ट्रोट, लाम्मफर्ड टौन, बेंगसूर।

(अन्तरक)

श्री एम. समान,
 मं० 1277, 32 फास,
 IV, दि ब्लास, ज्यानगर,
 बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी कु से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकानन की तारीत हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पाद सिकित में फिए का सकेंगें।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त करदों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय में दिरा वया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1132/84 तारीख 28-6-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 28, जो लाम्मफर्ड रोड, बेंगसुर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंमलुर

तारीय: 30~1~1986

मोहर :

प्रस्य बाह्". टी. एन. एस. ----

आयकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकुर बायुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलुर, दिनांक 21 जुन, 1984

निवेश सं ० आर० 62/44871/84-85:-- पर्व: मूझी, आर० मारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पत्र्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-कं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृल्य 25.200∕- र_ि से अधिक ही

और जिनको सं० 575/3 है, तथा जो सिहारता लेखोट नजरबाव मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्र मे ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 चा 16) के अध.न, 21 जून, 1984 क्षा पर्जाधन सम्पन्ति की रिचित बाजार मध्य से उन्हें के बहुएमान प्रतिफल के लिए रिज्स्ट्रीकर्ताको कार्यालय मैसूर में भारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तितः वाजार मुस्य, लशको ध्रयण्यान प्रतिकल से, एस द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रसिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एोसे अंतरण के निरु तर पाया गया प्रति काल निम्मनिधित उद्देश्य से अक्त जंतरण सिवित में दास्तदिक क्य से की घर नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाबित्न में कामी कारने या उससे अवने में सुनिधा क लिए और/बा
- (ब) एंसी किसी बाद वा किसी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्हीं भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती दबारा प्रकट मही किया गया भागा किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा र्वे विष्:

बस बत, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में उक्त अधिनियम की धारा 2.69-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:----

1. मोबदार अहमस, नं 377, उधयागिरि लेओट, लगकर, मोहल्ला, मैसूर।

(अस्तरक)

2. मे श्रानिवास, नं∘ 728--729, बजार मैन रोड, न अरबाद मोहल्ला, मैसूर।

(अन्सरिता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🕸 ↔

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**य से** 4.5 दिन की अवधि या शत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आरो मी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिक्तयों में से जिल्ली व्यक्ति द्वार्,
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित भे किए को सकींगे।

स्पाद्यक्रिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्स मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया चया है !

नन्त्रकी

(दस्जावेज सं० 1341/84 तार्यख 21 जुन, 1984) समाति है जि 💢 सं० 575/3, जो िहारता लेओट, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर, मे स्थित है।

> आरं॰ भारहाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तार्७: 30-1-1985

मोहर 🕫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. ----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक 30 जनवरी, 1985 ्निदेश॰ सि॰ आर॰ 62/45561/84-85:-यतः मुझे, आर॰ भारदाज,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जितको सं० 220 है, तथा जो से० एस० आर० हि सि० एमण्डाईत को आपरेटिक सोतायटा लिमिटेक, नैनाप्पा सेष्टि पाट्या, मारेनाहरूल, बेंगलूर--27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूना में और पूर्ण रूप से बर्जा है), रिजाइको सरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तारीका 11-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रख्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह दिश्यास

करने का कारण है कि सथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य, प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय दावा गया प्रतिफल, निम्नलितित उद्देश्य से उस्त अन्तरण शिचत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बनारण से हुई किसी जाय की वावस, स्वतः सीधीनयम से सभीन कर दोने के अन्तरक के स्वीवत्य में कभी करने या उत्तते वचने में स्वीवधा से निए; जीर/या
- (वा) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रश्नीवनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की सिए !

जत: जब, उक्त कथिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, की, अवत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निक्निलिचित व्यक्तियों, जर्थात ६ एम० ए० शफिडल्ला शरोफ, नं० 67/1, बो०, XI कास, राजेन्द्रा नगर, मैसूर।

(अन्तरकः)

 वि० अन्दुल मुकान और कुछ लोग, नं० 699, XI मैन, IV बलास, जयानगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकासन की दारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विधाहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकींगे।

स्मष्टीकरण: ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं।

त्रनुसूची

(वस्तावेज सं० 927/84 तारीख 11→6→1984) खाता जगह है जितको सं० 220, जो के० एस० आर टो० संा० एप्स्ताईत को-आपरेटिय सोसायटा लिमिटेड, नैराप्या सेट्टिपाल्या, मारेताहस्लि, बेंगलूर→27 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायज्ञ आयक्षर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसर

तारीच: 30-1-1985

मोहर 🗈

प्रकृष वार्षः दी । एत् , एस् ,------

भाषकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के सभीन सुमृत

भारत सरकार

कार्यानय, महायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर धिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं कि श्राप्त नं कि 62/45551/84-85:-- मतः मुझे, आएक भारकाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 51 है तथा जो बनागंकरि II स्टेज, में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकरण प्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जयानगर में तारीख 4-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ब्लारण वे हुई किसी बाय की वावस्त, अवस वीधितयंत्र के ब्लीन कर दोने के बन्सरक के दायित्व में कभी करने वा बहुवे बजूबे के बृद्धिया के सिए; ब्रोहर्शन
- (का) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिलान में स्विधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---- श्री बी० ए सबानन्दा राजु,
 १४० १४, प्र मैन शेड पामराजपेट, बंगमूर-18।

(भ्रम्तरक)

(श्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाणन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 विन की खबधि, जा भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया भवा हैं।

वस्त्र की

(दस्सावेज सं॰ 833/84 दिनांक 4-6-1984) खालीं जगह है जिसकी सं॰ 51, जो बनाशंकरि II स्टेज बंगलूर में स्थित है (485.71 स्केयर मीटर्स)।

> भार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंज बंगसूर

तारीख: 10-1-85

मोहर:

46-476 GT/84

प्रस्थ बहु . टी. एन. एस.-----

व्ययकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर अयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 23 जनवरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार० नं० 62/ग्रार. 1212/84-85/37 ईई:--यतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ध्व कारण है कि स्थायर गंगित जिसका उचित बाबार मुस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसंकी संख्या है तथा जो मनेजायेम बाटा ग्रो॰ मरनेम बाटा सेंट जोसे डे एरियल सलसेह गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1 -7-1984।

- (क) बन्तरभ में हुवें किसी जाय की वाबता, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/सा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1000 वा 11) ए एक अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का अति अधिनियम, 1957 (1957 का अति अधिनियम, वो प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, स्थिताने के स्विधा के लिए;

अतः अव द्वान्त विधिनियम की भार २६१-१ के विस्तरण । भ , में , उपने अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन विभन्निसित त्यिक्तयों. अर्थात :--= लुईस रेडस कोस्टा त्यान्ड लार्ड, डान्चा वडडु, बेनर्नालन सलसेहे, गोवा।

(भ्रन्तरक)

 डेल्टा रियल एसटेट्स केयर/ग्राफ जयन्त र्विनायक नायक, विनसन्स स्टेशन रोड, मरगोईा, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

क्ष बहु बूचना चारी करके पृथांकत सम्बस्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के रोजगत्र माँ प्रकाशन की तारीख से 45 विव की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीब से 30 दिन को सर्वीध, जो भी बर्वीध बाद माँ समाप्त होती हों, के भीतर पृक्षें कर असीक्त गाँ में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मत्ति में हिन्तबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास विस्त में किए जा सकेंगे।

स्वाक्तीकरण:--्इसमें प्रवृत्त सन्दों और पदों का, को उक्क जीधनियम, के बध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1065/84 नारीख 1-6-1984) सब सम्पत्ति है जो मनेजायेम बाटा, सेंट जोसे परियल सलसेहे, गोवा, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 23-1-1985

मोहर

प्ररूप आर्घ. टी. एन: एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर आयुक्त (िनराँक्षण)** श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1985

सं सि० **ग्रा**र० 62/गा०-1280/37 **ईई**/84-85:--यतः मुझे, **ग्रा**र० भारदाज,

धायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विध्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से लिधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लाट नं ए/3 ब्लाक 'ए' है तथा जो सुपति ग्रवार्टमेटस, न्यू बड़ेंस, बासको डा गामा में स्थित है (ग्रीर इससे उणाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख 11-6-1984

को पुर्दोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया ही मुझे यह विश्वास

करण का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रस्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और्ट/या
- (श्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सृविभा के लिए;

अत अब_ल उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कं, म्ं उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स ख्व्मणि कन्सस्ट्रावशन्स श्रीधर बिल्डिंग, रूम नं० 4, पिलीर वासकी डागामा-403802 (गोवा) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बो० एम० डिसौजा और पैसर्स एस्मे एच० डिसौजा , 104, मोहिदिन बिल्डिंग बंडिंग, वासको डा गामा गोवा।

(म्रन्तरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संस्वत्थ में कोई भी आक्षय :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (सः) इस्य सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सामीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के सास
 े जिल्ला के स्थावन व्यक्ति ।

स्पष्टांकरण --- इसमा प्रयवस शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुर्याः

(दस्तावेण सं. 1033/84 नारीख 11-6-1984) प्लाट नं० ए/3, इन ब्लाक 'ए' आएफ "त्रुपित अपार्टमेंटस इन प्लाट 16, जो न्यु वडडेम, वासको डा गामा गोवा, में स्थित है।

मार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंग्लूर

तारोख: 23-1-1985

मोहर:

प्रस्प बार्ड ्य टी. एन. एस. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

सारत बुटकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 22 जनवरी 1985

निदेश सं ० सि० पार० 62/पार-1229/84-85:---37 दि:--यतः मुझे, पार भारदाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 232 है शीट नं 103 है, तथा जो वासकीडा गामा गोवा, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण भिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1984

को पूर्तीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास प्रजिस्ट्रीकृत किया गया है मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया बितफल, निम्मतिचित उच्चोच्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है:---

- (क) कलारक सं शुद्ध किली बाय की बायए, उपस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के सावित्य में कमी कारने वा उससे दयने में जुधिया 4: निए; और/वा
- (थ) ए'सी किसी जांग या किसी भन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जांचे-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धर्य-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जांग चाहिए था, कियाने में सुविधा है किए:

अतः सब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- श्री फिलोमिना डेयास,
 मिस ऐंडा डेयास नारमधी बैदा थिनांथिन, सेलसेहे गोवा

(मन्तरक)

2. मनतोनि लोबो, नारमपो वैदा, थिर्नाथनि. सेलसेहे, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपे :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उचक स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

नम्स्यी

(वस्ताबेज सं० 1005/84 तारीख 6-6-1984) सम्पत्ति है जिसकी स जालना नं० 232 झॉफ सोट मं० 103 है, जो बासकोडा गोवा, में स्थित है। (447 स्क्वेंप मीटरस)

> धार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेज, बंगलूर

तारीख: 22-1-1985

मोहर .

प्रकार आहें, दर्ज, एत्. एक., ५ ० ० ०००

बायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बायु 269-व (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1985

सं नं **मार-1209/37 ईई/84-85:-- य**तः मुझे , २**० भारक्षाण**

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकात पंजन अधिनियम कहा गया है), की भारा ,-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का गहै कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य ,000/- रा. से अधिक है

र जिसकी सं० चालता नं० 3 आफ पि टि० शीट नं० /, है, तथा जो टेमेरिको सखो" ("ग्रल्टो डयुलर, मापुसा वा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद धनुसूची में ग्रीर ो रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान फल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक 3 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रोकृत न गया है

यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वा कित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रनाह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित रिय से उसत अन्तरण लिसित में वास्तियक रूप से काथित किया गया है :---

- 441 67 E
- (क) अन्तरण संबुद्धं किसी आम की शावत, उनत अभिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के बायित्व में कमी अरमे या उससे बचने में सुविधा के लिए और/धा
- (क) घ्रेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सूविधा के सिए।

काः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीय, निम्नुसिधित व्यक्तियों अधित हम्

- 1. (1) श्री भौर श्रीमती डरियल भार ०एल ० एल र्ज -सीजा,
 - (2) श्री ग्रीर श्रीमर्ता रूपटं जे० एम० एम० ' डिमीजा' णिवसे, बारडेज--गोवा।

(म्रन्तरक)

श्री कृष्ण टि पौकले,
 इयुलर, मापुसा, गोवा

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्धन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सं 45 दिन की अर्वाल या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी स्थक्ति व्वास्त;
- (स) इस म्चन। के राजपत्र में पकाशन की नारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा त्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यब्दीकरण --इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हमेंगा, को उस अध्याय में विधा नया है।

धन्सूची

(दस्तावेज सं० 1062/84 तारीख 1-6-1984) सम्पत्ति है जो ''टेमेरिको सरवो'' मालटो इयुक्तर पापुसा गोवा में स्थित है।

> ग्रार० मारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कंगलूर

तारोख: 22-1-1985

मोहर 🛚

प्रकृत आहे. टी. एन. एस.------

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलर, दिनांक 22 जनवरी 1985

निर्देश सं ० नं ० सि भार 62/भार०-1261/37ईई/84-85-यतः मुझे, भार० भारदाज,

मागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भूग 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,090/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको संख्या ग्राफिस -2 है तथा जो IV फ्लोर, निजारि भवन मेनेजस ग्रागान्जा रोड, पन्जिम-गोद्या, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 6-6-1984

का पूर्वों त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय होसन में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया ही मृझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापृत्रेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एमे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध होसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिचित भे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में समिशा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जस्य आस्तियाँ की, किसी आप या किसी धन या जस्य अस्तियाँ की, किसी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मो अधीन, निम्निहिस्खित व्यक्तियों, अधीत् ∴— मैसर्स निजारि शौर प्रसोसियेटस, ग्रफनसो डि ग्राल्बुक्वारक रोड, पंजिप

(भ्रन्तरक)

 श्री उदय कुमार डि लवान्डे घरनं० 101, चिन्चवाडे, चिमनेल, गोवा

(भ्रन्तरिती

को यह समाना जारी करको पर्योक्त सम्परित के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त अपरित के अञ्च के अवस यो का को भी **आक्षेप**:---

- (क) इस सुमना के राज्यात्र मा प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी स्पवित्यों सुमना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो नव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर ज्वल स्थावर सम्पस्ति में हिलक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के प निक्ति में किस वा सकेंगे:

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1023/84 तारीख 6-6-1984) सम्पत्ति है जिसका श्राफोस नं० 2 जो IV प्लोर, निजारि भवन, मेर्नेजस श्रागान्जा रोड, पन्जिम, गोवा में स्थित है।

> श्रार० भारबाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंग्लूर

तारीख: 22-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृष **बाइ¹.** टी. एन. **एस**.-----

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९-६ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक पायकर पायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1985

निर्देश सं० मि० श्रार० नं० 62/श्रार-1291/37ईई/84-85:—यतः मुझे, श्रार० भाग्द्वाज, ग्रायकः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मुके पश्चात 'प्रकः अभिनियम' कहा गया है"), की भारा ,69-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य ,5,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या है तथा जो मेनेंजस श्वागानजा रोड पर्नाज गोवा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची के श्रौर पूर्ण रूप में निजत है), रिजस्ट्रें करण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक 13-6-1984 में पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खर्यमान तफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेगलूर में धारा 69 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत ज्या गया है मुझे यह विषवास

रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ल्या, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह रिश्वत में अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती अन्तरिरियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नरिरिलत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निरिचत वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अ बायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुलिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्रु आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंम, या धनकर् ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था. या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा को मिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम किं भारा 269-ग के अनुसरण , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभीत, निम्नलिखिल व्यक्तिसमों, अर्थात् (1) 1 डाक्टर फ्रांक्सिको लियो पिन्टो,
 2 श्रा तामे जोसे एम० जे० वि० पिन्टो,
 3. मंसर्स ई० एम० जे० एस० एम० पिन्टो,
 कलनगुटे-गोवा।

(श्रन्तरक)

(2) मैनर्म सात प्रधार बिल्डिरस हिल टाप ग्रपार्टमेंटम ग्राल्टो बेटिम—गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूजना जारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के अर्जन के सिंध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरें।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसङ्ख्य

(दस्तावेज सं० 1116/84 तारीख 13-6-1984) सम्पत्ति है एक पुराना विल्डिंग, जो मेनेजस क्रागान्जा रोष्ड पर्नाज गोवा, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख . 23-1-1985 मोहर : प्ररूप भार्ड . टी . एन . एस . ------

र्ज्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, बंगलूप बंगलूप, दिनौंकं 25 जनवरी 1985

सं० नोटिस नं० 577/84-85:—मतः मुझे, श्रार० भारदाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका एखित आगर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं 189 सि है, तथा जो वि एम० रोड हासन में स्थित है।(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-6-1984।

को पर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हासन में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया ही मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नसिचित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्) अहतरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए और/या
- (६) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिष्शा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के चन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- श्री एम० भ्रब्दुल है,
 श्रपोसिट टु हामन क्लब,
 बो० एम० रोड,
 ए० आए० नं० 189 सि०,
 हासन।

(भ्रन्सरक

मि० णणिधरा पिल्लै,
 प्रोपरैटर, सुनि खेन, फर्नीचर, वक्से,
 बसिट्ट कोप्पाल, हासन।

(मन्तरित्र

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवर्ताहया करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्थाना की तामीक से 30 दिन की अवधि, को अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, यो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाति है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय विवा गया है ।

जन संची

(दस्ताविज - सं० 607/34-85 तारीख 15-6-84 सम्पत्ति है जिसका सं० 189 सि, जो बि० एम० रो हासन, में स्थित है।

> श्रार**ः भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलू

तारीख 25-1-1985 मोहर .

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

और्जन रेंज, बॅगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जनवरी, 1985

नोटिस नं० 585/84~85:—यतः मुझे, आर० भारक्षाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तू अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25.000/- रुट में अधिक हैं।

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं ० 58 है, तथा जो फटोरडा मरगोवा, सरसेट गोवा में स्थित हैं (भीर इससे उपावदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनियमम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मारगोवा में तारीख जून, 1984 को अवंकि नम्पत्ति के उचित ताजार मस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास वरने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धुन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निसित, व्यक्तियों, अधित् :---

47-476GI/84

 मैसर्व बटलास रियलटरस, झार०/बो० बारडेज, मरगोवा, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री कारलस लुइस परेरा, श्रीर हिंस मिसस ब्रलेलिना, बेनडिन्टा परेरा, एच०नं० 56, ृचाडवडु कारक, सलसेटे, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

अम्सनी

(दस्तावेज सं० 2312/84-5/ तारीख जून, 1984)
प्लाट नं० 58, नीन एज अनहाकेम मोल्लाप या
"अनह मोल्ला" जी फटोरडा, भरगोवा म्युनिसिपल एरिया,
तालुक श्रौर सब डिस्ट्रिक्ट, आफ् सलसेटे, डिस्ट्रिक्ट आफ गोबा, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर_।

तारीख: 24-1-1986

मोहर 🦠

प्ररूप शाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभतः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्थन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जनवरी, 1984

नोटिस नं० 580/84-85:---यतः मुझे, आर० भारताज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुमे अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या नं० 3781, ए० आर० नं० 3522 है तथा जो सिटि म्यनिसिपिलिटि गांधी रोड, हासन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), (रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का. 16) के अधीन, तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हासन में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मझे यह विश्वास

करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं कया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त गिंधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में म्बिधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियों जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ.की उपधारा (1) को अभीन निम्निलिखन, व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रीमती एस. लिलतम्मा, बाईफआफ, श्री एच० एन० सिद्वाप्पाचार, श्री कालम्मा टेंपल स्ट्रीट, हामन।

(अन्तरक)

 श्रीमती साविद्याम्मा, शारादाम्मा, पो०/श्रो० मैंसर्म रिव क्लाय सेंटर, हासन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण :---- इंसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

समसनी

· (दस्तावेज सं० 697/84-85 तारीख 28-6-84)

सम्पत्ति है जिसका के० सं० 3781, ए० आर० नं० 3522, जो सिट्किम्युनिसिप्लटि, गाधी बाजार, रोड, हासन, में स्थित है।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

नारीख: 25-1-1985

माहर

प्रक्ष नाइ.टी.एन.एस. ------

नायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 24 जनवरं। 1985

सी० आर० 62/586/84--85:--- ग्रतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित बाजार मुन्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या चालता नं० 14, 15 16 ग्रीर चालता नं० 132, है, तथा जो , बोरडा भरगोवा, सिंटि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए रीजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मरगोवा में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया ही मूझे यह विश्वास

क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित याजार मूल्य, उसके दूरममान प्रतिफल से एसे दूरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उत्कर अन्तरण निम्लिखत उद्देष्य से उत्कर अन्तरण निम्लिखत से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर्थ से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्ट अधिनियम के बधीन कर्दने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धास 269-ए के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमुचित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

- श्री जोसे फ्रांनसिसको आल फ्रेडो
 डा पँडार्डे फियास राड्रिज्य धौर
 मैंसर्स मेरिया फैरेन्डा मसकट है राड्रिज्स,
 बोरडा, मरगोवा।
 श्री कारलोस विसेंटे हमबरटो डा
 पडार्डे फेरीयसे खौर श्री
 डननेटें मरियना ससिल्डा डा पडार्डे कोसट,
 रोड्रिज्स और पिन्टो सेड्रिब्युस- मरगोवा-गोवा।
 (अन्तरक)
- श्रोमतो सिसलिया डा रोसारियो लरनजो, मरगोबा, गोबा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दोक्षरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

(दस्तावेज सं० 2165/84 तारीख 30-6-1984)
प्लॉट नं० 1, "प्रेडियो अरबनो" जो बारडा, मरगोवा
सिटी, तालुका ग्रीर सब-डिस्ट्रिक्ट, आफ़ सलसेट, डिस्ट्रकट
आफ़ गोवा, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्ट्र,

तारीख: 24-1-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

र्बेगलूर, दिनांक 14 जनवरी, 1985

सो॰ आर॰ 62/45619/84-85:-अतः मुझ, आर॰ भारदाज,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 1008 है, तथा जो बनागकरि II स्टेज एक्सटेशन, बेगलूर, में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रुग्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह दिश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके प्रथमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उंक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः सव, उक्त सिर्धिनयम की धारा 269-म के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पिक्तपाँ, वर्षात् :—

श्रीमती सरस्वति व ई,
नं० 281, VI मैन रोड,
X कास, एन० बार० कालोनी,
बेंगलूर-19 ।

(अन्तरक)

2.श्री एस० सुत्रमन्या एत्ताल, न० 27, VII क्रास, एन० आर० कालोनी, बंगलूर-19 ।

(अन्तरिती)

, को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कि स् 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के, में परिकाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तानेज. सं० 1746/84 तारीख 2-8-84)। सम्पत्ति है जिसकृं सं० 1008 जो बनाशंकरि II स्टेज एक्सटेंशन, बेंगसूर में स्थित है।

> आर० भारहाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 14-1-1985

मोहर -

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनां ह 25 जनवरो, 1985

निदेश सं० सि० आर० 62/45513/84-,85:—यतः.मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), के धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बारण क्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे० नं० 4 है तथा जो कोनादासापुरा विलेज, बिदराहरिल होत्रिल, हो कोटे तासुक, बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय हासकोटों मी धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया ही मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रा प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है —

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिन्यम के बधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए, और/या
- 'ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम. निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् प्रस्त श्रीमती लोलावित शिवास्वामी,
 श्रीर श्री टी० एस० शिवस्वामी,
 नं० 28, लक्ष्मीदेवी, ब्लाक,
 बप्ता रोड, शांतिनगर,
 बेगलूर।

(अन्तरक)

 मैसर्स अब्दुल रहीम स्रौर कं०, क्यालनूर, कोलार डिस्ट्रिक्ट, आफिस एट न० 26/1, कलासिपालयम, न्यू० एक्स्टेंशन, बेंगलूर सिटि।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्ट मर्ध्याल के अञ्च क लिए कार्यवृहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध म कोई भी जाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ढामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतन उक्त म्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण --इसम प्रयुक्त कव्या और पदा का, जा उवत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गया है

अनृसूची

(दस्तांवेज सं० 659/84 तारीख 23-6-1984) भूमि है जिसका नं० सर्वे 4, जो कोनादासांपुरा विलेज, बिदराहल्लि होबलि, होसकोट्टे, तालुक, बेंगलूर, डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 25-1-1985

मोहर 🔅

प्ररूप भार्दे. टी. एम. एक.

भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

हारतियः, त्रायः ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निदेश सं० सि० आर० नं० 62/45514/84-85:--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, जिसका उचित अजार गल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिनकी संख्या पर्वे० नं० 4 है तथा जो कोनादासापुरा विनेज बाम्मानाहिन्न होबन्नि होसकोटे, तालुक, वेंगलूर द्विस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हासकोटो मं धारा 269 ए.बी. के अतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके व्रथमान प्रतिफल, से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) वार अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण स हूर किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वन के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय की जिन्ही भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑक्षिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा १ किट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, अधाने भी सुविधा की लिए।

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के, जन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिसित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती लीलावती शिवस्वामी श्रीर
 श्री टी० एस० शिवास्वामी,
 नं० 28, बासप्पा रोड,
 लक्ष्मीवेवी ब्लाक, शांतिनंगर,
 बेंगलूर सिटी।

(अन्तरः

 मैं सर्स आरको स्पिनिंग मिल्स, कयालनूर, कोलार डिस्ट्रिक्ट थ्रौर आफिस एट नं० 26/1, क्लासिपालयम न्यू एक्सटेंशन, बेंगलूर-2।

(अन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के ि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वन्की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविवास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय ,20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

वस्तावेण सं० 660/84 तारीख 23-6-84)
भूमि हैं जिसका सर्वे० नं० 4, जो कोनावासापुरा विलेज,
बोम्मानाहस्लि होबलि, होसकोटे, तालुक, बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट,
में स्थित है।

आर० **भारद्वाज,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 25-1-1985

मोहर :

प्ररूप आइ⁴, टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1985

सं० सि० आर० 62/44810/84-85:---यतः मुझे, आर० भारताज,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' व हा गया है), की भारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृज्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 33 है, तथा जो V ब्लाक, कोरामंगला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 12-10-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत कया गया है मुझे यह विश्वास

उरने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित्त का उचित बाजार क्या, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एनेसे दश्यमान प्रतिकाल का चूह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िक सी नाम की बाजत उच्च अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सृविधा के लिये; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा करान्त्र,

कतः कथा, उक्त बाँधनियमा, कौ धारा 269-न कं अनुकरण मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रा जि० वं (० गोबिन्दाप्पा, श्रोनिवासा निलवा, निवेणीनगर, टो— (राष्पुरा, हासन डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

श्रीमती एच० सुर्शालाम्मा,
नं० 30, कोरामंगला विलेज,
सेट जाना मेडिकल कालेज पोस्ट,
बंगलूर-34।

(अन्तरिती)

को यह सृषना जानो करके पर्वोक्त सम्मिष्ट के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जक्त संपत्ति के अपन अ सम्बन्ध र कोई भी आर्धप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र म प्रकाशन की तारांख सै 45 दिन की अविध या रिसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तारा;
- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गिरभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ब्नुस्धी

(दस्तावेग सं० 427/84 तारीख 12-10-1984) खाली जगह हं जिसका सं० 33, जो V ब्लाक, कोरा-मंगला एकाटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है $\left(60'\times40'\right)$

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 24-1-1985

मोहर :

प्रकल बार्ड. टी. एनं एस -----

अग्यकर अधिनियम. 1961 (1961 की 43) की पुरा २०● घ (१) में प्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनव्री, 1985

सं० आर० 62/45579/84-85:--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या 7(362) है, तथा XVI मैं न, IV "टी" ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इस से उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984:

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान करने का कारण हो कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित नाजा मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दर्यमान प्रतिफाल का, पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियंम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या.
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियार में सनिधा को भिए;

वत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नपधार के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षातं :--

 श्री के० श्रीनिवासा राव, न० 49, I क्लास, जे० पी० नगर, III फेस, बेगलूर-78।

(अन्तरक)

नसीर अहमद,
 न० 785, बि० ईचिक्कापेट,
 तुम्ह्र्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो, करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन. के लिए कार्य ग्रीहयां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयन्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्भाना

(दस्तावेज स० 1094/84 तारेख जून 1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 7 (362), जो XVI मैन, IV 'टि", ब्लाक, जयानगर, बेगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर,

तारीख: 30-1-1985

मोहर :

प्रस्प नार्षः टॉ. एव. एस ~

बायकर विभिन्सिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 30 जनवरी 1985

म० सि० आर० 62/45729/84-85:---यत मुझे आर० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 19€। (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या 3791 है, तथा जो II स्टेज बनशकरी, वंगलूर मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे घौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता को कार्यालय जयानगर मा धारा 269 ए बी के अतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे एस्पमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अपरण लिखित म यास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (फ) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कार योने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानें में स्विधा को लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---

श्री मुनील कुमार, रेप्रासेन्टेड, ब० श्री नरेण कुमार, न० 184, लीवर पैलेग आरथरडम, [क्लास, II फ्लोर, बगलूर।

(अन्तरक)

2 श्री एस नामाकृष्ण नाथ, नं 644, IV क्लास वनगंकरि, 1 स्टेज, II ब्लाक, बगलुर-50।

(अन्तरिती)

को यह मूचना कारी कारके मूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मून्ना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

(दस्तावेज स॰ 3185,84 तारीख 9-11-84) खाली जगह है जिसकी स॰ 3791, जो I स्टेज बनशंकरि, बंगलूर-70 में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 30-1-1985 मोहर ;

48-476 G1/84

प्रकृप मार्ड .टीं.एन .एस . ------

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के व्यक्तीन स्पना

भारत सहस्यद्

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी, 1985

सं० सि० आर०-62,43375,84-85:---यतः मुझे, आर० भारदाज,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा के 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मंख्या 35(5) है तथा जो ग्रोबेय्या लेन, अक्किपेट, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विस्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निक्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावस उक्त किंपिनयम के कभीन कर दोने के जन्तरक ने वासिस्य में कभी करने या उक्त वेचने में सुविधा के सिए, कौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या भन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विभा औ किए;

मतः अव, उक्त अधिनियम कृती धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--- श्री बो० नागराज अडापटड, पुत्र आफ लेट उमा पंडित अलियास उम्माना, नं० 522, आन्जानेवा टेम्पल स्ट्रीट, वि० वि० पुरम, बंगलूर-4।

(अन्तरक)

के० बी० रामुसा,
 न० 1, XV फ्लोर, कास,
 किलारी रोड, बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृक्तें कर सम्मित के अर्थन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

बक्त कम्मात्त के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बार्बप?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी अविध नाद में समान्य होती हो, के बीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पष्टित ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवास नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस था सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया बना है।

वन्त्वी

(दस्तावेज सं० $858_1 84$ तारीख 15-6-84) सम्पत्ति है जिसकी स० 35(5), जो धोबेंग्या लेन, अक्किपेट, बंगसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 30-1-1985

मोहर:

प्रक्षप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के अधीन सुभा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

सं० सि० आर० 62/45571/84-85:---यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 639 है तथा जो XI कास, वेस्ट आफ कनाकापुरा रोड, जयानगर, बंगलूर-II में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्ममान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धार्रा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रजिस्ट्रीकृत

किया गया है मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
फल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
(अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त
अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सृविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री टि० आर० सत्यनारायण सेट्टि नं० 465, अशोका पिलार रोड, II ब्लाक, जयानगर, बंगलूर-II।

(अन्तरक)

श्री बी० के० बेनुगोपाल,
नं० 584, X क्रास,
वेस्ट आफ कनाकापुरा, रोड YIII ब्लाक,
जयानगर, बंगलूर—II।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्स्**यी**

(दस्तावेज सं० 1047/84 तारीख 22-6-1984) खाली जगह है जिसकी सं० 639, जी क्रास, वेस्ट आफ कनाकापुरा, रोड, जयानगर, बंगलूर-!! में स्थित है।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्य आहें. टी. एन. एस.,------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० सि० आरं० 62/45596/84-85:—यत: मुझे, आरं० भारक्षाज,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी सं 0 1194/11-1 है, तथा जो 28 मैंन, 35 कास, IV टी ब्बाक, जयानगर, बंगलूर में स्थित है (अप्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984।

कर पूर्वोक्त अस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास राजस्ट्रीकृत किया गया है मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक संहुई किसी जाम की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक अहे दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में बृविधा के बिए; आर्/बा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री फरूक अहमद ,
 नं० 1194, 28 मैंन,
 35 कास, टि ब्लाक,
 जयानगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

श्रीमती एपन्जिला पिन्टो,
नं० 57 के० एस० आर० टो० सा० संट्रल
को आपरेटिव, छेग्नोट,
मारक्की: III फोस,
बंगलूर-74।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह[ा]।

उन्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितमव्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पल्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

(दस्तावेज सं $^{\circ}$ $_{/}$ $_$

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख[.]: 10-1-1985

मोहर ;

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 8 फ़रवरी, 1985

निवेश सं oIII-969/अर्जन/84-85—अतः मुझे, प्रवोध

कुमार

ायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 15,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी वार्ड सं० 2, मौजा, हिरापुर-7, प्लाट नं 2165 (प०), म्युनिसिपल होल्डिंग नं 72, जो हिरापुर, धनबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-1984

ा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान तिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गईं 'और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाकृत म्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे 'तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चश्य 'उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया या हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी जाम या किसी धन या अन्य मास्तियों का, जिन्हें कारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अ**व,** उक्त अधिनियम की भारा 269-ग **के अनुसरण** में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलि**ष्ट व्यक्तियों अर्थाट्**य—

- श्री अमिताब सेन गुप्ता, बल्द स्व० डाक्टर, जी० एन० सेन गुप्ता,
 60/2, हरिपदा, बत्ता सेन, कलकत्ता-33
 - (अन्तरक)
- 2 (1) श्री सतेन्द्र कुमार ठाकर, वर्ल्द स्व॰ आनन्द स्वरुप ठाकर, हिरापुर, धनबाद ।
 - (2) श्री सुरेन्द्र कुमार ठाकर बल्द स्व० आतन्व स्वरूप, ठाकर हिरापुर, धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

प्रमुख्य

जमीन जिसका रकवा 13 कट्ठा 1/52 छटाक है, साथ में मकान जो हिरापुर, धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका सं० 6519, दिनांक 22-6-1984 में विणित है) एवं जिसका निबंधक जिला अवर निबन्धक पर्वाधिकारी धनबाद के द्वारा हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिह्नोर पटना

दिनांक 8-2-1985 मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th February 1985

No. F.2/85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri N. Vijai Kumar, Officiating Assistant Editor, Supreme Court Reports, and appointed him substantively to the post of Assistant Editor, Supreme Court Reports, with effect from the forenoon of February 6, 1985.

H. S. MUNJRAL Dy. Registrar (Admn. 1.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 28th January 1985

No. A.32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Section Officer on ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

- S. No., Name &_Pcriod
- 1. Shri K. L. Sud—25-1-85 to 29-3-85.
- 2. Kum. Bharati Narasimha-25-1-85 to 29-3-85.

The 31st January 1985

No. A-32013/2/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri L. B. Sinate, a permanent Grade I officer of CSS (Select List—Sl. No. 12) 1983 as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from 17-12-84, until further orders.

2. This issues with the approval of the Appointment Committee of the Cabinet.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th February 1985

No. 1-25/84-CFSL/797.—The President is pleased to extend appointment of Shri S. K. Das Gupta retired Senior Scientific Officer (Grade-II) ad-hoc on re-employment as Senior Scientific Officer (Grade-II), Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation for a further period of three months with effect from 18th January 1985 (FN) to 17th April 1985 (AN).

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th February 1985

No. A.64/68-AD.V.—Shri A. B. Belgal, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 31-1-85, on superannuation.

The 8th February 1985

No. S-1/70-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Saxena, Senior Public Prosecutor, Central Burcau of Investigation as Deputy Legal Adviser in C.B.I. with effect from the afternoon of 31-1-85.

The 12th February 1985

No. A-19019/1/78-AD.V(Vol. II).—Shri E. N. Ranison relinquished charge of the Office of Additional Director/Central Burcau of Investigation and Addl. Inspector General of Police/Special Police Establishment on the afternoon of 31st January, 1985 after the expiry of re-employment from 1-8-84 to 31-1-85.

No. A-19021/9/80-AD.V.—The services of Shri D. C. Sinh IPS (BH-1971) Supdt. of Police, Central Bureau of Invest gation, Special Police Establishment, Patna Branch, on repatriation are placed at the disposal of Govt. of Bihar with effe from the afternoon of 1st February, 1985.

R. S. NAGPA Administrative Officer (C.B.

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 28th January 1985

No. A.12012/1/84-Admn.I.—Shri E. A. Michigan, Tect Supdt. (Cipher) of the Directorate of Coordination (Polic Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director (Cipher) on ad-hoc basis in DCPW in the scale of pay of Rs. 650 30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40-1200/- with effect from the forenoon of 14th Jan., 1985 for period of six months or till Shri I. P. K. Menon is reverte back as EAD (Cy) whichever is earlier.

B. K. DUG Directe Police Telecommunication

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY O ADMINISTRATION

Mussoorie, the 5th February 1985

No. 2/7/81-EST.—In continuation of this office Notific tion of even number dated the 30th July, 1984, the ad-hoc a pointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assista, Professor of Hindi in the LBS National Academy of Adminitration, Mussoorie, is hereby extended for a further period six months or till regularisation, whichever is earlier, wit effect from 4-2-1985 (forenoon).

A. K. AGRAWA Dy. Director (Senior

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 4th February 1985

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF pleased to appoint Dr. Rabindra Nath Kaman as Junior Med cal Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the fornoon of the 10th January, 1985 for a period of three month or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.

M. P. JAKHMOL. Assistant Director (Estt

New Delhi-110 003, the 6th February 1985

No. O.II-2003/85-Estt.—The Director General, CRPF, pleased to appoint Dr. Manzar Afaque as Junior Medic officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the for noon of 22nd January, 1985 for a period of three months till recruitment to the post is made on regular basis, whic ever is earlier.

The 7th February 1985

No. O.II-1518/80-Estt.—Shri T. K. Sanyal, Assistant Director (Legal) expired on 28-1-85. He is accordingly structof the strength of the force from 29-1-85 (FN).

ASHOK RAJ MAHEEPAT Assistant Director (Esu

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 5th February 1985

No. E-16013(1)/12/84-Pers.I.—The President is pleased appoint Shri Swaranjit Sen, IPS (AP: 68) on promotion

reputy Inspector General in the Central Industrial Security orce in the pay scale of Rs. 2000—2250/- on tenure depution basis with effect from the afternoon of 22nd January, 085

PART III—SEC. 1]

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MAHARASHTRA

Bombay, the 22nd January 1985

No. Admn-I/Genl./31-vol.III/C-1/489.—The Accountant Jeneral, (A&E), Maharashtra, Bombay is pleased to appoint he following Section Officers to officiate as Accounts Officers rom the dates mentioned against their names, until further palers

- (1) Shri H. K. Das-21-1-1985 (F.N.)
- (2) Shri J. N. Banavalikar-29-12-1984 (F.N.)

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110 001, the 6th February 1985

No. 5117/A-Admn./130/82-84—The Director of Audrefence Services, New Delhi is pleased to appoint the undernantioned Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers n the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the date oted against each:—

Designation	Office in which appointed	Date from which appointed
ry . Section Office (Audit)	r Jt. Director of Audit, Defence Services S.C. Pune.	5-1-85
ner . Section Office: (Audit)	Do.	5-1-83
vi Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit, Dofence Services (AP) Dehradun.	5 -1-85
	ry . Section Office (Audit) ner . Section Office (Audit) vi . Section Officer	ry . Section Officer Jt. Director of (Audit) Audit, Defence Services S.C. Pune. ner . Section Officer (Audit) vi . Section Officer Jt. Director of Audit, Defence Services (AP)

B. S. TYLE
Joint Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 7th February 1985

No. AN-I/1904/5/Vol.I.—Shri S. Bhageerathan, ACDA ad-hoc) who will be attaining the age of 58 years on 30-09-85 his date of birth being 19-09-27) will be transferred to e Pension Establishment with effect from 01-10-85 (FN) ad shall accordingly be struck off the strength of Defence accounts Department with effect from 30-09-85 (AN) in rms of FR 56(a).

A. K. GHOSH Additional Controller General of Defence Accounts (Tdmn.)

OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS

Bangalore-1, the 31st January 1985

No. AN/1141/III.—Shri M. Mallu. Ty. Sweeper. Son of Shri Madhu, Resident of No. 261, Balaji Road. II-Block, T. R. Nagar, Bangalore-28 and serving in the Office of the Controller of Defence Accounts, Bangalore had been absenting himself from duty without any report with effect from 23-11-83. In pursuance of sub rule (i) to Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965. ONE MONTH'S Notice for termination of service was already and to addresses known to this office on 15-9-1984, which was received back undelivered by the postal authorities with the remarks "Left returned to Sender" and "Left not known". It is therefore, hereby notified that the services of Shri M. Mally stand terminated.

RADHA A. NANJANATH

Joint Controller of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 069, the 1st February 1985

No. 1/85/A/E-I₁(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Sunity Kumar Bhattacharjee, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and from service with effect from 31-1-85 (AN).

R. K. CHELLAM

Member/Personnel

for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 7th February 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-ADMN(G)/888.—The President is pleased to appoint Shrimati P. Swaminathan, (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay on ad-hoc basis for a further period of 3 months w.e.f, 21st Nov., 1984.

P. C. JAIN Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 5th February 1985

No. 1/2/84-ADMN(G)/897.—The President is pleased to appoint Shri M. P Issac. (CSS Grade I Select List, 1983—S. No. 69) to officiate in Grade I of that Service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi with effect from 25-1-1985 (FN) until further orders.

RAJINDER SINGH

Jt. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER KANDLA FREE TRADE ZONE

Gandhidham-Kachchh-370 230, the 7th February 1985

No. FTZ/Admn/7/2/84/2449.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch hereby promotes and appoints Shri Thomas Kurian, Stenographer Grade-I hitherto functioning as Personal Assistant to Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone as Assistant Development Commissioner on ad-hoc basis in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-40-1000-18-40-1200 with effect from 25th January, 1985 (forenoon).

V. S. GOPALAKI ISHNAN Development Commissioner Kandla Free Trade Zone

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

Now Delhi, the 11th February 1985

No. A-31013/3/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. I) (Mech.) in the Small Industries Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

SI. No.	Name of the officer	Date from which appointed in a substantive capacity
	S/Shri	
1. 1	r.R. Subramanian	1-4-1963
2. F	R.G.P. Asthana	1 -4- 1 9 63
3. I	3. Roy	1-4-1965
4.]	L.M. Mathar	29-6-1965
5. 1	R. S. Gupta	28-12-1967
6. 1	K.S. Lamba	1- 3 -19 6 8
7. 3	M.K. Verma	1-3-1968
8. 5	S.C. Garg	1- 5-196 8
9. 1	R.P. Chug	1-5-1968
10. 7	r.R. Sehgal	1-7-1968

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRTIVE SECTION A-1)

New Delhi-110 011, the 4th February 1985

No. A-1/42 (41) VI.—The President is pleased to appoint Shri N. D. Jog, officiating as Director of Supplies on ad-hoc basis in this Directorate General, substantively to the permanent post of Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service) with effect from 30-3-1971.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th February 1985

No. A-19011 (189)/75-Estt.A.—The President is please to appoint Shri V. M. Prabhushettar, permanent Assistan Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mine in the Indian Burcau of Mines on ad-hoc basis with office from 17-1-85 (forenoon), for a period of 6 months or to the post is filled on regular basis through Departmental Premotion Committee/Union Public Service Commission, which ever is earlier.

The 8th February 1985

No. A.19011(366)/85-Estt.A.—The President is pleased tappoint on the recommendation of the Union Public Servic Commission Shri Nazim Raza Khan, Mineral Officer (Inteligence) to the post of Assistant Mineral Economist (Inteligence) in the Indian Bureau of Mines in an officiatin capacity with effect from the forenoon of 31st January, 198

P. P. WADH
Administrative Office
for Controller Genera
Indian Bureau of Mine

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 3rd February 1985

No. 4(75) /84-SI.—The Director General, All India Radic hereby appoints Shrl Syantanu Kumar Rath as Programm Executive at CBS, AIR, Cuttack in a temporary capacit with effect from 17th January, 1985 and until further order in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-100 FB-1200.

H. C. JAYA

Dy. Director of Administratio

for Director Gener

New Delhi, the 6th February 1985

No. 3/61/83-SIII/S IV.—Consequent upon his prometion Shri A. M. Mishra, Senior Engineering Assistant, A India Radio, Darbhanga has assumed charge of the poof Assistant Engineer in the Office of the Chief Engine (East Zone), All India Radio, Calcutta on the forenoof 10-7-1984.

No. 17/7/84-S-IV.—Consequent upon their promotion the under-mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc sapacit at different offices of All India Radio/Doordarshan from the date shown against each:—

	_ =		
SI. No.	Name	Station/Office	Date of join
1 Shri S.	S. Rawat	A.I.R., Indore	12-12-84 (F.
2. Shri A	lima Ram	CE (North Zone)	12-12-84 (F)
3. Shti N	4.5. Mishra	CE (North Zone)	30-11 -84(F)
4. Shri C	ł. Natarajan	L.P.T.V. Tura	8-12-84 (F.
5. Shri V	7.P.Soni	T.V. Mainten- ance Centre, Ak	31-12-84 (F.
6. Shrl /	Abdul Rohman	Radio Kashmir Srinagar	
7. Shri !	Mukul Karmarkar	CE (East Zone)	30-10-84/FN
8. Shri Y	V. M. Kachroo	DDK , Srinaga	
9. Shrill	R.K. Ganjoo	Lch (AIR) 1-1	

J. D. A
Deputy Director of Administration (E
for Director Gene

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th February 1985

No. A. 22012/4/83 CGHS I—Consequent upon his transfer from CGHS Bangalore to Central Government Health Scheme, Delhi Di Amal Krishna Dey relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Government Health Scheme, Bangalore with effect from the afternoon of 10th December, 1984 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Government Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 26th December, 1984.

P. K. GHAI Deputy Director Admn. (CGHS II)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 7th February 1985

No. A. 19012/1/85-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Ne.K. Koli, Officiating Office Superintendent, Govt. Medical Store Depot, Bombay as Assistant Depot Manager at the same Depot, with effect from the forennoon of 14-1-1985, on an and hoc basis and until further orders.

R. C. GULATI Deputy Assistant Director (Stores)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad, the 4th February 1985

No. PAR/0704/201.—Further to this office notification No. PAR/0704/47 dt. 7-1-1985, the appointment of Sri J. Suryanarayana Rao, Asstt. Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc basis is extended upto 28-2-1985 or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR/0704/202—Further to this office notification No. PAR/0704/46 dated 7-1-1985, the appointment of Sri N. Bharathan, Asstt. Accountant, to officiate as Asstt. Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—FB—40—960/- on ad hoc basis is extended upto 28-2-1985 or until further orders, whichever is earlier

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION Anushakti-323 303, the 7th February 1985

No. RAPS/Rectt./7(8)/85/S/185.—On transfer from Narora Atomic Power Project, Chief Superintendent, RAPS hereby appoints Shri N. K. Sharma as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960/-) in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 21, 1985.

A. N. KATTI Administrative Officer (E)

DEPARTMENT OF SPACE INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 25th January 1984

No. GN-003.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri H. N. Nagaraj. as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility. Hassan with effect from the foremon of 20th January 1984 and until further orders.

No. GN-004.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri 49—476GI/84

M. Jayarami Reddy, as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan, with effect from the afternoon of 23rd January 1984 and until further orders.

No. GN-005 - Project Director INSAT 1 State Segment Project, Department of Space 1, ployed to appoint Shri S. Manjunatha Datta, as Securited/Lugineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility. Hassan, with effect from the forenoon of 23rd January 1984 and until further orders.

No. GN-006—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Kum. S. T. Bhagyalakshmi, as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility. Hassan, with effect from the forenoon of 24th January 1984 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR Administrative Officer-I For Project Director

New Delhi, the 27th August 1984

No. GN-013.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri Anil Kumar Bhandiwad as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 20th August. 1984 and until further orders.

The '3rd October 1984

No. GN-014—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri Vithal B. Athani as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the forenoon of 1st October, 1984 and until further orders.

No. GN-015. Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri T. N. Suresh Kumar as Scientist/Traineer-SB in the INSAT-1 Master Control Feedux. Hassan with effect from the forenoon of 1st October, 1984 and until further orders.

No. GN-016.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri R. Thiyagarajan is Scientist/Ungineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility. Hessan with effect from the foremoon of 1st October, 1984 and until further orders.

The 23rd November 1984

No. GN-017.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri B. Somashekar, as Scientist/Engineer-SP in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan, with effect from the forenoon of 15th November 1984 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR Administrative Officer-II for Project Director

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT ISRO , Bangalore-17, the 30th May 1984

No. 12/49/78-Admin.—The Programme Director, APSU appoints the following persons in LCSD Auxiliary Propulsion System Unit of Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the dates mentioned against each and until further orders.

(1) Shri G. Sundaravadivelu	5-7-1983 (FN)
(2) Shri J. Zacharlas	1-10-1982 (FN)
(3) Shri S. Premkumar	31-1-1983 (FN)
(4) Smt. S. Usha Devi	7-2-1983 (FN)
(5) Shri A. Manimaran	31-8-1983 (FN)
(6) Shri R. Subramanian	1-2-1983 (FN)

À UNNIKRISHNAN Admn. Officer

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 6th February 1985

No. 16/433/84-Ests-I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Arun Prasad as Research Officer under the Forest Soils Vegetation Survey, Colmbatore under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 5-1-1985 in a temporary capacity until further orders.

J. N. SAXENA Registrar, Forest Research Institute & Colleges

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 6th February 1985

No. 11-TR(11)/84.—The President is pleased to appoint Shri T. Mukhopadhyay as Lecturer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad hoc basis, with effect from 12-12-1984 (F.N.) until further orders.

AMITABH CHANDRA
Deputy Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 4th February 1985

No. A-19012/1033/84-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Sanat Kumar Ghosh, Supervisor, to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 28-10-1983.

The 7th February 1985

No. A-19012/1068/84-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. K. Upadhyay, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for the period from 22-9-1984 to 30-12-1984 (A.N.).

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th January 1985

No. 33/7/82-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri M. M. L. Bhatnagar, a nominee of the U.P.S.C., against temporary post of Assistant Director of Horticulture, in General Central Scrvice (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Horticulture, CPWD, New Delhi, with effect from 3-12-84 (FN) until further orders.

- 2. Shri Bhatnagar is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Director of Horticulture.
 - 3. His initial pay will be fixed according to Rules.

PRITHVI PAL SINGH.
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 15th January 1985

No. 30/29/83-EC.I.—The President is pleased to appoint the following Assistant Engineers (Civil) in the Central Public Works Department to officiate on ad-hoc basis, until further orders, as Executive Engineers (Civil) in the Department with effect from the dates shown against their names:—

S/Shri

- 1. K. L. Langar-26-8-84
- 2. O. P. Gupta-III-30-8-84
- 3. I. P. Mittal-20-9-84
- 4. R. M. Aggrawal-29-10-84
- 5. J. N. Sen-30-11-84 (AN)
- 6. Bharat Bhushan-9-10-84

NEENA GARO Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 4th February 1985

No. 27-EE/D(8)/81-ECII.—The President has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri M. S. Ohingra, Executive Engineer (Elect.), Farldabad Central Elect. Division, Central Public Works Department, Faridabad and to permit him to retire from Govt. service with effect from 31-8-1984 (AN).

NEENA GARG
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Happy Valley Hatcherles Private Limited

Srinagar-190 008, the 31st January 1985

No. G/Stat/560/550/205.—Notice is hereby given that pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s, Happy Valley Hatcheries Private Limited has this day been struck off the Register and that the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, J&K

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN,) U.P. & COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 4th January 1985

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 198.—Shri Surat Singh (ST), Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Office (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, C-Ward, Salary Circle, Lucknow in the forenoon of 31-12-84.

DHARNI DHAR Chief Commissioner (Admn.) U.P. & Commissioner of Income-tax, Lucknow

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX New Dalhi, the 3rd January 1985

No. CIT-V/IUR/84-85/2901.—In exercise of powers conferred by Sub-Section (1) and (2) of Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V. New Delhi hereby directs that the I. Tax Officers mentioned in

Col. 2 of the Schedule below shall have concurrent jurisdiction with the Income-tax Officer mentioned in Col. 3 of the said Schedule in respect of persons/cases assessed/assessable by the Income-tax Officer mentioned in Col. 3.

The notification shall take effect from 1-1-1985. The IAC V-m will regulate the work of the ITOs to whom concurrent jurisdiction has been assigned.

SCHEDULE

1 3	
1. Shri R.A. Singh, ITO on relief from Distt. II(3)	Income-till Officer Distt. VII(1)
2. Shri C.L. Kapoor, ITO Distt. II(15)	Income-tax Officer Distt. VII(7)
3. Mra. S. Mehta, ITO on transfer	Income-tax Officer Distt. VII(5)
4. Shri R. P. Shurma on transfer	Income-tax Officer Distt. VII(4)

Y. P. SUD Commissioner of Income Tax OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 6th December 1984 ORDER

Sub:—Establishment—Central Services Group 'C' Gazetted— Promotion Transfer & Posting of—

No. 101.—Shri A. N. Dhali, Inspector of Income-tax is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion his services are placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax, Meerut who will please issue his posting orders.

> G. N. GUPTA Commissioner of Income-tax

[PART 111-SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Krishna Prasad of Kankarbagh, P. S. Kankarbagh, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi of Arya Kumar Road, P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

> > Paina, the 8th February 1985

Rel. No. 111-968 Acr 84 85.-- Whereas, J. P. K. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sand Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 14 Cucle No. 8-A holding No. PC /CA-57

situated at Sector C. Kankarbagh, Peoples Cooperative Housing

Society, Patna-20

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7 6-1984 for an apparent consideration which is less

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if to the acquisition of the said property may be made it in the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 4925 Sq. ft., with holding situated at Kankarbagh, Peoples Cooperative Housing Society, Patna 20 and morefully described in deed No. I-6416 dated 7-6-1984 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

THE SCHEDULE

P. K. DUBFY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Date: 8 2-1985

Smt Supriya Chatterjee,
 W/o Dr. Ajit Kurnar Chatterji,
 R/o Bara Patel Nagar, Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi Agaiwal W/o Late Mohanlal Agaiwal, R/o Bagdoia, Silliguri, Daijeeling.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 8th Aebruary 1985

Ref. No. 1II-970/Acp. 84 35.—Whereas, I. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tauri No. 5586 Khata No. 167, Khisia No. 564, Thana No. 11 situated at Mohalla Khappina, P. S. Kotwali, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 9-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 12.5 Decimal I and with Building situated at Mouza Khajputa, P. S. Kotwali, Distt. Patna and morefully described in the sale deed No. 3693 dt. 9-6-1984 registered with D.S.R. Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihai, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st February 1985

Ref. No. A. No. 5749.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. as per schedule situated at kotkapura

No. as per schedule situated of Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in June 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) finalizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sandip Kumar, S/o Sh. Faquir Chand Rly. Road, Kotkapura, Distt. Faridkot.

(Transferoi)

(2) Shri Vijay Kumar, Sandip Kumar, Kudip Kumar, Ss/o Sh. Kasturi Lal, R/o Moti Bhuru Bazar, Kotkapura, Distt. Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the andersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated at Moti Bhutu Bazar, Kotkaputa and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4280 of June, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date ; 1-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st January 1985

Ref. No. A.P. No. 5750.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and hearing No. as per schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sandip Kumar, S/o Faqir Chand, Rly Road, Kotkapura Distt, Faridkot, (Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi, W/o Kasturl Lal, R/o Moti Bhuru Bazar, Kotkapura, Distt. Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated at Moti Bhuru Barar, Kotkapura and persons mentioned in the registered sale deed.

No. 1281 of June, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 1-2 1985

Seal:

FORM I.T.N.S .-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

.ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st February 1985

Ref. No. A.P. No. 5751.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Muktsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Rachna Rani, W/o Sh. Sohan Lal, S/o Atma Ram, R/o Maton Ram Street, Muktear
- (2) Sint. Guidaishan Kaur, Wo Shi, Gurbachan Singh, R/o 2327, Jiwan Dass Stieet, Muktsur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4)) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house S/a Matu Ram Street, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 713 of June, 1984 of the registering Authority, Muktsar,

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 1-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 28th January 1985

Refl. No. IAC/ACQ/ACQ/59/22/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 4.00 Acres & agricultural land situated at Mousa dabha

Teh. & Dist. Nagpur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagour on 30-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

-476GI/84

(1) 1. Shri Ramaji Banku Shedame 2. Smt. Leelabai Wd/o Banku Shedame r/o Mousa Dabha Teh & Dist. Nagpur.

(Transferor)

(2) Coop. Press Employees Coop. Society Ltd. Through its Secretary Shri Shamrao Dayaji Kiale, r/o Ramnagar Nagpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.00 Acres of agricultural land situated at Mousa Dabha Tch. & Dist. Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur.

Date: 28-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 28th January 1985

Ref. No. IAC/ACQ/61/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 136 N. S. No. 33-B, about 3388 Built up area bearing House No. 182, Ward No. 20 situated at Jalalpura,

Main Road, Khamgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharngaon on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Chaturbhuja Narsides
 Ghiya R/o E1 Juhu Apartments,
 Juhu Road, Santa Cruz-West, Bombay,
 through Attorney Shri Ashok Kumar eat wibhydes
 Ghiya R/o Adove-Bombay.

(Transferor)

Shri Ramesh
 Shri Prakash
 Narayan Dasji Ghawalkar
 R/o Khargaon,
 Teh. Khargaon
 Dist. Buldhera.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece & parcel or land bearing Plot No. 136, N. S. No. 33-B, admeasuring 3388 sq. ft. built up area bearing H. No. 182, Ward No. 20, situated at Jalalpura. Main Road, Khangaon, Teh. Khangaon Distt. Buldhera

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 28th January 1985

Ref. No. IAC/ACQ/58/22/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the initiovacian property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural Land bearing S. No. 152/3, situated at Wardha Road, Mouza Somalwada, Teh. & Dist. Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 5-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons namely:— (1) Smt. Ramabai W/o Padmakar Thaite Mouza Somalwada Teh. & Dist. Nagpur.

(Transferor)

(2) Yogakishem Co-op, Housing Society Ltd. through its Secretary Shri N. H. Deshpande r/o Snehnagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 152/3 situated at Wardha Road, Mouza Somalwada Teh. & Dist. Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur.

Date : 28-1-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 28th January 1985

cf. No. IAC/ACQ/60/22/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14.96 Acres of agricultural land side S. No. 179 situated at Mouza Karli Teh. Kalmeshwar & Dist. Nagpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major J. R. Malals West Park, Road, Dhansala, Nagpur.

(Transferor)

(2) M/s. Mohan Brothers, Harbour Road, Vishakhapatnam

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14.96 Acre of agricultural land situated at Mouza Karl Tels. Kalmoshwar Dist. Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur.

Date: 28-1-1985

Seal :

 Raj Rashik Trust Trustee.—Shri Rajendra uKmar Rasiklal Goglani, Amraoti.

(Transferor)

(2) M/s. Ramkishan Enterprises through partners Shri Mahendra Kumar Magan Lal Seth, Amraoti.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st December 1984

Ref. No. AR-I/37EE/2486/84-85,—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 11 situated at Mouza Jewad Teh. & Distt. Nagpur

S. No. 11 situated at Mouza Jewad Teh. & Distt. Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amaroti on 30-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One area of agricultural land in Q. No. situated at Mouza Jewad Teh & Distt. Amraoti.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur.

Date: 1-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st December 1984

Ref. No. IAC/Acq/55, 21/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

S. No. 5/1 situated at Mouza Mahajanpur Teh, & Distt. Amraoti

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amraoti on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sadashioappa Ramajiappa Mamankhane (Gonesh-Dahiwala)
 co. op. Nand Market, Rajapeth, Amaraoti. (Transferor)
- (2) M/s. Radhakrishna Enterprises through partners S/Shri K. L. Gaglani A. T. Jarsy & R. K. Dhoklia Amraoti.

(Transferce)

[PART III—SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Acres and 9 Gunthas of agricultural land vide S. No. 5/1 sdituated at Mouza Mahajanpui Teh. & Distt, Amraoti.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur.

Date: 1 12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

> > Nagpur, the 15th December 1984

Ref. No. IAC/Acq/57/21/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-A/519-A situated in Prashant Nagar Ajni, at

Wardha Road, Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Smt. Sheela W/o G, V. Thumbumkel
 Shri G, V. Thumbunkel
 both r/o 2-A, Prashant Nagar, Ajni, Nagpur,

(Transferor)

(2) 1. Shri Khushal M. Pincha

 Shri Rakesh K. Pincha,
 Shui Vikas K. Pincha all r/o 7, Nawab Layout Tilaknagar, Nagpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building bearing plot No. 519-A in Plot No. 2-A situated in Prashant Nagar, Ajni, Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur.

Date: 15-12-1984.

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(1) M/s. India Linoleums Limited 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Ramesh Kumar Nangalia— 106, Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Nagpur, the 2nd February 1985

Rcf. No. IAC-61/Acqn.R-IV/Ca1/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 14 situated at 14, Dr. H. K. Chatterjee lane, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3 Cottabs 3 Chattaks with building. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrab. Deed No.: 16828 of 1984,

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Nagpur.

Date: 2-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) M/s. India Linoleums Limited 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Kumar Nangalia-106, Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Nagpur, the 2nd February 1985

Ref. No. AC-60/Acqn.R-IV/Cal/84-85.-Whereas, I, SHANKAR K: BANERJÉE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14 situated at 14, Dr. H. K. Chatterjee lane, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes.

THE SCHEDULE

Land: 3 Cottahs 3 Chittaks with buildings. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, Howrah

Deed No. : 6828 of 1984.

SHANKAR K. BANERJEE Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naimely:—

51-476GI/84

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Celcutta, the 29th January 1985

Ref. No. AC-59/Acqn. R-IV/Cat/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 68 situated at College Road, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centrof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument o

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby untiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chintamoni Mullick & others, Ghutra Bazar, Chinsurah, Hooghly.

(Transferor)

(2) Meghna Commercial Co. (P) Ltd. P-16, New C I T Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 9 Bighas 10 Cottahs with structures.

Addressed: ,88, College Road, District-Howrah,

Deed No.: 7201 of 1984.

SANKAR K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 29th January 1985

Ref. No AC-58/Acqn, R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR k. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No.

situated at Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 13-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to colleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Japafer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. Duncan Agro Industries Ltd.
 Netaji Subhas Road.
 Calcutta-700 001.

(Transfe or)

(2) R. D. Manufacturing Industries Ltd. 4, Middleton street, Cal-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 957.88 acres with building and structures Address: Hansque Tea Estate P.S. and Dist. Darjeeling. Deed No. 6755 of 1984.

SANKAR K BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
Calcutta-700 016.

Date: 29-1-1985

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 29th January 1985

Ref. No. AC-57/Acqn. R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANEAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. situated at Bhadreswar (Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or everion of the littliffy of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Abdul Gani Khan, 84. Jhowtolu Road,

(Transferor)

(2) Machineworks (International) Limited, 1, Auckland Place, Cal-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land: 37347 Sqr. Meter with building. Address: Mouja & P. S. Bhadreswar, District—Hooghly. Deed No. 37FF No. 8/84-85.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVENMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta the 31st January 1985

Ref. No. AC-98/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 A.

situated at Munshiganj Road, Calcutta-23, (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269.\B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at on 26-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Niramani Nayak, 2. Pravat Kumar Nayak both of 9/5C, Munshiganj Road, Calcutta-23.

(2) Marouf Investment & Trading Co. (P) Ltd., of 35, Ezra Street, Calcutta-1.

(3) M/s. Patel Ware Housing Co.
(Persons in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said perty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perloa of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bighas land with two storied godown situated at 19-A, Munshigani Road, Calcutta-23. Registered before the Competent Authority vide St. No. 9 dated 26-6-1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. AC-74/Acq. R-II/Cal/84-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.0007- and bearing

No. 10/1/E, situated at Diamond Harbour Read, Cal-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferre! under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office, of Registering Officer at Competent, Authority on 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to neverte that the fair market value of the property as aforesaid *receeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followuig persons, namely :-

(1) M/s. Greenwich Holdings (P) Ltd. of 160/C, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700 007.

(Transferor)

(2) 1. Radha Krishna Bagri, 2. Ganga Devi Bagri.

3. Jagdish Kr. Ji Bagri. 4. Sri Mohan Bagri.

(Transferce)

C/o, M/s. Evenhappy Roducts, 3, Esplanade East, Calcula. (Persons in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. 3A, measuring area 2600 Sft. situated at 10/1/E, Diamond Harbour Road, P. S. Alipore, Calcutta-27. Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 1 dated 11-6-1984.

> SANKAR K. BANFRJFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16-

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, . CALCUTTA

Calcutta, the 8th February 1985

Ref. No AC-62/Acqn. R-IV/Cat/84-85.—Whereas, I, SANI.AR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000l- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing situated at Mouja-Doharia, P. S. Barasat, Dist. 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. (Calcutta) on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mark, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the naid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/2. N. K. Enterprise, 25, Strand Road, (7th floor) Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Bistupada Das, Sri Probodh Kumar Das, Sri Parimat Das, P-187. C.I.T., Scheme No. VII-M, Calcutta-709054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thir Chapte .

THE SCHEDULE

Land: 52 Decimal land with structures etc.

Address: Mouja--Doharia, P. S. Barasat, Dist: 24-Par-

ganas.

Deed No.; 6516 of 1984.

SANKAR K BANERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutt a
54, Rafi Ahmed Kidwai 70, 3
Calcutta-700 0 6.

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

'ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, 2nd February 1985

Ref. L. C. 717/84-85,-Whereas, I. B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated

at Kothamangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kothamangalam on 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri N. C. Mathai, Nadukudiyll Veedu, Kothamangalam. Shri Roy Mathew, Asanikudiyil Vcedu, Chelad. Smt Aleyamma Kuriakose, Asanikudiyil Veedu, Chelad.

(Transferors)

(2) S/Shri

(2) 5/5mi (2) 1. M. M. Chacko, Mlakkuzhiyil House, Kolapra.

2. Marykutty Chacko, Mlakkuzhiyil House, Kolapra.

3. K. J. Mathal, Kallarackal House, Muttom.

4. K. M. Joseph Binoy, Kallarackal House, Muttom.

5. M. T. Augustine, 6. Baby Thomas, 7. M. K. Damodran, 8. M. D. Alanesh, 9. M. D. Dileep, v

Methanath House, Thodupuzha,

M. P. Sadasivan, Madathil House, Manakkad, (Partners of Jawahar Tourist Home, Kothamangalam)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12.25 cents of land with a three-storeyed building in Sy No. 1023/3/1, 1023/3/2 of Kothamangalam Village, registered in SRO, Kothamangalam, as per document No. 3061 dt. 11-6-1984.

B. RAVIBALAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Ernakulaci

Date: 2-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-680 016

Cochin, the 2nd February 1985

Ref. L. C. 718/84-85,—Whereas, I.
B. RAVIBALAN,
eing the Competent Authority under Section 269B of the
ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
e as the 'said Act'), have reason to believe that the nmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

Ty. No. as per scheduled at Kothamangalam (and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regsitering officer t Kothamangalam on 11-6-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to clieve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more san fifteen per cont of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inceme arising from the transfer; 004/05

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing prions, namely :---

-476GI/84

(1) Shri N. C. Mathai, Nadukudiyil Veedu, Kothamangalam. Shri Roy Mathew, Asanikudiyil Veedu, Chelad. Smt. Aleyamma Kuriakose. Asanikudiyil Vcedu, Chelad.

(Transferors)

Sri M. M. Chacko.
 Smt. Mariakutty Chacko, Makudiyll House, Kolapra.

3. Sti K. J. Mathew 4. K. M. Joseph Binoy

Kallarackal Hsuoe M,ultom.

Sri M. T. Augustine,

Baby Thomas
(M.T. Kuriakose), Madackal, House, Muttom,

Sri M. K. Damodaran,

M. D. Dhanesh
 M. D. Dileep, Methanath House ,Thodpuzha.

10. M. P. Sadasivan, Madathil House, Manakad (Partners of Jawahar Tourist Home, Kothamancalam).

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.25 cents of land in Sy. No. 1023/3/1,2 of Kothamangalam village, registered in SRO., Kothamangalam as per Doc. No. 3063 dt : 11-6-84.

B. RAVIBALAN Competent Authority
Inspecting Assista ** Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 2-2-4985

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. COCHIN-680 016

Cochin, the 2nd February 1985

Ref. L. C. 711/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Sy. No. as per schedule situated at Kothamangalam situated at Tellicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tellicherry on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trausfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or "the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ukkandan Achuthan, Thiruvangad Amsom, Vayalalam Desom, Tellicherry, Cannanore.

(Transferore

(2) Sri Kuniyil Raghavan, Smt. N. Shailaja, Chokli Amsom, Manapram Desom, Tellicherry.

(Transferee:

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedable property, within 45 days from the date of t' publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the st Act, shall have the same meaning as givin that Chapter.

ATHE SCHEDULE

32 cents of land in Sy. No. 27/2 of Tellicherry Municility registered in SRO., Tellicherry as per Doc. No. 944 d 23-6-84,

B. RAVIBAL Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Ran Ernakult

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-2-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin, the 2nd February 1985

Ret. L. C. No. 712/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy No asper schedule situated at Tellicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tellicherry on 20-6-1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between B. RAVIBALAN,

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(1) Srl Ukkandan Achuthan, Thiruvangad Amsom, Vayalalam Desom, Tellicherry,

(Transferors)

(2) Sri Kuniyıl Raghavan Smt. M. Shailaja, W/o (1) Chokli Amsom, Manapram Desom, Tellicherry.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

37 cents of land in Sy. No. 27/2 of Tellichert, Municipality registered in SRO, Tellicherty as per Doc. No. 915 de 20-6-81

> B RAVIBALAN Compelent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:---

 $D \leftrightarrow$ 2-2-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin, the 2nd February 1985

Ref. L. C. No. 713/84-85.-Whereas, I,

·B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Tellicherry

situated at Tellicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tellicherry on 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ukkandan Achuthan, Tiruvangad Amsom, Vayalalam Desom, Tellicheny,

(Transferors)

(2) Sri Kuniyil Raghavan, Smt. M. Shailaja w/o Chokli Amsom, Menapram Desom, Tellichery.

(Transferees)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

31 cents of land in R.S. No. 27/2 of Tellicherry Municipality, registered in SRO, Tellicherry as per Doc. No. 959 dt.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Frnakulam.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dute : 2-2-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-680 016

Cochin, the 2nd February 1985

Ref. L. C. No. 714/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per scheduled situated at Kozhikode

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regsitering officer at Kozhikode on 14-6-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Sidharathan (2) Siyanandan, S/o Cherootty, Cholappurath House, Chevayur, Kozhikode.

(Transferors)

 (2) 1. Sri Ahamadkutty Haji, Maliakkal Veedu, Vengarra, Tirui.
 2. Sri Moideenkutty Haji,

Sri Moideenkutty Haji,
 S/o Annachampally Mammikutti,
 Court Desom, Tirui.

Sri Mammikutti,
 S/o Annachampalli Mohamed,
 Haji Thalakadathur,
 Cheriamunda, Tirui Taluk.

4. Smt. Kadeeja,
D/o Eanthumudili kunhahamed Haji,
Court Desom Tirus

Court Desom, Tirui.

5. Smt. Safia,
D/o Karunian Kunjaramu,
Mattathur Desom, Tirur Taluk.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd right over 43.08 cents of land in Re. Sy. No. 6-10-250 of Kozhikode, registered in SRO., Kozikode, Vide doc. No. 557/84 dated 14-6-84.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 2-2 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, COCHIN-680 016

Cochin, the 2nd February 1985

Ref. L. C. No. 715/84-85.—Whereas, I,

B. RAVIBALAN, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per scheduled satuated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule appared hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kozhikode on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(1) Sri Sidharthan, S/o Cherootty, Cholapurath House, Chevayur, Kozhikode.

(Transferors)

(2) 1. Sri Ahamadkutty Haji, Maliackal Veedu, Vengaara Desom, Tuur. 2. Srj Moldeenkutty Haji,

S/o Annachampally Mammikutti

Court Desom, Tirur.
3. Sri Mammikutti,
S/o Annachampalli Mohamed,
Haji Thalakadathur, Cheriamunda, Tirur Taluk.

Smr. Kadeeja, D/o Eanthumudilil Kunhahamed Haji,

Court Desom, Titur. 5. Smt. Safia, D/o Karunian Kunjarama, Mattathur Desom, Titur Taluk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesals persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a period of the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd right over 43.08 cents of land in R. Sy. No. 6-10-250 of Kozhikode, registered in SRO., Kozhikode vide Doc. No. 524 dt: 4-6-84.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 2-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF '1961)

Sri K. N. Ravindjanathan, S/o Kuttikkat Savithri Amma, Nakkanathilparambil Veedu, Near N S. S. College, Tripunithura.

(Transferois)

(2) Sri P. Krishnan, Flat No. 491-666 6 FACE (CD), Kuzhikad, Ambalamedu. ("Parijatham", Southern side of Thamaramkulan-gara Temple, Tripunithura). (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN-680 016

Cochin; the 2nd February 1985

Ref. L. C. No. 716/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-> and bearing No.

Sy. No. as per scheduled 'at Tripuflithura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tripunithura on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly effect in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trnasfer; which ought to be disclosed by the transferce for and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 cents of land with a building No. XII/204 of Tripunithura Municipality (Sy. No. 991/5), registered in SRO., Tripunithura as per Doc. No. 2094 dated 14-6-1984.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(P) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE COCHUN-680 016

Cochin-682 016, the 4th February 1985

Ref. No. L.C. 719/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Poonithura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tripunithuia on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-storesaid property by the issue of this notice under sub-ing, persons, namely:—

 Smt. Lakshmikutty Amma W/o. Pallath Krishna Monon Kuiupath-Mulankunnathu Kavu Desom Killannoor Village, Trichur Dist.

(Transferor)

(2) (1) Mohammed Safar

(2) Mohammed Saheer
Represented by M. (Zac.)

Represented by M. J. Zacharia Saint (3) Mohammed Zia

House No. 7/890, Cochin-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.043 cents of land in Sy. No. 936/2 of Poonithura village, registered in SRO Tripunithura vide document No. 2315 dt. 28-6-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Frankulam

Date: 4-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. L.C. 720/84-85.—Whereas, I, B RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Sy. No. as rer schedule situated at Poonithura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Tripunithura on 28-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Mecnakumari "Srcehari' House No. 31/2104 Vyttila, Cochin-18.

· (Transferor)

(2) (1) Shri Mohammed Sa-heei Represented by Shri Zacharia

(2) Shri Mohammed Safar Sait, House No. 7/890, Cochin-2.

(3) Shif Mohammed Zia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A double storeyed building in Sy. No. 936/2 of Poonithura Village, registered in SRO, Thripunithura, vide document No. 2316 dt. 28-6-1984.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Erankulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

53-476GI/84

Date: 4-2\1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 6th February 1985

Ref. No. CHD/21/84-85.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. SCO 2469-70 situated at Sector 22C, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Chandigarh in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shanti Devi w/o Shri D. L. Gupta House No. 3100, Secter 21D, Chandigarh.

(Transferor)
(2) Shri Kuldip Singh & Sons (HUF) through its
Karta S, Kuldip Singh
S/o S. Naginder Singh,
(ii) S. Bikram Singh
S/o S. Kuldip Singh,
(iii) Miss Amrita Sidhu
D/o S. Kuldip Singh &
(iv) Miss Roopica Sidhu

(iv) Miss Roopica Sidhu D/o S. Kuldip Singh, residents of 32, Mall Road, Ferozepur (PB.)

(Transferee)

*(3) 1. M/s Goodwill Traders, 2. Rajinder Kumar,

3. M/s Mohan Karyana,

- 4. Kumar Nohria Company,
- 5. Hindustan Times,6. Subhash Architects
- 7. Hindustan Samachar 8. Chandigarh Papers,
- 9. S.K. International,
- 10. Marut Investment, 11. Tri Murti,
- 12. Hussein Surgical & Medical Co.
- 13. Victor International,
- 14. Communical Equipments, all C/o SCO 2469-70, Sector 22C, Chardigarh. •

 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 2469-70. Sector 22C, Chandigarh (The Property as mentioned in the sale deed No. 148 of June, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 6th February 1985

Ref. No. CHD/24/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961-(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property-having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

No. H. No. 429 situated at Sector 37-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Bhupinder Kaur W/o S. Jaswant Singh R/o H. No. 2223 Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Devinder Singh S/o S. Mohinder Singh Bajwa, Sto House No. 442 Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 429 Sector 37-A, Chandigarh.
The Property as Mentioned in the sale deed No. 182 of June 84 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhlana

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1985

(1) Shri Atam Sarup Chopra S/o Sh. Dwarka Dass Chopra R/o H. No. 1076 Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)

(2) S. Fatch Singh S/o S. Kirpal Singh Through his general attorney S. Labh Singh S/o S. Mangal Singh R/o H. No. 2840 Sector 37-C Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1985

Ref. No. CMD/26/84-85.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 2318 situated at Sector 35-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2318 Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 223 of June 84 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1985

- - - - -

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 6th February 1985 o

Ref. No. KHR/18/84-85.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 1008 situated at Phase-III-B-2, Mohali, Tch.

Kharai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at khatar in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unor sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Thakar Singh Shi thakar shigh S/o Shri Chonan Ram R/o, V&PO Khijrabad, Teh. Kharar through attorney Shri Yogander Nath Malik S/o Shri Malik Sahib Dyal R/o H. No. 93, Sec. 15A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur W/o Shri. Surjit Singh Kalra, R/o House No. 1157, Sector 37B. Chandigarh. now at House No. 1008, Phase III-B-2, Mohali, Tehsil Kharar. Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1008, Phase III-B-2, Mohali, Teh. Kharar. (The Property as mentioned in the sale deed No. 1319 of June, 1984 of the Registering Authority, Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 6th February 1985

Ref. No. LDH/125/84/85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the. Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Portion of H. No. B-XIX-914/6D/1 situated at Tagorc Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Rattan Kapoor S/o Sh, Harsaria Mal R/o B-XI-994 Kucha Shahzadwala Gohar, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Avinash Khosla S/o Baljit Singh R/o 924/2A Tagoro Nagar Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45° days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Protion of H No. B-XIX-914/6D/1 Tagore Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2507 of June, 84 of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 6th February 1985

Ref. No. LDE/126/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

transfer with the object of :-

tieing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Portion of H. No. B-XIX-914/6D/2 situated at Tagore Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in June, 1984

Ludhiana in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sheela Wanti
 W/o Sh. Ram Rattan Kapoor
 R/o B-XI-994, Kucha Shahzadwala Gohar,
 Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Ravinder Khosle S/o Sh. Baljit Singh R/o B-III-427 Wakilan Street Purana Bazar Ludhiana.

(Transferce;)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XIX-914/6D/1 Tagore Nagar, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 2508 of June, 84 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Satya Pal Bansal S/o Sh. Madan I.al R/o House No. B.I.149, Ludhiana.

(2) Shri Rai Sahib S/o
Shri Tireth Singh,

House No. 1013, Shivala Road, Ludhiana.

(Transferce)

(Transferou)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1985

Ref. No. LDH/182/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 51-A situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51-A, Kitchlew Nagar, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 4262 of July, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS- ' SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1985

Ref. No. KHN/1/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.), have reason to believe that the innovable and the said Act.) property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Land measuring 23 kanals 17 Marlas with structure

situated at Khanna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khanna in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market trains of the formula property and I have recent to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or at the country to be disclosed by the transferee for which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

54-476GL/84

(1) S/Shri Om Pargash, Hari Ram & Raj Kumar, Sons of Shri Amar Nath S/o Sh. Balak Ram, C/o M/s Punjab Oil Mills, Khanna.

(Transferor)

(2) M/s Punjab Oil Mills Private Limited Khanna through its Director Sh. Kasturi Lal Jindal S/o Sh. Ganda Ram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 23 Kanals 17 Marlas with structure situated at Khanna (The Property as mentioned in the sale deed No. 449 of June, 1984 of Sub Registrar, Khanna,)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Ludhiana

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1985

Ref. No. CHD/22/84-85.-Whereas, I,

No. CHD/22/84-83.—whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 210 situated at Sector 21-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsons, namely :-

- (1) Dr. Datta Trai Sharma S/o Late Sh. Som Dutt Sharma, Chief Medical Officer Jindal and General Hospital, Hissar (Haryana) (Transferor)
- (2) Sh. Brij Mohan Chuni S/o Late Sh. Ram Nath Chuni, R/o 3111-A Sector 31-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- ((b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 210, Sector 21-A Chandigarh The Property as mentioned in the sale deed No. 163 of June, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 8-2-1985 Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1985

Ref. No. CHD/23/84-85.--Whereas, I,

Ref. No. CHD/23/84-85.—whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 214, situated at Sector 11-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sh.Sunil Bhasin S/o Sh. Rajinder Kumar 2. Sh. Jatinder Kumar S/o Sh. J. S. Sangari R/o H. No. 126 Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Narinder Pal Singh, S/o Dr. Karam Singh, through his general attorney Sh. Sudhir Kumar Nayyar, S/o Sh. Joginder Pal Nayyar, R/o H. No. 4, Sector 2-A Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 214 Sector 11-A Chandigarh. (The Property as mentioned in the sale deed No. 172 of June 1984 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range Ludhiana

Date: 8-2-1985

(1) Shri Ganga Ram S/o Sh. Kali Ram R/o V. Dadi Konian Teh. Nalagarh, Distt. Solan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Atul Castings Pvt, Ltd. Admn. & Sales Office at House No. 252, Sector 9C, Chandigarh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1985

Ref. No. NLG/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 10 bighas 8 biswas situated at V. Dadi

Konian, Teh. Nalagarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nalagarh in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957))

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 8/ biswas at V. Dadi konian, Teh. Nalagarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 368 of June, 1984 of the Registering Authority, Nalagarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 8-2-1985

Seal ;

- (1) M/s. Sandupatla and Sons, 431/4, Gultekadi, Pune-1.
- (Transferor)
- (2) Shri Vijay Dattatraya Shenolikar, 1194/5, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

IAC ACQ/CA-5/37EE/4844/84-85/1067.— Ref. No. Whereas I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 22, survey No. 88/3, Chintamani Nagar, Bolaji

Apt., situated at pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Out of survey No 88/3, Parvati, Chintamani Nagar, Balaji apartment, Flat No. 5.

(Area—1038 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 4844 in the rabber of June. 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4933/84-85/1066.--Whereas I,' ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1, 2nd floor, C. T. 9, No. 1552 Sadashiv peth, situated at Pune

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitation the radice of the Hability of the transferor to provide under the said Act, in respect of any income atting from the transfer; and/or
- (b) facilitating the contestment of any income or any moneys or other assert which have not been or which dight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the laid act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1922)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

109-466GI/84

(1) M/s. D. A. Kelkar and associates, 1478, Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Narayan Thatte and s/o Sadhana Vijay Thatte, 446-B-1/C, Shaniwar peth, Pune-411 030.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official #Bazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, C. T. S. No. 15525 Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Area—690 sa. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 4933 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001

Date: 29-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

IAC ACQ, CA-5/37EE/4887/84-85/1065.-Ref. No. Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property flaving a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. 13, Bldg. No. B. S. No. 18/A/1-A2, Eranda-

wana, situated at Pune-4

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1f of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) M/s. A. V. Apte & Co., 1957, Sadashiv peth. Madiwale Colony, Pune-411 030.

(2) Shri Arun Govind Reknalkar, 116, 14th Lane, Prabat Rd., Pune-411 004.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Building No. B. Survey No. 18/A/1-A-2, Erandawana, Punc-411 004.

(Area—694 of, ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 4887 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

IAC ACQ/CA-5/37EE/5141/84-85/1064.---Ref. No. Whereas I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 93, Dahanukar colony, Kothrud, Pune situated

at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inscess triving from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 19.22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Vijay Raghunath Swar and Smt. Sudhabei R. Swar,
 Mahalaxmi. No. 2, 174 Bhalchandra Road, Hindu Colony, Dadur, Bombay-400 014. (Transferor)
- (2) M/s. Prabin Guptey and Associates. 13/176, Lokmanya Nagar, Punc-411 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 93, Dahanukar colony, Kothrud, Pune-411 029 Survey Nos. 26/1, 2, 3, 4, 27/5, 6, 7, 8. (Area-7890 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 5141 in the month of June, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Pune

Date: 29-1-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune the 29th January 1985

IAC ACQ/CA-5/37EE/5216/84-85/1063 ---Rcf. No. Whereas I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. C-2, 4th floor, Bldg. 'C' Doongursee Park, 22, Bund Rd., situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at, IAC. Acqn. Range, Pune in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely '--

55-476 GI/84

- (1) M/s. Doonguisee Machines and construction Pvt. Manekji Wadia Building, 127, Mahatma Gandhi Road, Bombay-400 023.
- (Transferor) (2) Mrs. Sajani Hira 1t. General Ram Dharamdas Hira, Mrs. Pamela Mulani, 15, Chanekya Apartments, 9, Boat Club Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-2 4th floor, Bldg C. Doongursee Park, 22 Bund garden Rd., Pune-1. (Area--2144 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 5216 in the month of July, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Pune

Date: 29-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 29th January 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37LE/4964/84-85/1062,--

Whereas I.
ANIL KUMAR.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason' to believe that the immovable together beginning a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Hoperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 8, A-2, Bldg. Chintaman Nagar, S. No. 128/1.
Aundh situated at Pune-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Rauge, Punc in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Nikhil Enterprises, 14, Bombay Pune Rd., Nea: Bajat Auto Show Room, Wakade wadi, Shivaji Nagar, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Digambar Damle, 62-A Somwai peth, Pune-411 011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, A-2, Bldg., Chintaman Nagar, S. No. 128/Aundh, Pune-7.

(Area-960 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L. A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4964 in the month of lune, 1984.)

ANIL KUMACompetent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range, Poon-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-1-1985

Seal

PART III--SEC. 1]

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M s. M. M. Builders Pvt. Ltd., 47, Old Hamman Lane, Shanti Bhuvan, 1st floor, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) Shri Suketu Mathuadas Majithia, 43, Janwala Bldg, Chowpatty Rd., Bombay-400 007.

(Transferee)

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6228/84-85/1061,-Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. Flat No. 35,36, 31d floor, Bldg. No. 1, Plot No. 1,
Wing-B structed at Vasai, Dist. There
(and more fully described in the Schedule annexed bereto).

has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Runge, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 35/36, 3rd floor, Building No. 1, Plot No. 1,

Wing B', Vasai, Dist. Thane.

(Area—1017 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to ade registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 6228 in the month of June, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the anoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona the 29th January 1985

Ref. No IAC ACQ CA-5/37EE/5161/84-85/1060 — Whereas I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No Flat No 9, 2nd floor, Chintamani Apartment, Dr Ketkar

Marg situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqu Ringe, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for ne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) M/s Chintamani Enterprises, Managing partner-Shii Dattatraya Chintamani Khandk if. 'Chintamani , 51-A, Dr Kotkar Marg, Pune 411 004

(Transferor) (2) Smt Chandani alias Shabana Iqbal Shaikh, 17, Crescent Housing Society,

Pali Hill Road, Khar, Bombay-400 052

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 9, 2nd floor, Chintomani ipartments, F P No 51-A, C T S No 100 1 Dr Ketkar Marg, Erandawana, Pune-4

(Area - 1190 sq ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No 5161 in the month of June, 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ringe, Poona

Date 29 1-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Vidyadevu Sureshiao Rahatekar and Master Pritam Sureshiao Rahatekar, 507 A, Budhawar peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) M/s. Laddha Mantri, 1482, Sadasniv peth, 304, White House, Pune-30.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9589/84-85/1059. -Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Plot No. 10. C. T. S. No. 2712-B-2, S. No. 134, Hissa No. 4, Bhamburda, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 10, C. T. S. No. 2712, B-2, S. No. 134, Hissa No. 4, Bhamburda, Pune.

(Area-1000 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 9589 in the month of Nov. 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sekseria Bhawan, 106/107, Goregaon Park, Pune-111001

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/6507/84-85/1058.--Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. 8, 3rd floor, Atyas centre, Bombay Agra Rd., Balkum situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the li of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

M/s. Arya Builders Corporation, 117, Mittal Chamber, Natiman Point, Bombay.

(Transferoi)

(2) Shri J. P. Arya, 5A Shenaz Building, 90, Nepean Sea Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, Arya centre, Bombay Agra Rd., Balkum Dist. Thane.

(Area—1600 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 6507 in the month of June, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Date: 29-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Arya Builders Corporation, 117, Mittal Chambers, Nauman Point, Bombay

(fransferor)

 Shri Surendra Arya, Sashenaz Building, Nepeam Sea Road, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNF

Poona, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6509/84-85/1057 — Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. Flat No. 5, 2nd floor, Aiya Centic, Bombay Agra Road Balkum situated at Dist Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Fune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Arya Centre, Bombay Agra Rd., Balkum Dist. Thane, (Alea—1150 sqq. It.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 6509 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6393/84-85/1056.--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 3 & 4, 1st floor, In Arya Centre, Bombay Agra Rd., Balkum situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) M/s. Arya Builders Corporation, 117. Mittal Charaber, Nariman Point, Bombay

(Transferor)

(2) The Abheram Charity Trust, 5-A, Shenaz Building, 90, Nepean Sea Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immanable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning we given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 & 4, 1st floor, Aiva Centre, Bombay Agra Rd., Balkum, Dist Thant (Area-2300sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6509 in the month of June, 1984.)

ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5060/84-85/1054.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Flat No. 404, Saikunj, 569 Narayan Peth, situate dat Punc 411030

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC.Acqn.Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par part of such apparent consideration therefore. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely :---56-476GT/84

(1) M/s. Kamal Builders (Pune) 569, Narayan Peth, Punc-411 030.

(Transferor)

(2) Mrs. Shaila Ganesh Kulkarni, Shri Bal Govind Co-operative Housing Society, Taikalwadi Rd., Mahim, Bombay-411 030. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. 404, 'Saikunj' 569, Narayan Peth, Pune-411 030. (Area—730 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 9052 in the month of Oct. 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX A&T, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 29th January 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/5060/84-85-1054.—Whereas, LANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No. Flat B-23, II floor, Chandranagari, Salisbury park, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acqn Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Daksha Ashwini Kumar Shah, persipolis Apartment, Colaba Cuff Parade, Rombay.
- (Transfelor)
 (2) Mi. John M. Thomas and Mrs. Markamma John
 4, Mujavar Apartment, Salisbury Park,
 Punc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-23, IInd floor, Chandranagiri, Salisbury Park, Poona. (Area-1200 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5060 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Sakseria Bhawan, 106/107,
Koregoan Park Punc-411001

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri S. Y. Chopde, Prop. of Chopde Engineers and contractors, 1622 Sadashiv peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shrl S. V. Joshi and Shri V. N. Joshi, 949, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/4825-1053.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 118, 3rd floor, 1359 Sadashivpeth,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hexeto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at 1359 Sadashiv peth, Flat No. 118 3rd floor, Pune-411 030. (Area—700 sg. ft. carpet area.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C. Acquisition Range, Pune under document No. 4825 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 29-1-1983

Soul:

FORM I.T.N.S.-

(1) Sou. Padma Krishna Samduputla 431/4, Gultekadi, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) M/s. Samduputla Bongir and Co., 431/4, Gultekadi, Pune-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5123/84-85-1052.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. No. Plot at Survey No. 276/2/2 S. No. 276/2/6 Chinchwid

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer

at IAC. Acqn.Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

431/4, Gultekndi, Pune-1.

Land at survey No. 276/2/2 and S. No. 276/2/6 Chinchwad. Dist. Pune. (Area—2152 sq. ft. + 7532 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, under document No. 5123 in the month of June, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the smil Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/867/84-85-1218.—whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 715/B-Plot No. 25, Kulkarni Baug,

situated at Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sau, Gopibai Damodardas Sugandhi, 919, Balaji Mandir Road, Kapad Bazar, Nasik—422 001. (Transferor)
- () Shri Niranjan Jayvantraj Kateriya Managing Director of Sinnar Bidi Udyog Ltd., M.G. Road, Congress House, Nasik, 422 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 715/8, Plot No. 25, Kulkarni Baug, Nasik—(Area—701.22 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub-Registrar, Nasik under document No. 2253 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 23-1-2985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, Sakseria Bhavan, 106/107, Koregaon Park,, Pune-411001

Pune-411001, the 23rd January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-/37-G/866/84-85-1217.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at S. No. 715/B-Plot No. 26, Kulkarm Baug, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at S.R. Nasik on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Nemichand Lalitaprasad Poddar, 4612-K-Poddar, Bhavan, old Agra Rond, Panchavati, Nashik-422 003.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Jayantray Katariya, Managing Director, Sinnar Bidi Udyog Ltd., M.G. Road, Congress House, Nashik 422 001. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 715/B, Plot No. 26, Kulkarni Baug, at Nashik, (Area-510.50 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 2252/1984 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park, Pune-411001

Date: 23-1-2985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACUISITION, RANGE, PUNE

Pune, the 23rd January 1985 ..

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9870/84-85-1051.—Wherens, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

PART III-SEC. 1)

No. Land at C.S. No. 1170/31/1B, Revenue colony, Shivaji Nagar situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. ACQN. Range Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Dattatray Sitaram Patil, C.S. No. 1170/31/1B, Revenue Colony, Shivaji Nagar, Pune-411 005. (Transferor)
- (2) M/s. Ravindra Constructions, through partner Shri R. V. Joshi, 42, Gururaj Co-operative Housing Society Ltd., Paud Road, KOTHRUD, Pune-411 029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at C.S. No. 1170/31/1B, Revenue colony, Shivaijnagar, Pune-411 005. (Area-7300 sq. ft.)

(Property as described in the agreemnt to sale registered in the office of the J.A.C.-Acquisition Range, Pune under document No. 9870 in the month of Nov. 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 23-1-2985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/8251-1050.—Wheras, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. 50, ground floor, Shiv centre, Plot No. 72, situated at Vashi, New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforestid property and I have recorn to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. R. S. Bharwani, 312, Raheja Centre, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Master Kıran Kumar, through father and Natural gu rdian Pishu Mahtani, 53A Jolly Marker Apartment No. 1, Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

. Shop No. 50, ground floor, 'Shiv Centre' Plot No. 72 Sector 17, Vashi, New Bombay. (Area—280 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. A quisition Range, Pune under document No. 8251 in the month of June. 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6037-1049.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. S-2, 2nd floor, Plot No. 65, Tulsibagwale

colony, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or all) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---57—476GI/84

(1) M/s. S. V. Natekar and Sons, 1206, B/15, Shivajinagar, Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Smt. Rohini Sharadchandra Kulkarni, C/o S.R. Kulkarni, Kirloskar Bros Ltd., Udyog Bhavan, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. S-2 2nd floor, Plot No. 65, Tulsibagwale One Flat 186, 52 2nd hoof, Flot 186, 65, Flushbag water colony, Pune. (Area—980 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisiton Range, Pune under document No. 6037 in the month of June, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 24-1-1985

(1) M/s. Gayatri constructions, 1383, New Shukrawar peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. M. Inamdar, 3 Lajawanti Apartments, Karve Road, Pune.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th January 1985

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37EE/84-85/5218-1048.— Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

No. Flat No. 4, C.S. No. 159, Erandawana,

situated at Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, C.S. No. 159, Erandawana, Pune-4. (Area—653 sq. ft. built-up area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 5218 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 24-1-1985

(1) M/s. Navyug Promoters, 20/2, Navi Pcth, Pune-411 030.

(Transfero:)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Suhas Manohar Diwekar, 1128, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 24th January 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5699/84-85/1047.— Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 125-1-A-B, Plot No. 7-8, Kothrud situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at IAC.Acqn. Range, Pune in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or tht said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at S. No. 125-1-A-B, Plot No. 7-8, Kothrud, Punc-411 029. (Area—733 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5699 in the month of July 1984)

ANII. K.MAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107; Koregaon Park Pune-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1985

Scul:

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 23rd January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5389/84-85/1046.— JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

The land at Survey No. 21/54/1 Sancomyadical

The land at Survey No. 21/5A/1, Sangamwadi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. M.P.J. Builders, Sukh Sagar, S. Patkar Marg, Chowpatty, Bombay-7 & Navasphurti Co-operative Society Ltd., Sub-Plot No. 21-5A/1, Shivajinagar, Pune-5. (Transferor)
- (2) M/s. Charankar and Bros., 15/A/5, Opp. Khilare Chawal, Erandawana, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sangamwadi Survey No. 21/5A/1, Pune. (area.—34,500 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5389 in the month of July, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune-411 001

Date: 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III—SEC. 11

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Pune-471 001, the 24th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/10971/1045.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 3, 31d floor, A wing-1. P. No. 137, Hajuri D. Road, situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Anupam Enterprises, 24/A, Khattau Building, 8, Marine Street, Fort, Bombay-400 023. (Transferor)

 (2) Mr. Dilip Chatterjee,
 Radhika Synthatics Pvt. Ltd.,
 8, Silk House, Silk Bazar, Bombay-400 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days m the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor, 'A' Wing, Final Plot No. 137, Hajuri Dargah Road, Thane (West).
(Area—575 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 10971 in the month of Oct., 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK; PUNE-411 001

Pune-411 001, the 23rd January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/6766/1044.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2A, Pannii Sahakari Griha Rachana Sanstha Mydt., S. No. 50, 52 & 53-A, Parvati Village, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred inder the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred inder the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at 1AC. Acqn. Range, Pune in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Surajbai Uttamchand Runwal, 2153, Vijayanagar Colony, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mr. Jayprakash Chandulal Lalwani, 85, Bhavani Peth, Pune-411 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2A, Panini Sahakari Griha Rachana Sanstha Mydt., S. No. 50, 52 & 53-A, Parvati Village, Pune Dist. (Area-3610 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6766 in the month of August, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 23-1-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Kulkarni and Kulkarni, 2155, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhabesh Chandra Ghosh, C/o. Shri A. Banerjee, Pili-Kothi, Maya Bazar, Gorakhpur-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SAKSERIA BHAVAN,
106/107, KOREGAON PARK,
PUNE-411 001

Pune-411 001, the 23rd January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4959/84-85/1043.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Fiat No. 6, 1st floor, S. No. 40, S. Plot No. 10 situated at Frandawana, Pune-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferment and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely?—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, S. No. 40, S. Plot No. 10, Erandawana, Pune-38.

(770 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1 AC. Acquisition Range, Pune under document No. 4959 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park,
Punc-411 001

Date: 23-1-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 23rd January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6909/84-85/1042.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Open Plot at S. No. 583/2/1, Gultekadi situated at Pune-9 -(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; nod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, , 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Malti Pandurang Karkhanis and others, 1194/26, Ghole Road, Pune-411 005.

(Transferor)

 (2) J. Mr. U. G. Pardeshi,
 1188, Bhavani Peth, Pune-411 002
 2. Mrs. M. U. Pardeshi, 1188, Bhavani Peth, Pune-411 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—open plot at S. No. 584/2/1, Gultekadi, Pune-9. Area-4822 sq. ft.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pur document No. 6909 in the month of August, 1984 Pune under

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pone-411 001

Date: 23-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Batavia and Batavia Amarsmriti, Old Agra Road, Nasik-2.

(Transferor)

(2) Shri Baburao Keshav Khairnar, Budhawar Peth, Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK. PUNE-411 001

Pune-411 001, the 24th January 1985

Ref. No. ACI ACQ/CA-5/37EE/344/Nasik/84-85/1041.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Flat No. 24, 3rd floor, Shree Ram Darshan Apartments, Kala Ram Mandir Road, Panchavati, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1200 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 58--476G1/84

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 3rd floor, Shree Ram Darshan Apartments, Kala Ram Mandir Road, Panchavati, Nasik.
(Area—720 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 344 in the month of July, 1984.)

> ANIL KUMAR Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-41 | 001

Dute: 24-1-1985

Gharkul Builders, M/s. 1535, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Tarangini Suresh Agaiwal, 1535, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AKSERIA BHAVAN, 07, KOREGAON PARK, 106/107, KOREGA PUNE-411 001

Pune-411 001, the 24th January 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing Flat No. 18, C.T.S. No. 1533, Sadashiv Peth Tilak Road, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Rane. Pune in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 18, C.T.S. No. 1533, Sadashiv Peth, Tilak Road, (Area--646 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pundocument No. 8967 in the month of October, 1984.) Pune under

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregnon Park Pune-411 001

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Punc-411 001, the 23rd January, 1985

Res. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6797/84-85/1039.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot Nos. 49 tand 50 of Modein Colony, S. No. 120, Kothrud

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri V. K. Gadgil, 588, Laxmi Road, Kanundwad, Dist Kolhapur.

(Transferor)

(2) M/s. Salunke and Co., 325 (old), Narayan Peth. Pune-30.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 49 and 50, Modern Colony, Out of S. No. 120, Kothrud, Pune. (Area—25,175 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the l.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6797 in the month of August, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001

Date: 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 23rd January 1985

Ref. No. IΛC ΛCQ/CA-5/37EE/84-85/8338/1038.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)- (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing
Flat at S. No. 291, Hissa No. 3, Tal. Kalyan situated at

Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

IAC. Acqn Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 M/s. V. B. Joshi and Co., Prop. Shri Vasant Bapuji Joshi, 56, New Dombivali Co-operative Housing Society Ltd., Ram Nagar, Dombivali (East), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shui Anand Madhusudan Sahasrabudhe, A/66, Palm Acres Co-operative Housing Society, M. P. Road, Mulund (East), Bombay-400 081. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of whichever notice on the respective persons. period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Survey No. 291, Hissa No. 3, Village Thakurli, City Survey No. 121, Dombivali, Tal. Kalyan, Dist. Thane. (Area—535 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 8338 in the month of July, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 16th January 1985

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10951/84-85/1037.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 9B, 2nd floor, Plot No. 18 & 19, S. No. 8A Nav-ghar, Vasai situated at Dist. Thane

ghar, Vasai situated at Dist. Inane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at IAC. Acqn. Range, Pune in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act," 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Aasara Builders, B-1/9, Gr. floor, Khiranagar, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay.
- (2) Shri Vasantrao Uttamrao Bagal, Maharashtra State Co-op. Bank, 9, Nagindas Master Road, Bombay-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9B. 2nd floor. Plot No. 18 & 19, S. No. 8A, Navghar, Vasai (W), Dist, Thane. (Area—640 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Pune under document No. 10951 in the month of Oct., 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001

Date: 16-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 16th January 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10952|84-85|1036.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4A, 3rd floor, Plot No. 18 & 19, S. No. 8A situated at Navghar, Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at IAC. Acqn. Range, Pune in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 M/s. Aasara Builders, B-1/9, Gr. floor, Khiranagar, S. V. Road, Santacruz (West), Bombav-400 054.

(2) Smt. Nargis Fatima, Building No. 169, Room No. 2, Western Railway, S. V. Road, Bandra (W), Bombay-400 050, (Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4A, 3rd floor, Plot No. 18 & 19, S. No. 8A, Nav-ghai, Vasai (W), Dist. Thane.
(Area—640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 10952 in the month of Oct., 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Punc-411 001

Date: 16-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEF OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

IAC/ACQ/CA-5/37EE|10949|84-85/1035 — No. Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Flat No. 7B, 3rd floor, Plot No. 18 & 19 S. No 8A, Navghar situated at Vasai, Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at JAC. Acqn. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax* Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the West', tar Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the sud Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Aasara Builders, B-1/9, Gr. floor, Khiranagar, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Shri Hoshang H. Cooper Dichy H. Cooper, 19/341, B.P.T. Staff Quarter's, Reynold Road, Wadala, Bombay-400 037.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7B, 3rd floor, Plot No. 18 & 19 S. No. 8A Navghar. Vasai (W).

(Area-640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 10940 in the month of July, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition RangRe Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 16th January 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5|37EE|10947|84-85/1034.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immortant having a fair market value according able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 18 & 19 S. No. 8A, Flat No. 98, 1st floor situated at

Navghar, Vasal.

Navghar, Vasai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in October, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Saral Enterprise. B/1/9. Gr. Floor Khiranagar, S. V. Road. Santacruz, (West), Bombay-400 054.

(Transferor)

 Mrs. Kulwant Kaur, J-95, Manik Moti Yari Road, Versova Andheri (W), Bombay-61.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPEANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9B, 1st floor, Plot No. 18 & 19A, No. 8A Navghar, Vasai (W) Dist. Thane.

(Area-640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 10947 in the month of Oct. 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition RangRe Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001.

Date: 16-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/84-85/6343.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-end bearing No

Flat No. B-7, Konark Terrace, 103/126 Nagar Road, situated

at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

1908) in the office of the Registering Officer at JAC, Acqn. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—9—476G1/84

(1) Karia Builders, 2, Hermes Nest, 844, Dastur Meher Road, Pune-411 001.

(Transferor)

Dr. Roshan Shaukat Tyrewala and Shri Shaukat Husseln Tyrewala, E-4/2 Vijay Nagar Apartments, Marol Maroshi Road, Andheri, Bombay-400 059.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may. be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication o this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flamt No. B-7, Konark Terrace, 103/126 Nagar Road, Pune-6.

(Area—825 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6343 in the month of July, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquis'tion Range
Sakseria Bhavan
106/107, Koregaon Park
Pune-411 001.

Date: 18-1-1985.

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6631/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No."
Flat No. 106, Tara Baug, Plot No. 285 (Part) Koregaon Rd. situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on August 1984

Bombay on 18-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mehta and Co., 22. Apollo Sreet, Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) The trustees, Shri M. H. Domadia and others, Rikhav Trust, 4th floor, 21/1, R. A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-400 031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, at Tara Baug, Plot No. 285, (Part) Koregaon Road, Pune.

(Area—1040 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6631 in the month of Aug. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakscria Bhavan 106/107, Koreguon Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 19th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11021/84-85/1030.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Gala/Unit No. 11 Modella Industrial Estate, Padwal Nagar,

Gala/Onit No. 11 Modella Industrial Estate, Fadwar Magar, situated at Thane. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC Acqn. Range, Pune in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Modella Textiles Industries Pvt. Ltd., 4-C, Vulcan Insurance Building, Veer Nariman Road, Bombay-400-020.

(Transferor)

(2) M/s. Kantilal Prabhudas Rathod, M/S. Kanthai Fr 1/2, Shivalayam, R.H.B. Road, Mulund (West), Bombay-400 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala/Unit No. 11 at Modella Industrial Estate, Padwal Nagar, Thane.

(Area—636 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 11021/84-85 in the month of October, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001. ·

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4875.—Whereas,, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 202-A/1, Kala Bhavan, 305(A) Shukrawar peth situated at Pune.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn.Range, Pune in June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any muneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acts or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Noclam Builders, 1482, Sadashiv peth, Puno-30.

(Transferor)

(2) Sau. L. T. Palesha and Shri R. T. Palesha, 371, Guruwar peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

F. No. 202/A-1 Kala Bhavan, 305(A) Shukrawar peth, Pune-2.

(Area--685 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4875 in the month of June, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985. Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOKEGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ Whereas, I ANII. KUMAR, ACQ/CA-5/37EE/84-85/7218/1028.—

Whereas, I ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 19, 175, Dhole Patil Road, Pune situated at Pune. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acan. Range. Pune in Sentember 1984.

IAC. Acqu. Range, Pune in September 1984. for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid moperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Karia Builders, 2, Hormes Nest, 844, Dastur Meher Road, Punc-411 001.

(Transferdr)

(2) Shri Balwantrai Tandon and Smt. Surayya Tandon, 706-A La Chappele, Evershine Nagar, Malad, West, Bombay-400 064.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 175, Dhole Patil Road, Pune-411 001. (Area-840 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7218 in the month of September, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001,

Date: 18-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/8918/1027.--Ref. No. Whereas, I, ANIL KUMAR,

whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, Ground floor, Keshav Laxmi A, 1466 Sadashiv path situated as Pura 20.

peth, situated at Pune-30.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have least no believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Sane Sardeshmukh Associates. Gangadhar Chambers', 314, Narayan Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Bhaskar Joshi, Mrs. Aparna Anand Joshi, 1467, Sadashiv peth. Pune-411 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, Keshav Laxmi A, 1466 Sadashiv peth, Pune-30. (Area-241 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under document No. 8918 in the month of October, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune-411 001.

Date: 18-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8951/84-85/1026.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,500/- and bearing No. Flat No. 6, 1st floor, Plot No. 63, Tulshibagwala colony Hemanti apartment, Parvati, Pune-9 situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Aeqn. Range, Pune in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) M/s. D. S. Kulkarni and Co., Ravi Bldg., Block No. 12, Near Alka talkies, 8/1, Sadashiv peth, Pune-411 030.

(2) Mrs. Prabha Madhukar Gogate, 28/395, Lokmanya Nagar, Pune-411 030. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Plot No. 63 Tulshibagwale colony Hemanti Apartment, Parvati, Pune-9.

(Area—600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 8951 in the month of October, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune-411 001.

Date: 18-1-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001,

Pune-411001, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/1025.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding R₆. 25,000/-and bearing C.T.S. No. 896, 97, 98 & 99, S. No. 57, H. No. 1 Plot No. 272 M. C. Road, Naupada, situated at Thane. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ∠or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. R. K. Builders. 'Kulashroo'. Sambhaji Road, Naupada. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Arun Ganesh Ponkshe, 16, 'Pallavi' Society, Agra Road, Kalyan-421 301.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein us are defined in Charter XXA of the said Act. abell have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 896, 97, 98 & 99, S. No. 57, H. No. 1, Plot No. 272 M. C. Road, Naupada, Thane.
(Area—500 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 10841 in the month of October, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. OFFICE OF

ACOUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/377EE/7952/84-85|1024.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have according to the immovable property having a four market value according to 25,000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Gala No. 6, ground floor, Indo Ind. Estate 3 Bldg. Plot No.
154 Navghar situated at Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
Market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the instrument
of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60. 476 CL/84 60-476GI/84

(1) M/s. India Industrial Corporation, 82/86, Abdul Rehman street, Bombay-400 003.

(Transferor)

(2) M/s. Thoroughclean Ultrasonics, 210, K. B. Lall Industrial Estate, Linking Road, Shastru Nagar, Santacruz (W), Bombay-400 054.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 6, ground floor, Indo Industrial Estate, No. 3 Bldg. Plot No. 154, S. No. 31, 34. 35, 36, 37 & 55 village, Navghar, Tal. Bassein Dist. Thane.

(Arca-755 sq. ft.)

. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7952 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ Whoreas, I. ANII. KUMAR, ACQ/CA-5/37EE/6638/84-85|1023.--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B-7, Zelum Co-op. Housing society, Erandawana,

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Premala Sharadchandra Shirolkar, C/o. Dr. R. B. Shirolkar, 'Girishree' 48/1/C, Shree Prasad Co-op. Housing Society Shahu College Road, Pune-9.

(Transferor)

(2) Shri Krishnarao Devrao Deshmukh, Flat No. B-7, Zelum Co-operative Housing Society. Shilavihar colony, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shali have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-7, Zelum Co-operative Housing society Bank of Maharashtra, Colony, Erandawana, Pune-4.

(Area-625 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6638 in the month of August, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOANUIARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/7989/84-85|1022.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 2 & 3, Dhanalaxmi Builders, Dhanalaxmi Industrial Estate, village, Navghar situated at Navghar, Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC. Acqu. Range, Pune in June, 1984. for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Dhanalaxmi Builders, at village, Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane,

(Transferor)

8223

(2) M/s. Citon Pharma, A/2, Khajuria Building, Block No. 405, Khajuria Wadi, 4th floor, Kandivli (West), Bombay-400 069.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala Nos. 2 & 3, ground floor Dhanalaxmi Industrial Estate Vasai, Dist. Thane. (Area—196.92 sq. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7989 in the month of June, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Prabin Guptey and associates, 13/176, Lokmanya Nagar, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mr. Vishwas Khanderao Mulane, Rambaug Colony, Pune-411 030.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 18th January 1985

IAC ACQ/CA-5/37EE/7077/84-85|1021.-No. Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Shop No. 5, Parshuram apartment, 1616 Sadashiv peth, situated at Pune.

ed at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Parshuram Apartment, 1616 Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Area—230 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7077 in the month of August, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Date: 18-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK **PUNE-411 001.**

Pune, the 19th January 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7994/84-85|1031.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, have Rs. 25,000/- and bearing

Vashi, New Bombay situated at Vashi, New Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) M/s. B. S. Builders, Shop No. 15, Bombay Annexe, Plot No. 27, Sector-17, Vashi, New Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod Kumar Sreen and Mrs. Premila Vinod Sreen, D/1/9, Premier colony, Kurla. Bombay-400 070.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. F-25, 1st floor, Plot No. 27, sector-17, Vashi New Bombay.

(Area-548 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7994/84-85 in the month of June, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411001

Date: 19-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOANIARK PUNE-411 001,

Pune, the 2nd February 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot & Bungalow C.T.S. No. 1869-F.P. No. 47/1(old) 23 (New) T.P. Scheme Pune, Sub-No. 1 Shivaji nagar situated at Pune.

(and more fully described in the Schedue annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1AC. Acqn. Range, Pune in October, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sheela Dinananth Khanna and Shri Krishanlal Dinanath Khanna and others, Final Plot No. 47/1. Wakadewadi, Shivajinagar, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) M/s. Karia Builders, through—Partner Shri Umesh Chaggpal Karia, A-11, Hermes Park, 30 Bund garden Road, Pune-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The plot with Bungalow C.T.S. No. 1869 Final plot No. 47/1 (old) 23 (New) T. P. Scheme Pune sub-plot No. 1, Shivajinagar, Pune-5.

(Area-5525 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 9251 in the month of October, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001.

Date : 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Kailash Nath and associates, 62, Mittal court, 'A' Wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) M/s. Reliance General Corporation C/72, Mittal Court, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOANIARK PUNE-411 001.

> Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6301/1076|84-85—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Office No. 11, 6th floor, Vindhya commercial, Plot No. 1,
Sector-11 situated at Belapur, New Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office oN. 11, 6th floor, Vindhya commercial, Plot No. 1, Sector No. 11, C.B.D. Belapur, New Bombay. (Area—586 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6301 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sakserla Bhavan
106/107, Koregoaniark
Pune-411 001.

Date: 6-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune-411001, the 6th February 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5]37EE[6299]84-85|1077.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 13, 6th floor, Vindhya Commercial Plot No. 1, Sector-11 CBD, Belapur situated at New Bombay and more fully described in the Scheduled annexed beliefo.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than -fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 M/s. Kailash Nath and associates,
 Mittal Court,
 'A' Wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) M/s. S. D. S. Corporation, C/72, Mittal Corporation, Nariman Point Bombay-400 021.

- J Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Office No. 13, 6th floor, Vindhya Commercial, Plot Nofi 1, Sector No. 11 CBD Belapur, New Bombay,

(Area-586 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6299 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Date: 6-2-1985.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune-411001, the 6th February 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

Office No. 12. 6th flood Vindhya Commercial, Plot No. 1, Sector-11, CBD, Belagur situated at New Rombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn., Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income . ; an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-12x Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, asmely :---61-476GI/84

(1) M/s. Kailash Nath and Associates, 62, Mittal Court,
'A' Wing, Nariman Point,
Bombay-400 021.

(Transferor)

(1) M/s. General Exporters and Manufacturers, 35, Peddar Road, Bombay-400 026.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No 12, 6th floor, Vindhya Commtrcial, Plot No. 1, Sector No. 11, C.B.D. Belapur, New Bombay. (Area—586 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6300 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Punc-411 001.

Date : 6-2-1985. Seal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001.

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-1079/37EE/6297/84-85.---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No 14, 6th floor, Vindbya Commercial Plot No. 1, Sector-11 situated at Belapur, New Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqu. Range, Pune in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the ruppores of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s. Kailash Nath and associates,
 Mittal court,
 A' Wing, Nariman Point,
 Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) M/s. S. D. S. Corporation, C/72, 'Mittal Court, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 14, 5th floor, Vindhya Commercial Plot No. 1, Sector No. 11, C.B.D. Belapur, New Bombay. (Area—592 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6277 in the month of June, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Pune-411 001.

Date : 6-2-1985.

Scal:

FORM 11NS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1082/37EE/5932 of 84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'baid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, Bhairovba Nall Fatima Nagar, Pune solapur Road, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Manish Corporation, 24, Veer Namman Road, Fort Bombay-400 023. Admn. ollice: 1st floor, Ghanshyam Apartments, 1, Dhole Patil Road, Pune-1. (Transferor)
- (2) Smt. Phojbai Ardeshir Patel, Shri Aspı Ardeshir Patel, Smt. Vilho Aspi Patel, Bhiwandiwalla Terrace, 'S' Block, Room No. 101, 1st floor, Dhobi Talao, Bombay-400 002.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4, days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Wing C-IInd floor, Plot No. 9, S. No. 17-A/1 Fatima Nagar, Pune Solapur Road, Punc-411 013. (Area--440 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5932 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in dursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1985

Scal:

. FORM I.T.N.S.—---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1081/37EE-5931/84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. A shop at 10-Wing B, Ground floor, Bhairovba Nalla, Fatima Nagar, situated at Pune-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteed ner cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be due in all by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Manish Corporation, 24, Veer Nariman Road, Fort, Bombay-400 023. Admn. Office: 1st floor, Ghanshyam Apartments, 1, Dhole Patil Road, Pune-411 011. (Transferor)
- (2) Mr. Rajkumar Ratanchand Vora, 558, Centre Street, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop at No. 10, wing B-Ground floor, S .No. 17-A/1 Bhairovba Nalla, Fatima Nagar, Pune-411 013. (Area-415 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5931 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 5-2-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONS OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411001

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1080/37EE/6306 of 84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing
Office No. 3, 6th floor, Vindhya commercial Plot No. 1,
Sec or—No. 11, CBD, Belapur situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at IAC Acan. Range Pune on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifmteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kailash Nath and Associates, 62, Mittal court, 'A' wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

Mr. S. P. S. Vohra,
 Satyam, Malabar Hill Road,
 Mulund, Bombay-400 082.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the axid property may be made in writing to the undersigned..-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3, 6th floor, Vindhya Commercial, Plot No. 1, Sector No. 11, CBD, Belapur, New Bombay.

(Area-507 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No 6306 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1085 37EE/7569 of 84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

Whereas, I, ANIL KUMAK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ohanalaxmi Industrial Estate, Plot No. 105, 106 & 107 S. No. 30 & 31 village Navghar, Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer IAC. Acqn. Range, Pune on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

(1) M/s. Dhanalaxml Builders, 82, Ram Mandir Road, Vile-Parle (E), Bombay-400 057.

(Transferor)

(2) M/s. Mechwell Industries, 4 Ashish, North South Road, No. 5, Suvarna Nagar, Society Vile-parle (W), Bombay-400 056.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein use are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 11, ground floor, Dhanalaxmi Industrial Estate, Plot No. 105, 106 and 107, S. No. 30 & 31 village Navghar, Vasai (E) Dist. Thane. (Area—1005 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7569 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1084/37EE/84-85/7349.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25000/-and bearing

Dhanlaxmi Industrial Estate, Unit No. 10 ground floor, situated at Bassein, Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registering Officer IAC. Acqn. Range, Pune on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay as under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s. Dhanlaxmi Builders, Village—Navghar, Taluka—Bassein, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) M/s. Ellora Enterprises, Shri Krishna Pant Niwas, 13-A Behham Hall Lane, Bombay-400 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dhanlaxmi Industrial Estate, Unit No. 10 ground floor, Bassein, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7349 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Indra Piemchand Vachhani, Atur Park Block 2/2/1 Sion, Trombay Road, Chembur, 71.

umman in a large mag

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Nandlal Ahuja, Bk. No. 246, Room No. 7, Ullhasnagar-1, Dist. Thane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1083/37-EE/6320 of 84-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 9, 3rd floor, Nirmala apartment, Ulhasnagar-2

situated at Dist. Thanc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) (acilitating) the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Nirmala apartment, Near Khemani Bus stop, Ullhasnagar-2, Dist. Thane. (Area—800 sq. fl.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6320 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Poona

Date: 6-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1086 37-EE/6292 of 84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 11, 2nd floor, Plot No. 9, Sector-17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Punc on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-476GI/84

 M/s. Meena Builders,
 Vikas, 2nd floor, Chembur Naka, Bombay-400 071.

(Transferor)

(2) Shri Pathrose Qonnunni Abráham, P.O. Box. 1871—Al-Ain, Abudhabi-U.A.E.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11, second floor, Big. on Plot No. 9, Sector-17—D.B.C. Vashi, New Bombay (Area—542 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6292 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park, Pune-411 004

Date: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th February 1985

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/1087]37EE|4915|84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11, Vainayak Apartment, C.T.S. No. 438, Sadashiv

Peth situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Punc on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast to the following persons, namely :-

(1) M/s. V. I. P. Builders, 1204/10, Shivajinagar, Ghole Road, Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Mr. Anand Narhar Rahalkar, Mrs. Alka Anand Rahalkar, B-4, Vijigisha Co-operative Housing Society, Senapati Bapat Road, Punc-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Vainayak apartments, C.T.S. No. 834, Sadashiv peth, Pune-30. (Area-425.6 sq meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4915 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 7-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1088 37EE of 4831 of 84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Office No 4. 4th floor, 1394, shukrawar peth situated at Pune
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely —

(1) M/s. Bilwa Promoters, 515, Sadashiv Peth, Pune-411 030,

(Transferor)

(2) M/s. Champaklal Investment and Financial Consultancy Ltd., Regent Chambers, 208, Ceremonial Bonlevard, Nariman Point, Bombay-400 021.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the allervenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other peron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4, 4th floor, at Bilwa Nidhi, 1394, shukrawar peth, Punc-2.

 $(\Lambda_{1}ea = 350 \text{ sq. st.})$

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4831 in the month of June, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 8-2-1985 **Scal**:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1089/37EE-4899 of 94-85.— Whereas, f, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Shop No. 3, ground floor. Nalin chambers, F.P. No. 173

Dhole Patil Road situated at Pune
(and more fully described in the schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 M/S. Tristar Builders, 21, Prospect Chambers, Anne Pitha Street, Bombay-400 001. Annexe.

(Transferor)

(2) Mrs. Leena Vallabhdas Mukadam, Om Dariya Mahal, Flat No. 1, 80-Nepean Sea Road, Bombay-400 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, 'Nalin chambers' Final Plot No. 173, T. P. Scheme Sangamwadi, city survey No. 19, Dhole paul Road, Pune.

(Area-285 ag. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4899 in the month of June, 1984.)

> ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 8-2-1985

Part III—Sec. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1090|37EE-14465 of 84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
I and at survey No. 220 (Pt), 221 (Pt), 222, 223 (Pt) 224-(Pt), 233 (Pt) village Kolaswadi, Kalyan Taluka situated at Dist. Thane

ond more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); (1) Shri Fakhruddin Mohamed All Gutchhi and others (8) Ground floor, Phoolbai Manor, 112B, 1st Road, TPS--4/Off, Pro. Almeda Road, Bandra, Bombay-400 050. (Transferor)

(2) M/s. Lok Developers, 14, Vishal Shoping Centre, Sir, Vasanji Mathuradas Road, Andheri Kurla Road, Andheri East, Bombay-400 069.

(Transferee)

8241

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 220 (Part), 221 (Part) 222, 223 (Part) and 233 (Part) at village Kolaswadi, Kalyan Tal. Dist. Thane. (Area-1,18,000 sq. yards) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 14465 in the month of Fcb. 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Punc-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8.7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961) Smt. Vasanti Virendra Near Bank Colony Behind Birla Hall Porbandar.

Transferor (s)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Yusuf Ahmed Patel Meman Wada Porbandar.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 8th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3560 Acq. 23/T/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at Porbandar Nr. Bank Colony Wd. 3 C.S. No. 1869 Sheet No. 151 Adm. 123 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Porbandar on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Porbandar Adm. 123 sq. yd. Wd. 3 Sheet No. 151 C.S. No. 1869 R. No. 2230 Dt: 15-6-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomed
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date : 8-1-1985 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th January 1985

Ref No. P.R. No. 3561 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Shed + Machinery at Rajkot S. No. 386 Plot No. 13 I and 1518 sq. yd. + Shed + Machinery (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the diability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Star Oil Cake Industries
 Prop: Vithalbhai Hirjibhai Patel & Sons—HUF
 by Shii Vithalbhai Hirjibhai Patel—Karta & Manager
 Giii Kunj—4th Floor Flat
 Marin Drive—Bombay-20.

Transferor(s)

(2) Shri Gujarat Besan Mills Partner Dhanjibhai Parshottamdas & Ors, 32—Prahlad Plot, Rajkot.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed 4 Machinery on land Adm. 1518 sq. yd.—Shed Adm. 833 sq. yd. 7500 sq. yd. at Rajkot Gondal Rd. S. No. 386 Plot No. 13 S.P. No. 1 R. No. 6665 Dr. 22-6-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 15-1-1985

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380/009.

Ahmedabad-380 009, the 15th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3562 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Rajkot S. No. 481/2 Plot No. 46 Adm. 577-7 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

(1) Liladhar Vithalji Kakad C/o Lakhani Agencies 'Satyam' Jankalyan Socy. Rajkot-1.

Transferor(9

(2) Kanjibhai Mavjibhal 'Shree Ram Niwas' Malaviya Nagar— Rajkot,

Transferec(s

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noti in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot on the way to Raiya S. No. 481/2 pai Plot No. 46 Adm. 577.7 sq. yd. R. Nø. 3575 Dt; 6-6-1984. Ahmedabad

G. K. PANDY
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Incomet
Acquisition Rang
Ahmedabs

Date: 15-1-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3563 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 4th Floor—Milli Apartment—4 Jagnath Plot Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on June, 1984

Rajkot on June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—476GI/84

 Yogesh Narandas Badiyani & Ors. 3/10/23-L Navjivan—Lamington Road Bombay-8.

Transferor(s)

(2) Sureshkumar Navinchandra Thavai, Mill Apartment, 4th Floor, 4-Jagmath Plot, Raikot.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 4th floor Adm. 1289 sq. ft. Mills Apartment—4 Jagnath Plots, R. No. 1584 Dt: June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 15-1-1985

Seal ;

(1) Shri Gokalbhai Naranbhai Nandaniya Near Old Tower House Jetpur-Dist : Rajkot.

Transperor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwatkumar Naranbhai Amipara & Ors. 'Amipara Niwas' Karshan Malji Ni Sheri Jetpur—Dist: Rajkot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3564 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Land at Village Navagadh sim S. No. 139 Adm. 4 Acre

35 Guntha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jetpur on 14-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the same to be transfer as agreed to be transfer as agreed to be the same transfer as a same transfer as agreed to be the same transfer as a same transf consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Navagadh sim S. No. 139 Adm. 4 Acre & 35 Guntha R. No. 1792/84 Dt: 14-6-1984. Ahmedabad

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 17-1-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3565/Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at village Vajepar S. No. 1097 paiki 4 Acre 15 Gunthas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Morbi on 26-6-1984

"or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other enets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Zina Nanji Satwara & Ors. Village: Vajepar Tal. Morbi Dist: Rajkot.

(Transferor)

(2) Saurashtra Ceremic Industries Partners: Shamjibhai Naranbhai Patel & Ors. Kayaji Plot—Morbi Dist: Rajkot.

(Transferee)

(3) Maniben Nanji
Ratilal Zinabhai & Ors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Village Vajepar Tal. Morbi S. No. 1097 Adm. 4 Acre 15 Guntha.

R. No. 2830 dated 26-6-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 17-1-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, – 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 19th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3566 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Property at Kuushna Nagar—Near Prabhudas Talav, Plot No. 463—Ward No. 5—Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ravishankar Shri Kapilray Shri Labhshankar Karanashankar Pandya Krishnanagar—Plot No. 463 Prabhudas Talav—Bhavnagar.

(Transferors)

(2) Proposed Deepak Tenaments Coop. Socy. Jitendrakumar Chunilal Patel Kanbiwad-Dhajagaravali Sheri Bhavnagar.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which the residue acroises the persons which the respective persons which the persons within a period of the persons within a period of the period of the period of the persons within a period of the per sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Krushnanagar Plot No. 463 Wd, No. 5 Bhavnagar R. No. 2213 Dt: 7-6-84.

G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, lamely :--

Date: 19-1-1985

(1) Kamlaben Daughter of Revabhai Parshottamdas 13—Girishkunj Socy. Naranpura—Ahmedabad.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patel Bhikhabhai Ramdas C/o Saraswatinagar Co.op. Hsg. Socy. C/o Chandramauli Socy. Nava-Wadaj-Ahmedabad.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3567 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land at Ranip seem S. No. 53-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Ranip seem S. No. 53-2 R. No. 5586 Dt : 11-6-84. Ahmedabad

> G. K. PANDYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 23-1-1985

FORM_ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3568 Acq. 23/I/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Memnagar seem T.P.S. 1 F.P. 113 S. No. 52-1-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-6-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any resoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Thakor Khodaji Deshalji Thakorvas—Memnagar village Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shyam Aptt, Owners Association (N.T.C.) C/o Shri Ajay Ramniklal Shrimali Gold Coin Flat, Nr. Vijay Restaurant, Navrangpura, Ahmedabad-9.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar. T.P.S. 1 F.P. 113. R. No. 9395/2 Dt: 19-6-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3569 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at T.P.S. 3 F.P. 104—Himalaya Park The Palace Coop.

Socy-Flat No. 1/3

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 37G June, 84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiest of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any become arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Westfa-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectien (1) of Section 269D of the said Act, to be the fellowing persons, namely:--

(1) Shri Babulal Keshavlal Shah Harihar Socy. Behind Nav Gujarat College, Ashram Road-Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Arvindbhai Mugatlal Shah Smt. Arunaben Arvindbhai Shah 1/3 Himalaya Park-Behind Ajanta Commercial Center, Ashram Road, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 3 F.P. 104 at Himalaya Park Flat 1/3 R. No. 4244 Dt: 13-3-83 37G reed. in June, 1984. Ahmedabad

> G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.I

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3570 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Office at T.P.S. 3 F.P. 100 at Ajanta Commercial Center—Shop No. 52—Ground Floor—Ashram Road—Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Bhajendra Ishwarlal Patel Mithila Colony—Near Jay Vishnu Socy. Opp. Swati Socy. St. Xaviet's High School Road, Navrangpura—Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Satishchandra Samrathlal Shah Shri Rameshchandra Satishchandra Shah Shri Atul Satishchandra Shah Ground Floor—Shop No. 52 Ajanta Commercial Center, Ashram Road—Ahmedabad.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at T.P.S. 3 F.P. 100 at Ajanta Commercial Center Shop No. 52 R. No. 8291 Dt: 6-6-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RO'AD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 231d January 1985

Ref. No. P.R. No. 3571 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat at T.P.S. 3 F.P. 403-1-2-4 at Kanchan Jangha Aptt.

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-6-84

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persens, namely:—
64—476GI/84 (1) Shri Rameshbhai Manubhai Patel, Shii Gautambhai Manubhai Patel 189-Sunset Row House, Opp: Gutukul Dr.ve-in-Road, Aĥm.dabad.

Transferor(s)

(2) Shri Hasmukhlal Harılal Shah Chandrobhaga Hasmukhlal Shah Flat A/203, Kanchan Jangha Aptt. Chipanlal Girdharlal Road, E.B. Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the sand property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 3-Changispur seem F.P. No. 403-1-2-4 at Kanchan Jangha Aptt. Flat No. A 503 R. No. 1984 Dt: 11-6-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3572 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Dariapur-Kazipur seem S. No. 48-49-I T.P.S. 8-Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 5-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following. nersons, namely .

(1) Jayantıbhar Jiyanbhai Patel 3-Chuag Aptt. -- Shahibag Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Mangilal Dhigadmal Jirawala, 200-Sarasput –Nani Salviwad Ahmedabad.

-Chirag Aptt. Co.op. H. Socy. Flat No. G/F. 3 New address :-Shahibag-Ahmedabad,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION':--The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 8-Dariapur-Kazipur-S, No. 48-49/1 R. No. 8268 Dt. 5-6-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 17-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3573 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the... Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceed ing

property having a fair market value exceed ing Rs. 1.00,000/- and bearing No. Property at T.P.S. 4 F.P. 65 + 63 64-1 D 18—Arundhani Park Socy. Gopal Chowk Bharavnath Rd. Maninaga.—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Ahmedabad on 7-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shantaben Keshavlal Patel New Daliya Building
 Opp: Gita Bharti Ashram Near Town Hall Ellisbridge—Ahmedabad.
 - Transferor(s)
- (2) Vinaben Ravjibhai Patel 18-Arundhati Park Socy. Gopal Chowk, Bhairavnath Road, Maninagar—Ahmedabad-8.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS 4 F.P. $65 \times 63-63/1$ at 18 Arundati Park—Gopal Chowk—Ahmedabad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th January 1985

Ref. No. P.I G. K. PANDYA, P.R. 3574/Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-b and bearing No. Flat at I.B. T.P.S. 3 P.P. 423 Sub Plot 4 Samanthashwar Co.op Soc., Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Ahmedabad on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhartiben Hashmantlal Parikh A-3 Status Flat—Navrangpura, Near Telephone Exchange, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Dr. Shii Dashrathlal Kodarlal Mody, 11/B, Samrathkrupa Flat Near Samrath war Mahadev, Nr. Law College, E.B., Ahmedahad-6.

(Transferec)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Samarath krupa socy, T.P.S. 3 F.P. 423 R. No. 9568 Dt. 22-6-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-1-1985 Seal:

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sheth I albhai Dalpathbhai HUF Lalbhai Ladapatbhai Vanda Pankore Naka, Ahmedabad, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed— Mahalaxmi Ind. Estate and Warehousing Socy. C/o Shri Dhwarbha Lailbhai Socy. Mamnagar, Dhan Laxmi Scey. Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIS,TIGN RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th January 1985

Ref. No. P.K. No. 3575 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,

5. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section (69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter eferred to as the 'sa'd Act') have teason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding 8s. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Village Layoda Di t. Ahmedabad TPS, 12 FP 156

ituated at Ahmed bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Regis (abon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the reconstruge officer at Ahmedabad on 37LD filed on 19-6-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-

ing persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. * blobever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Naroda, Dist. Ahmedabad TPS 12, FP 156 37EE filed on 19-6-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vijay Prabhakar Deshpande, 89/529 Vijay Nagar, New Wadaj, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Shri Nanjibhai Dhanjibhai Sitapara 39, Jagnath Plot, Raikot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3576 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Rajkot S. No. 462 Paiki Plot No. 17 Adm. Total 575 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, EXPLANATION :shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Rajkot S. No. 462 Plot No. 17 Adm. total 575 sq. yd. (In two document) R. No. 2140 and 1587 June 1984.

THE SCHEDULE

G. K. PANDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-1-1985 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th January 1985

Ref. No. P.R. 3577/Acq.23/I/84-85.— Webreas, I, K. PANDYA,

eing the Competent Authority under Section 269B of the 1come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 2 as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

ble property, having a fair market value exceeding s. 1,00,000/- and bearing No. and at Amedi R.S. No. 12 CS No. 2804 dm. 1 Acre=4840 sq. yd. and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 f 1908) in the office of the registering officer at f 1908) in the mreli on 7-5-1984

or an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e ousideration for such transfer as agreed to between the ansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: النارح
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :---

((1) M/s. Giriraj Land Development Corporation Partner : Harshadrai Jethalal Desai & Ors. at Vaniya Vora Sheri, Amreli Pin. 364 601.

(Transferor)

(2) Gokul Co.op. Hsg. Socy. Chairman-Dr._Harishbhai Chhabildas Gandhi Keria Road, Manekpara, Nr. Patel Boarding Amreli-360 601.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Amreli. R.S. No. 12 C.S. No. 2804 Adm. 1 Acre = 4840 sq. yd. R. No. 704 Dt. 7-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. 3578/Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G.K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Shela Tal. Sanand Block No. 633 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera ion therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1)51);

 Mataji Pamaji
 Babiben D/o Pamaji Denaji Shela Tal. Sanonal, Lust. Ahmedabed.

(Transferor

(1) Strong Loundation con-Trading Association, President—
Shir Vinodibial Hardal Mehta
C/o Mehta Brethers,
1st Floor, Ahand Chambers,
O/s Kai ur Cone Ahandad

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of the notice in the official gazette of a period of 30 day from the service of notices on the persons, whice ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab property within forty five days from the date a publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein , are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in the charter.

THE SCHEDULE

Land at Moje Shela Tal. S and Block No. 633 R. I. 703/84 June, 1984.

G. K. PAND; Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-i Acquisition Rang Ahmedab

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R .3579/Acq.23/1/84-85.--Whereas, I, G.K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Land at Village Shela Tal Sanand Block No. 591 Dist, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the 'object of :-

- ial facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising tress the transfer; and or
- 136's facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which liave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :-65--476QJ/84

(1) Shri Ramji Vaghaji Village Shela Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(1) Strong Foundation Non-Trading Association, President-Shri Vinodhhai Horilol I chta C/o Mehta Brothers. 1st Floor, Anand Chambers, O/s Raipur Gate Ahmedabed.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein #4 are defined in Chapter XXA of the szid Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Shela, Tul. Sanand Block No. 591, R. No. 708, June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 30-1-1985

FORM NO. 1.T.N.S.

Mafaji Pamaji
 Babibeu D/o Pamaji Denaji
 Shela Tal. Sanand,
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Director, Strong Foundation (India) Pvt. Ltd. Kapdiwad O/s Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 30th January 1985

Ref. No. P.R. 3580/Acq.23/I/84-85—Whereas, I, G.K. PANIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and beauing No.

and bearing No.

Land at Moje Shele Ital. Sanand Block No. 633

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instr

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/as
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atcressed persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Moje Shela Tal. Sanand Dist: A'bad R. No. 705/84 June, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ret. No. P.R. 3581/Acq.23/1/84-85.--Whereas, I, G.K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Shela Tal. Sanand Dist. Armedabad Block No. 613 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Ahmedabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Nathabhai Dosalbhai Village Shela Tal. Sanand Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(1) Strong Foundation Non-Trading Association, President-Shri Vinodbhai Harilal Mehta C/o Mehta Brothers, 1st Floor, Anand Chambers, O/s Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Land at Village, Shela Tal. Sanand Dist. Ahmedabad R. No. 613 June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Parbatbhai Nodhabhai Apar, Kuvar Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad. Dist. Ahmedabad.

(Transferoi,

(2) Bahadursing Takhatsang Vaghela Vasana, Iyava, Tal. Sanand,

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. 3582/Acq.23/I/84-85.—Whereas, T. G. K. PANDY A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/ and bearing No.
Land at Kuwai I al. Sanand Dist. Abmedabad 852-853, 856, 857, 916 pairs Land with Bldg.

Land at Kuwai Ial. Sanand Dist. Ahmedabad 852-853, 856, 857, 916 paiki Land with Bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanad, Dist. Ahmedabad in June, 1984

at Sanad, Dist. Ahmedabad in June, 1984
tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Land at Kuvar Tal. Sanand R. No. 807 June, 1984,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. 3583/Acq.23/I/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Land at Moje Iyava, Vasana Tal, Sanand S. No. 247-1- 247-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), section (1) of Section 269D of the said Act, to the following of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than said exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (i) 1. Gi Kunvarba wd/o Chinubhai Sursangbhai2. Digvijay Singh Kalubhai
- - 4. Mahendrasingh Pavansingh Navalsingh Bhurabhai
 - Balvantsingh Bhurabhai
 - 7. Ghanshyamsingh Kalubhai, Ivava, Vasana, Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

 M/s. Jigish Chemicals Partner Shri Kuldipak Laljibhai Pandit 3538, Ambawadi, Saijpur Bhogha, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Moie Vasana, Iyava, seem S. No. 247-1, 247-2 R. No .753, June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30-1-1982

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. 3584/Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Vasana, Iyava, seem S. No. 247-1, 247-2 'Iai.

Tanand Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction o_{Γ} evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) J. G. Kunvarba wd/o Chinubhai Sursangbhai
 - Digvijay Singh Kalubhai
 - 3. Bhataiangh Pavansingh Mahendrasingh Pavansingh
 - 5. Navalsingh Bhurabhai
 - 6 Barvantsingh Bhurabhai
 - /. Ghanshyamsingh Kalubhai, Ivavc, Vasana, 1al. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. K. T. Chen: (India). Partner-Shri Matatlal Muljibhai 541, Anfrawadi, Saijpur, Bogha, Alunedabad.

(Thansferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said propert may be made in water, to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the solvice of notice on the respective persons whichever period explice later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Moje, Vasana, iyava seem S. No. 247-1, 2 Tal. Sanand Dist. Ahmedabad R. No. 752, June, 1984.

G. K. PANDYA 🚣 Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date . 30 1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R No. 3585 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Morbi Savsai Plot area Plot No. 8/334 & 8/335 adm. 6234 sq. ft.=580 sq. mti.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been' transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morbi on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in a racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dinkarrai Laljibhai Kathrani & Shri Laljibhai D. Kathrani Vasant Plot, Morbi, Tal. Morbi Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Hemletaben Chhaganlal Suthar & Ors. (Partner of Ambica Shopping Centre)
'Ankur' Opp: Nılam Hotel Ni. Dada Saheb Pagla Navrangpura. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable propert within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Morbi, Saygar plot area Wd. No. 8 Plot No. 8/334 and 8/335 Adm. 6234 sq. yd. =580 sq. mtr.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30-1-1985

THE RESERVE TO SERVER WAS ASSESSED.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3586 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Memnagar TPS 1 S. No. 86, 87, 89 F.P. 203 Land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market 'value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evenion of the linklity of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising frees the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Vasuben Vinodbhai Shah. Vir Krupa, Hud Floor, 375, Talang Road, Magunga, Bombay.

(Transferor)

(2) Shradha Apartment Owners Association, C/o Amratbhai Ganeshbhai Sudarshan Socy. Vibhag 2 Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on , the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar T.P.S. 1 S. No. 86, 87, 89 FP 203 R. No. 9677 Dt. 25-6-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-T Ahmedabad

Date: 30-1-1985

NOTICE UNPER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

^T } ~E OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
PARTITIONAL HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

14bad-380 009, the 30th January 1985

perfect R No. 3587 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, (r. 1- PATRO) being the Composite Authority under Section 269B of the Incurts—tax (rep. 1971 (43 of 1961) (hereinafter referred to as Property have reason to believe that the authority property having a fair market value exceeding R 27 000 and bearing (rep. 1971).

Property at G I I I have the Vatva, Vinzol seem Plot No. 99-172

and more fully occasioned in the Schedule annexed hereto) has been in insterred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-4-1984 37G recd. June 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 R. K. Chemicals Ltd. 80, Hirabhai Market, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferor)

= = 5=

(2) Ahmedabad Ramkrishna Mills Co. Ltd. Gomtipur, Ahmedabad-21,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at G.I D.C. Industrial Estate Plot No. 99, 102 R. No. 6548 Dt. 30-4-1984 37G recd. June, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

pursuance of Section 269°C of the said proceedings for the acquisition of the the issue of this notice under sub-269D of the said Act. to the follow-

ing personal 66—476G

Now, there

aforesaid section

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No PR No. 3588 Acq 23/I/84-85 -- Whereas, I, G K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

and bearing No. Property at Kalupur Ward, No. 2 C.S. No. 1875

undivided property at 2nd Floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15 3-1984 37G/ June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Vinodbhai Ratılal Mankiwala 1282, Gorden Marg, Behind Maharashtra Socy. Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(2) Mahalaxmi Corporation, Nr. Kalupur Tower, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kalupur Wd. No. 2 C.S. No. 1875 palki IInd floor R. No. 3874 Dt 15-6-84 37G recd. in June, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30-1-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING VASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3589 Acq.23/I/84-85.4—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
No. Land at Daskroi Tal. Village Solu seem Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has een transferred under the Registration Act \$1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Hasmukhbhai Ravjibhai Patel,
 - 2. Rameshbhai Ravjibhai Patel,
 - Dhansukhbhai Ravjibhai Patel— Ghatlodia gam Tal. City Dist. Ahmedabad.

(Transfer it)

(2) Ambalal Vithaldas Prajapati, Minor—Vinaykumar Vithaldas Prajapati, Minor—Ghanshyambhai Vithaldas Uttar Gujarat Prajapati Nagar, Naranpura—Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land at Sola Tal, Daskroi Dist. Ahmedabad R. No. 9232 Dt. 15-6-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Amita Corporation 'Amibela'— Opp. High Court-Navriangouig-Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Shri Shaishav. D. Mchta, Office at 'Amibela'—2nd Floor— Block No. 1—Opp. High Court— Navrangpura—Ahmedabad-9.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3590 Acq. 23/I/84-85—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Shaikhpur-Khanpur seem T.P.S. 3 F.P. 154 at
'Amibela' 2nd Floor—Opp, High Court—Navrangpura—

Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedobad on 12-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protein have not been truly stated in the cold instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Office at Shaikhpur-Khanpur TPS, 3 F.P. 154, 2nd floor, Block No. 1 R. No. 688 Dt. 12-6-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Abmedabad

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3591 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. No. Flat at TPS, 4 F.P. 43 at Once More flat—Krishnanagur

Char Rasta-Maninagar-Ahmedabad-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nilaben Jayantkumar Ladhanajiya, B/2-Once More Flat-Krishnabag-Char Rosta-Maninagar-Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Jamnaben Mansukhlal Patel-B/2-Once More Flat-Krishnabag-Char Rasta-Mainnagar-Ahmedabad-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 4 F.P. 43 at Once More Plat R. No. 8018-R. No. 3015/84 37G reed. June 1984.

> G, K, PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 30-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-tion (1) of Section 269D of the said Act, to the lowing persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3592 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Office at 'Amibela' Opp. High Court—Navrangpura TPS 3 F.P. 154,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ahmedabad on 22-6-1984,

Ahmedabad on 22-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Amita Corporation— Partner—Shri Rajesh S. Parikh— Bldg, 'Amibela' Opp. High Court— Navrangpura—Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Rajendra Kantilal Shah— Block No. 2—'Amibela & Bldg. Opp, High Court— Navrangpura—Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- .(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office at T.P.S. 3 F.P. 154—Block No. 2 at 'Amíbela'—Navrangpura—R. No. 9569 Dt. 22-6-1984.

G. K. PAND*
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range
Acquisition Range I, Ahmedaba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-1-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Chandrakant Bhudarbhai Vora-Fulchand and D. Sathla Co. 69-71—Dhanji Street—Panchshila Bldg. Ground Fl or-Bombay-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ajanta Playwood Center—
Partner—Baldevbhai Narayandas Patel—
Shop No. 103—Ajanta Commercial Center—
Ashram Road—Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3593 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop at Ajanta Commercial Center Shop No. 103 at Shaikhpur-Khanpur—T.P.S. 3 F.P. 100, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-6-1984, for an apparent consideration which is less than, the market value

Ahmedabad on 25-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or

THE SCHEDULE

Shop at Ajanta Commercial Center—Shop No. 103—Ground Floor TPS 3 F.P. 100 R. No. 9673—Dt. 25-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this nation and the said act. aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 31-1-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3594 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Vasana TPS 26 F.P. 99 S.P. 6 of land 606 sq yd. undivided 1/3 share of each transfer in the property, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferied under the Registering Officer at Ahmedabad on 1-6-1984, 2-6-1984 & 5-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair

Annedabad on 1-6-1984, 2-6-1984 & 3-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :--

- (1) 1 Manishkumar Rameshchandia Bhott-B/6-Gayanganga Flat—Dhumketu Marg-Paldi—Ahmedabad.
 - 2. Smt. Lilavati Rameshchandia Bhott-B/6-Gyangaga Flat, Dhumketu Marg-Paldi-
 - Ahmedabad-7.
 3. Minor Maulik Rameshchandra Bhatt—Guardian—Rameshchandra P. Bhatt—B/6
 Gyanga Flat—Dhumketu Marg—Paldi— Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Alok Appartment Owners Association— President—Shri Rajeshbhai R. Shah— 970/7—C.G. Road—Paldi—Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Land at TPS 26—FP 99 S.P. 6 undivided property—land having 1/3 share of each transferor—R. No. 1781, 1782, 6763 Dt. 1-6-1984, 5-6-84 (June 84).

G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3595 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Property at Usmanpura seem—Ambica Co-op, Socy B No. 29, F.P. 77-78 SP 11-B—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---67-476GI/84

(1) 1. Sitaben Motilal Patel-

- Gautambhai Motilal Patel—
 Himatbhai Motilal Patel 4. Baldevbhai Shivlal Patel
- Rajendrakumar Baldevdas
 Ambica Socy, Usmanpura—Ahmedabad,

(2) 1. Chanchalben Ranchhodbhai Patel-

 Kiritkumar Ranchhodbhai Patel
 20—Amibaca Socv.—Usmanpura—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property at Usmanpura seem F.P. 7 -778 S.P. 11-B R. No. 9248 Dt. 15-6-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-1-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3596 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office at TPS. 3 F.P. 154 at 'Ambela'—IInd floor—Navrang-

pura, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 12-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Amita Corporation—(Amibela— Opp. High Court—Navrangpura, Ahmedabad-9,

(Transfere

(2) Shri Milan, H. Dalal, 43, Sardar Patel Colony, Ahmedabad.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 45 days from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of t' publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office at TPS. 3 F.P. 154 SP at 'Amibela' Opp. Hig Court, Navrangpura, Ahmedabad. R. No. 6876 dt. 12-6-84

G. K. PANDY.

Competent Authorit

Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta

Acquisition Range-I. Ahmedaba

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-390 009, the 31st January 1985

et. No. P.R. No. 3597 Acq. 23/1/84-85.—Whereas J, C. PANDYA.

g the Competent Authority under Section 269B of the me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereipafter referred to be 'said Act'), have reason to believe that the immovable serty, having a fair market value exceeding

1,00,000/- and bearing No. at Kochrab TPS, 3 F.P 270 at North view Flat, rangpura, Ahmedabad

I more fully described in the Schedule annexed horeto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at nedabad on 27-6-1984

an apparent consideration which is less than the fair ket value of the aforesaid property and I have reason to eve that the fair market value of the property as aforesaid eds the apparent consideration therefor by more than en per cent of such apparent consideration and that the ideration for such transfer as agreed to between the ies has not been truly stated in the said instrument of sfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaki property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following ong, namely :--

(1) Ketan Rasiklal Shah, Nr. Rajnagar Char Rasta, Paldi, Ahmedabad 7.

(Transferor)

(2) Padmanabh C. Lodha, Flat No. 11, 2nd Floor, North View Co. op. Socy. Flat, Opp. L. D. Engineering Hostel, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the tame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Kochrab TPS. 3 FP 270 Sub Plot No. 2 R. No. 9830 Dt. 27-6-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM KOAD, AIIMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, theh 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3598/1 Acq. 23/84-85 --- Whereas I, G. K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Flat at Shahpui II C.S. No. 4234 to 4241 at Anand Saurin Co. op. Socy., Flat, 1st floor, Khanpui, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1984 37G June, 1984

Ahmedabad on 31-3-1984 37G June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuld property and I have reason to beliefe that the fair market value of the property as aforesuld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Rajeshkumar Balubhai Shah,
 Satyavadi Socy., Usmanpura,
 Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Dineshkumar Babulal Patadia, Flat No. 1/F, Anand Saurin Co. op. Socy, Khanpur, Ahmhedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Shahpur II C.S. No. 4234 to 4241 at Anand Saurm Co.op. Socy. R. No. 8029 Dt. 31-3-1984 37G recd. in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 31-1-1985

Scal:

FORM TINS-

(1) Chandulal Baychand Vora, Patel Bhuvan, Second Khancho-Shahpur, Ahmedabad. Ahmedahad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3599/1 Acq. 23/84-85.—Whereas I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in 100 000 (45 of 1961). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat at Shahpur-II C.S. No. 4234 at Anand Saurin Co.-op.

Soey, Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad

on June 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have feason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;— (2) Kameshkumar Shankarlal Shah, Flat F. 4 Anand Saurin Co. op. Socy., Khanpur, Ahmedabad.

(Transferec)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Shahpur. II C.S. No. 4234 Sub Plot 2 to 16 at Anand Saurin Co.op. Socy. Flat No. F/4 R. No. 6132 Dt. 25-4-83 37G reed. in June, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-1-1985

FORM ITNS

(1) Bajranglal Devidayal,

(Transferor.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devidayal Taheltam Arota, Shivkumar Tahelram Arota & Ots. 86-87, Yogi-Krupa Socy. Bhatar Road,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 11th January 1985

Ref. No. PR. No. 3276 Acq. 23/II/84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing Shop No. R. 2109 squated at Surat Textile Market Ring

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the Said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is read. at S.R. Surat vide No. 4535 dt. 4-6-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedahad

Date: 11-1-1985 Scal:

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3277 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 21, 3171, situated at Surat Textile Market, Ring

Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Surat on 13-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) Jinkram Ashanand Techadi, 80, Subhash Nagar, God-dod Road,

(Transferor)

(2) Vishandas Tirathdas, Ved Prakash Vishandas, G/22, Harinagar, Opp. L. B. Cinema, Bhatar Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4775 dt. 13-6-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-1-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abuicdabad-380 009, the 11th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3278 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. Z-3170, situated at Surat Textile Market, Ring

Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between partles has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of: the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) M/s. K. T. Textiles and Partners, Thakorbhai Chhitubhai,
 27, Shii Ketan Socy, Sumul Dairy Road, (Transferor)

Babulal Jatakanan Surana,
 Indarchand Chaturhhuj Ved.
 Mali Falia, Gopipura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The transaction is regd. at S.R. Surat vide No. 4870 Dt. 18-6-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985

Scal:

(1) Ramanlal Pranshankar Raval & Ors. at Desara Patel Falia, Tal. Gandevi.

Smt. Bhanuben Mahendrabhai Gandhi & Ort.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMPDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th January 1985

Ref. No. P.R. No 3279 Acq. 23/II/84-85.--Whereas I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. R.S. No. 470/1, situated at Desara,

Tal. Gandevi. Dist. Bulsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shivkrupa Corporation,

Bilimora Mahadev, Nagar

Partners,

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the published. cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Desara. The document is regd. at S.R. Gandevi vide No. 429 dt. 6-6-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmed shad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely

68-476CiI/84

Date: 16-1-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2\D FLOOR, HANDLOOM HOUSE. • A SURAM ROAD. AHMED 4BAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th January 1985

Ref. No. P. R. No. 3280 Acq 23/II/84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00.000/-.

Land at Saivad Vasna, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ashwin Pudrikrai Hathi, Race Course, Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Rukibai Sadhuram Israni, 32-1-91 Ellora Park, Subhanpura, Baroda-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,00,374 at 2484 in the month June, 1984 in respect of land at Sayad Vasna, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM KOAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3281 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Shed at Varnama Tal. Baroda (and more tully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe, cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income of sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Smt. Agia' Kor Pratapsingh Shah, 34, Muktanand Socy. Ltd. Karelibag, Baroda.

(Transferor)

- 1. Aruna P. Patel,
 Partner of Pac Paper Tubes,
 21, J. P. Nagar, Old Padra Road,
 Baroda.
 - 2. Aruna P. Patel.
 Partner of Pac Paper Tubes,
 Village Varnama,
 5/1/9 Block No. 40,
 Tal. Baroda, Dist. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd for an amt. of Rs. 1,50,000/on 13-6-1984 at No. 4214 by S.R. Baroda Tal. Baroda Dist. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3282 Acq. 23/H/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land at Akota, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sureshbhai Bhailalbhai Patel, 85/86, Vasna Road, Baroda-15.

(Transferor)

(2) Dr. Haribhai Shamjibhai Patel, Hym-House, Post Office Road, Junagarh-362 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 'Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered by S.R. Baroda on 21-6-1984 at 4514 in respect of land adm. 478 sq. mtr. of S. No. 150 of Akota, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-1-1985

Scal :

FORM ITNS----

(1) Smt. Manoramaben Harshadrai Barbhaiya, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayeshkumar Devshi Hirani etc. Plot No. 226-227 Ami Co. op. H. Socy. Race Course, Akota Road, Baroda. Shri Jayeshkumar Devshhi Hirani, Bharasar, Dist. Kutch.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th January 1985

P.R. No. 3283 Acq. 23/11/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Bldg. in Ami Socy. Akota, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
Baroda on June 1984

of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on June, 1984 for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating he conscalment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :- -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 5,50,000 on 20-6-1984 at No. 3932 in respect of bldg. at Akota, Baroda, regd. by S.R. Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

' ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3284 Acq. 23/II/84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No.

S. No 312 paiki, situated at Nanakwada, Tal. Valsad (1914 was fully described in the schedule approved bareto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Valsad on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Valsad Jilla Jangal Mandli's Sahkari Sangh Ltd. Chairman, Nanubhai Maganlal Desai, At Bilpudi Tal. Dharampur.

(Titansferor)

(2) Shri Vanraj Co. op. Hsg. Socy. Chairman— Nanabhar Maganlal Desar, At Bilpudi, Tal. Dharamour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid possons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Nanakwada. The document is regd. at S.R. Valsad No. 3134 Dt. June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

Date: 30-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

1 & 2 Radhe Market,

Ring Road, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAY

> ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDA AD-380 009

Ahmedabad-380 000, the 29th Tanuary 1985

Ref. No. P. R. No. 3285 Acq. 23/II/84-85.-Whereas G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office No. 621, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Shri Sureslikumar Bhobhachand Toshniwala,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ther assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 19.2 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The form No 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby make proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow n persons, namely :--

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Shanti Builders, Ring Road. Surat.

(Transferor)

(2) Smt Poonam, M. Blyani, Z. 1177. Surat Textile Market, Ring Road. Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3286 Acq. 23/II/84-85,-Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Office No. 626, situated at Ajanta Shopping & Textile Arcade,

Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted

TO/ Das

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the dadian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37FH is submeted in the office of the undersigned in June, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-1-1985

Scal 2

(1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Deeccelon Crimpers,4/200 Alaya's Wadi,Tajmahal Soda Factory Compound, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3287/Acq. 23/II/84-85.--Whereas 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B or an Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office No. 639, situated at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating We reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-1-1985

Scal:

69-476GI/84

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Jas Enterprises, Ganesh Bhuvan Rod No. 5, Udhna Udyog Nagar, Udhana, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th January 1985

Ref. No. P. R. No. 3288 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I. G. K. JANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No. Office No. 218 at Surat Form No. 37FE is submitted

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1985

Surat.

PORM ITNS

(1) M/s. Shanti Euilders, Ring Road, Surat,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3289 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office No. 722 situated at Ajanta Shopping & Textile Arcade-Ring Road Surat

Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Shri Babulal Agrawal, M/s. Udhna Textile & Weaving Mills, Road No. 4,

Udhana Udyog Nagar, Udhana,

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authors Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3290/Acq. II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Block No. 1187 S. No. 378/3, situated at Nandarkha Tal. Gandevi Dist. Valsad (and more fully described in the Schedule enneyed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandevi on 4-6-1984

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Dhirajlal Champaklal Modi & Ors. At Rani Talav, Surat.

(Transferor)

(2) Yunusbhai Habibbhai Mukati & Ors. At Desara Nr. Raj Janta House, Tel. Gendeyl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Nandarkha Tal. Gandevi. The document is regd. at S.R. Gandevi vide No. 295 Dt. 4-6-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-1-1984

Soul :

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3291/ Acq. 26/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Ward No. 4, Nondh No. 2167 Begampura, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 30-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under reb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Suresh Shantilal Kothari Dairya Mahal Naviali Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Divyakant Co. op. Hsg. Socy. Near Sahara Darwaja, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to, the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is altuated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2384 Dt. 30-6-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-1-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sarlaben Rameshchandra Modi,
 C/o Sulasha Co. op. Hsg. Socy.
 4/133 Pirchhadi Road, Ambica Sadan,
 First Floor, Surat.

(Transferor)

(2) Sulsha Co. op. Hsg. Socy. Office 4/133, Pirchhadi Road, Ambica Sadan, First Floor, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3292 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Athwa, T.P. Scheme No. 5 Final Plot No. 263 C.T.S. 2559, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfers and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the foresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2805 Dt. 18-6-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3293 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market lue exceeding Rs. 25,000|exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. S. No. 546-12 and 547-548 Paiki Shan Murti Socy. Bunglow No. 9, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Pratibhaben R. Vepari Suvldha Socy, Timaliavad, Surat.

(Transferor)

(2) Hitendiakumar Amritlal Nanavati, 5/1286, Soy Sheri, Haripura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1154 June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Ravajibhai Tulsibhai Patel, Surat, C/o Gunatit Corporation, Nr. Middle School, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) Gunatit Corporation, Hasmukhlal Bhagwandas, Nr. Gopipura Middle School, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3294 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bear no.

R.S. No. 317, Hissa No. 3, Katargam, Surat.

has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Surat on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay task under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the sellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4928 dated 19-6-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2 Smt. Tarulata Rajnikant Shah, Suvarna Apartment,

New Khanderao Road, Baroda.

(1) Shri Vithaldas Mohanlal Shah.

15-Pashim Jamsaji Aptt., Grant Road, Bombay.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3295 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Plot at R.C. Circle, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1903 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 5-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

70-476 GI/84

Objections, if any, to the acquisition or the saud property may be made in writing to the undersigned:—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount for Rs. 1,50,000/by S.R. Baroda at 4619 on 25-6-1984 in respect of plot at R.C. Circle Baroda,

G, K, PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedak**

Date: 30-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad 380 009, the 30th January 1985

Ref. No. PR. No. 3296 Acq. 23/11/84-85.--Whereas, I,

G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inatize referred 10
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing No

Flat at Sategani, Baroda.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1422 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaresaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

(1) Kalumal Chelaram Brahmakshyatriya, 66, Alkapuri, R. C. Datta Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Prithipal Surjitsingh Chhabda, Flat No. 301, 3rd Floor, Eagal Aptt., Fateganj, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property -may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed has been read, by S.R. Baroda on 4-6-1984 at -No 254 in respect of Flat at Fateganj, Baroda,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P. R. No. 3297 Acq. 23/II/84-85.—G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land at Cambay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cambay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferred for the purposes of the Indian Incomplete A. t. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 et 1957);

(1) Jalapan Corporation, Through its, partner, Shie Hothibhai Maganbhai Patel, Cambay, District Kaira.

(Transteror)

(2) Shri Becharbhai Vrajbhai Patel, Trustco of Betalish Gam Charoatar Patidar Kelvani Mandal, Vatadara, Cambay, Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. on 7-6-1984 at 2183 by S.R. Cambay in respect of land of S. No. 2/4862 Cambay District Kaira.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namly:—

Dato: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. 19.18. No. 3298 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land at Borsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

nt Borsad on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oblive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Bhailal Ambalal & Ors, Family Member, Raochhadia Pole Khadki, Borsad.

(Transferor)

(2) Chief Promotor Shri Chhabildas Dhirajlal Bagadia of Shriji Corporation,
Pushpakunj Society, Borsad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at 2056 on 7-6-1984 by S.R. Borsad, District Kaira in respect of land for an amt. of Rs. 2,70,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3299 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bear no.

Rs. 1.00,000/- and bear no. Bunglow at Jetalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Baroda on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid excerts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Avinash Maganlal Mody Authorised for Somiben, N. Mody 23, Pratapganj, Baroda-2

(Transferor)

(2) Atmaram Narayan Ramdive, 30, Parshuramnagar Co-op. Hsq. Socy., Sayajiganj, Broda.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the sald property any be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the particulation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Broda for an amt, of Rs. 2,20,000/- in respect of bunglow at Jetalpur Broda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3300 Acq. 23/Π/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

oeing the Competent Authority under, Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land plot at Akota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Paishottam Dharamdas Patel, Author ed Ravjibhai Dharamdas Patel, Kaikin,idi, Tal. Padra District Baroda.

(Transferor)

(1) Shri Vithaldas Keshavlal, Authorised Pramodkumar Lallubhai Mistry, C/o Paishottamdas Dharamdas Patel, Karkhadi, Tal. Padra, District Baroda.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 1,67,550 a' 3449 in respect of land plot at Akota by S.R. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RQAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3301 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Rs. 1,00,000/-and ocaring No.
Flat, Suvarnpur, Majalpur, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registratation Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Baroda on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Anand Organisors 35. Shri Krushnakunj Socy. Jetapur Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Damvantiben Javantilal Mehta C/o M/s Anand Organisors 35, Shri Krushnakuni Socy. Jetalpur Rd. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein a are defined in Chapter XIVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,44,300 by S. R. Baroda in respect of flat at Jetalpur, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 31-1-1985

(1) Satishkumar Sadhuram Singhi Budasan Tal. Kadi, Dist': Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3302 Acq. 23/Π/84-85, Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Land at Budasan. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 25-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

" transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Shri Vdiyabhushan Sadhuram Singhl Prop. of Chand Industries Corp. Budasan Tal. Kadi, Dist: Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Kadi in respect of land adm. 8612 sq. mtr. at Budasan Tal. Kad. Dist: Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax.
Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Vinubhai Chunilal Vyas C/o Vijaykumar Rameshchandra Bhatt Doctor's Quarter, Jail Road, Vishwamitri,Nr. Petrol Pump, Baroda.

(Transferor)

(2) Vijaykumar Rameshchandra Bhatt, Doctor's Quartee's Road, Nr. Vishwamitri Bridge, Petrol Pump-Baroda.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3303 Acq. 23/II/84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Bldl. at Subhanpura, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given In that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /tic

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for amt of Rs. 1,70,525 in respect of bldg at Subhanpura.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

G. K. PANDYA Competent Authority

Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-1-1985

Seal:

71-476 GI/84

FORM TINK

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3304/Acq.23/II|84 85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Bldg. at Alkapuri—Baroda (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prakashchandra Manubhai Patel, Race Course Circle—Alankartalkieswala, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Artiben Ajitkumar, 19—Sampatrao Colony, R. C. Datta Road, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda in respect of bldg. at Sampatrao Colony, Plot area 5120 Built up area 494 sq. yd. (4451 sq. ft.) at Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3305/Acq.23/II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Kundal Tal. Kadi-Dist. Mchsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Kasturbhai Chimanlal Sanghvi trustee of Sanghui & Associates,
 2—20 Rekha Bldg.
 46—Ring Road.
 Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Ramsahaymal Agrawal Partner of Madhusudan Cremics and Prop. of Madhusudan Vegetables Products Co. Ltd. Kadi Tal. Kadi Dist, Mehsaba.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,55,727 by S.R. Kadi in respect of land at Kadi Dist. Mehsana,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Re
Ahmedabad

Date: 31-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Maltiben Ajitbhai Sanghvi Urmi Apartment Sayajiganj—Baroda, C/o Maniben Maganbhai Shah.

(Transferor)

(2) Maniben Maganbhai Shah, Urmi Aptt. Sayaji Ganj—Baroda,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3306/Acq.23/II[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at Sayajiganj—Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at No. 4402 on 18-6-84 in respect of flet in Urmi Aptt. Sayajiganj-Baroda for an amt. of Rs. 70,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3307/II/Acq.23.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat in Ashirvad Apit. R. C. Datta Rd.—Baroda Tand more fully described in the Schedule annaexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Amar Builders, Contractors—10—Kasturba Nagar, Faromji Road—Baroda.

(Transferor)

(2) Tube Investments of India Ltd. "TIAM HOUSE" 28—Rajaji Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at No. 4157 on 7-6-84 by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 2,05,000/- in respect of flat in Ashivad Aptt. R.C. Datt. Rd. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Patchiammal, W/o Late A. A. Karuppudiyar and others Pattanam Village, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Sri P. T. Muthu, S/o Late Thandaraya Udiyar, Pattanam Village, Rasipuram Taluk.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 52/June 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 362/3 situated at Pattanam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Rasipuram (Doc. No. 1374/84) on 7th June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Pattnam Village—Survey No. 362/3 (Doc. No. 1374/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 54/June/84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No 233 situated at Karkoodalpatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S. R. Namagiripettai (Doc. No. 437/84) on 28th May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Rajamanickam, S/o. Ponnusamy Pandaram and Smt. Sinnammal, W/o Rajamanickam, Kattukkottai, Karkoodalyatti.

(Transferor)

(2) Shri R. Iliyappan, S/o Ramasamy Cownder, Veeraandiya Kadu, Karkqodalpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Karkoodalpatti Village—Survey No. 233.

(Doc. No. 437/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 21-1-1985

Beal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 56/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 187 situated at Pudupatti Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registratation Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
S. R. Namagiripettai (Doc. No. 485/84) on June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apaprent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Palanjammal, D/o Periyanna Cownder, Pudupatti Village, Rasipuram Taluk, SALEM Dist.

(Transferor)

(2) Shri K. Thirumani, S/o Karuppanna Cownder, Nellanchotharkadu, Pudupatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Pudupatti Village. Survey No. 187. (Doc. No. 485/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras 690 006, the 21st January 1985

Ref. No 57/June/84.—Whereas, I., PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and begring

No. Surey No. 629/2 situated at Karkoodalpatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering efficer at S.R. Namagnipetta (Doc No. 486/84) on 18th June 1994

for an apparent consideration which is 'less than the fair market value of the 'aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—72—476@I/\$4.

(1) M s Sinnupadaiyachi and three others Karkeodalpatti, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Bekar, S/o Sellamuthu Udiyar, Karkoodalpatti, Rasipuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any, other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

Land and building at Karkoodalpatti Village—Survey No. 629/2.
(Doc. No. 486/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref No. 63/June/84—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

and bearing No. No. Survey No. 55'1, 55 2 56'1 and 39/5 situated at Panamarathupatti Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering sofficer at

S. R. Tadagapatty (Doc. No. 1823, 84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the 'ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Venkatachalam and Ravi,
 S/o Periak Cownder,
 Panamarathupatti Village.

(Transferor)

(2) Sri Krishnan,
Sinnappan and
Ramasamy,
S o Perumal Gownder,
Panamarathupatti Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Panamarathupatti Village. Survey No 55|1, 55|2, 56|1 and 39/5. (Doc. No. 1823/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-I,
M-dras-600 006

Date: 21-1-1985

8319

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref No 65/June/84 --Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mamovable property, having a fair market value exceeding. Rs 1,60,000/-and bearing. No 1 S No 4/58 situated at Tudagapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration. Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S R Tadagapatti (Doc No 1864/84) on 25-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii S Menaka Devi. W/o K N Selvakrishdan, 46, Srirenganputhux Street, Tadagapatti, 5Al EM-6

(Iranslerer)

(2) Smt. P. Numala, W. o. O. Periaswamy Pillar, 110 Mariamman Koil Street, Yadagapatti, SALFM-6.

(Transferce)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I'he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Tadegapatti—T.S. No. 4/5B. (Doc. No. 1864/81).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Maduas-600 006

Date · 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43".OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 70/June/84.—Whereas. I, PREMA MALINI VASAN,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing

Rs. 1.00.0004- and bearing
No. T.S. No. 9/2 situated at Asthampatti Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
J. S. R. I., Salem (Doc. No. 1303/84) on June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri P. Athiannan, S/o A. Paramasiva Cownder, 3A, Venkatraw Road, SALEM-1.

(Transferer)

(2) Shri M. P. R. Husene, S/o Shaw Razak. Door No. 48. Block-1, Anna Nagar, MADRAS-40.

(Transferee)

(3) Transferer.

(Person in occupation of property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later?
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Asthampatti Village. T. S. No. 9/2. (Dec. No. 386/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 666

Date : 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGET, MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 23rd January 1985

Ref No 73 June/84—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

transfer with the object of .-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Survey No 54/1 situated at Vettaikaranui Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at ISRI, Salem (Doe. No 1389/24) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section, 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1)° of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Six P Aiumugam and others, S/o Vavuniapillar, Doct No 4, Habib Street, Nottainelem fown

(Transferer)

(2) Shi F Narayanaswaniy, So Chandia Pilla, Vad pani Union Salem Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aloreseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION — The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

TIME SCHEDULE

I and and building at Voltaikaranur Village (Dec No 1389/84)

PREMA MALINI VASAN
Connectent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date 23-1-1985

Saal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madlas-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 85/June/84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing Land and Building

situated at Koodalnagar, Vilangudi Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Pudumandapam (Doc. No. 1427/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) heilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii V. Karuppiah, S o Velliyan, Thathaner 1-

(Transferor)

(2) Shu M. Narayanan. \$/o Marimuthu, Ram inathapuram-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Koodalnagar, Vilangudi Village. (Doc. No. 1427 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

.(2) Standard Match Industries (P) Ltd. "Director: Ravindran, S/o N. R. K. Rajarathnam, SIVAKASI.

W/o Guruswamy Nadar

(1) Smt. Valliammal,

Dindivanam, Sengelpat Dist.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th January 1985

Ref. No. 102/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 1321/1 situated at Thiruthangal Village

Survey No. 1321/1 situated at Thiruthangal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Thiruthangal (Doc. No. 755/84, 756, 761 & 765/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date can the publication of this notice in the Official Gazetta-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Vasant land at Thiruthangal Village/Survey No. 1321/1. (Dec. No. 755/84, 756, 761 and 765/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 108/June/\$4.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Door No 75 & 754 situated at Deevipuram. Tuticorin Tow (and more fully described in the Schedule annered hereto has been transferred under the Registration Act 1968 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Tuticorin (Doc No. 274/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajasundari Resaleen, W M. Kollpitchai, 9/4, Main Road. Kenankattuvilai. Thirnchendur Taluk.

(Transferer)

(2) Shri S. Surendran, S/e M. Subbiah Nadar, 119, Meega Sweet, TUTICORIN.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall, have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Land and building at Deevipuram, Tuticorin Tewn. (Dec. No. 274/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 00

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 40 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 21-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 109/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 23, situated at Victoria Extension Road, Tuticorin (c, Charles Theatre)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. II, Tuticorin (Doc. No. 605/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
73—476GI/84

 Shri A Venkatachalam Iyer, S/o Sri Ananthasubramania Sastriar, No. 10, New Colony, TUTICORIN.

(Transferor)

(2) M/s. Swamy Enterprises, 261-A, West Great Cotton Road, TUTICORIN.

(Transferee .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 23, Victoria Extension Road, Tuticorin.

(Doc. No. 605/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date : 19-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd January 1985

Ref. No. 110/June/84.—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I and and Building situated at South Vecravanallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R., Vaddakk Viravanallur (Doc. No. 429/84) ni June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Thangathai Ammal, W/o Sethu and two others, Vadakku Viravanallur.

(Transferor)

(2) Smt. K. Lalitha Annual W/o Nagarathina Pandian, VEERAMANICKAM.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and building at South Viravanallur-Doc, No. 429/

PREMA MALINI VASAN
Competent Author
Inspecting Assistant Coramissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 ffc.

Date: 22-1-1985

Seal 1

(1) Shri A. Ramasamy Naidu, Taunelveli Town, Tirunelveli Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Raman Reddiar and R. Rajeswari, Chindamani Village, Nanguneri Taluk, Tirunelveli Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th November 1984

Ref. No. 111/June/84.---Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1.S. No. 1113/2 situated at Sindupoondurai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 'S.R.I. Madias North (Doc. No. 1588/84) in Maich 1984 for an apparent consideration and which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

No, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of () aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

I and and building at Sindupoondurai Village. T. S. No. 1113/2.

(Doc. No. 1588/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Tate: 24-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Shalini Ravindran, 73, Harrington Road, Chetput, MADRAS-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Sicy Timpthy, 62, Keravalla Building, 14th Road, Khar, BOMBAY-52.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 24th January 1985

Ref. No. 112/June/84 -- Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 73 situated at Chetput, Madras-31

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16

1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 the 1908) in the office of the Registration Officer at Periamet (Doc. No. 617/84) on 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 73, Harrington Road, Chetput, Madras-31. (Doc. No. 617/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Apt. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Alagappa Industries, 10, T. H. Road, MADRAS-81.

(Transferor)

(2) Ojha Children Trust, 780, T. H. Road, MADRAS-81.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 120, June/84, —Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 4056/1 & 4057 situated at No. 24A, T.H. Road, New Washermanpet, Madras-81. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 c 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rayapuram (Doc. No. 987/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at 24A, T. H. Road, Madras-81. (Doc. No. 987/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th January 1985

Ref. No. 133/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 Casa Major Road, Third Lane, Madias-8 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Perramet (Doc. No. 594/84) on June, 1984.

S.R.O. Penamet (Doc. No. 594/84) on June, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the frameferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

 Sri Abdul Jaffar, S/o T.O.M. Yousuff, 82, Genga Reddy Street, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) M/s. Syed Khudadad Hussain & Others, No. 9, Sulaiman Zakriah Avenue, Casa Major Road, Egmore, Madras-600008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lane, Madras-8. (NDocument No. 594/84). (Document No. 594/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madray-600006

Date: 9-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri K, Rajabathar and Sri B. Jadeeswari, 17-A, (F) Block), Had Main Road, Anna Nagar, Madias-102.

(Transferee)

(2) P. Hecralal Vyas, 170, Mint Street, Sowcarpet, Madras-79.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 8th JJanuary, 1985

Ref. No. 134/June/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 116 (Old No. 111) situated at Swami Naicken Street, Chintadripet, Madras-2 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 604/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have trason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as afe defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 116 (Old No. 111) Swaml Naicken Street, Chintadripet, Madras-2. (Document No. 604/84)...

PRFMA MAIINI VASAN Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.

Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date : 18-1-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1985

Ref. No. 135/June/84.— Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 65/1 situated at Door No. 82, Aspiran Garden Second Street, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 606/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said 'et to the following persons, namely:—

 Durgesh Narayan Nagar Katti, 19-A, Mim Land, Bhandup, Eombay-400 078.

(Transferor)

(2) Umaraomal Lodha and Rajesh Kumar Lodha, 53, Diwan Rama Road, Kilpauk, Madras-84.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 82, Aspiran Gardon Second Street, Madars-10.

(Doc. No. 606/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 10-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th December 1984

Ref. No. 136 &137/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing vacant land situated at Guruvppa Chetti Street, Chindadripet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 623 & 624/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. P. Vasantha,
 Sri M. Palani,
 Guruvappa Chetti Street,
 Chindadripet,
 Madras-2.

(Transferor)

 Shri M. Mani, Shri M. Baskaran,
 Nainiappa Naicken Street, Chindadripet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 81 Guruvappa Chetti Street, Chindadripet, Madras-2.

(Document No. 623 & 624/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, we the following persons, namely:—
74—476GI/84

Date: 17 12-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. Surcoats, Bombay-86.

(Transferor)

[PART III -- SEC. 1

(2) Balaji Industries, 56, Erulappan Street. Medras-79.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th January 1985

Ref. No. 138/June/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1205 stuated at Madavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 c 1908) in the office of the Registration Officer at Sembiam (Doc. No. 2110/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days f om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-2x Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); Land and building at Madhavaram. (Doc. No. 2110/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date:15-1-1985 Scal:

PART III--SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th January 1985

Ref. No. 141/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

R. S. No. 8777 situated at Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 241/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(1) Smt. Neota M. Jain, W/o Shri Maganial Jain, 44, Erulappan Street, MADRAS-1.

(Transferor)

8335

(2) Smt. Subati Devi, W/o Shri Mohanlal, 2. Smt. Dariya Devi, W/o Shri Nemichand, No. 7, Kasi Chetty Lane, MADRAS-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Elakandappan Street, Madras-3. (Doc. No. 241/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madres-600 006

Date : 15-1-1985 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 142/June/84,---Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 (New No. 45) situated at Chinna Thambi Street,

No. 18 (New No. 45) Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Soucarpet, Madras (Doc. No. 242/84) on 4-6-1984,

for an apparent consideration which 15 | 058 the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectic y269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Mohammed Ismail Sait, Sri Mohammed Riaz Sait & 6 others, 24 Ayavee Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Sri A. M. Seni Ibrahim Umal Smt. S. M. S. Noorjahan Bevi & others, North Street, Kilakarai, Ramnad Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 18 (New No. 45) Chinna Thambi Street, Madras-1.

(Doc. No. 242/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. T. Hirusah, 109, Iyah Mudali Street, Chindodripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Urmila Devi Jaiswal, W/o Shri B. P. Jaiswal, 246-C, Vivekanand Road, CALCUTTA-700 006.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 147/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marktt value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Land and Building

situated at Plot No. 3803, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Annanagar (Doc. No. 2044/84) in June 1984

S.R. Annanagar (Doc. No. 2044/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3803, Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 2044/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. K. Unni, 57, Block I. Anna Nagar, MADRAS-40.

(Transferor)

(1) Shri M. Simon Jacob, 57, Anna Nagar, MADRAS-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 148/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1067 situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2142/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madee in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land at Plot No. 1067, Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 2142/84).

THE SCHEDULE

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

Soal :

(1) Sri K. S. Issac,

Madras-40.

Chetput, Madras-31.

(2) Srl Ashok Malpani, St., Lata Malpani, W/o Sri Ashok Malpani, No. R-18, Anna Nagar. (Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 149/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Rs. No. 127-Plot No. 1092 situated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2143/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

S/o Late Sri K. I. Chacko, No. 8 3rd Street, Harrington Avenue,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove be property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 127, Plot No. 1092, Anna Naga", Madras-40. (Doc. No. 2143/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 152/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 3954 Anna Nagar, Madras-40 situated at Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2214/84), on June 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri P. Ramakrishnan, 16, Perumal Koil Street, Aminjikarai, Madras-69.

(Transferor)

 Sri S. Jayaraman, No. 2 Singaram Street, T. Nagar, Madras-17.

Smt. Indra Schsadri,
 No. 7A Hamigiri Apartment,
 Plot No. 1277 Eknath Hadhiskar Marg,
 Prabhadevi,
 Bombay-400 025.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 3954 Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2214/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Dato: 4-1-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri S. Krishnamurthy, Poes Garden, MΛDRAS-18,

(Transferor)

(2) M. A. Peters, 22, Miller Tank Band Road, BANGALORE-560 052.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 155/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old S. No. 14 situated at 11, IVth Cross Street, Madras-30, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

Old S. No. 14 situated at 11, IVth Cross Street, Madras-30, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2268/84) on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, IV Gross Street, Shenoy Nagar, Madras-30. (Doc. No. 2268/84).

PREMA MALINI WASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

75-476GI/84

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sti Babulal Jain and others, No. 8, Subbaroya Neicken Land, Madras-79.

(Ttansferor)

(2) Si₁ M. Hanumanmal Surana and N. K. Surana, 85, Bazar street, Titupporur, Chingalput Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th January 1985

Ref. No. 160/June/84.--Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at D. No. 56, Eulappan Street, G.T., V.O.C. Nagar, Madias, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Sowcarpet (Doc. No. 284/84) on June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I MPIANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 56, Erulappan Street, G.T., V.O.C. Naga: Madras. (Doc. No. 284/84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Madius-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 167/June/84,-Whereas, J. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tau market value exceeding Rs. 25,000;and bearing

No. 198 situated at Veerapanchan village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

with the object of:-

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Thamaraipatti (Doc. 110, 1034/84) in May 1984 for an apparent condition which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent come eration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said a strument of crubates

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displaced by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Dr. N thangaraj and 4 others, Represented by their Agent S. Venugopal, M/s. S. V. L. Real Estates, MADRAS-17.

(Transferor)

(2) Mr. Baldev S. Lulla, No. 6, Park St., Kilpauk, Garden Colony, MADRAS-10.

(Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at No. 198, Veerapanchan Village. (Doc. No. 1034/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date . 4-1-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Usha Saraagi. 2A, Girish Avenue, CALCUTTA.

(Transferor)

(2) Amita Saraagi. 2A, Girish Avenue, CALCUTTA.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 173/June/84.—Whereas, J, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Surya Narayanan Chetty Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at (Doc. No. 1416/84) Calcutta on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of vansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 85, Surya Narayanan Chetty Street, Madras. (Doc. No. 1416/84).

> PREMA MALINI VASAN
> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madrus-600 006

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006,

Madras, the 19th January 1985

Ref. No. 175/June/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 16/1 situated at Amalaikullamanayakkampatti village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at S.R. Omalur (Doc. No. 963/84) on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri S. Mahaboobkhan, S/o Sulaimankhan Sahib, Kottamettupatti, Omalur Town.

(Transferor)

(2) Smt. R. Saroja, W/o. N. Ranganathan, Arisipalayam, Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immers. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at Amalikullamanayakampatti village T. S. No. 16/1. (Doc. No. 963/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 19-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 23rd January 1985

Ref. No. 176/June/84.—Whereas, I, PREMA MAI INI VASAN, being the .Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 220/10 situated at Kurumalai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Palayarakottai (Doc. No. 2636/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been, truly stated in the said

instrument of transfer with the objects of :--

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shi E. Venkata Vijayan, S/o Shri T. M. K. Ettappan, Castle wood, Tirunelveli Jn.

(Transferor)

(2) Shii K. Ramasamy, S/o. Krishnaswamy Reddiar, M. Duraiswamypuram Village, Kovilpatti Taluk, Now at Kwait, Bhagakil P.O. Post Box No. 7685.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and building at Kurumalai village—Survey No. 220/10 (Doc. No. 2636/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-1-1985

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Cisons Enterprises, 150/69, Montieth Road, Egmore—Madras-8.

(Transferor)

(2) M/s. Cisons Company Ltd, 150/69. Montieth Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 128/June/84 - Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat No. 2 R.S. No. 68/2 si uated at Egmore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Periamet (Doc. No. 651/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid-Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Montieth Road, Egmore. R.S. No.

(Doc. No. 561/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madray-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 264D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date · 5-2-1985 Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 132/June/84.--Whereas, I, Ref. No. 132/June/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Rs. No. 358/2 situated at Chetpet, Madras (and repres fully described in the schedule approach hereto) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc No. 590/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. A. M. Seyed Abdul Cader, Partner, East Coast Constructions & Ind. No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Sapia, No. 145, Steiling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Chetpet, Madras. (Doc. No. 590/84), R.S. No. 358/2.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-I Madras-600 006

Date : 5-2-1985 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 159/June/84.---Whereas, J. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Madurai vasal street, Georg. Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sowcarpet (Doc. No. 282/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid a each the apparent consideration therefor by more than affects percent of such apparent consideration and than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'e'
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ecraons namely:— 76---476GI|84

(1) Shu Venkatesan, 17, Maduraivasal Street. Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Boggyalakshmi and Subadra, 3, Vekatrama Naicken Street, Madras-7.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land and building at Maduraivasal Street, Madras-1. (Doc. No. 282/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date : 5-2-1985 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Shri S. Kanthasamy, S/o. Sengodan, Rasipurathanur, Padaveedu.

(Transferer)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramasamy, S/o Perumal, Mothiyanur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 21st January 1985

Ref. No .161/June/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. — situated at Padaveedu village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at S.R. Sankari Durkam (Doc. No. 529/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the spheret of improved the said instrument of transfer with the spheret of improved the said instrument of transfer with the spheret of improved the said instrument of transfer with the spheret of improved the said instrument of the said instrum transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Padaveedu village, Namakkal. (Doc. No. 529/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE' INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 180/June/84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. — situated at Rayapuram, Madras-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1761/84 on June 1984 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between hte parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Yeshodhara Y. Shah, and Madhukanta K. Doshi, 22, Raja Annamalai Chettiar Road, Arihant Apartments, Madras-84.

(Transferor)

(2) Southern Petrochemical Industries Corporation Ltd., 97, Mount Road, Madras-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period c. 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Royapuram, Madras. (Doc. No. 1761/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 113-466GI/84

Date: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 181/June/85.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43/ of 1961) (hereinafter referred to as the 'said /.ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No. 11287 situated at Madras-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1775/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: īnd/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Smt. Soundarya Ammal and others. No. 52, Malayaperumal Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri Noor Mohamed and N. Salahudeen, No. 10, Chinnathambi Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Madras-1. (Doc. No. 1775/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Madras-600 00

Date: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006:

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 182/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Madural (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1698/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri M. Krishna Pillai, S/o. Mahadevan Pillai, Sarkuna Street, Nagarcoil.

(Transferor)

(2) M/s. A. N. Suruliyappan & Co., Door No. 104, 105, East Masi Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein gas are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Madurai. (Doc. No. 1698/84).

PREMA MALINI VASAN
/ Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 5-2-1985

Seal '

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 183/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

situated at Kilpauk, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1600/84) on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the trasfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Smt. J. Susikala,
 New Avadi Road,
 Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri S. S. M. Mohamed Bukhari, and K. A. Raihan Beevi, Nooriah Street, Podakidi, Janpore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10. (Doc. No. 1600/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri R. Rajamani nad 3 others, 19, Nagappaier Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

 Sri O. P. Ymmahami and others, 310, Patel Yakub Sahib Street, Fort Vaniambadi, North Arcot District.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 184/June/84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

-situated at Tondiarpet, Madras-81 No. ---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1629/84) on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Land and building at High Road, Tondiarpet, Madras-81. (Doc. No. 1629/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date : 5-2-1985 Seal :

FORM I.T.N.S .---

(1) Shri P. E. Rangiah Naidu, 14, St. Xavier Street, Madras-L

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. Fathima Bibl, 40, Sawarimuthu Street, Madras-1.

(Transferor)

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 185/June/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 48 situated at Mannady, Madras-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mad as North (Doc. No. 16^o3/84) on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration end that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument has been transferred

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sawarimuthu Street, Madras-1. R.S. No. 2474. (Doc. No. 1693/84). Mannady.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforexaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER . OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 186/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. -situated at Pudupet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1745/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfort **104/4**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--77-476GI/84

(1) Sri P. B. Thulasi Sah and three others, 129, Ayya Mudali Street, Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Shri M. Hameed Sultan, 75, Harris Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of 'notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Narayana Naicken Street, Pudupet, Madras-2. (Doc. No. 1745/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date : 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 187/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No 156/2 situated at Kondappanaickenpatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1648/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any morleys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ten Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. R. Krishnamoorthy and others, 52A, Nagaiyer Street, Salem-2.

(Transferor)

(2) Shri K. R. Krishnamoorthy, Managing Director, Puvanesvarl Spinning Mills (P.) Ltd., Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days free the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kondappanaickenpatti village. (Doc. No. 1648/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 5-2-1985

FORM TINS

NOTICE/UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 188 & 190/June/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -

and bearing.

O.S. No. 1765 situated at No. 15, Parthasarathy Naidu Street, Madras-12

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 625 & 627/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Shri K. A. Madhar, 85, Rama Noicken Street, Madras-13.

(Transferor)

(2) 1. Anup Kumar Gupta (minor), Rept. by father, ariprakash Gupta, 20, Appaswami Mudali Street, Madras-79, and

2. Smt. Savitha Gupta, W/o Hariprakash Gupta, No. 20, Appaswami Mudali Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said increevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Parthasarathy Naidu Street, Madras-(Doc. No. 625 & 627/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 189/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1765 situated at Parthasarathy Naidu Street, Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 626/84) on June 1984

Madras Central (190c. No. 626/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the gaid Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, samely:—

(1) Sri K. A. Madhar, 85, Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi Kabra, W/o. P. D. Kabra, 33, Veeraraghavan Road, Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of \$0 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Parthasarathy Naidu Steet, Madras. (Doc. No. 626/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 5-2-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006.

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 191/June/84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No
R.S. No. 359/1 situated at Chetput
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Madras Central (Doc. No. 636/89) in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and 1 have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by moresaid exceeds the apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Vijayalakshmi Markanda and Mrs. Asha Kiran, 771, Anna Nagar, Madrag-40

(Transferee)

(2) Shri Noble Rajkumar, Plot No. 1772, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Cheput. R.S No. 359/1. (Doc. No. 636/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-2-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Kothai Nayagi, 3, North Street, Venkatesapuram, Ayanavaram, Madras.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

(2) Shri K Ramasamy, Nalatınpudur, Kovilpatti Taluk, Tirunelveli Dist

(Transferee)

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 192/June/84—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No TS No 1587/2 and 1598/2 situated at Thallakulam, Madurai Dist

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Madras South (Doc No 1627/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Thallakulam, Madurai T.S No 1587/2 and 1598/2 (Doc. No. 1627/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

7-2-1985 Date

 Shri S. Kanthasamy, S/o Sengodan, Thiruchengodu Taluk, Rasipurathanur P.O.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chellappan, S/o Perumal, Thiruchengodu Taluk, Padaveedu P.O.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 21st January 1985

Ref. No. 62/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Padaveedu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Sankakiri Durkam (Doc. No. 530/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Padaveedu village. Doc. No. 530/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1985

FORM TINE-

(1) Shri Ramasamy Chettiar, S/o Sengodan Chettiar, Thukhipalayam, Thiruchengodu Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rangasamy, S/o Ramasamy Chettiar, Sankakiri P.O. Sankakiri Taluk.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 21st January 1985

Ref. No. 163/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. — situated at Sankakiri village (and more fully described in the Schedule annexed helleto), has been transferred

nas been transferred under the Registering Officer an Sankakiri Durkam (Doc. No. 525/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imp able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sankakiri village. Doc. No. 525/84.

PREMA MALINI VASAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-1-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Sri P. P. Sambomurthe. 1/72, 19th M. Ninguaulur, Madras-61. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. N. Manorama, w/o C. M. Natarajasundaram, No. 16, Kalavai Chetti St., Chindataripet, Madras-61.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 31st January 1985

Ref. No. 48/June/84/R. II.—Whereas, I,
Mrs. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 25, Door No 27, State Bank of India Officers
Colony, Layout No. P. 17/1967, Perambur High Road, ituaed at Perambur, Madras-12
nand more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Purasawalkam/Doc. No. 953/84 on June 1984
for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been cruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—476 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 25, Door No. 27, State Bank of India Officers Colony, Layout No. P. 17/1967, Perambur High Road, Perambur, Madras-12

Doc. No. 953/84/Purasawalkam.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 31-1-85

FORM I:T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, - MADRAS-600 006

Madras, the 31st January 1985

Ref. No. 134/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 20, 169, Mowbrays Road, situated at Alwarpet, Madras-600 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at Madras (entral/Doc No. 698/84 on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought in be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. K. Kalpakam, w/o. Mr. G. Krishnamurthy, 197, Lloyds Road, Madras-86

(Transferor)

(2) Mrs. S. Ambika, w/o. Mr. M. Shanmugam, Flat No. 20,169, Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on 'the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Flat No. 20, 169, Mowbravs Road, Alwarpet, Madras-18. Document No. 608/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II MADRAS-600 006

Madias, the 2nd February 1985

Ret No 174/6/84 —Wheteas, I, MRS M SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No New No 9/417/2 & 3 situated at Anupparpalayan Village,

,(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Combatore (Doc. No. 2348/84) on 23-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Smt K Jayalakshmi, W/o Sti Neelakanta Iyer, 2 K N Balasubramamam

S/o Su Neelakanta Iyer,
3 Sri Kaithik

S/o. Sti Neelakanta Iyei, 1 Smt T Geetha, W/o Sti Thyagatajiti No 52, Sengupta Sticet, Combatore

(Transferor)

(2) Sri A Sidasiyain, S/o Sit Ayyasamy, 2/, Nanjappa, Doctor Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at New No. 9/417/2 & 3, Anupparpalayama Village, Coimbatore.

SRO · Coimbatore (Doc No 2348/84).

MRS M SAMUEL (computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 2-2-1985

FURM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1985

Ref. No. 203/6/84.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL

under Section 2698 6. being the Competent Authority the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Fs. 25 000/- and bearing

No. Konavakkarai Village, situated at Kothagiti. Nilgiris fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Kothagiri, Nilgiri Dt. (Doc. No. 641/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. Suresh abas Seeni S/o Sri T. S. Belliraj, Selma House Avenue, Nilgiris.

(Transferor)

(2) Smt. Kani Bai. w/o Sti K. Tarachand 19, Monnt Road, Coonoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at Konavakarai Village, Nilgiris Dt. SRO Kothagiri.

(Doc. No. 641/84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF, INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1985

Ref. No. 231/6/84.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Malayadiputhur Village, situated at Variadhaympalayam, Sathiamangalam, T K.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.

Sathryamangalam, (Doc. No. 1352/84) oh June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1557 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Abdhul Majith, S/o. Shri FPS. Abdhul Jalil Rowther, 2. Sm. Raizy W/o Shri Abdhul Majith, Pallivisal Veethi, Varadhyampalam, Sathiymangalam T.K.

(Transferor)

Shii Nanjappa Gounder,
 Shii Oothiappa Gounder, S/o. Shii Avanasi Gounder, Kanuvakkarai Village, Avanasi T.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at Malayadiputhur village, Varadhyand T.K. (Doc. No. 1352/84)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income hax
Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1985

Ref. No 247/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Puthur, Ramalinganagar, Old Re. Survey T.S. No. 1564:
Woriur Sub-Division, Trichy Taluk situated at Trichy

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraryur/Doc. No. 1699/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pev tax under the said Act, is respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moons or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Su K. Yethirajulu Chettiar, S/o. Sri K. B. Krishnamurthy Chettiar, B.4, Il Main Road, Ramalinganagar, Trichy Town.

(Transferor)

(2) 1. Sii Madura Veeran S/o Sii Angappan, 2. Sti Subramanian and others. brother of Sri Angappan, B.1, 1st Main Road, Ramalinganagar, Trichy Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 dwys from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Old Survey No. 1564: New No. 44, Ramalinga Nagar, Puthur, Woriur Sub-Division. Trichy district.

Doc. No. 1699/84/Woraiyur.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Madras-600 006

Date: 2-2-1985

Seal ·

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias, the 2nd February 1985

Rof No 264/June 84/R II—Whereas I. MRS M SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing

No Property as specifical in schedule to situated at Doc No 1058/84

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act. 1908. (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Thanjavni on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) See Rammathan Chettiar, S/o. Palamappa Chettiar, Managing Partner, Ramu Industries, M C Road, Lamore.

(Transferor)

(2) Sri A. Subramaniam Chettiar, 5/o Annamalai Chettar, Managing Partner, Subramaniam and Co, M C Road, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No 1058/84 Tanjore.

> MRS M SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri A. Velliangiti, S/o. Sri Angappa Reddiar, Kuppusamypuram Veethi, l iruppur, Coimbatore.

Coimbatore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1985

Ref. No. 344/6/84 —Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improved to as the 'said Act'), have reason to believe that the improved to the competence of the compete property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3. Vivekanandar Veethi situated at Mahalingapuram Colony, Pollachi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1290/84) on 23-6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Shri R. Palaniappa Gounder, S/o. Sri Ramasamy Gounder, 2. Thirumeolar St., Varadhapalayam, Lallakkanallur, Pollachi, T.K.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MING / DR
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 3 (Ward No. 5) Vivekanandar Veethi, Mahalingapuram Colony, Pollachi, T.K., Coimbatore. SRO: Pollachi. (Doc. No. 1290/84).

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1985

Ref. No. 376/6/84.—Whereas, I,

MR M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Ward No. 7, Block No. 23, situated at Dhubash Street,

Mayiladuthurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mayiladuthurai (Doc. No. 503/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--79-476GI|84

(1) I. Sri R. Viswanatha lyer, S/o. Sri Ramachandia yer, 1A lagathambal Colony, 1 Street, Royapettah,

Madras-14.
2. Sti V. Narayanasamy,
S/o. Sri Viswanatha Iyer, 26 D, Jambulingham
Street, Fort St. George, Madras-9,

3. Sri V. Ramamoorthy, Plot No. 1755, Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Faritha Begum, W/o. Sri Ammanullah, 3/63, Main Road, Necdur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 7th Ward, 23rd Block, Dubash Street, Maviladuthural, SRO: Maviladuthurai, (Doc. No. 503/84).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 18/June 84/R.II.-Whereas, J.

Ref. No. 18/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 3, Block No. 7, situated at Adyar Village, Advar

Advar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Adyar/Doc No. 1805/84 and 1806/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; egd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sri J. Venkatesh, Sri V. Vivek, A-1/12, 23rd Cross St., Besant Nagar, Madras-90.

2. Sri Lakshminarayanan, No. 4, IV Cross St. CIT Nagar, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri A. M. Seyed Abdul Cader, Partner, East Coast Construction and Industries No. 8, Nawab Habibullah Avenue, Anderson St., Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from , the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Adyar Village, T.S. No. 3, Block No. 7, Extent 4800 sq. ft. Saidapet Taluk, Adyer sub district. (Adyar/Doc. No. 1805/1806/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 5th February 1985

Ref. No. 69/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Vacant land in Nungambakkam situated at

Nungambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights/Doc. No. 291/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri R. Nagarajan, Sri N. Sundararajan, 133, Rangarajapuram, Madras Road, Madras-24.

(Transferor)

(2) Smt. K. Meenakshi, 10, Nowriji Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Nungambakkam Village, R. S. No. 141/3. Doc. No. Thousandlights/291/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-2-1985

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 100/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M.

SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. "Reka", Old No. 4, New No. 5, Fourth Cross St., CIT
Colony, situated at Madras-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Mylapore/Doc. No. 743/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the jair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instalment of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Sri S. Janardan Iyer, No. 5, Fourth Cross St., CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) M/s. Rajalakshmi Paper Mills (P) Ltd., Venkatanilayam, Venkateşa Mills Post, Udamalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building; 'Reka' Old Door No. 4, New Door No. 5, Fourth Cross St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4. Mylapore/Doc. No. 743/84.

M. SAMUEL Competcat Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-85

Sen1:

(1) M/s. A. Chandra Radjou and others, 17, Leith Castle South St., Santhome, Madrus-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sti M. A. Naina Mohamed, 12, Haris Road, Madras-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 105/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. R.S. No. 4573 sport, situated at Mylapore (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transferred. has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office

of the Registering Officer at

Mylapore/Doc. No. 803/84 on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Land and Building: R.S. No. 4573 part-Mylapore, Doc. No. 803/84/Mylapore.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 107/June 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke tvalue exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Vacant land in Plot No. 37, situated at Ramarao Road, Luz Church Road, Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 808/84 on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Dr. Mrs. Vittoaib Nanyam, wife of M. S. Manyam,
 30, 5th Cross Road, Vyasarpadi, Madras-439.

(Transferor)

Mrs. J. Visalakshi, wife of S.P. Jayaprakash,
 J. Ilnd Loop St., Madras-28.

(Transferee) .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land plot No. 37 Rama Ruo Road, Luz Church Road, Mylapore, Madras. Mylapore/Doc. No. 808/84.

> M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 112/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M.

Ref. No. 112/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 46, III St., Abbiramapuram, situated at Madra-10 - ford more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 830/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sti M. K. Seshan, Son of late M. R. Krishna Iyer, No. 46, III St., Abhiramapuram, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri M. K. Sabapathy, son of late M. R. Krishnaswamy, No. 76, Dr. Rangachari Road, Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExplanationThe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring I ground and 800 sq. ft. at Door No. 46, Third St., Abhiramapuram, Madras-18. Mylapore/Doc. 830/

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 117/June 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,006/- and bearing

No. S. No. (old) 856, S. No. 2501, situated at New Door No. 19, Mylapore Taluk, Santhome (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 879/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. Rajamani, No. 5, New No. 17, Demonte St., Santhome, Madias-4.

(Transferor)

(2) Sii G. Natarajan, No. 19, Demonts St., Santhome, Madras-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 17, Damonte St., Santhoms, Madras. Mylapore/doc, No. 879/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Madras-600 006

Date: 5-2-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERMNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 127/June 84/R II.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 115, Mount Road, Guindy, situated at Madras-600 015 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madars Central/Doc. No. 570/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent c, such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by t ehtransferee the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--80-476G1|84

(1) Mis. A. M. Eassim, Mrs. Samina Sulaiman, Mr. Asad Cassim, Mr. Sayecd Cassitu, No 23 C, Paisn Apartments, Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. Enfield India Ltd., 29, Eldams Road, Madrus-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. .

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 115, Mount Road, Guindy, Madras

Madras Central/Doc No. 570/84.

M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-II. Madras-600 00

Date: 5-2-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kuppurajalu Muthali, S/o. Govindarajalu and others. Thirumalachari Street, Arkonam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I · MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd January 1985

Ref. No. 1/June/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 168A situated at Arkonam Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Reciste its Officer in 1. S. R. H. Arkonam (Doc. No. 962/84) in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act 1922, (11 of 1922) or the and Act or the Wealth-tax Act 1957, 27 of

 Smt. Mahaboobunnisa, W/o. Sri Mohamed Habibullah, Vethachala Mudali Street, Arkonam.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withit 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Arkonam Town-Survey No. 168A. (Doc. No. 962/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons, personal to the said Act to the following persons are the said Act to the said Act to the following persons are the said Act to the s namely:

Date: 23-1-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 2/June/84.—Whoreas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty, having a fair nearket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 168/B situated at Door No. 67, Mosque Street, Arkonam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

J. S. R. II, Arkonam (Doc. No. 1039, 84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as accred to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri D. Durairajan, S/o. Devaraj Alyengar, Shacikupettai, Kanchipuram.

(Transferor)

(2) Shri Devarajan and others, Panakottan r di, Door No. 67, Mosque Street, Arkonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at 67, Mosque Street, Arkonam-Survey No. 168/B.

(Doc. No. 1039/84)

PREMA' MALINI VASAN Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date 19-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 10/June/84—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Survey No 160/2 situated at Velaçaundenpatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act 1906 (10 of 1906) in the office of the Registration Officer at S. R. Velacami enpatti (Doc No 453/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the transfer and fair and consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. N. Nanchiappa Caunder, S/o P. K. Nadanasabapathi Caunder and five others, Puthuppalayam, Nallipaiayam village, Thiruchengodu Taluk.

(Transferor)

(2) Shrı Gavundi Gounder, S/o. Sunu Gr. & Kaundi Gr., Kattıpalayam, Elanagar, Thiruchengodu TK.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Manathi Ilanagar village--Survey No. 160/2. (Doc. No. 453/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-1-1985

Scal:

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No 11/June/84.--Whereas Is

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

Survey No. 165/1A1 situated at Natham village, Vellur Sub-Div.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer it

S. R. Vellur (Salem) (Do. No. 905/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

(1) Smt. Pappathiammal. W/o Emakantar and N. Y. Kumaravadivel, S/o. Fmakantar, No. 90, Kadai Avenue, Pandamangalam P. O. Namakkal T. K., Salem Dist.

(Transferor)

(2) Suit. Kamalam, W/o. Muthusamy Counder, South Street, Nanjayudiai P. O., Namakkal T. K. Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Nathau village—Survey No. 165/ (Doc. No. 905/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

18-1-1985 Date Seal:

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 12/June/84.—Whereas I. PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Aminority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 213/2 situated at Kurumbala Mahadevi village village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nallur (Doc. No. 266/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. S. Periasamv Caunder, S/o. Sengoda Caunder.
 Vadugapalayam Kurumbalamahadevi P. O. Namakkal Taluk Salem Dist.

(Transfer)

(2) Shri P. Mani, S/o. Pongianna Caunder, Sinna Vadugapalayam, Kurumbalamahadevi P. O. Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kurumbalamahadevi village. Survey No. 213/2. (Doc. No. 266/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sari V. D. Venkattajan and two others, 13. Mangappadi Street, Kuhai, Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. Sinna Thayammal, W/o. Sitha Caunder, 1201 Ward 1, Nathakadu, Jatigondampatti, Salem Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 14/June/84.—Whereas I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 127/5 & 126/2 situated at Janugondanpatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veerapandi (Doc. No. 743/84) in line 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ransfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /oc

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Jarigondampatti village - Survey No. 127, 5 and 126/2. (Doc. No 743/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incom. Tex
> Acquisition Range I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-1 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION: RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 15/June/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable arrogarty basing a fair market value exceeding Rs. 25,000lproperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000|bearing

No. Survey No. 126/2A, 2B, 2C & 2D. situated at

Jarugondampatti

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the omce of the Registration Officer at Veerapandy, (Doc. No. 744/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the property has not been truly stated in the said instrument.

parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of \longrightarrow

(1) Shi V. D. Venlatrajan and two others, S/o. Dhanakotti Cheltiar, Door No. 13, Mungampady Street, Salem Jown,

(Transferor)

(2) Shri Vedichi Caunder and Smt Perumayammal. Door No. 1/250. Jarugondampatti P. O., Salem-10.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land and building at Jarigondampatti village-Survey No. 126/2A, 2B, 2C & 2D, (Doc. No. 744/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 19-1-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 18/June/84.---Whereas I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Surve yNo. 66/1, 64|3, 65|1, 62|5 & 64/2 situated at

Kottampatti village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peddanaickenpath (Doc. No 137'84) in April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as described exceeds the apparent consideration therefore by 1905. aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a arrest to the en-the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(1) Shri Kanthasamy, Shri Veilian, and Ganapathy, S/o. Palanimuthu Padayachi, Muthampatti village, Salem Taluk.

(Transferor)

(2) Minor Jawaharlal Nehru, S/o. G. M. Gurunathan, Ammapettai, Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-max Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Kottampatti village. (Doc. No. 137/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Ast. to the follownersons, namely:— 81-476GI|84

Date: 21-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 20/June/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Survey No. 318 situated at Idumbankulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Paramathi (Salem) (Doc. No. 529/84) in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to be a superior that that the fair market what the fair market was the same and th believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (1) Shri Udhayakumaran, S/o. V. R. Muthusamy Chettiar, West Street, Vellure.

(Transferor)

(2) Minor Manoharan, S/o K. Kozanhayan, Guardian and mother Kannammal, Periyakarasampalayam, Senthappalli village, Olappalayam P. O.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays period from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Edumpankulam village. (Doc. No. 529/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely ;---

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madaas-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 21/June/84.—Whereas I, PRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Edumbankulam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Paramathi (Doc. No 530/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M. Udayakumaran, S/o. V. R. Muthusamy Chettiar, Velur South Avenue, Namakkal Taluk

(Transferor)

(2) Sri Muthusamy Gounder, S/o. Kalianna Gounder, Periakerasapalayam, Olapalayam P. O., Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Edumpankulam village. (Doc. No. 530/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 18-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 22/June/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 361 situated at Agraharam, Velur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Paramathi (Doc. No. 531/84) in June 1984

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agrees to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Selvakumaran, S/o. V. R. Muthusamy Chettiar, Agraharam, Velur.

(Transferor)

(2) Shri Kanthaswamy, S/o. Rengaswamy Counder, Sengampalli Village. Namakkal Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Idumpankulam Village-Survey No. 361. (Doc. No. 531/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri M. Nallaya Gounder and others, Sowthayanur, Pallakkapalayam Village, Tiruchengode Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Tan India Wattle Extracts Company Limited, 21, Gandhipuram Main Road, Komarapalayam-83.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 24/June/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceed ng Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Komarapaleyam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Komarapalayam (Doc. No. 1547/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Komarapalayam. (Doc. No. 1547/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

FORM 1. I.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri N. Venkatachalam, S/o. J. S. Namperumal Caunder, Jalakandapuram P. O.

(Transferor)

(2) Shri G. Dwaragammal, W/o. K. Bhoopathy, Jalakandapuram P.O.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANG-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 28/June/84.—Whereas I,

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Doramangalam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

nas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Jalakandapuram (Doc. No. 525/84) on 30-5-1984 for an apaprtment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern percent of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Doramangalam village. (Doc. No. 525/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madray-600 006

Date: 18-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTIOU 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri M. Mahalingam and others, Door No. 20, Pottilitipatti P.O. Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Duraiswamy and Raju, Pottilitipatti P.O. Namakkal Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 30/June/84,—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 314 situated at Pottilittipatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erumaipatti (Doc. No. 896/84) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of '—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evarion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at Pottilittipatti village Survey No. 314. (Doc. No. 896/84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 31/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at A.P. Malemugam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Edappadi (Doc. No. 743/84) in June 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sri Y. N. Samynathan, S/o Y. Nallasamy Caunder, 68, Sinnamanali, Edappadi Town.
2. Sri P. Rathnam,
S/o Palani Caunder,
Gurusamy Cawnder Kattuvalavu,

Nedungulam.

(Transferor)

(2) M/s. R. Palaniyappan and R. Chelleppan, S/o Ramasamy Caunder, 1 GSI, K. Pudur, Old Sivampadatheru, Perumalkoil Kadu, A.P. Malemugham village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prestry may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Doc. No. 743/84).

Land and building at A.P. Malemugham village.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Madras-600 006

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri R. D. Veerasamy and four others, S/o K. V. Duraisamy Mudaliar, Pallipalayam Rodd, Komarapalayam Agraharam.

(Transferor)

(2) Shri Poova Cawnder, S/o Muthu Cowunder, Mettupalayam, Kaveripatti Akraharam.

may be made in writing to the undersigned -

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 32/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Koneripatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Fdappadi (Doc. No. 745/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or 7.5 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Koneripatti village. (Doc. No. 745/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
82—476G184

Date: 21-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 33/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 233/4 situated at Perlapatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Namakkal (Doc. No. 1055/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following regrous, namely:—

 Shri S. V. Kali Cawnder, S/o K. P. Vaiyapuri, and Shri 'Athiyappan, S/o Muthusamy Cownder, Peria Aiyampalayam, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri M. P. Mohan, No. 26, I Kalaivani nagar, Mohanur Road, Namakkal Town, Salam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Periapatti village, Survey No. 233/4, (Doc. No. 1055/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 21-1-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 34/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Namakkal village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc. No. 1041/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of say income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Muthusamy and Minor Dinesh Kumar, Thiruchengodu Road, Namakkal.

(Transferor)

(2) M/s. A. Kumaraswamy and others, Perumpalappatti village, Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Namakkal village. (Doc. No. 1041/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madray-600 006

Date: 21-1-1985

Beal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Kamatchi, W/o Nallusamy, E.B. Colony, Perrapatti village, Namakkal Taluk.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 35/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

survey No. 213/14A situated at Periapatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II/Namakkal (Doc. No. 1040/84) in June 1984

JSR II/Namakkal (Doc. No. 1040/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Smt. M. T. K. Devammal, W/o Muthusamy, Kondichettipatty village, Namakkal Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building at Periapatti village, Survey No. 213/14A. (Doc. No. 1040/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 40/June/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, eing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') ave reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding 4. 25,000/- and bearing No. urvey No. 123/3 situated at Thiruchengodu village and more fully described in the Scheduled annexed hereto) ias been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at R Thiruchengodu (Doc. No. 1648/84) in June 1984 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of *--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri N. Subbarayan, S/o Nanjaya Gownder, Sith danathur village, Thiruchengodu Taluk,

(Transferor)

(2) Shri S. Ramaswamy, S/o Chellappan, Door No. 18B, C.H.B. Colony No. 6, Thiruchengodu Town, Thiruchengodu Taluk.

(Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thiruchengodu village. (Doc. No. 1648/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the saul act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri T. M. V. Haji Abdul Karim Rauther, S/o T.M. Haji Wappu Rawther, Door No. 28, Street No. 1, Sahadevapuram Extension, Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri Thanthoni, S/o Sri Muthusamy Gounder, Pallipatti, Vecranan, Salem Tk.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 46/June/84.—Whereas ,I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T S No. 14 situated at Kumarasamypatti village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Salem (Doc. No. 1207/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192.2 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kumarasamypatti village, T. S. No. 14, (Doc. No. 1207/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 2690; of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 19-1-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 47/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, sing the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding 8s. 25,000/- and bearing No. Door No. 89 ituated at Thirunavukkarasu Nagar, Narasingapuram Village (and more tuity described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registering Officer at IR Authur (Salem) (Doc. No. 1100/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Govindan Nair, S/o T. Sangunni Nair, Thirumavukkarasu Nagar, Narasingapuram, Authur.

(Transferor)

(2) Shri A. Natarajan and A. Paramasiyam, S/o Ambaiyita Mudaliar, 51, Thiruvalluvar Street, Authur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Narusingapuram village, Door No. 89. (Doc. No. 1100/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 18-1-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri D. Navajeevan, S/o P. V. Durairaj, 85A/1, Navajeevan Maligai, Ponmani Narayanan Street, Somasundaram Colony, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. C. Susila, 9, Azad Street, Gandhi Nagar, Madurai-20.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 49/June/84—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No Survey No. 513 situated at Sethur village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfeed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sethur (Doc. No. 634/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE 3

Land and building at Seithur village. (Doc. No. 634/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incomedax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 50/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Survey No. 513 situated at Seithur village.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Seithur (Doc. No. 628/84 630, 631/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons. namely:--121-466GI/84

83-476 GI 84

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Shri P. V. Durairaj, S/o Thiruvenkada Reddiar, 85, A/1, Ponmeni Narayan Street, Somasundaram Colony, Madurai,

(Transferor)

(2) Shri S. Rajaram, S/o P. Subbiahswamy, 20, Azad Street, Gandhi Nagar, Madurai,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at Seithur village, Survey No. 513. (Doc. No. 628/84, 630, 631/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 18-1-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 55/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 /- and bearing No.
Survey No. 110/2 situated at Jederpalayam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Namagiripettai (Doc. No. 465/84).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri P. K. P. Dhanakodi, S/o P. K. Perumal Chettiar, Jederpalayam, and D. Perumal, S/o P K. P. Dhanakodi, Jederpalayam.

(Transferor)

(2) Minor R. Mohan, S/o E. Ramasabapathy, Jederpalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jederpalayam, Survey No. 110/2 (Doc. No. 465/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Madras-600 006

Date: 19-1-1985

Scal ;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th January 1985

Ref. No. 58/June/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and bearing T.S. No. 97 situated at Ward No. 3,

Thathahappatti Village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Thathagapatti (Doc. No. 1632/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. R. Gunasekaran, S/o S. Rengasamy Chettian, Aiyanapuram,
 No. 1, Aiumuga Pilliar Kovil Street, Salem.

(Transferor)

(2) Sri S. Shunmugam, S/o Sen Reddiar, Senrayachettiyoor, Metur Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Aca. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House at Ward No. 3, Thathagapatti Village, Salem. (Doc. No. 1632/84).

PREMA MALINE VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fit **
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 000 the 21st thank 1985

Ref. No. 62|June|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
T.S. No 113 situated at Tadagapatti village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tadagapatti (Doc No. 1740/84) in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen par cent of such apparent consideration and the

market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. Swaminathan and two others, Door No. 9C, 4th Street, Sengalpatti, Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. Pappu alias Palaniammal, 4/470, Ramapillai Street, Annathanappatti, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Tadagappatti, T.S. No. 113. (Doc. No. 1740/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 21-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th January 1985

Ref. No. 64/June/84.—Whereas, I, PREMA MAL(NI VASAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 203/1B 14 situated at Annathanappau (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doc. No. 1850/84). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arisins from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Sri S. Thiruvengatam, S/o Subramania Chettiar, Narayanasamypuram, Door No. 13, Arlsipalayam, Salem

(Trainsferor)

(2) Smt. Rukmaniammal, W/o P. V. Angamuthu Chettiar, Nemthimedu, Door No. 32, Aharam Colony, Annathanapatti, Salem

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building at Annathanapatti, T.S. No. 203/1B 14. (Doc. No. 1856/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date: 11-1-1985

FORM ITNS

(1) A. Sampathraju S/o J. Appandai Raju, Door No. 35A, Theventhirapuram, Salem Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. Gajraj Bokdia, & Brem Kowr, Gokul Nagar, Alagapuram, Salem Town.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 11th January 1985

Ref. No. 69/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 44 situated at Salem Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I., Madras North (Doc. No. 1253/84) in June 1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ian Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 44, Ward No. 5, Salem Town. (Doc. No. 1253/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985.

Seal

FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, .

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS.

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 71/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competency of the competenc property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 96, situated at

Salem Town, and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I.—Salem (Doc. No. 1308/84)

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. L. Venkataraman and others, Door No. 6, First cross street, North Maravenari, Salem.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi S. Gopal, W/o. Sundara Gopal, 12, Murari Varadaiyer street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Salem Town-T.S. No. 96 (Doc. No. 1308/84).

> PREMA MALINI VASAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 5-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 75/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. Asthampatti village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem (Doc. No. 1501/84),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. S. Rajeswari, W/o K. Chidambaram, 77. Ram Nagar, Komarasamypatti, Salem-7.

(Transferor)

(2) Shri R. Narayanaswamy, S/o K. V. Ramasamy Chettiar, Door No. 1, Andal street, Sevvaipettal, Salem Town.

(Transfer e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Asthampatti village. (Doc. No. 1501/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1985.

Scal:

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 15th January 1985

Ref. No. 80/June/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

Survey No. 84/1, situated at

Oddanchautram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Oodanchatram (Doc. No. 529/84)

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri K. N. Chinnasamy, S/o. K. Nachimuthu Cawnder, Palayakayakudi, Pelani.

(Transferor)

(2) Shri Jacoab Serian, S/o. Jaccab, Santhipuram Christian Fellowship cum Unity Society, Health Centre.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Land and building at Oodanchatram-Survey No. 84/1. (Doc. No. 529/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006.

Date: 15-1-1985.

Seal:

84 -476 GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 19th January 1985

Ref. No. 81/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Survey No. 52, situated at Batlagund village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batiagund (Doc. No. 1038/84) 1040, 1065/84,

in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Harikrishnan,
/o B. S. Muthuswamy Aiyer,
Akraharam Central street,
Vathalakkundu, P.O.

(Transferor)

(2) Smt. S. Malika, W/o A. Saiyad Mohamed, Kanavaipatti Road, Vathalakkundu P.O

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Batlagund village (Survey No. 52). (Doc. No. 1038/84, 1040, 1065)

PREMA MAI INI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Income Tax
Acquisition Range-I,
Madias-600 006.

Da'c: 19-1-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri V. Sathasiva Iyer, 26B, Vempuli Ammal Koil Street, Padiyanthangal, Madras-61.

(Transferor)

(2) Smt. L. Sulochana Ammal, 3/853, Bharathi Nagar, Paramakkudi Town, Ramanathapuram Distt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 24th January 1985

Ref. No. 91/June/84.--Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'caid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. T.S. No. 96 situated at Madurai Pudumandapam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam (Doc. No. 1447/84), 1446/84,

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fixteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MING / OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of pube lication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Pudumandapam, Madurai, (Doc. No. 1447|84, 1446|84).

> PREMA MALINI VASAN. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 94/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, Madurai (Doc. No. 3746/84),

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. M. Manickavasakan, and others S. M. Rm. Meiyappa Cheitiar Charitable Trust, Shanmugananthapuram, Thiruvadanai Taluk, Ramanathapuram Dist.

(Transferor)

 Shri K. N. Mohanasundaram, 156, Vakkil Padu Theru, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the βublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Maudrai. (Doc. No. 3146/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 21-1-1985.

Seel :

(1) Shri E. Sankaran, S/o. S. Eswaraswamy Aiyer, 3/23, Erattai Agraharam, Solavanthan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. Mala, W/o. K. Murugavel, 282, Sathasiva Nagar, Vandiyoor Main Road, Madurai-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS.

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 99/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Door No. 282,

situated at Vandiyoor village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Madurai (Doc. No. 3460/84), in June 1984

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evanion of the limb of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 34 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 282. Vandiyoor village. (Doc. No. 3460/84).

> PREMA MALINI VASAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri M. N. Ragavan, S/o. Nannusamy Aiyer, 5/49, Mahalakshmi, Nesavalar Colony, Thirunagar.

(Transferor)

(2) Shri Sivagnanam, S/o. Sivaprakasam, Pudukkottai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,*
MADRAS.

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 100/Junc/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing Survey No. 99/4G, situated at Paranguntram village,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Thirupparankuntram (Doc. No. 833/84),

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Paranguntram village. (Doc. No. 833/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affectacid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1985.

 Smt. K. Sagunthala Devi, W/o Durairai, Mumsapuram Road, Thirumangalam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 Sri C. Samy Thevar and Smt. Vasantha,
 Kumarasamy Street, Thirumangalam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600 006, the 11th January 1985

Ref.,:No. 101/6/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

situated at Ward No. 3, Mumsapuram, Thirumangalam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thirumangalam (Doc. No. 1576/84). in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Art, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the enid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 3, Mumsapuram Road, Thirumangalam. (Doc. No. 1576/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006.

Date: 11-1-1985.

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 23rd January 1985 '

Ref. No. 4/June/84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at South Vellur Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vellur (Doc. No. 2014/84), in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. D. Narmatha Ammal, 19/1, Govinda Mudali Balgalow Street, Kosapettai, Veloor

(Transferor)

(2) Shri V. R. Pooshan Raj, 4, Balaji Road, Kiishna Nagar, Veloor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at South Veloor Town. (Doc. No. 2044/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 23-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. S. Narasimman, S/o Srunivasachar, 8, Samanagar, Thirupattur (N.A.)

Thirupattur (N.A.)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGF-I,
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 23rd January 1985

Rcf. No. 6 /June 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at

Thirupattui Municipal Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupattur (N.A.) (Doc. No. 1920/84).

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 Shri S. T. Syed Jahcer Ahamed Sahib, S/o. Syed Dhusthakeer Piran Sahib, 6/1, Rajan Street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 1b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENFIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

Land and building at Thirunattur Town—Doc. No. 1920/84.

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely:—
85—476GI|84

Date: 23-1-1985

PART III-SEC. I

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri P. S. Ramanujan, S/o. Srinivasachar, 3A, Sama Nagar, Tripattur (North Arcot).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

-Madras-600 006, the 22nd January 1985

Ref. No. 7/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
T.S. No. 310, situated at
Samy Cownder Nagar, Thiruppathur Town,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Thiruppathur (Doc. No. 1921/84),
in three 1984

in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as acceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Kather Hussin Sahib, S/o Syed Usub Hussin Sahib, 59, Grapport market, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any recome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Sama Cownder Nagar, Tripattur Town. T. S. No. 310 (Doc. No. 1921/84).

THE SCHEDULE

PRÉMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 22-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Banumathy, D/o. Nagammal, Perambalatheru, Susintram.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000

Madras-600 006, the 22nd January 4985

(2) Smt. Jeyanthi, D/o Subbulakshmi, Sannathi Street, Kanniyakumari village.

(Transferce)

Ref. No. 13/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 691/764 situated at Perampalatheru, Susinthram Village

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Rogistration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Edalagudi S.R. (Doc. No. 1223/84),

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Land and building at Susintram village—Survey No. 691/ (Doc. No. 1223/84).

> PREMA MALINI VASAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :-

Date: 22-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000

Madras-600 006, the 21st Jnuary 1985

Ref. No. 16/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing Survey No. 129 situated at Jalikontalampati villge (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S. R. Veerapandi (Doc. No. 273/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (fI of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porary for a period upto 26-3-85 or till such time regular persons, namely:—

 Shri C. Mathappan, alias Mathaiyan, S/o Chinnathambi Cownder, Jalikintanpatti,

(Transferor)

(2) Shri A. Kuppusamy, S/o Appu Cownder, Erikkadu, Sinna Cowndrapuram, Ramalingapuram P. O. Karipatri (Via) SALEM Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jarikondalampatti Village. Survey No. 129 (Doc. No. 273/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 21-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.--

 Shri S. Mathiyan, S/o. Sinnathambi Cownder, Jarikontalamputti, SALEM

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 21st Jnuary 1985

Ref. No. 17/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. situated at Jarikontalampatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Officer at S.R. Veerapandi (Doc. No. 774/84). on June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shri P. Appu Cownder, S/o. Perumal Cownder, Erikadu, Sinna Cowndapuram P. O. Ramanathapuram (Via) Karipatti, SALEM Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jarikontalampatti village. (Doc. No. 774/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 21-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> MADRAS-600 000 MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 21st Jnuary 1985

Ref. No. 19-June/84.--Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Survey No. 296/6 situated at Sekkamatti Villago (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Officer at Pethanackan palayam (Doc. No. 840/84). in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons namely:---

(1) Minor Samma Barook, Father and Guardian of M.K.S. Samsutheen Door No. 114/E, Gandhinagar, Attur Town.

(Transferor)

(2) Shri Sengodan, S/o. Ramasamy, Ammapalayam, Attur Taluk, Rajapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restant pective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sekkampati Village, Attur Taluk. (Doc. No. 840/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madvas-600 006.

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th January 1985

Ref. No. 23 /June/84.--Whereas, 1, PREMA MALÍNI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Komarapalayam Akraharam Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Officer at S.R. Komarapalayam Doc. No. 1474/84, 1525/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Perumal Cownder, S/o. Vadivel Cownder, Erumakattudurai, Komarapalayam.

(Transferor)

8427

(2) Shri N. Dhanalakshmi Ammal, W/o. J K.K. Nataraju, Komarapalayam. Secretary, J. K. K. Valsammal Charitable Trust. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Komarapalayam village. (Doc. No. 1474/84,1525/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquision Range-I, Madras-600 006

Date: 20-1-1985

Scal:

(1) Shri Raja Cownder, S/o. Muthu Cownder. Akkaraipatti Village, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 21st Jnuary 1985

Ref. No. 25/June/84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 55/11 situated at Akkaraipatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mallasamuthiram (Doc. No. 664/84). on June,

1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unsfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any lacome or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Smt. Muthayee, W/o. Raja Cownder, and others, Meenampalli, Thiruchenkodu Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Akkaraipatti Village. (Doc. No. 664/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under selection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-1-1985

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 22nd January 1984

Ref. No. 29/June/84.--Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 100 situated at Thanpakutta. Village

Survey No. 100 situated at Thappakuttai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at J.S.R. I, Namakkal (Doc. No. 862/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the

J.S.R. I, Namerka (Doc. No. 862/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(1) Shii Karuppa Moopan,

(2) Smt. Vasantha W/o. Shri Madeswaian,

Mettukkadu, Rasipuram Town.

Poosariyoor. Kattuvilay,

Thappakuttai.

S/o. Nanja Mooppan and others,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 10 poetive persons, whichever period explication;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect, of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Thappakuttai village—Survey Not (Doc, No. 662/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance or section 2090 or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 86-476GJ|84

Date : 22-1-1985

(1) Shri k Jeyaramachandran, S. o K. N. Kuppanna Aiyer, 118, Trichy Main Road, Namakkal.

(Transferor)

(2) Smt Namakiri Narayanan, W/o Narayanan, 25 26 Sankarayyar_Road,

(Transferce)

Namakkal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Mad1as-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 36/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 494/2 situated at Namakkal Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-I, Namakkal (Doc. No. 862/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Namakkal Town-R. S. No. 494/2. (Doc. No. 862/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-1-1985

FURM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600-006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 38/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Survey No. 93/2 situated at Devanankuruchi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at at J.S.R.I., Namakkal (Doc. No. 930/84), on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. A. Saroja W/o T. M. Angamuthu, Devanankuruchi Village, Thiruchengodu Taluk.

(Transferor)

Shri K. Muthu
 S/o Kuppanna Cownder,
 K. Sengodan,
 P. Nachimuthu,
 S/o Palanichamy, and
 T. Senkathirchelvan,
 S/o. C. Thangavelu Mudaliar,
 Thiruchengodu Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Devanankuruchi village, Survey No. 93/2. (Doc. No. 930/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 39 June 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and taring Survey No. 119/1 situated at Akaram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 1634/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kalianna Cownder, and others, S/o Muthu Cownder, Elachipalayam. Akaram Village.

(Transferor)

(2) Shri Jeyaraman, S/o Palanichamy Chettiar, Elachipalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gatette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Akaram Village—Survey No. 119/1 (Doc. No. 1634/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-1-1985

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 41/June/84.-Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Survey No. 246/3, 243/1 situated at Thiruchengodu village (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transletted under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tinchengodu (Doc. No. 1682/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri Kaliandi Cownder and others Thiruchengodu village, Thiruchengodu.

(Transferor)

(2) Shri Ambikabathi,S/o P. Nagappa Mudaliar,2. S. Rajendran S/o T. A. Singaravelu, Thiruchengodu Town

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thiruchengodu village. Survey No. 246/3 and 243/1 (Doc. No. 1682/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

Date · 21-1 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 44/June/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing Survey No. 138/1 situated at Athanur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Rasipuram (Doc. No. 1224/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than-the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri A. Palanichamy, S/o Appabu Cownder and others, Athanur village, Uduppathanpudur, Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Sri V. R. Mani, S/o Rasappa Cownder, Paramathi, Vellalapalayam, Namakkal Taluk Sri K. R. S. Chandrasekaran, S/o. K. R. Sundaram, Rasipuram, Salem-1.

(Transferce)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Athanur village, Rasipuram Taluk. Survey No. 13#1 (Doc. No. 1224/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1985

Ref. No. 48/June/84.—Whereas, I, REMA MALINI VASAN,

reing the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-nd bearing

nd bearing
Door No. 79,80 situated at Gandhi Road, Authur
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
(as been transfered under the Registration Act, 1908, (16 of
908) in the office of the Registering Office at
3.R. Attur (Salem) (Doc. No. 1192/84)

n June 1984

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; lind/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri A.K. Govindaswamy, Slo Late Kanthaswamy Chettlar and others Door No. C-90, Thirunagar Colony, Manamadurai Taluk, Ramanathapuram Dist.
 (Transferor)

(2) Smt. Rathabai. W|o Ramasamy, South Udiyar palayam, Salem to Cudalore Main Road, Attur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Auttur village. Doc. No. 1192|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-1-1985

<u>. 1987 - 1988 -</u>

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shit Nalliappa Cownder and others S/o Sengoda Cownder, Anaipalayam village, Rasipuram Taluk,

(Transferor)

(2) M s Kondan and Raman, S/o Anaipalayam village, Rasipuram Taluk.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 21st January 1985

Ref. No. 51/June/84 — Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Survey No. 24/16 situated at Anaipalayam Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at S. R, Rasipuram (Doc No. 1372/84) on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be direlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days fron the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Anaipalayam village, (Doc. N-1372/84).

> PREMA MALINI VASA Competent Authori
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-to Acquisition Range-I, Madras-600 00

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-1-1985

Scal:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORL

Bangalore 560001 the 1st February 1985

C R No 62 868/84 85/ACQ/B + Whereas 1 R BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Site No 10

situated at Shimoga City 4th Division Mission Compound Dungiguda Extension

under Document No 766/84 85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shimogi on 21 6 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that tile consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 87-476 GI 84

(1) Mis Devadanakum ui Alias Devid mamma Kom Samuel Satyanand i House hold D/o D Camp Shimoga

(Itansferer)

(2) Mi Natariju M Kasetty 5/0 N B Kasetty Meichant Gandhinasar Shimoga
Mis C V Purnima Kom Nataraju N Kasetty
D/o C P Vishwanathappa, House hold, Gandhmagar, Shimoga

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 766/84-85 Dated 21 6-84) Site No 10 bearing Municipal Khata No 1842/1842/1637 situated at 4th Division Mission Compound, Durgigudi Excussion Shimoza City

> R BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangales

Date 1-2 1985 Seal

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st Febuary 1985

C. R. No. 62/869/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Chatta Nos. 1,5 15 to 23, 42 and 48 to 50 situated at Batulem 1, 5, 15 to 23, 42 and 48 to 50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under (b. Region Art. 1908, (16 of 1908) in the office of the Region Art. 1908, (16 of 1908) in the office of the Region Art. 1908, (16 of 1908) in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

- (1) 1. Miss Eulemia Carotinna Rosa Alice Ribeiro de Saturano Fauntain has Janaji 2. Mr. Alfredo Castano pitagoras Ribeiro de Sautana and wife. Mrs. Maria Arhimfria de so Ribeira Bombay—Through their constituted Attorney, 3. Rui Ribeiro de Sautana, Sunshine Bidg, Panaji 4 Mr. Maric cesar candid Ribei io de sautana Fountain has Panaji. 4. Mr. Rui Aliaro Franc sto Ribeiro dsautana & Mrs. Zeutin Diana Beatriz da Costa Azareda & Ribeiro de santana, Panaji, Goa.
- (2) Mrs. Lira Emeliana Carvalho Vaz-Khareband Road, Margao, Salcete, Goa-403601. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 407, 195/84-85 Date 11-6-841 Property Known as 'ARADY' situated at Batulem of Panaji ILhas, Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 15-1-85 Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BANGALORE 560 001

Bangalore, the 15th January 1985

C.R. No. $62/44260/84\cdot85/ACQ/B$.—Whereas, I, R. BHARDWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 '- and bearing No. 6.

situated at 11% ross, Victoria I ay out, Victoria Road, Bangalore (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivalinggar on 13-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shir P Thyagaraj, No 43, Malikerjunappa Lane, K. R. Settypet, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Vatsala N. Shah c/o Mrs Guuavathi V. Shah, No 16, VI Main Road, Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of gotice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLINATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1020, 84-85 Dated 13-6-84)

Property bearing M. No. 6, situated at II Cross, Victoria Layour Victoria Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Aether:
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalors

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 15-1-85
- Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimathi Rajakumari, & Poònam, No 2819, Hallada Keri.

(1) Shri D. Vuaya Kumar, No. 2918, Irwin Road, Lashkai Mohalla,

Mysore

(Transferor)

Lashkar Mohalla,

Mysore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560001, 15th January 1985

C.R. No 62/44175/84-85/ACQ/B -- Whereas, I. R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the carmovable property, having a fair market value exceeding Rs.

No 2919, 2919 1 situated at Hallada Keri Lashkar Mohalla Mysore tand more fully discribed in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Mysore on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experience lates: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1024/84-85 Dated June, 84]

House bearing No. 2919, 2919/1, situated at Hallada Keri I ashkar Mohalla, Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15-1-1985

Shii K Shankara Alva, Kodialbail M love

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) John Pinto 2 Lilly Pinto — by P A holder Mr Wodder Ronjano, Maunagudda Mangalore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI BANGAI ORF-560 001

Bangalore-560001 the 15th January 1985

CR. No .62/43552 844-85|ACQ/B —Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No TS 308/2C I,
situated at Kodulbul Village Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred uniter the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office it Managlore on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 450 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 396/84-\$5 Dated 19-6-84) Property bearing No TS 308/2CI, situated at Kodialbail Village, Mangalore.

> R BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date · 15-1-1985

Seal ·

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TANKAN MARINET TO THE AND THE STATE OF THE S

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shu L. Gopinath, No 41, 16-17 Cross Middle, XI Main, Mulleswaram, Bengalore-55.

(Transferer)

(2) Shi N. S. Krishnaiah Setty & others, M/s. Indian Furniture World, No. 1175 32, IV Cress, Scirampura. Bangalore-21.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore, the 10th January 1985

C.R. No. 62 4362 / 84-85/ACQ]B - - Whereas, I,

R, BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and beating No. 41

No. 41,

istuated at 11th Main Malleswaram Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfored under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Rajajinagar on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian specific ax Act, 1972. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1277/84-85 Dated 23-6-84]

THE SCHEDULE

Property bearing No. 41 situated at XI Main, Malleswaram, Bangaloic.

> R. BHARDWAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 15-1-1985

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir Fredrick Pinto. Chilimbi, Wiwa Mangalore

(Transferer)

(2) Poswal H. D' Cuuha, Roop Mohol Bldg... Mangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalote-56000, the 15th January 1985

C.R. No. 62/43538/84-85/ACO/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being' the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000 and bearing No.
D. 301, Rs. No 9, 43|4G, 4K, IAZ situated at III floor, Bolur village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration At, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore on June 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Decument No. 302/84-85 Dated June, 841 Property bearing No. 301, situated at III floor, RS. No. 9, 43 4G, 4K, IAZ Bolur village, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 15-1-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1985

C.R. No. 62/43524, 84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 888, stuated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-6-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or exasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shit H. C. Jayrama eddy, No. 284, H. Cross, Someswaraputam, Ulsoor, B'lote-8.

(Transferor)

(2) J. Shii Udharam Valabdas Aswani 2 Padmadharam Aswani. No. 68, H Stage, HAL, Indiranagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act shall have the same meaning as given i that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 923]84-85 Dated 27-6-84] Residential premises, No. 888, situated at H.A.L. II Stage Indianagar, Bangalore.

R. BHARDWA
Competent Authorit
Inspecting sAsistant Commissioner of Incometae
Acquisition Ran
Bangalor

Date: 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1985

C.R. No. 62/43337/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Sy. 7/3 & 7/4,

situated at Hosakeri Village, Coorg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madikeri on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—88—476 GI/84

nid the

Date: 15-1-1985

Scal:

Shri B. B. Devaiah, B. D. Devaki,
 B. D. Manohar, B. D. Venugopal,
 B. B. Seethama, K. R. Kunjma,
 V. R. Poovama, B. K. Bopaniio.
 B. B. Bheemaiah, B. C. Kenchappa,
 Hosakerl village, Madike

(Transferor)

(2) C. V. Thomas & C. Kunhi Mohd., Coffee Phuter, Parkland Estate, Chettalli Post, Kodagu,

(Transferee)

(3) Transferors

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 349/84-85 Dated 1-6-84]

Coffee Lands bearing the Sy. Nos. 7/3 and 7/4 of 2,80 acres & 1.95 acres, situated in the Hosaeri villge, Coorg

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th January 1985

C.R. No. 62/43556/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS. 180, TS. No. 371, situated at Ka ii village, M'lore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been conserved under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 27th June 1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rule section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Adarsh Enterprises, Ganesha Krupa, Opp. Jyothi Talkies, M'lore.

(Transferor)

(2) Shri P. R. Ramesh Rao, Apartment No. 302, III Floor, Diana Block Bandore Road, M'lore.

(Transferee)

(3) Transferee.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

[Registered Document No. 438/84-85. Dated 27-6-84] Property bearing No. RS. 180, TS. No. 371, situated at Kadıi village, M'lore Taluk.

> R. BHARDWAJ Comptent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date . 14-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Pandith Devidas Rao,
 (2) Anil D. Pandith.
 (3) Narayana D. Pandith.
 K. S. Rao Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) The Jammia Islamia, Bhatkal, GPA Mr. Kadli Abdul Kader Bhatkal, North Kanara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th January 1985

C.R. No. 62/43549/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-TS. 28/2, RS. 1664/2, TS. 30 & RS. No. 1666 situated at and bearing No.

Kasba Bazar Village, Chamber Road, Mangalore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore on 15-6-1984

Mangalore on 15-6-1984 •
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trom the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 384/84-85. Dated 15-6-84]

Property bearing No. TS 28/2, RS No. 1664/2 & TS No. 30, RS No. 1666, situated at Kasba Bazar village in Chamber Road, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-85

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th January 1985

C.R. No. 62/43545/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. RS. 35-3B (now 35-3B1), situated at Boloor 'B' village, Mangalore city

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore on 13-6-1984

for an apparent-consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Kumari Lilly Marcelina Trescilla Goveas, Cross Villa, Ashoknagar, Boloor Village, Mangalore,

(Transferor)

(2) Shri Ronald E. Pinto,(2) Noreen F. Pinto,both residing near St. Mary's High School,Falnir, Mangalore.

(Transferce)

(3) Vendor.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Vendor,

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 356/84-85. Dated 13-6-84] Property bearing No. RS. 35-3B, situated at Boloor 'B' village, Mangalore City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 15-1-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th January 1985

C.R. No. 62/44171/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 2819, 2819/1, situated at Hallada Keri, Lashkar
Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

Mysore on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shii D. Ramesh Kumar, No. 2918, Irwin Road, Lashkar Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shrimathi Rajakumari, (2) Poonam, No. 2819, Halladekeri, Lashkar Mohalla, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1023/84-85. Dated June, 84] House bearing D. No. 2819, 2819/1, situated at Hallade-keri, Lashkar Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62|44290/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

2 (old No. 6), situated at III Cross, Pillamma Block, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Srirampuram on 20-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimathi R. Sakkubai, No. 6/2, III Cross, Pillamma Block, Bangalore.

(2) Shrimathi Rajeshwati, No. 25/24, III Cross, Pillæmma Block, Bangalore. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1007/84-85. Dated 10-1-85] Property bearing New No. 2, (old No. 6), situated at III Cross, Pillamma Block, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date¹: 10-1-85 , Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62/44265/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Ker

situated at

situated at Kemapapura Agrahara (Amar Jyothi House Building Co-operative Society Ltd.), Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Sri amputam on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri P. R. Anantha Padmanabhaiah, No. 2211/A, Saplagiri III Cross Extension, Channapatna, Bangalore Dist.

(Transferor)

(2) Shijmathi Malmi J. Setty, No. 724, X. Cross, M. C. Road, Vijayanagar, Bangalore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1064/84-85. Dated 22-6-84]

Property situated at Kempapura Agrahana (Amar Jyothi House Building Co operative Society Ltd.) Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-85

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalort-560 001, the 11th January 1985

C.R. No. 62/43630/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

21 (old No. 2), situated at platform Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Wing, 2nd floor, Versova, Near Apna Ghar 41 s. No. 41 & has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Signapuram on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocreons, namely :--

(1) I. Shii N. Sampathkumai (2) C. Narayanachar
 (3) N. Basavaraj (4) P. Basavachar
 (5) N. Mallikarjuna (6) Smt. Puttamma

(7) Smt. Nyamma,
No. 1. Jawaharlal Street, Seshadilpura, B'loic,
(8) M/s. C. N. Char & Co. Laxman Bldgs.

Transferor (s)

(1) Kamal Chopra, No. 9, Main, V Block, Kumara Park West, Bangalore (2) Str. Rekha Rani Chopra, 66, Anchepat Banga-

lore.

Smt. Lata Rani Chopra, 37, Madhavanagar, Bangalore.

Transferee(s)

(3) The first transferor.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1173/84-85. Dated 28-6-84] Vacant site plot No. 21 (old o. 2), situated at Platform 10ad, Bangalore. (Measuring 822.70 sq. yards).

R. BHARDWAJ Competent, Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th January 1985

C.R. No. 62/43629/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. 22 (old No. 3), situated at Platform Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed he.eto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Srirampuram on 28 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evenion of the fiethillity of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax. Act 1957 (27 of 1957);

 Shri N. Basaværaj, 'Bhagya Nilaya', Davanathachar Street, Chamarajpet, Bangalore-18.
 Sti T. Mudlalah, No. 36, D. S. Lane, Chickpet, Bangalore.

Transferor(s)

(2) Shri Mahendia Kumar Chopra, No. 67, Anchepet, Bangalore-2. (2) Smt. Kusum Rani Chopra, No. 39, Madhavanagar, Bangalore-1.

Transferee(s)

(3) Sri N. Basavaraj. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1172/84 85. Dated 28-6-84] Vacant site bearing No. 22, (old No. 3), situated at platform Road, Bangalore. (measuring about 612.22 sq. yards).

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-89-476GI|84

Date: 11-1-85

Scal:

(1) Mrs. Sharada Subbalah, No. 26, Anantharam Layout, Lingarajapuram, Bangalore.

Transferor(s)

(2) The Divya Shanthi Christian Asson, St. John Church, St. John's Church Road, Bangalore.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

Ref. C.R. No. 62/4333/84-85/AC&/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 26, situated at Anantharam Layout, Lingarajpuram,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore South Tq. on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

any income or any have not been or by the transferee for accome-tax Act, 1922 t, or the Wealth-tax [Registered Document No 766/84-85 Dated 8-6-84]

[Registered Document No 766/84-85 Dated 8-6-84]

Property bearing No. 26, situated at Anantharam Layout, Lingarajapuram, Bangalore.

R. BHARDWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-85.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62/43773/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 139/1 (portion), situated at Domlur (Bhagath Singh Nagar),

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivannagar on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADO /SH
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the service of notice on the respective persons (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .

(1) Sprimathi Indira S. R. Reddy, No. 165, Domlur, Bangalore-71.

(Transferor)

(2) Shri Siddartha, No. 763, I Cross, Indiranagar, 1 Stage, Bangalore-38.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1492/84-85. Dated 16-8-84] Portion of Corporation Site No. 139/1, situated at Domlur (Bhagath Singh Nagar), Bangalore.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date . 15-1-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th January 1985

C.R. No. 62/43609/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1140/10, situated at II Main, Hosahally, Vijayanagar,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Srirampuram on 11-7-1984

for a napparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimathi Vishalakshiammal, (2) J. Padmanabha, (3) M. J. Murugesh, (4) J. Venkatesh, Metal Merchants, Bazaar Street, Mandva.

(Transferor)

(2) Shri M. Kasim, Gourapalli, Srinivasapur, Kolar Dist.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1335/84-85. Dated 11-7-84] property bearing No. 1140/10, situated at II Main, Hosapally, Vijayanagar, aBngalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62/43382/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
284 situated at Rajamahal vilas Extension, XV Main Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1900 in the consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. V. Narayanappa, No. 303, VI Cross, Govt. Quarters, Wilson Garden, Bangaloie-27.

Transferor(s)

(2) Shri Ramesh Kumar Shroff, (2) Smt. Bhavana Shroff, I-114, Avenue Road, Bangalore-2.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 971/84-85. Datedd June 84] Site No. 284, situated at Rajamahal Vilae Extension, XV Main Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date . 10-1-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62/45559/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, C.R. No. 62/4559/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1,
R. BHARDWAJ, Inspecting A sistant Commissioner of Incomt-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projecty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

1851, situated at 23rd Cross Banashankari II Stage, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri N. K. Srinivasa Iyengar, 120, 11th Cross, Malleswarum, Bangalere-3.

Transferor(s)

(2) Shri G. V. Thimmappaiah, No. 23/5, Mount Joy Road, Hanumanthanagar, Bangalore-19.

Transferce(8)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 923/84-85. Dated 11-6-84] Site No. 1851, 23rd Cross, Banashankari II Stage, Bangslore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

Scal:

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62/45564/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No.

112, situated at Banashankari II Stage, Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Jayanagar on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. R. Venkata Rao, 15, Basappa Layout, H. Stage, IV Cross, Gauripuram Extn., Bangalore.

Transferor(s)

m

 T. V. V. Viswanathan, 17, Uttaradhi Mutt oRad, Shankarapuram, Bangalore-4.

Transfereo(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1003/84-85. Dated 18-6-84] Site No. 112, Banashankarl II Stage, Bangalore. (60; × 40!).

R. BHARDWAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 10-1-1985

FORM_ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. Aranugaure, 17, I Main Road, Sudhauanagar, B'lore-27.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

M. Maujunathan, M. Lakshminarayana, Lingashet typet, Anjaueyagudi Beedi, B'lore City.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Barigalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62/45560/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting A sistant Commissioner of Incomt-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

55: 1 (51: 1), situated at Swathi road Lakshmi road II Cross, Shanthinagar Main Road, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 926/84-85. Dated June, 1984] Property bearing No. 55:1 (51.1), Situated at Swasthi road Lakshmi Road VI Cross, Shanthinagar Main Road, Bangalore-27.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Dadlanis South India Construction Co., Mohan Buildings, Chickpet, B'lore.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Mury Chacko Eapen,

2. Dr. (Mis.) Mary Mathew Oliapally, No. 1/5 (I floor), Sundamurthy road, Cox Town, Blore.

(3) Transletee as tenants.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th January 1985

CR No. 62/44404/84-85/ACQ'B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs 25,000 - and bearing No.

1/5, situated at I floor, Sundarthy Road, Cox Town, B'lore tand more fully described in the Schedule annexed beteto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shiyamalgar in June 1984

Shivaimagar in June 1984

Shivagingar in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1809/84-85 dated June, 84) Flat No. 1/5, I floor, situated at Sundamurthy road, Cox Town, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issus of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ecrons. namely :-90-476GI|84

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) Shri F. R. Singhvi, 13/10, Singhvi Sadan, Pampamahakavi Road, B'lore-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ehri K. Ramaraju, 29, III Block. Jayanagar, Blore-11.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 00.1, the 10th January 1985

C.R. No $62/45544/84-85/\Lambda CQ/B$ —Whereas, I, R. BHARDWAJ.

R. BHARDVAJ.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the
Inmovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
1699, situated at Banashankari II Stage, B'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Parietering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

1957 (27 of 1957);

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a seried of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 799/84-85 dated 1-6-84) Site No. 1699, situated at Banashankari II Stage, B'lore.

> R. BHARDWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Badgalore-560 001, the 10th January נצעו

CR No 62/45552/84 85/ACQ/B—Whereas, I, R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 51 (New No. 51/10) situated at IV 'T' Blook, Joyanagar, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jayanagar in Tune 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Muniah, S/o Subbu 17th Ward Office, K V. Femple Road, Chickpet, B'lore-53. (Transferor) Shri R. Shanthini Kamalan
 No. 9/3, Central Street, Shanthinagar,
 - B'lore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 846/84-85 dated June, 84)
Site No 51 (New No 51/10), situated at IV T Block, Site No. 51 (1) Jayan igar, B'lorc

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons namely :-

Date 10 1-85 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st January 1985

C.R. No. 62/43548/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. 603-1A, 7S. 185-1A, situated at Kasha Bazaar village, Market ward of M'lore city (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer with the competent authority under Section 269AB, in his office at

M'lore city on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:—

(1) 1. Vajravathi Surendranath W/o M. Surendranath, aged about 70 years residing at 14. Bangiappa Garden, Shanthinagr, Blore.

2. M. R. Prasad S/o late Laxmikanth, aged about

60 years, residing at Christion Anantha Ashram, Old Kent Road, Bangalore.

3. Rohini Balavelu W/o K. Balavelu, aged about 47 years, residing at 92, Llyods Road, Madras-600014.

Sons of B. Balabelu, residing at 92, Lloyds Road, Madras-4. Muthukurin 600014 & aged about 20, 20 & 5. Kalayn Sundar 14 years respectively of whom

No. 6 is a minor represented Mahesh by guardian No. 3, Rahini

6. Mahesh by guardian 170.

7. Shalini Rajvardhan D/o Vajravathi Surendranath, aged 42 years, residing at 18, Railway Parallel road, Nehrunagar, B'lore-20.

8. Ashok Kumar residing at 18 Railway Parallel Road, Nehrunagar, Bangalore
20 & aged about 20 & 14 years 20 & aged about 20 & 14 years

10. Malini Devi D/o Vajravathi Surendranath, aged aobut 38 years, residing at 14, Bangiappa Gardens, Shanthinagar, Bangalore.

11. Rajamani Kumar D/o Vajravathi Surendranath, aged about 38 years, residing at 14, Bangiappa

Galdens, Shanthinagar, Blore.

12. Kavitha Kumari D/O Rajamani Kumar, aged about 10 years, represented by guardian No. 11 Rajamani Kumar.

13. M. Sampath Kumar S/o Vajravathi Surendranath, aged about 32 years, residing at 14, Ban-giappa Gardens, Shanthinagar, Bangalore-27.

Children of late Natini Krishna residing at Kokul 27/C Jaya-mahal Fxtn. I Cross, Nanda-14. Jyothi Rani

 Jeevan Kumar
 Naveen Kumar durg Road, Bangalore 20 & aged about 28, 27, 25, 23, 21, 19 & 17. Naina Rani

15 years respectively of whom No. 20 is a minor represented 18. Bina Rani 19. Swanna Rani

20. Prasanna Kuma by guardian No. 14, Jyoti Rani 21. R. R. Bangera S/o M. Ramakrishna Bangera aged about 65 years, residing at Mount Road,

Meera D. Suvarna D/o late M. Ramakrishna Bangera, aged about 60 years, residing at Lower

Bendore, Mungalore-2.

23. Ramakrishna Satischandra Bangera S/o

M. R. Bangera, aged about 58 years, residing at 41/1 Standag Road, Frazer town, B'lore-51.

Prakash Bangera S/o M. R. Bangera, aged about 54 years, residing at Mount Road Madras,
 Mrs. Soumni Suvaina D/o lute M. R. Bangera, aged about 54 years, residing at Suvarna Vilas, Ullaugudi, Madurai-18.

26. Ramesh Bangera S/o late M. R. Bangera, about 92 years, residing at Mount Road, Madras-1,

27. Tara Taranath, w/o late M. Anand Prasad, aged about 43 years, residing at Tirunnamalai, Tamil Nadu. 28. Sudhakara

Sudhakara Bangera S/o late M. R. Bangera, aged about 32 years, residing at Mount Road, Madras-2.

Vatsala Anand Prasad W/o late M. Prasad, aged about 56 years, residing at 17/18 Halls Road, Egmore, Madras-600 008.

Daughters of late M. Anand Prusad, aged about 34 years, 34 years, respectively residing at 17/18 Halls Road, Madras. 30. Uma Prasad 31. Rama Prasad

Prasad, aged about 34 years, 34 years, respectively residing at 17/18 Halla road, Madrass.

32. Susheela Sanjiva D/o late M. Rangappa Bangera aged about 62 years, residing at 15 B, Krishnamal Street, Kuppakonampudar, Coim-

batore.

33. Leela Chander S/o late M. R. Bangera, aged about 52 years, residing at Flat No. 21, Aphagar, Colaba Roud, Bombay-400005.

(Transferor)

(2) M/s New Tajmahal Cafe P. I.td.,
M'lore, by Director :--Mr. Kasturi Devadas Puri, Car Street, M'lore.

(Transferee) (3) Transferee. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 383/84-85 dated 15-6-84) Property bearing No. RS. 6031A, TS. No. 185-1A, situated at Kashba Bazaar village, Market Ward of Mangalore City.

R. PHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-1-85 Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 3rd January 1985

62/45015 84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. TS 215-1, RS No. 382-1 (North Western Portion), No. 282 A signated at Kenishkeit tellege. Learning Western Portion)

89-A, situated at Kodialbail village, Kambla Ward of M'lore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/with the competent authority under Section 269AB, in his

at Bombay on 14/5/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Mahesh Suvarna, Tailor, Doomakke pdund, Emekere Cross Road, Bolar, More. Doomakke Com-(Transferor)
- (2) Shri M. Ramanna Shetty, Mahal, Gollerketi, M'lorc. Shetty, Businessman,

(Transferee) (3) Transferor.

(Person in ocapation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 424, 84-85 dated 23-6-84). Property bearing No. TS. 215-1, RS. No. 382-1 (North Western Portion), situated at Kodialbail village, Kambla ward of the M'lore city.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-1-85

FORM ITN'S----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Anna Sujatha Modayil, No. E-325, East of Kailash, New Delhi-65, (Transferor)
Shiviam Kanilal, by GPA Mr. K. Gopalakrishnappa, Kanilal House, Pambethady, Sullia Tq., S.K.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 3rd January 1985

C.R. No. 62'45016/84-85.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

11/2A2B1C, situated at Kodiabail B. village, RS No. M'lore Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/ with the competent authority under Section 269AB, in his office at

M'lore on 25-6-1984 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 431, 84-85 dated 25-6-84) Property bearing No. RS. 11/2A2B1C, situated at Kodial-bail B. Village, Mangalore Tq.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th January 1985

C.R. No. 62/44866/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 54, situated at New Bamboo Bazar, Industrial Suburb,

Fort Mohalla, Mysore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/

with the competent authority under Section 269AB, in his office at

at Mysore on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) R. Anthoni Das,
 No. 3367, Vidyaranyapuram,
 Sarva Janika Hostel Road,
 VI Main, IV Cross, Fort Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Dr. C. M. Nanjajah, Remasamudra Chikka Beech, Chanara Raja Nagar Town, Mysore Distt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1220/84-85 dated 5-6-84) House bearing Do No. 54 situated at New Bamboo Bazar, Industrial Suburb, Fort Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1985

Scal:

PORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th January 1985

C.R. No. 62/43620/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 243/2, situated at XX Main Road, Shivanahally, II

No. 243/2, situated at AA Main Road, Sinvadariary, it Block, West of Chord Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/ with the competent authority under Section 269AB, in his

Rajajinagar on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Analog Instruments & Control, No. 105, Appollo Street, Fort, Bombay-1, Represented by--Sri B. J. Patel.

(Transferor)

(2) 1. Manmohan, Suresh and
 Madan Gopal
 No. 33, Viswanatha Rao Road, Madhava Nagar, B'lore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period; of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1358/84-85 dated 28-6-1984) Property bearing No. 243/2, situated at XX Main Road, Shivanahalli, II Block, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 7th January 1985

C.R. No. 62/43623/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bengalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-and bearing
No. 29, situated at XVII Cross, Malleswaram, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Rajajinagar on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any accome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

91 -476 GI/84

- (1) 1. Vinu Kanthi,
 - Srikant Kanthi,
 Sudhir Kanthi,

 - 4. Smt. Bharati Rao, No. 28 "Pushpak", 17th Cross, Malleswaram Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. R. Umashashi Bhat, No. 3, V Temple Street, XVI Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1227/84-85 Dated June, 84) Property bearing No. 29, situated at 17th Cross, Malleswaram. Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 7th January 1985

C.R. No. 62/43329/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1640, situated at Chamundeshwati Road, K. R. Mohalla,

Mysore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Mysore on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not been truly state I in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri A. N. Murthy, No. 853, V 'A' Cross, II Block, J Stage, Banashankari, Bangalore-50.

(Transferoi)

(2) Smt. Narasamma, No. 1640, Chamundeswari Road, K. R Mohalla, Mysore

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may; be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1052/84-85 Dated 4-6-84)
Property bearing No. 1640, situated at Chamundeswari Road, K. R. Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icnome-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985

Scal 3

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 7th January 1985

C.R. No. 62/45011/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/~ and bearing

No. 74, Sy. No. 24-1B 3, situated at Thiruvail village of M'lore Tq

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Mangalore on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there.or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri U. Ramanath Shetty, Manager of Co-operative Bank, Vamanjoor in Thiruvail Village, Mangalore 1'q.

(Transferor)

(2) Shri A Narayana Shetty, Development Officer, LIC, of India, Mulki Town, Mangalore Tq. D. K.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 602/84-85 Dated 21-6-1984)
Property situated in No. 74, Thiruvail Village of Mangalore Tq.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 7-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UP THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd January 1985

C.R. No. 62/43771/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10, situated at Ahmed Sait Road, Fraser Town, Bangalore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Shivajinagar on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Smt. Mehrunnissa,
 Rahimmunnissa &
 Aktharunnissa,
 No. 10, Ahmed Sait Road,
 Fraser Town,
 Bangalore.

(Transferor)

Shri Mohd. Abdulla Nawab,
 M. A. Nawab,
 Mohd. Sirajuddin, &
 Shamsuddin,
 No. 7, Bradhsaw Street,
 Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1466/84-85

Dated 17-8-84)

Property bearing No. 10, situated at Ahmed Sait Road, Fraser Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th January 1985

C.R. No. 62/43747/84-85/ACQ/B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market valu exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 145/1, situated at III Main, Margosa Road.

Malleswaram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor, by more than exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri L. Narasimhaiah.

2. L. Gopala,

3. Smt. Nuddamma.

5. S. L. Ramachandra,
5. L. Ravindran,
6. Smt. L. Rajalakshmi,
7. Smt. L. Suvarna,
No. 13, VI Main Road, Palace Guttahalli,

Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri Loganathan, A. No. 11, 14th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1677/84-85 Dated 23-8-84)
Vacant site bearing Old No. 188, New No. 145/1, situated at III Main, Margosa Road, Malleswaram, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th January 1985

C.R. No. 62/43569/84-85/ Λ CQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2, Hutchins Road Extension, St. Thomas Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivapin og 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any success arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shra P. Joseph, No 42, Museum Road, Bangalore-1.

(Transferor)

 Shi, A Stephen, No. 2, Hutchins Road Extension, St. Thomas Town, Bangalore-84.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 962/84-85 Dated 2-7-84)
Property bearing No. 2, situated at Hutchins Road Extension, St. Thomas Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 4-1-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th January 1985

CR. No. 62/43608/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 38, situated at Kempapina Agrahara formed by Vinayaka

House Building Ce-operative Society Ltd., Magadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Srirampuram on 11-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Vinatha S Rai, No 112, I 'N' Block, Rajajinagar, Bangalore-10,

(Transferor)

(2) Dr. Rajakuman Melanta, No. 889, III Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1331/84-85 Dated 11-7-84) Site No 38 in Kempapura Agrahara (formed by Vinayaka House Building Co-operative Society Ltd., Magadi Road, Bangalore).

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-1-1985 Seal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd January 1985

C.R. No. 62/43611/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 21 & 22 (Old M. No. 1662/4) situated at II Cross, Rammohanpuram, Srirampuram, Bangalore-21 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Srirampuram on 12-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the a)nsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sharadamma, No. 235, VI Cross, V Block, Rajajinagar, Bengalore-10.

(Transferor)

(2) Smt. Meenakshi Jayaram, No. 1650/16, II Cross, II Main Road, Ramamohanapuram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazett

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1370/84-85 Dated 12-7-84)
Property bearing No. 21 & 22, Old M/No. 1662/4, situated at II Cross, Rommohanpuram, Srirampuram, Bangalore-21.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1985

(1) Shri A. Utabhakat Rao, Faluir, M'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Dr. A. Suresh, Faluir, M'lore,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62/43665/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS. 968 & 971-B TS. No. 520 & 517/B.

No. RS, 968 & 971-B TS. No. 520 & 517/B. situated at Attava at village. Balmattee ward, M'lore city, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at M'lore on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the unit Ass. in respect of any income arising from the transfer: and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 559/84-85 Dated 16-7-84]

Probperty bearing No. RS 968 & 971-B, TS. No. 520 & 517/B situated at Attawar village Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985

Scal:

(1) Dr. A. Suresh Rao, Faluir, M'lore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Shri A, Prabhakar Rao, Faluir, M'lore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62/43666/84-85/ACQ/8.—Whereas, 1,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. 968/1, TS. 520/1, situated at Attavar village, M'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer village.

1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 16-7-1984

More on 10-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to heave the parties have not been truly extend in the solid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 559/94-95 Dated 16-7-84] Property bearing No. RS. 968/1, TS. No. 520/1, situated at Attavar village, M'lorc.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangaloic, the 10th January 1985

C.R. No. 62/45547/84-8\$/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

No. 179 (M. No. 179/17), situated at II main, I Block, Jayanagar, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri L. Ganesh Rao, No. 31, H. B. Samaja Road, Basawayagudi. B'lore-4.

(Transferor)

(2) S. Bhaskar No. 10, Dewan Khana Lane, Avenue Road Cross, B'lore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 806/84-85 Dated 1-6-84] Vasant Site bearing No. 179 (M. No. 179/17), situated at II Main, I Block, Jayanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. P. Nanjappa, No. 409, 18th cross, III Main, III Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th January 1985

C.R. No. 62/45566/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovement having a few market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1583,

situated at BSK II Stage, B'lore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jayanagar on June 1984

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Vasudeva, No. 668, XV Main, IV T Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date, of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1024/84-85 Dated June, 84] Vasant site N.o 1583, situated at Banashankari II stage, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III—SEC. 11

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th January 1985

C.R. No. 61/45574/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 15.

situated at X Main, Banashan Kan II stag: Blore-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Javanagar on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such tunnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. A. Rajagopal, repd. by Smt. C. A. Ramadevi, No. 176, East IV Blcok, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferor)

8481

(2) Shri Y. V. S. Vinod, No. 592, XXIV Cross, Banashankari II stage, B'lore-70,

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1065/84-85 Dated 23-6-84]

Site No. 15, suitated at X main, Banashankari II stage, Bangalore-70.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango Bangalore

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Dr. M. Prakash Appaya, also known as Mr. M. A. Kuttappa, No. D-11, staff quanters, St. John's Medical College, B'lore,

(Transferor)

(2) Shrimathi Srilatha Prakash, No. 11, Brutan Road, Cross, B'lore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th January 1985

C.R. No. 62/45575/84-85/ACQ/B.-Whereas, J, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under 'Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 3 situated at Sethu Street, Long ford Town, B'lore.

(and more fully described in the schedule annexed hereio).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer-

at Shivajinagar on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in-respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1069/84-85 Dated 23-6-84] Vacant site bearing portion of premises No. 3, situated at Sethu Street, Longford Town, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. anathan. No. 28, VIII Shashtri Naga ross street. Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri T. Murali, No. 818, XVIV Main, Banashankari II stage B'lore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangaloic, the 11th January 1985

C.R. No. 62/45582/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-vax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. 710,

situated at Banashankari II stage' B'lorc.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1134/84-85 Dated 27-6-84] Site No. 710, situated at Banashankari II stage, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely; ---

Date: 11-1-1985

Scal:

FORM N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 30th January 1985

C.R. No. 62/45581/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

28 situated at Longford Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Cybil Naomi Anderson No. 28, Beilie Street, Longford Town, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri M. Kaunan, No. 1277, 32 Cross, IV 'T' Block, Jayanagar,

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1132/84-85 Dated 28-6-84] Premises No. 28 situated at Longford Road, B'lore,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date : 30-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 21st June 1984

R. No. 62/44871/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 575/3,

situated at Siddartha Layout, Nazerbad, Mohalla, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Myore on 21-6-1984

for an apparent consideration which is the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

93-476GI/84

- (1) Shri Mokthar Ahamed, No. 377, Udayagiri Layout, Lashker Mohalla, Mysore.
- (2) Shri K. Srinivas, No. 728-729, Bazar Main Road, Nazerbad Mohalla, Mysore.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1341/84-85 Dated 21-6-84)

House bearing No. 575/3, situated in Siddartha Layou', Nazerhad Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALURE-560 001.

Bangalore, the 30th January 1985

C.R. No. 62/45561/84-85/ACQ/B—Whereas, I. BIIARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No.

situated at K. S. R. T. C. employees Co-operative Society Ltd., (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

(4) M. A. Shafiulha Shaitt, No. 67/1-B, 11th Cross, Kajendra Nagar, Mysore.

(Transferor)

(2) V. Abdul Subhan & Others, No. 699, 11th Main, IV Block, Jayanagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 927/84-85 Dated 11-6-84).

Site No. 220, situated at K. S. R. T. C. employee's Society, Namappa Setty Palya, Matenahalli, B'lore-27.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangaloro

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

(11) Shri B, A. Sadananda Raju, No. 94, I Main Road. Chamatrajpet, B'lore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrmati Sunandamma, No. 577/42, X Cross, VII Block, West, Jayanagar, B'lore-82.

(Transfere)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th January 1985

C. R. No. 62/45551/84-85/ACQ/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at BSK II Stage, Banagolore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

at Jayanagar on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given, in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document 833/84-85 Dated 4-6-84). Vacant Site No. 51, situated at Banashankari II stage, Bangalore (485.71 Sq. mts.)

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 23rd January 1985

C. R. No. 62/R-1212/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing rituated at Manezachem Bata ou Marnhem Bata,

St. Jose de Aleal, Salcete, Goa.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer

at B'lore on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ېند: persons, namely

(1) Shri Luis Reis Costa, Landlord,

Dang Vaddo. Benanline, Salcete, Goa.

(Transferor)

(2) Delta Real Estates C/o Jayant Vinayak Naik Vinsons, Station Road, Margao—Goa,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1065/83-84 Dated 1-6-84).

All that property known as Manezachem Bata on Maranhem Bata situated at St. Jose de Areal, Salcete, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 23rd January 1985

C. R. No. 62/R-1280/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I.R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No $\Lambda/3$ in Block 'A'

situated at Trupti Apartments New Vaddem Vasco dá-Gama (and mote fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1033/84-85 Dt. 11-6-84 for an apparent consideration which is less than the formarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alloaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor ead/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rukmini Constructions
Sridhar Building, Room No. 4, 1st floor,
Vasco-da-Gama-403802 (Goa)

(Transferor)

(2) Mr. V. N. D. Souza and Mrs. Esme H. D. Souza, 104, Mohidin Building, Vadem, Vasco-da-Gama-403802 (Goa)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1033/84-85 Dated 11-6-1984). Flat No. A/3 in Block 'A' of "Trupti Apartments" in plot 16 situated at New Vaddem, Vasco-da-Gama.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax juisition Range, Bangalore

Date : 23-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd January 1985

C. R. No. 62/R-1229/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/- and bearing Chatta No. 232 of sheet No. 103. situated at Vasco-da-Gama, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer.

1908) in the Office of the Registering Officer at Blore, on 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under 'the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Filomena Dias, 2. Miss. Ida Dias, Naranpai, Baida, Chinchini, Salcette, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Anthony Lobo. Naranpai, Baida, Chinchini, Salcette, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 100584-85 dated 6-6-1984). Land with building bearing Chatta No. 232 of Sheet No. 103, situated at Vasco-da-Gama, Goa, (447 Sq. mts.).

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangafore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 22-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore, the 22nd January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1209/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R BIIARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Chatta No. 3 of P.T. Sheet No. 72, situated at "Tenericho Servo", Atto-Duler, Mapusa, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Bangalore on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Darry R. L. L. Souza, 2. Shri & Smt. Rupert J. M. W. De'Souza,

Shirsai, Baidery, Goa.

(Transferor)

(2) Shii Krishna Tukaravi Pokle. Duler, Mapusa Goa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1062/84-85, dt. 1-6-1984.

A property known as "Tenecricho Servo", situated at Alio-Duler, Mapusa, Goa

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, pamely:- -

Date ' 22-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1 M/s. Nizami & Associates, Afousode Albuquerque Road, Panjim.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore, the 22nd January 1985

Ref. C. R. No. 62/R-1261/37EE/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 2, situated at IV floor, Nizani Bhawan, Menemes Bragauza Road, Panjim, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bangalore on 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 -(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Uday Kumar D. Hawande, House No. 101, Chinchwode, Chimbel, Goa. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1023/84-85, dt. 6-6-84, Property bearing office No. ?, situated at IV door, Nizari Bhawan, Menedes Braganza Road, Panjim, Goa.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

Date: 22-1-1985

- - Out the sum of the

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1- Dr Francisco Leac Pinto, 2 Mr. Thome Jose M. J. V Pinto, 3. Mrs. E. M. J. S. M. Pinto, Colangute, Goa

(Transfetor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Satt—Adhai Builders, Hill Top Apartments, Alto Benim-Goa,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1291/81-85/ACQ/B.- Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No (one old building) situated at Menezes Bragainia Roed, Рапајі, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bangalore on 13-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the afo esaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---94-476GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 1,30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latere-
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1116/34-85, dt. 13-6-1984) One old building in Menzes Bragaunza Road, Panaji, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rangalore.

Date : 23-1-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Abdul Hai, Opp : Hassan Club, B. M. Road, A.R. No. 189-C, Hassan.

(Transferet)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore, the 25th January 1985

Ref. C.R. No. 62/577, 84-85/ACQ/B.--Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the competent authority under section 269B of the hncompetent Act, 1964 (43 of 1961) thereinafter referred to as the band Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 189-(4k. No. 6114), situated at B. M. Road Hassan (and more fully described in the Schedule appeared beauty).

No. 189-C (K. No. 6114), situated at B. M. Road Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908-16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hassan on 15-6-1984

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sent instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shi C Shashidhara Pillai, Prop.: Sanikhen Furniture Works, Basatti Koppal. Hassan.

(Transferee),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 607/84-85 Dated 15-6-84)
Property bearing No. 189-C, Situa ed at B. M. Road,
Hassan.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid moperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 25-1-1985

Scal :

(1) M/s. Atlas Realtors R/o Boidaz, Maigao, Coa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Carlos Luis Percua and his wite Mrs. Bralchna Benedicta Pereira, H. No. 56, Chadvaddo Carca, Salcete, Goa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th January 1985

C.R. No. 62/585, 84-85/ACQ/B.—Whereas. 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Principal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the anmovable property having a fair market value extending Rs 25,000/- and bearing Plot No. 58 situated at Fatorda, Margao, Salcete, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao under Document No. 2312/84-85 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Margao under Document No. 2312/84-85 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fair is such transfer as agreed to between the units in the believe of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any moome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2312/84-85 Dated June 84]. Plot No. 58 known as "Unhachem Molla" "Unha Molla" situated at Fatorda; Margao; Municipal area: Taluka and Sub District of Salcete, District of Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalere

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1985

<u>ಎರ್ನ್ನೂ ಪರಿಚರ್ಚಿಸುವರೆಗೆ ಭಿರ್ವಾಸಿಕೆ ಬೆಂಬಿಸಿ ಎಂದು ಎಂದು ಎಂದು ಎಂದು ಎಂದು ಎಂದು ಬೆಂಬಿಸಿಕೆ ಬಿಡುವಾಗಿ ಬಿಡುವಾಗಿ ಭರ</u> FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalose, the 25th January 1985

Ref. C.R. No. 62/580/84-85, ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. K. No. 3781, A.R. No. 3522, situated at City Municipality

Gandhi Bazar Road, Hassan tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hassan on 28-6-1998

Haisan on 28-6-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration the said instance. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfet, and/or

to) facilitating the concealment of any moome or any atoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shrimati S, Lolithamma, w o Shri H. N. Siddappachar, Sice Kalanima Temple Street, Hassan.

(Transferor)

(2) Sheimati Savithiamma,2. Smt. Sharadamma,P.O. M/s. Ravi Cloth Centre, Hassan.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforciaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THP 3CHFDULE

(Registered Document No 697 84-85 Dated 28-6-84)

Property hearing K- No. 3781, A.P. No. 3522 situated at City Municipality Gandhi Bazar Road, Hassan,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. 7 bereby initiate proceeding for the acquisition of the ascresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 24th January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/586/84 85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the trecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

not bearing No.

No. Chatta No., 14, 15, 16 and Chalta No. 132 situated at Borda, Nargao City, Sarcate Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act, 1988 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Sarcate, Margao under Document No. 586/84-85 Dt 30.6.84

30-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair · market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Mi. Jose Francisco Alfredo da piedade Friase Rodugues and M.s. Mai a Ferranda Mesquitae Rodriques, Borda, Margao. Mr. Carlos Vicente Humberto da Piedade Friase Mis. Niiete Matiana Cacilda da Piedade Costa Rodriques and Pinto e Rodriques Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mis Cecilia Do Rosaria Laizanjo Margao, Goa.

(Transferoc)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2165/84-85 dated 30-6-84). Plat No. 1, property known as "Predio urbano" situated at Borda of Margae City, Taluka and Sub District of Sciente District of Gao.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-1-1985

Scal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560001

Bangalore-560001, the 14th January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45619 84-85 ACQ B—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and bearing

No 1008 situated at BSK II Stage Fxtension, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Javanagar on 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shumati Saraswathi Bar No 281, VI Main Road, Y Cross N. R Colony, B lote-19

- ----

(Transferor)

(2) Shii S. Subiamanya Ithal, No. 27 VII Ctoss, N. R. Colony, Blore-19

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons withm a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers leter;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1746 84-85 dated 2-8-84). Sur No.* 1008 in Banushankari II Stage extension. Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangelore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 14-1-1985

Seal

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

AGOUISITION RANGE, RANGALORE 560 001

Bangalore-560001, the 25th January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45513/84-85 ACQ B — Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing No.

Sy. No. 4, situated at Konadesapura Village, Bidatahalli Hobit, Hoskote Taluk, Biote Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Heskete OF 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1522) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Leelavathi Sivaswamy 2. Sii T. S. Sivasamy, No 28, Lakshmidevi Block, Basappa Road. Shanthinagar, B'lore.

(Transferor)

(2) M/s. Abdul Raheem & Co., Kyalnoor, Kolar Dist. Office at No. 26/1, Kalasipalyam New Exten. Blore City.

(Transferee)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day, from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Resistered Document No. 659/84-85 dated 28-6-84). I and bearing Sy. No. 4, situated at Konadasapura Village, Bidanakalli Hobli, Hoskote Taluk, Bangalore District.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-1-1985

FORM ITNS----

THE THE WATER BOOK TO THE WORLD STORE THE STATE OF THE ST

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Rangalore-569 001, the 25th January 1985

Ref. No. CR. No 62/45514/84-85/ACQ B.-Whereas, J. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Sv. No. 4, situated at Konadasapura Hobli, Hoskote Taluk, Bangalore Distr. Village, Pontriahalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Hoskott on 23-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferet to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) Smit. Leelavathi Sivaswamy & Shii T. S. Sivaswamy, No. 28, Basappa road, Lakshnidevi Block, Shanthinagar, Bangalore City.

(Transferer)

(2) M/s. Areo Spinning Mills, Kvaluoor, Kolar Dist. & Office at No. 26/1, Kalusipalyam New Fxin, Bangalore-2.

(Tiansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 660/84-85 Dated 23-6 84] Land bearing Sv. No. 4, aitunted at Konadasapure Village, Bommanuahalli Hoblie, Hockote Tuluk, Bangalore District.

> R. BHARDWAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aequisition Range Bangalore.

Date: 25-1-1985 Scal :

PART III--Sec. 1] والمستراب والمساورة والمتراب والمتراب

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th January 1985

Rcf. No. C.R. No. 52/44810/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2692 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the lamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at V Block in Korawaugala Extn.,

Bangalore.

transfer with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore South Tq. on 12-10-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as effected exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income asising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-ing Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the fellowing persons, namely:-

(1) Shri G. V. Govindappa, "Srinivasa Nilaya", Triveni Nagar, T-Narasipura. Hassan Dist.

Transferor(s)

8501

-: -: -

(2) Smt. H. Susheelamma. No. 30, Koramanugals, Village, Sh. John's Medical College Post, B'lore-34.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4267/84-85 dated 12-10-84] Stie No. 33 of V Block in Koramangala Extension, Bangalore, (60ft.X40').

> R. BHARDWAJ Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore.

Dato': 24-1-1985

 Shri K. Srinivasa Rao, No. 49, 1 Cross, J. P. Nagar, III phase, B'lore-78.

Transperor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) Shri Nascer Ahmed, No. 785/B, Chickpet, Tumkur.

Transferce(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEL OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RAINGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

No. C.R. No. 62/45579/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. 7(362), situated at XVI Main, IV "T Block, Jayanagar,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1098/84-85 dated June, 84]
Property bearing No. 7(362), situated at XVI Main, IV
T Block, Jayanagar, Blore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 30-1-1985.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAINGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45729/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

k. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3791, situated at Il Stage, Banashaukari, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

of 1908) in the office of the registering officer at

Jayanagar on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transics, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income to Act. 1977 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sunil Kumar, repd. by Mr. Narcsh Kumar, No. 184, Lower Palace orchards, I Cross, II floor, B'lore,

(Transferor)

(2) Shri S. Ramakrishna Naidu, No. 644, IV Cross, Banashaukari, I Stage, II Block, B'lore-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- , b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3185/84-85 dated 9-11-84] Site No. 3791, situated at II stage in Eanashaukari, Bangalore-70.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore.

Date: 30-1-1985.

Seat :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43375/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 35(5), situated at Obaiah lane, Akkipet, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri B. Nagaraj adopted S/o late Uma Pauditha & Umanna, No. 522, Anjaneya Temple Street, V. V. Puram, B'lore-4.

(Transferors)

(2) Shri K. B. Ramusa, No. 1, III floor, 15th Cross, Kilari road, B'lore-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

[Registered Document No. 858/84-85 Dated 15-6-84]
Property bearing No. 35(5), situated at Obalah lane,
Akkipet, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, iamely:—

Date: 30-1-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OI THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

Ref. No. 62/45571/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 639, situated at XI Cross, West of Kamakapura road,

Jayanagar, B'lore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 22-6-1984.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he not been truly stated in the said instrument of consider with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- moneys of oth which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons namely:-

 Shri T. R. Satyanarayana Setty, No. 465, Ashoka Piller Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) B. K. Venugopal, No. 584, X Cross, West of Kanakapura, road, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1047/84-85 Dated 22-6-84]

Vacant site bearing No. 639, situated at XI cross, West of Kanakapura Road, Jayanagar, Bangalore-11.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore.

Date . 10-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Farooq Ahmed, No. 1194. 28th Main, 35th Cross, IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Angita Pinto, No. 57. KSRTC—— Central Co-op. Layout, Sarakki III Phase, B'lore-74.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C. R. No. 62/45596/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1194/11-1, situated at 28th Main, 35th Cross, IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jayanagar on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or "the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1203/84-85 Dated June, 84]. Site No. 1194/11-1, situated at 28th main, 35th Cross, IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely —

Date: 10-1-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING_ASSISTANT COMMISSIONI-R OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 8th February 1985

Ref. No. 111-969/Acq/84-85,—Whereas, I, P. K. DUBEY, bring the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Ward No. 2 Mouza No. Hirapur-7, Plot No. 2165(P), Municipal Holding No. 72 situated at Hirapur, Dhanbad and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 22-6-1984

Dhanbad on 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under that said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Anntava Sengupta, S/o Late Dr. G. N. Sengupta, 60/2, Haripada Dutta Lane, Calcutta-33.

(Transferor)

(2) Shri Satendra Kumar Thakar, S/o Late Ananda Swaroop Thakar of Hirapur, Dhanbad

(Transferce)

(3) Shii Surendra Kumar Thakar, S/o Late Ananda Swaroop Thakar of Hirapur, Dhanbad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property amay be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Kathas 51 Chataks with Building situated at Hirapur, Dhanbad and morefully described in deed No. 6519 dated 22-6-1984 registered with D.S.R., Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-2-1985